खण्ड–518, अंक–06
शनिवार, 07 ज्येष्ठ, शक संवत् 1944
(28 मई, 2022 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

-: 0 :-

(अधिकृत विवरण)

(अट्ठारहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, वर्ष 2022)

(खण्ड 518 में 08 अंक हैं)
उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ (भारत)
2022

मूल्य : बिना महसूल 16.75 रुपये, महसूल सहित 21.00 रुपये।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 586.25 रुपये, महसूल सहित 724.25 रुपये।

270 L.A. (28-05-2022)

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ संख्या
उपस्थित सदस्य	1-6
उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन लिमिटेड का वार्षिक विवरण वित्तीय वर्ष 2020-2021 तथा दिनांक 31-03-2021 को समाप्त होने वाले वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट का समीक्षा अभिकथन (सदन के पटल पर रखा गया) ...	7
उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) (पचासवां संशोधन) नियमावली, 2020 (सदन के पटल पर रखी गयी)	7
उत्तर प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण का निवारण) (तृतीय संशोधन) नियमावली, 2020 (सदन के पटल पर रखी गयी) ...	7-8
उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) (इक्यावनवां संशोधन) नियमावली, 2020 (सदन के पटल पर रखी गयी)	8
उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) (बावनवां संशोधन) नियमावली, 2020 (सदन के पटल पर रखी गयी)	8
उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) (तिरपनवां संशोधन) नियमावली, 2021 (सदन के पटल पर रखी गयी)	8-9
उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड का अट्ठारहवां वार्षिक प्रतिवेदन 2016-2017 एवं उन्नीसवां वार्षिक प्रतिवेदन 2017-2018 (सदन के पटल पर रखा गया)	9
भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के वित्त लेखे खण्ड-1, वर्ष 2020-2021 एवं खण्ड-2 वर्ष 2020-2021 तथा विनियोग लेखे, 2020-2021 उत्तर प्रदेश सरकार (सदन के पटल पर रखा गया) ...	9
पंचायती राज अनुभाग-2 की अधिसूचना सं0-1621/33-2-2020-122 जी-2013 टी0सी0-III दिनांक 13 अगस्त, 2020 (सदन के पटल पर रखी गयी)	9
पंचायती राज अनुभाग-2 की अधिसूचना सं0-1622/33-2-2020-122 जी-2013 टी0सी0- III, दिनांक 13 अगस्त, 2020 (सदन के पटल पर रखी गयी)	10
सभा मण्डप में मोबाइल फोन को शान्त रखने के सम्बन्ध में पीठ से निर्देश...	10
वित्तीय वर्ष 2022-2023 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा (जारी) ...	10-20
मा0 सदस्यों को उनके जन्म दिन के अवसर पर सदन की ओर से बधाई ...	20-21
दिनांक 01-05-2022 को जनपद चन्दौली में घटित घटना के सम्बन्ध में व्यवस्था का प्रश्न (जारी)	21

विषय	पृष्ठ संख्या
वित्तीय वर्ष 2022-2023 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा... ...	22-157
चर्चा में प्रतिभाग करने वाले सदस्यों के नाम के साथ उनके जनपद का नाम भी प्रदर्शित करने हेतु एन0आई0सी0 टीम को निर्देश एवं नियम-301 के अन्तर्गत ली जाने वाली सूचनाओं की संख्या बढ़ाने की सूचना ...	158
नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं	158-161
जनपद-गोण्डा के अन्तर्गत लखनऊ-गोण्डा मार्ग पर रेलवे लाइन पर उपरिगामी सेतु का निर्माण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	161
जनपद-सिद्धार्थनगर के विधान सभा क्षेत्र-इटवा के अन्तर्गत डुमरियागंज एवं इटवा के मध्य स्थित शाहपुर/भोजपुर बांध को बनाये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	162
जनपद-चित्रकूट में कार्यरत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	162-163
जनपद-प्रतापगढ़ की विधान सभा क्षेत्र-रानीगंज में कतिपय मार्गों की मरम्मत/चौड़ीकरण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	163
जनपद-वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र-रोहनिया के अन्तर्गत तटबन्ध बनवाये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	164
जनपद-गाजीपुर की विधान सभा क्षेत्र-जमनिया के ब्लाक-गहमर दिलदारनगर में स्थित राजकीय विद्यालय के भवन की मरम्मत कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	164
जनपद-सीतापुर के सिधौली में स्थित वक्फ काजी रजी अहमद वक्फ सं0-23 सीतापुर में सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के आदेश के अनुपालन में वर्तमान मुतवल्ली का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	164-165
जनपद-लखीमपुर खीरी के अन्तर्गत पीलीभीत-लखीमपुर तथा नेपाल सीमा पर शारदा नदी पर बांध व तटबन्ध बनाये जाने के साथ नदी का सीमांकन कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	165-166
जनपद-मथुरा के अन्तर्गत बल्देव विधान सभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग का ततरौता मार्ग से चुरमुरा पुल तक के मार्ग को पक्का एवं चौड़ीकरण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	166

विषय	पृष्ठ संख्या
जनपद-सोनभद्र के वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर बने ओवर ब्रिज पर प्रकाश तथा जाली की व्यवस्था कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	166-167
जनपद-बरेली के विधान सभा क्षेत्र मीरगंज के अन्तर्गत ग्राम-नरखेड़ा के पास भाखड़ा नदी व फतेहगंज पश्चिमी व दिबना के बीच दिजोड़ा नदी पर पुलों का निर्माण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	167
जनपद-हरदोई के अन्तर्गत कछौना में स्थित मां कामाख्या देवी मन्दिर का सौन्दर्यीकरण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ..	167
जनपद-अयोध्या के विकास खण्ड मसौधा में के0एम0 शुगर मिल मसौधा द्वारा फैलाये जा रहे प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	167-168
जनपद-फतेहपुर में अग्निशमन केन्द्र का निर्माण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	168
जनपद-सहारनपुर के अन्तर्गत कतिपय कालोनियों में विद्युत तारों एवं खम्भों को बदले जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	168
उ0प्र0 सुन्नी वक्फ बोर्ड में 18वीं विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों का चुनाव कराकर बोर्ड में रखे जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	169
जनपद-प्रयागराज के अन्तर्गत ग्राम-गोलवां, गोठवा में स्थित बरना नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	169
जनपद-जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र-शाहगंज में फायर स्टेशन की स्थापना कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	169-170
जनपद-प्रतापगढ़ के विधान सभा क्षेत्र-पट्टी के अन्तर्गत कतिपय ग्राम-सभाओं में विद्युतीकरण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	170
जनपद-हाथरस की विधान सभा क्षेत्र-सादाबाद में पुलिया का निर्माण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	170-171
जनपद-फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र-जहानाबाद के ग्राम-खुजहा के ऐतिहासिक गेटों के रख-रखाव के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	171
जनपद-अयोध्या निवासी अनिल कुमार पाण्डेय पुत्र श्री मुनि कुमार पाण्डेय के हैसियत प्रमाण-पत्र को निरस्त करते हुए कार्यवाही कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	171-172

विषय	पृष्ठ संख्या
जनपद-बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र-नूरपुर में रामगंगा मुख्य नहर पर पुल का निर्माण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	172
जनपद-बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र-नजीराबाद के अन्तर्गत पूरनपुर बिजौरी जट्टीवाला मार्ग पर मूर्ति देवी इण्टर कालेज तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	172
जनपद-उन्नाव में तैनात अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग श्री ओ0पी0 सोनकर द्वारा वर्ष 2010 से 2013 के बीच प्रतापगढ़ में तैनाती के दौरान किये गये भ्रष्टाचार के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	173
जनपद-बस्ती में नगर पालिका की नजूल की भूमि को अवैध कब्जेदारों से मुक्त कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	173-174
जनपद-बहराइच के विधान सभा क्षेत्र-बलहा के अन्तर्गत विकास खण्ड मिहीपुरवा के ग्राम-कुड़वा में बारात घर का निर्माण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	174
जनपद-मेरठ के राजकीय कन्या इण्टर कालेज को दो पाली में चलाये जाने तथा क्षमतानुसार शिक्षिकाओं की नियुक्ति किये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	175
जनपद-आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र-मुबारकपुर में मुबारकपुर-ढखवा मार्ग की मरम्मत कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	175
जनपद-मुजफ्फरनगर जिला पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को किये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	175-176
जनपद-रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र-ऊँचाहार में प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत द्वितीय और तृतीय किस्त अवमुक्त किये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	176
याचिकाओं का उपस्थापन	176-177
श्री अमित सिंह चौहान, सदस्य विधान सभा की जनपद-अयोध्या से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	177
डॉ0 राकेश कुमार वर्मा उर्फ आर0के0 वर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद-लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गयी) ...	178
डॉ0 डी0सी0 वर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित 11 याचिकाएं, जनपद-प्रयागराज, सिद्धार्थनगर, बुलन्दशहर तथा वाराणसी से सम्बन्धित 01-01 याचिका (उपस्थित की हुई मानी गयी) ...	178-179

विषय	पृष्ठ संख्या
डॉ0 नीरज बोरा, सदस्य विधान सभा की जनपद-लखनऊ से सम्बन्धित 06 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	179-180
डॉ0 रागिनी, सदस्य विधान सभा की जनपद-जौनपुर से सम्बन्धित 25 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	180-183
श्री मुकेश वर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद-फिरोजाबाद से सम्बन्धित 03 याचिकाएं तथा जनपद-आगरा से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	183
श्री अतुल प्रधान, सदस्य विधान सभा की जनपद-मेरठ से सम्बन्धित 13 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	183-185
श्री अनिल कुमार अनिल प्रधान, सदस्य विधान सभा की जनपद-चित्रकूट से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	185
श्री अभय सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद-अयोध्या से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	185
श्री आशु मलिक, सदस्य विधान सभा की जनपद-सहारनपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गयी)	185-186
श्री सचिन यादव, सदस्य विधान सभा की जनपद-फिरोजाबाद से सम्बन्धित 07 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	186
श्री कविन्द्र चौधरी, सदस्य विधान सभा की जनपद-बस्ती से सम्बन्धित 10 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	186-187
श्री गणेश चन्द्र, सदस्य विधान सभा की जनपद-सन्त कबीर नगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गयी)	188
श्री गुरू प्रसाद मौर्य, सदस्य विधान सभा की जनपद-प्रयागराज से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	188
श्री गुलाम मोहम्मद, सदस्य विधान सभा की जनपद-मेरठ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	188-189
श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य विधान सभा की जनपद-जालौन से सम्बन्धित 10 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	189-190
श्री जगदीश नारायण, सदस्य विधान सभा की जनपद-जौनपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	190
श्री जयप्रकाश निषाद, सदस्य विधान सभा की जनपद-देवरिया से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गयी)	191

विषय	पृष्ठ संख्या
श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य विधान सभा की जनपद-सीतापुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	191
श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद-महराजगंज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	191-192
श्री रवेन्द्रपाल सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद-अलीगढ़ से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)	192
श्री पंकज गुप्ता, सदस्य विधान सभा की जनपद-उन्नाव से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	192-193
श्री पंकज कुमार मलिक, सदस्य विधान सभा की जनपद-मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गयी)	193
श्री पल्टूराम, सदस्य विधान सभा की जनपद-बलरामपुर से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	193
श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य विधान सभा की जनपद-बुलन्दशहर से सम्बन्धित 15 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	193-195
श्री प्रभु नारायण सिंह यादव, सदस्य विधान सभा की जनपद-चन्दौली से सम्बन्धित 10 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	195-196
श्री प्रेम नारायण पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की जनपद-गोण्डा से सम्बन्धित 07 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	196-197
श्री बम्बा लाल, सदस्य विधान सभा की जनपद-उन्नाव से सम्बन्धित 06 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	197
श्री मनोज कुमार पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की जनपद-इटावा से सम्बन्धित 02 याचिकाएं तथा जनपद-रायबरेली से सम्बन्धित 04 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	198
श्री मानवेन्द्र सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद-शाहजहाँपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	198
श्री मूलचन्द्र सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद-जालौन से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	198-199
श्री मोहन वर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद-कुशीनगर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	199
श्री मो0 फईम इरफान, सदस्य विधान सभा की जनपद-मुरादाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	200

विषय	पृष्ठ संख्या
श्री योगेश शुक्ल, सदस्य विधान सभा की जनपद-लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	200
श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य विधान सभा की जनपद-जौनपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	200-201
श्री रमेश जायसवाल, सदस्य विधान सभा की जनपद-चन्दौली से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	201
श्री रमेश सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद-जौनपुर से सम्बन्धित 04 याचिकाएँ (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	201-202
श्री रवि शर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद-झांसी से सम्बन्धित 04 याचिकाएँ (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	202
श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य विधान सभा की जनपद-लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गयी)	202
श्री राकेश पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की जनपद-अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएँ (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	202-203
श्री राजमणि, सदस्य विधान सभा की जनपद-प्रयागराज से सम्बन्धित 05 याचिकाएँ (व्यपगत)	203-204
श्री राजेश त्रिपाठी, सदस्य विधान सभा की जनपद-गोरखपुर से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	204
श्री राम अचल राजभर, सदस्य विधान सभा की जनपद-अम्बेडकरनगर से सम्बन्धित 02 याचिकाएँ (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	204
श्री राम फेरन, सदस्य विधान सभा की जनपद-श्रावस्ती से सम्बन्धित 05 याचिकाएँ (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	204-205
श्री राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, सदस्य विधान सभा की जनपद-रायबरेली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	205
श्री विकास गुप्ता, सदस्य विधान सभा की जनपद-फतेहपुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएँ (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	205-206
श्री विनोद कुमार चतुर्वेदी, सदस्य विधान सभा की जनपद-जालौन से सम्बन्धित 04 याचिकाएँ (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	206
श्री विवेकानन्द पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की जनपद-कुशीनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएँ (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	206-207

विषय	पृष्ठ संख्या
श्री विरेन्द्र कुमार यादव, सदस्य विधान सभा की जनपद-गाजीपुर से सम्बन्धित 07 याचिकाएँ (व्यपगत)	207-208
श्री श्रीकान्त कटियार, सदस्य विधान सभा की जनपद-उन्नाव से सम्बन्धित 32 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	208-211
श्री सुरेन्द्र चौरसिया, सदस्य विधान सभा की जनपद-देवरिया से सम्बन्धित 05 याचिकाएँ (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	211
श्रीमती सरोज सोनकर, सदस्य विधान सभा की जनपद-बहराइच से सम्बन्धित 03 याचिकाएं (उपस्थित की हुई मानी गयीं)	212
कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव (स्वीकृत)	212-213
दिनांक 01-05-2022 को जनपद-चन्दौली में घटित घटना के सम्बन्ध में व्यवस्था का प्रश्न	213
उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास (संशोधन) विधेयक, 2022 (पुरःस्थापित) ..	213-214
उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2022 (पुरःस्थापित) ...	214
उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2022 (पुरःस्थापित)	214
नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं	215-217
जनपद-फिरोजाबाद में दिव्यांगजनों को बैटरी चालित मोटराइज रिक्शा प्रदान कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनीष असीजा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर दिव्यांग जन सशक्तीकरण मंत्री का वक्तव्य	217-219
जनपद-बिजनौर में चाँदपुर विधान सभा क्षेत्र ग्राम-जहानाबाद में तटबन्ध बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री स्वामी ओउमवेश द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर जल शक्ति मंत्री का वक्तव्य	219-220
जनपद-बलिया में विधान सभा क्षेत्र-बांसडीह में ग्राम-कुसहर मौजा में श्री वीर कुंवर सिंह शहीद स्मारक का सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती केतकी सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर पर्यटन मंत्री का वक्तव्य	220-221
जनपद-बदायूं के नगर पंचायत एवं नगर पालिकाओं में नजूल की जमीनों से अवैध कब्जा हटाये जाने के सम्बन्ध में श्री राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य	221

विषय	पृष्ठ संख्या
जनपद-अम्बेडकरनगर के अकबरपुर बस डिपो का उच्चीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम अचल राजभर द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर परिवहन मंत्री का वक्तव्य	222

उत्तर प्रदेश विधान सभा

अट्ठारहवीं विधान सभा

शनिवार, दिनांक 28 मई, 2022 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप, लखनऊ में दिन के 11:00 बजे अध्यक्ष श्री सतीश महाना की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य-366

1. अंकित भारती, श्री — गाजीपुर
2. अंकुर तिवारी, डॉ0 — संत कबीर नगर
3. अखिलेश, श्री — आजमगढ़
4. अखिलेश यादव, श्री — मैनपुरी
5. अजय सिंह, श्री — बस्ती
6. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
7. अजीत सिंह पाल, श्री — कानपुर देहात
8. अताउर रहमान, श्री — बरेली
9. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
10. अतुल प्रधान, श्री — मेरठ
11. अनिल कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
12. अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
13. अनिल कुमार अनिल प्रधान, श्री — चित्रकूट
14. अनिल कुमार त्रिपाठी, श्री — संत कबीर नगर
15. अनिल कुमार मौर्य, डॉ0 — सोनभद्र
16. अनिल कुमार वर्मा, श्री — सीतापुर
17. अनिल कुमार सिंह, श्री — उन्नाव
18. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
19. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
20. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती — बहराइच
21. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
22. अनूप सिंह उर्फ अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्री — अलीगढ़
23. अन्जुला सिंह माहौर, श्रीमती — हाथरस
24. अब्बास अंसारी, श्री — मऊ
25. अभय सिंह, श्री — अयोध्या
26. अभिजीत सिंह साँगा, श्री — कानपुर नगर
27. अमरेश कुमार, श्री — लखनऊ
28. अमित अग्रवाल, श्री — मेरठ
29. अमित सिंह चौहान, श्री — अयोध्या
30. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
31. अरमान खान, श्री — लखनऊ
32. अरविन्द गिरि, श्री — खीरी
33. अरुण कुमार, डॉ0 — बरेली
34. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
35. अलका सिंह, श्रीमती — हरदोई
36. अवधेश प्रसाद, श्री — अयोध्या
37. अवधेश सिंह, डॉ0 — वाराणसी
38. अविनाश चन्द्र द्विवेदी, श्री — चित्रकूट
39. अशरफ अली खान, श्री — शामली
40. अशोक कुमार, श्री — रायबरेली
41. अशोक कुमार राणा, श्री — बिजनौर
42. असीम अरुण, श्री — कन्नौज
43. असीम अरुण, श्री — कुशीनगर
44. आदित्यनाथ योगी, श्री — गोरखपुर
45. आनन्द कुमार यादव, श्री — बहराइच
46. आर0के0 पटेल, डॉ0 — जौनपुर
47. आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती — प्रतापगढ़
48. आलमबदी, श्री — आजमगढ़
49. आशीष कुमार सिंह पटेल ''आशू'', श्री — हरदोई
50. आशुतोष टण्डन "गोपाल जी", श्री — लखनऊ
51. आशुतोष शुक्ल, श्री — उन्नाव
52. आशु मलिक, श्री — सहारनपुर

53. इकबाल महमूद, श्री सम्भल
54. इन्द्रजीत सरोज, श्री कौशाम्बी
55. इन्द्राणी देवी, श्रीमती श्रावस्ती
56. इरफान सोलंकी, हाजी कानपुर नगर
57. उमर अली खान, श्री सहारनपुर
58. ऊषा मौर्या, श्रीमती फतेहपुर
59. ऋषि त्रिपाठी, श्री महराजगंज
60. एम0पी0 आर्य, डॉ0 बरेली
61. ओमकुमार, श्री बिजनौर
62. ओम प्रकाश, श्री गाजीपुर
63. ओम प्रकाश राजभर, श्री गाजीपुर
64. ओममणी वर्मा, श्रीमती बांदा
65. कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
66. कमलाकान्त राजभर उर्फ पप्पू, श्री आजमगढ़
67. कमाल अख्तर, श्री मुरादाबाद
68. कविन्द्र चौधरी, श्री बस्ती
69. किरत सिंह, श्री सहारनपुर
70. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
71. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
72. केतकी सिंह, श्रीमती बलिया
73. कैलाश, श्री चंदौली
74. कैलाश नाथ, श्री बलरामपुर
75. कैलाश राजपूत, श्री कन्नौज
76. गणेश चन्द्र, श्री संत कबीर नगर
77. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
78. गीता शास्त्री (पासी), श्रीमती प्रयागराज
79. गुड़िया कठेरिया, श्रीमती औरैया
80. गुरु प्रसाद मौर्य, श्री प्रयागराज
81. गुलाब देवी, श्रीमती सम्भल
82. गुलाम मोहम्मद, श्री मेरठ
83. गौरव कुमार, श्री बाराबंकी
84. गौरी शंकर वर्मा (कोरी), श्री जालौन
85. चंदन चौहान, श्री मुजफ्फरनगर
86. चन्द्रपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
87. चन्द्र प्रकाश, श्री फतेहपुर
88. चेतराम, श्री शाहजहाँपुर
89. छोटे लाल वर्मा, श्री आगरा
90. जगदीश नारायण, श्री जौनपुर
91. जय कुमार सिंह जैकी, श्री फतेहपुर
92. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
93. जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, श्री पीलीभीत
94. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
95. जयप्रकाश निषाद, श्री देवरिया
96. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
97. जयमंगल, श्री महाराजगंज
98. जयवीर सिंह, श्री मैनपुरी
99. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
100. जाहीद, श्री भदोही
101. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
102. जियाउर्रहमान, श्री मुरादाबाद
103. जीत लाल, श्री प्रतापगढ़
104. जैकिशन, श्री गाजीपुर
105. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
106. ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महाराजगंज
107. डी0 सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
108. तसलीम अहमद, श्री बिजनौर
109. तूफानी सरोज, श्री जौनपुर
110. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्ध नगर
111. त्रिभुवन दत्त, श्री अम्बेडकरनगर
112. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
113. दयाशंकर सिंह, श्री बलिया
114. दिनेश, श्री मेरठ
115. दिनेश रावत, श्री बाराबंकी
116. दीपक कुमार मिश्र 'शाका', श्री देवरिया
117. दुधराम, श्री बस्ती
118. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
119. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
120. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली

121. देवेन्द्र सिंह, श्री — कासगंज
122. देवेन्द्र सिंह लोधी, श्री — बुलन्दशहर
123. धर्मपाल सिंह, श्री — बरेली
124. धर्मराज सिंह यादव, श्री — बाराबंकी
125. धीरेन्द्र सिंह, श्री — गौतमबुद्ध नगर
126. नन्द किशोर, श्री — गाजियाबाद
127. नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', श्री — प्रयागराज
128. नफीस अहमद, श्री — आजमगढ़
129. नवाब जान, श्री — मुरादाबाद
130. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री — फर्रुखाबाद
131. नादिरा सुल्तान उर्फ बिटिया, श्रीमती — कासगंज
132. नितिन अग्रवाल, श्री — हरदोई
133. निर्मल वर्मा, श्री — सीतापुर
134. नीरज बोरा, डॉ0 — लखनऊ
135. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 — वाराणसी
136. नीलिमा कटियार, श्रीमती — कानपुर नगर
137. पंकज, श्री — जौनपुर
138. पंकज कुमार मलिक, श्री — मुजफ्फरनगर
139. पंकज गुप्ता, श्री — उन्नाव
140. पंकज सिंह, श्री — गौतमबुद्ध नगर
141. पंचानन्द पाठक (पी0एन0 पाठक), श्री — कुशीनगर
142. पल्टूराम, श्री — बलरामपुर
143. पल्लवी पटेल, डॉ0 — कौशाम्बी
144. पिंकी सिंह, श्रीमती — सम्भल
145. पीयूष रंजन निषाद, श्री — प्रयागराज
146. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री — आगरा
147. पूजा, श्रीमती — आजमगढ़
148. पूजा पाल, श्रीमती — कौशाम्बी
149. पूनम शंखवार, श्रीमती — कानपुर देहात
150. पूरन प्रकाश, श्री — मथुरा
151. प्रकाश द्विवेदी, श्री — बांदा
152. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती — कानपुर देहात
153. प्रतीक भूषण सिंह, श्री — गोण्डा
154. प्रदीप कुमार चौधरी, श्री — बुलन्दशहर
155. प्रदीप कुमार यादव, श्री — औरैया
156. प्रदीप कुमार सिंह, श्री — हाथरस
157. प्रदीप शुक्ला, श्री — गोरखपुर
158. प्रभात कुमार वर्मा, श्री — गोण्डा
159. प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री — चन्दौली
160. प्रवीण पटेल, श्री — प्रयागराज
161. प्रसन्न कुमार, श्री — शामली
162. प्रेम नारायण पाण्डेय, श्री — गोण्डा
163. प्रेमपाल सिंह धनगर, श्री — फिरोजाबाद
164. प्रेमसागर पटेल, श्री — महाराजगंज
165. फतेह बहादुर, श्री — गोरखपुर
166. फरीद महफूज किदवई, श्री — बाराबंकी
167. बम्बा लाल, श्री — उन्नाव
168. बल्देव सिंह औलख, श्री — रामपुर
169. बाबूराम, श्री — पीलीभीत
170. बावन सिंह, श्री — गोण्डा
171. विजयलक्ष्मी गौतम, श्रीमती — देवरिया
172. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री — हाथरस
173. बृजेश कठेरिया, इंजी0 — मैनपुरी
174. बृजेश कुमार, श्री — उन्नाव
175. बेचई, श्री — आजमगढ़
176. बेदी, श्री — गाजीपुर
177. बेबीरानी मौर्य, श्रीमती — आगरा
178. बृजभूषण राजपूत, श्री — महोबा
179. ब्रजेश पाठक, श्री — लखनऊ
180. ब्रिजेश, श्री — सहारनपुर
181. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री — आगरा
182. भूपेश चौबे, श्री — सोनभद्र
183. मंजू त्यागी, श्रीमती — खीरी
184. मनीष असीजा, श्री — फिरोजाबाद
185. मनीष कुमार उर्फ मन्टू, श्री — कुशीनगर
186. मनीष रावत, श्री — सीतापुर

187. मनीषा, श्रीमती हमीरपुर
188. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
189. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
190. मनोज कुमार प्रजापति, डॉ0 हमीरपुर
191. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
192. मन्जू शिवाच, डॉ0 गाजियाबाद
193. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री अमेठी
194. महबूब अली, श्री अमरोहा
195. महाराजी प्रजापति, श्रीमती अमेठी
196. महेन्द्र, श्री अमरोहा
197. महेन्द्र नाथ यादव, श्री बस्ती
198. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
199. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
200. महेश त्रिवेदी, श्री कानपुर नगर
201. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थ नगर
202. माधवेन्द्र प्रताप सिंह, कुंवर हरदोई
203. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहाँपुर
204. मीनाक्षी सिंह, श्रीमती बुलन्दशहर
205. मुकेश चौधरी, श्री सहारनपुर
206. मुकेश वर्मा, श्री फिरोजाबाद
207. मुक्ता संजीव राजा, श्रीमती अलीगढ़
208. मूल चन्द्र सिंह, श्री जालौन
209. मेघश्याम, श्री मथुरा
210. मो0 ताहिर खान, श्री सुल्तानपुर
211. मोहन वर्मा, श्री कुशीनगर
212. मोहम्मद हसन रूमी, श्री कानपुर नगर
213. मो0 नासिर, श्री मुरादाबाद
214. मो0 फईम इरफान, श्री मुरादाबाद
215. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
216. योगेश धामा, श्री बागपत
217. योगेश वर्मा, श्री खीरी
218. योगेश शुक्ला, श्री लखनऊ
219. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
220. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
221. रत्नाकर मिश्र, श्री मिर्जापुर
222. रफीक अंसारी, श्री मेरठ
223. रमाकान्त यादव, श्री आजमगढ़
224. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
225. रमाशंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
226. रमेश, श्री जौनपुर
227. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
228. रमेश जायसवाल, श्री चन्दौली
229. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
230. रवि शर्मा, श्री झांसी
231. रवीन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
232. रवेन्द्रपाल सिंह, श्री अलीगढ़
233. रश्मि आर्य, डॉ0 झांसी
234. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
235. राकेश कुमार वर्मा उर्फ आर0के0 वर्मा, डॉ0 प्रतापगढ़
236. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
237. राकेश पाण्डेय, श्री अम्बेडकरनगर
238. राकेश सचान, श्री कानपुर देहात
239. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ0 बरेली
240. राघवेन्द्र कुमार सिंह, श्री इटावा
241. राजकुमार सहयोगी, श्री अलीगढ़
242. राजपाल सिंह बालियान, श्री मुजफ्फरनगर
243. राज प्रसाद उपाध्याय, श्री सुल्तानपुर
244. राजबाला सिंह, श्रीमती रामपुर
245. राजमणि, श्री प्रयागराज
246. राजीव कुमार, श्री अमरोहा
247. राजीव सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
248. राजीव सिंह ''पारीछा'', श्री झांसी
249. राजेन्द्र कुमार, श्री प्रतापगढ़
250. राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती
251. राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
252. राजेश कुमार गौतम, श्री सुल्तानपुर

253. राजेश चौधरी श्री मथुरा
254. राजेश त्रिपाठी श्री गोरखपुर
255. रानी पक्षालिका सिंह, श्रीमती आगरा
256. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकरनगर
257. राम अवतार सिंह, श्री बिजनौर
258. राम कृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
259. रामकेश निषाद, श्री बांदा
260. रामखिलाड़ी सिंह, श्री सम्भल
261. राम चन्द्र यादव, श्री अयोध्या
262. रामदुलार, श्री सोनभद्र
263. रामनरेश अग्निहोत्री, श्री मैनपुरी
264. राम निवास वर्मा, श्री बहराइच
265. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
266. राम प्रताप वर्मा उर्फ शशिकान्त वर्मा, श्री बलरामपुर
267. राम फेरन, श्री श्रावस्ती
268. राम बिलास चौहान, श्री मऊ
269. राम मूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
270. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
271. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
272. राहुल बच्चा, श्री कानपुर नगर
273. राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, श्री रायबरेली
274. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
275. रेखा वर्मा, श्रीमती औरैया
276. लकी यादव, श्री जौनपुर
277. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
278. लक्ष्मी राज, श्री बुलन्दशहर
279. लालजी वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
280. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
281. वाचस्पति, श्री प्रयागराज
282. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
283. विक्रम सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
284. विजमा यादव, श्रीमती प्रयागराज
285. विनय प्रकाश गोंड, श्री कुशीनगर
286. विनय वर्मा, श्री सिद्धार्थनगर
287. विनोद कुमार, श्री प्रतापगढ़
288. विनोद कुमार बिन्द, डॉ0 मिर्जापुर
289. विनोद चतुर्वेदी, श्री जालौन
290. विनोद शंकर अवस्थी, श्री खीरी
291. विनोद सिंह, श्री सुल्तानपुर
292. विपिन कुमार 'डेविड', श्री एटा
293. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
294. विपुल दुबे, श्री भदोही
295. विमलेश पासवान, डॉ0 गोरखपुर
296. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
297. विवेकानन्द पाण्डेय, श्री कुशीनगर
298. विशम्भर सिंह यादव, श्री बांदा
299. वीर विक्रम सिंह, श्री शाहजहाँपुर
300. वीरेन्द्र चौधरी, श्री महराजगंज
301. वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री एटा
302. शलभ मणि त्रिपाठी, श्री देवरिया
303. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
304. शशांक वर्मा, श्री खीरी
305. राहुल प्रकाश कोल, श्री मिर्जापुर
306. शहजिल इस्लाम अंसारी, श्री बरेली
307. शाहिद मंजूर, श्री मेरठ
308. शिव प्रताप यादव, डॉ0 बलरामपुर
309. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
310. श्याम बिहारी लाल, प्रो0 बरेली
311. श्यामधनी राही, श्री सिद्धार्थ नगर
312. श्याम सुन्दर, श्री रायबरेली
313. श्रीकान्त कटियार, श्री उन्नाव
314. श्रीराम चौहान, श्री गोरखपुर
315. संग्राम यादव, डॉ0 आजमगढ़
316. संग्राम सिंह, श्री बलिया
317. संजय कुमार शर्मा, श्री बुलन्दशहर
318. संजीव अग्रवाल, श्री बरेली

319. संजीव कुमार गोंड, श्री	सोनभद्र	343. सुरभी, डॉ0	फर्रूखाबाद
320. संजीव कुमार दिवाकर, श्री	एटा	344. सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, श्री	कुशीनगर
321. संदीप कुमार सिंह, श्री	अलीगढ़	345. सुरेन्द्र चौरसिया, श्री	देवरिया
322. संदीप सिंह, श्री	प्रयागराज	346. सुरेन्द्र मैथानी, श्री	कानपुर नगर
323. सचिन यादव, श्री	फिरोजाबाद	347. सुरेश कुमार खन्ना, श्री	शाहजहाँपुर
324. सतीश चन्द्र शर्मा, डॉ0	बाराबंकी	348. सुरेश राही, श्री	सीतापुर
325. सतीश महाना, श्री	कानपुर नगर	349. सुरेश्वर सिंह, श्री	बहराइच
326. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री	कासगंज	350. सुशान्त सिंह, कुँ0	बिजनौर
327. सभाकुंवर, श्री	देवरिया	351. सुशील कुमार शाक्य, श्री	फर्रुखाबाद
328. समरपाल सिंह, श्री	अमरोहा	352. सुहेब उर्फ मन्नू अंसारी, श्री	गाजीपुर
329. सरवन कुमार निषाद, इंजी0	गोरखपुर	353. सूर्य प्रताप शाही, श्री	देवरिया
330. सरिता भदौरिया, श्रीमती	इटावा	354. सैय्यदा खातून, श्रीमती	सिद्धार्थनगर
331. सरोज कुरील, श्रीमती	कानपुर नगर	355. सोमेन्द्र सिंह तोमर, डॉ0	मेरठ
332. सरोज सोनकर, श्रीमती	बहराइच	356. सौरभ श्रीवास्तव, श्री	वाराणसी
333. सर्वेश सिंह, श्री	फिरोजाबाद	357. स्वामी ओउमवेश, श्री	बिजनौर
334. सलोना कुशवाहा, श्रीमती	शाहजहाँपुर	358. हँसु राम, श्री	बलिया
335. साकेन्द्र प्रताप, श्री	बाराबंकी	359. हरिओम, श्री	कासगंज
336. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री	प्रयागराज	360. हरिप्रकाश वर्मा, श्री	शाहजहाँपुर
337. सीताराम वर्मा, श्री	सुल्तानपुर	361. हरीश चन्द्र, श्री	बदायूं
338. सुचि, श्रीमती	बिजनौर	362. हरेन्द्र सिंह, श्री	हापुड़
339. सुनील कुमार शर्मा, श्री	गाजियाबाद	363. हर्षवर्धन बाजपेयी, श्री	प्रयागराज
340. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर	फरुखाबाद	364. हाकिम लाल बिन्द, श्री	प्रयागराज
341. सुनील पटेल, डॉ0	वाराणसी	365. हिमांशु यादव, श्री	बदायूं
342. सुभाष त्रिपाठी, श्री	बहराइच	366. हृदय नारायण सिंह पटेल, श्री	आजमगढ़

नोटः- माननीय उप मुख्य मंत्री (श्री केशव प्रसाद मौर्य), पंचायती राज मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी), नगर विकास मंत्री (श्री अरविन्द कुमार शर्मा), प्राविधिक शिक्षा मंत्री (श्री आशीष पटेल), मत्स्य मंत्री (श्री संजय निषाद), पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री नरेन्द्र कश्यप) तथा आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु') भी सदन में उपस्थित थे।

[11:00] उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन लिमिटेड का वार्षिक विवरण वित्तीय वर्ष 2020-2021 तथा दिनांक 31-03-2021 को समाप्त होने वाले वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट का समीक्षा अभिकथन†

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-1, मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन लिमिटेड का वार्षिक विवरण वित्तीय वर्ष 2020-2021 तथा दिनांक 31-03-2021 को समाप्त होने वाले वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट की समीक्षा अभिकथन को कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा-394(2) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूँ।

उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) (पचासवां संशोधन) नियमावली, 2020††

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से भू-तत्व एवं खनिकर्म अनुभाग की अधिसूचना संख्या-746/86-2020-14 (सा0)-2020, दिनांक 22 मई, 2020 द्वारा प्रख्यापित उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) (पचासवां संशोधन) नियमावली, 2020 को खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा-28(3) के अधीन दिनांक 23 फरवरी, 2021 को निर्दिष्ट कालावधि के लिये सदन के पटल पर रखा गया था और जिसके दिनांक 11 मार्च, 2022 को सत्रहवीं विधान सभा के विघटन के फलस्वरूप सदन के पटल पर रखे रहने की उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष द्वारा जारी किये गये प्रक्रिया सम्बन्धी निदेश संख्या-56 की गणनानुसार पूर्ण नहीं हो सकी है, को पुनः सदन के पटल पर रखता हूँ।

[11:02] उत्तर प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण का निवारण) (तृतीय संशोधन) नियमावली, 2020†

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से भू-तत्व एवं खनिकर्म अनुभाग की अधिसूचना संख्या-1090/86-2020-183-2011, दिनांक 04 अगस्त, 2020 द्वारा प्रख्यापित उत्तर प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण का निवारण) (तृतीय संशोधन) नियमावली, 2020 को खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा-28(3) के अधीन दिनांक 23 फरवरी, 2021 को निर्दिष्ट कालावधि के लिये सदन के पटल पर रखा गया था और

---

† छापा नहीं गया।

†† छापी नहीं गयी।

जिसके दिनांक 11 मार्च, 2022 को सत्रहवीं विधान सभा के विघटन के फलस्वरूप सदन के पटल पर रखे रहने की उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष द्वारा जारी किये गये प्रक्रिया सम्बन्धी निदेश संख्या-56 की गणनानुसार पूर्ण नहीं हो सकी है, को पुनः सदन के पटल पर रखता हूँ।

[11:03] उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) (इक्यावनवां संशोधन) नियमावली, 2020†

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से भू-तत्व एवं खनिकर्म अनुभाग की अधिसूचना संख्या-1120/86-2020-57(सा0)-2017, दिनांक 24 सितम्बर, 2020 द्वारा प्रख्यापित उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) (इक्यावनवां संशोधन) नियमावली, 2020 को खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा-28(3) के अधीन दिनांक 23 फरवरी, 2021 को निर्दिष्ट कालावधि के लिये सदन के पटल पर रखा गया था और जिसके दिनांक 11 मार्च, 2022 को सत्रहवीं विधान सभा के विघटन के फलस्वरूप सदन के पटल पर रखे रहने की उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष द्वारा जारी किये गये प्रक्रिया सम्बन्धी निदेश संख्या-56 की गणनानुसार पूर्ण नहीं हो सकी है, को पुनः सदन के पटल पर रखता हूँ।

[11:04] उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) (बावनवां संशोधन) नियमावली, 2020†

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से भू-तत्व एवं खनिकर्म अनुभाग की अधिसूचना संख्या-1824/86-2020-57(सा0)-2017, दिनांक 02 नवम्बर, 2020 द्वारा प्रख्यापित उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) (बावनवां संशोधन) नियमावली, 2020 को खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा-28(3) के अधीन दिनांक 23 फरवरी, 2021 को निर्दिष्ट कालावधि के लिये सदन के पटल पर रखा गया था और जिसके दिनांक 11 मार्च, 2022 को सत्रहवीं विधान सभा के विघटन के फलस्वरूप सदन के पटल पर रखे रहने की उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष द्वारा जारी किये गये प्रक्रिया सम्बन्धी निदेश संख्या-56 की गणनानुसार पूर्ण नहीं हो सकी है, को पुनः सदन के पटल पर रखता हूँ।

[11:05] उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) (तिरपनवां संशोधन) नियमावली, 2021†

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से भू-तत्व एवं खनिकर्म अनुभाग की अधिसूचना संख्या-2219/86-2020-153(सा0)-2017, दिनांक 27 जनवरी, 2021 द्वारा प्रख्यापित उत्तर प्रदेश उपखनिज (परिहार) (तिरपनवां संशोधन) नियमावली, 2021 को खान एवं खनिज

---

† छापी नहीं गयी।

(विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा-28(3) के अधीन दिनांक 23 फरवरी, 2021 को निर्दिष्ट कालावधि के लिये सदन के पटल पर रखा गया था और जिसके दिनांक 11 मार्च, 2022 को सत्रहवीं विधान सभा के विघटन के फलस्वरूप सदन के पटल पर रखे रहने की उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष द्वारा जारी किये गये प्रक्रिया सम्बन्धी निदेश संख्या-56 की गणनानुसार पूर्ण नहीं हो सकी है, को पुनः सदन के पटल पर रखता हूँ।

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड का अट्ठारहवां वार्षिक प्रतिवेदन 2016-2017 एवं उन्नीसवां वार्षिक प्रतिवेदन 2017-2018††

नगर विकास एवं शहरी समग्र विकास मंत्री (श्री अरविन्द कुमार शर्मा)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड का अट्ठारहवां वार्षिक प्रतिवेदन 2016-2017 एवं उन्नीसवां वार्षिक प्रतिवेदन 2017-2018 को कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा-395(1)(बी) की अपेक्षानुसार विलम्ब के कारणों सहित सदन के पटल पर रखता हूँ।

[11:06] भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के वित्त लेखे खण्ड-1, वर्ष 2020-2021 एवं खण्ड-2, वित्त वर्ष 2020-2021 तथा विनियोग लेखे, वित्त वर्ष 2020-2021 उत्तर प्रदेश सरकार††

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के वित्त लेखे खण्ड-1, वर्ष 2020-2021 एवं खण्ड-2, वर्ष 2020-2021 तथा विनियोग लेखे वर्ष 2020-2021 उत्तर प्रदेश सरकार को संविधान के अनुच्छेद-151(2) की अपेक्षानुसार सदन के पटल पर रखता हूँ।

[11:07] पंचायती राज अनुभाग-2 की अधिसूचना सं0-1621/33-2-2020-122 जी-2013 टी0सी0-III दिनांक 13 अगस्त, 2020†

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से पंचायती राज अनुभाग-2 की अधिसूचना सं0-1621/33-2-2020-122 जी-2013 टी0सी0-III, दिनांक 13 अगस्त, 2020, जो उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 की धारा-237(3) के अधीन दिनांक 24 फरवरी, 2021 को निर्दिष्ट कालावधि के लिये सदन के पटल पर रखा गया था और जिसके दिनांक 11 मार्च, 2022 को सत्रहवीं विधान सभा के विघटन के फलस्वरूप सदन के पटल पर रखे रहने की उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष द्वारा जारी किये गये प्रक्रिया सम्बन्धी निदेश संख्या-56 की गणनानुसार पूर्ण नहीं हो सकी है, को पुनः सदन के पटल पर रखता हूँ।

---

† छापी नहीं गयी।

†† छापा नहीं गया।

[11:08] पंचायती राज अनुभाग-2 की अधिसूचना सं0-1622/33-2-2020-122 जी-2013 टी0सी0-III दिनांक 13 अगस्त, 2020 †

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से पंचायती राज अनुभाग-2 की अधिसूचना सं0-1622/33-2-2020-122 जी-2013 टी0सी0-III, दिनांक 13 अगस्त, 2020, जो उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 की धारा-237(3) के अधीन दिनांक 24 फरवरी, 2021 को निर्दिष्ट कालावधि के लिये सदन के पटल पर रखा गया था और जिसके दिनांक 11 मार्च, 2022 को सत्रहवीं विधान सभा के विघटन के फलस्वरूप सदन के पटल पर रखे रहने की उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष द्वारा जारी किये गये प्रक्रिया सम्बन्धी निदेश संख्या-56 की गणनानुसार पूर्ण नहीं हो सकी है, को पुनः सदन के पटल पर रखता हूँ।

सभा मण्डप में मोबाइल फोन को शान्त रखने के सम्बन्ध में पीठ से निर्देश

(सदन में किसी सदस्य के फोन की घण्टी बजने पर)

श्री अध्यक्ष-

मैंने देख लिया है जिस मा0 सदस्य का फोन था, उचित होगा कि वह स्वयं उसको ठीक कर लें। यदि बार-बार कहने की आवश्यकता पड़े तो यह हमारी गरिमा के अनुरूप नहीं है।

[11:10] वित्तीय वर्ष 2022-2023 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा

श्री अध्यक्ष-

आज वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट पर साधारण चर्चा होगी। चूंकि, शनिवार होने के बाद भी इतनी बड़ी संख्या में हमारे सभी सम्मानित मा0 सदस्य इस सदन में अपने क्षेत्र की बात, वित्तीय आय-व्ययक पर चर्चा करने के लिए उपस्थित हैं, निश्चित रूप से यह प्रशंसनीय है। अधिक से अधिक सदस्यों को इसका अवसर मिल सके, यह मेरा प्रयास होगा...

वर्मा जी शाम को सदन कब तक चलायें ?

श्री लालजी वर्मा-

मान्यवर, 06:00 बजे तक सदन चलाइये।

(सदस्यों द्वारा 5:00, 6:00 और 8:00 बजे तक सदन चलाये जाने का विचार रखा गया)

श्री अध्यक्ष-

06:00 बजे सदन में कोरम की स्थिति देख ली जायेगी। चलिये, मेरे पर छोड़ दीजिये, क्योंकि 05:00 से लेकर 10:00 बजे तक का निवेदन है। 05:00 बजे तक तो मान लिया है उसके बाद सदन में जो स्थिति होगी उसके अनुसार चलायेंगे।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, एक प्रस्ताव ले लीजियेगा, नियम-51 पहले ले लीजिये।

श्री अध्यक्ष-

नियम-51, अगर पहले ले लेंगे तो सदन अपने आप ही 05:00 बजे खत्म हो जायेगा।

* **श्री लाल जी वर्मा-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे वित्तीय वर्ष 2022-2023 के आय-व्ययक पर बजट की साधारण चर्चा में अपनी बात रखने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट प्रस्तुत किया है, मान्यवर मैंने उसका अवलोकन करने का काम किया है। भारतीय जनता पार्टी के पिछले 05 बजटों की तरह ही यह बजट भी सपने बेचने वाला बजट है। यह बजट किसान विरोधी है, रोजगार विरोधी है, महिला विरोधी है। मान्यवर, जिस तरह से पिछले 05 वर्षों में लोक कल्याण संकल्प-पत्र में दिये गये वादों को पूरा नहीं किया गया उसी तरह से माननीय वित्त मंत्री जी के द्वारा दिनांक 26-05-2022 को जो बजट प्रस्तुत किया गया, वह भी प्रदेश की जनता को गुमराह करने वाला बजट है। मान्यवर, भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा बजट प्रस्तुत करते समय बड़े लम्बे-चौड़े दावे किये जाते हैं और ये कहा जाता है कि आज तक के इतिहास का सबसे बड़ा बजट प्रस्तुत किया गया, लेकिन मान्यवर, उसकी जो वास्तविकता है, वह यथार्थ से परे है। बाद में जो स्थितियां बनती हैं, मैं उसको आपके और सदन के संज्ञान में लाना चाहूँगा। प्रेस के सामने, आम जनता के सामने जाकर कहने का काम करते हैं कि हमने बहुत भारी बजट प्रस्तुत किया है। इस बार भी 06 लाख 15 हजार करोड़ से ज्यादा का बजट प्रस्तुत किया गया है, लेकिन मान्यवर, उस पर अमल कितना हो रहा है। हम सब लोगों को उस तस्वीर को देखने की जरूरत है।

मान्यवर, भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा वर्ष 2017-18 में 3 लाख 84 हजार 659.71 करोड़ का पहला बजट प्रस्तुत किया गया था और जो वास्तविक बजट खर्च हुआ अन्तिम में जब उसका फाइनल फीगर आया तो वह 03 लाख 21 हजार 8 सौ 22 करोड़ रुपये का था। इसी तरह से वर्ष 2018-19 में 04 लाख 28 हजार 3 सौ 84 करोड़ का बजट प्रस्तुत किया गया, जो वास्तविक बजट 03 लाख 91 हजार 210 करोड़ का खर्च हुआ। वर्ष 2019-20 में फिर बढ़ाकर 04 लाख 79 हजार 701 करोड़ का बजट प्रस्तुत किया गया और जब बजट का वास्तविक आंकड़ा आया तो 03 लाख 83 हजार 351 करोड़ का। वर्ष 2020-21 में 05 लाख 12 हजार 860 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया गया और जब वास्तविक आंकड़ा आया तो 03 लाख 78 हजार 710 करोड़ का। यानि 01 लाख 34 हजार 150 करोड़ रुपया कम खर्च कर पाये। इसी तरह से वर्ष 2021-22 का 05 लाख 50 हजार 270 करोड़ का

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बजट प्रस्तुत किया गया था। हम जो अनुपूरक बजट लाये थे, वह सब मिलाकर 05 लाख 85 हजार करोड़ रुपये का बजट हुआ और अभी जो पुनरीक्षित आंकड़ा आया है वह 04 लाख 84 हजार का है। लेकिन जब अन्तिम आंकड़ा आयेगा तो वह भी निश्चित रूप से 04 लाख से नीचे आयेगा।

मान्यवर, मेरे पास पिछले बजट का 31 मार्च तक का जो खर्च का विवरण है, मैं विभागवार नहीं जाना चाहूँगा, क्योंकि उसमें बहुत समय लगेगा। लेकिन किसी विभाग में 58 परसेण्ट, 72 परसेण्ट, 71 परसेण्ट, 50 परसेण्ट, 55 परसेण्ट, 45 परसेण्ट ही खर्च हुआ है, विभाग इस तरह से कुल खर्च कर पाये हैं। मान्यवर, कुल मिलाकर जो बजट, अनुपूरक मिलाकर 5 लाख 85 हजार करोड़ का था, जो मेरे पास फीगर है, उसके अनुसार केवल 3 लाख 93 हजार 8 सौ 52 करोड़ रुपये 31 मार्च तक खर्च हो पाये हैं यानि 4 लाख करोड़ से कम खर्च करने का काम किया है। मान्यवर, इस तरह से केवल सपने बेचने वाला ही यह बजट है, जिसकी मैंने आपके सामने चर्चा करने का काम किया और इसीलिए मान्यवर, जो हमारा लक्ष्य है, जो इन्होंने संकल्प-पत्र में वादा किया था, वह एक भी पूरा नहीं हुआ है। मान्यवर, मैं आपके संज्ञान में लाना चाहूँगा कि 'झूठे वादों से फुसलाकर यह जनता को फूल बनाते हैं और उनके दिल जीत लेने के बाद अपने वादे भूल जाते हैं' (विपक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) मान्यवर, इस तरह से यह जो बजट प्रस्तुत किया गया है, यह पूरी तरह से आम जनता को गुमराह करने वाला है और अपनी पीठ थपथपाने के लिए प्रेस-मीडिया में जाकर और हल्ला मचाने के लिए कि हमने प्रदेश का बिलकुल कायाकल्प कर दिया। मान्यवर, इस बार का भी जो बजट प्रस्तुत किया गया है, वह 6 लाख 15 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का है और उस 6 लाख 15 हजार करोड़ में इन्होंने प्राप्तियों का जिक्र किया है कि 5 लाख 90 हजार करोड़ रुपये हम प्राप्तियां पायेंगे। मान्यवर, जब पिछली बार हम प्राप्तियों को नहीं प्राप्त कर सके तो इस साल यह 38 परसेण्ट कैसे बढ़ जायेगा ? आप कहां से बढ़ा लेंगे ? मान्यवर, इसलिए यह भी केवल खोखला बजट है और इसमें भी इन्होंने जो बजट प्रस्तुत करने का काम किया है, इसमें किसानों के लिए कुछ भी नहीं है। इसी तरह से अनुसूचित जाति का जो बजट है, उसमें भी कमी करने का काम किया गया है। मान्यवर, अल्पसंख्यक कल्याण के लिए भी इस बजट में कोई वृद्धि नहीं की गयी है और विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवायें, जिसकी चर्चा की जाती है, लेकिन विभिन्न अस्पतालों में दवाओं का अभाव है। आपके पास भी रोज क्षेत्र से फोन आता होगा कि इनको भर्ती करा दीजिए, इनके लिये यह कह दीजिए, हम लोगों के पास भी आता है।

मान्यवर, के0जी0एम0यू0 जैसा विश्वविद्यालय, जो सबसे बड़ा चिकित्सा का विश्वविद्यालय है। ट्रामा सेण्टर में जो एक्सीडेन्ट का मरीज आता है, उसको सबसे पहले जिस दवा की जरूरत पड़ती है, वह मैनिटॉल है, लेकिन वह भी उपलब्ध नहीं है। मान्यवर, इसी तरह से पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह से लकवा मार गया है। उसके बावजूद भी इस

बजट में माननीय वित्त मंत्री जी ने, इनसे जो चिकित्सा शिक्षा विभाग चला गया उप मुख्य मंत्री के पास, उसका खामियाजा उसका बदला लेने के लिए, मान्यवर, स्वास्थ्य विभाग के बजट में 3.19 प्रतिशत की कमी कर दी गयी।

वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, हम आपसे रिक्वेस्ट करेंगे कि हम सिर्फ 10 सेकेण्ड बोलेंगे। आपने कहा पिछला बजट 5 लाख 80 हजार करोड़ का था, कम से कम इतने वरिष्ठ सदस्य को यह तो सोच लेना चाहिए कि जो बजट पेश हुआ है, जिसके लिए पूरे हिन्दुस्तान में पेपर में भी छपा और मान्यवर, आपके संज्ञान में है कि हमने 5 लाख 66 हजार करोड़ का कहा, उसे 5 लाख 80 हजार करोड़ बता रहे हैं। पता नहीं यह परसेण्टेज में खर्चे का आंकड़ा कहां से ले आये ? यह कह रहे हैं कि हमने बदला लेने के लिए किया। मान्यवर, इस सदन में वरिष्ठ सदस्य को यह मर्यादा कायम रखनी चाहिए कि कम से कम गलत तो न बोलें। अभी आपने बताया कि पिछली बार, 2021-22 का टोटल मिलाकर 5 लाख 80 हजार करोड़ का बजट था।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, मैं कह रहा हूँ कि पिछला बजट 5 लाख 50 हजार करोड़ का था और अनुपूरक मिलाकर 5 लाख 85 हजार करोड़ का था।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

लेकिन पिछला बजट, अनुपूरक मिलाकर 5 लाख 66 हजार करोड़ का था। कम से कम वरिष्ठ सदस्य को गलत नहीं बोलना चाहिए।

श्री लाल जी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, जो माननीय मंत्री जी ने जिक्र किया है कि मैंने बदला लेने वाली बात कही। पिछली बार अनुदान संख्या-32 स्वास्थ्य विभाग का जो बजट था वह 10 हजार 432.46 करोड़ का था और इस बार जो इन्होंने दिया है वह 10 हजार 99.79 करोड़ का है, इस बजट में पिछले बार की तुलना में 3.19 प्रतिशत की कमी करने का काम किया गया है। इसी तरह से अनुदान संख्या-83 के बारे में कहना है कि प्रदेश में करीब 21-22 प्रतिशत अनुसूचित जाति की आबादी है। अनुदान संख्या-83 जो विशेष घटक का है इसमें भी इन्होंने 7.2 प्रतिशत की कमी कर दी है, पिछली बार का बजट था 30 हजार 362.91 करोड़ का और इस बार इन्होंने प्रस्तुत किया है 28 हजार 163.18 करोड़ का।

इसमें इन्होंने सूचना विभाग का बजट बहुत ज्यादा बढ़ा दिया है, सूचना विभाग में वर्ष 2021-2022 में जहाँ 576 करोड़ का बजट था और बाद में उसको बढ़ाकर 1200 करोड़ तक ले गये इसलिए कि उसी के बल पर चुनाव में अपना प्रचार करना था और इस बार जो बजट प्रस्तुत किया है वह 741.02 करोड़ रुपये का है। मेरा कहने का तात्पर्य है कि सूचना विभाग

का जो बजट बढ़ाकर अपनी वाह-वाही लूटने का जो काम कर रहे हैं, इसी तरह से अन्य तमाम योजनायें हैं, उसमें भी इन्होंने इसी तरह से तमाम क्षेत्रों में कमी करने का काम किया है। शिक्षा का बजट, पूरे भारत का औसत बजट आया है 15.2 प्रतिशत का और उत्तर प्रदेश में 13 प्रतिशत का, कृषि क्षेत्र में भारत का औसत है 6.2 प्रतिशत का और उत्तर प्रदेश का 2.8 प्रतिशत । इसी तरह से ग्रामीण विकास क्षेत्र में पूरे देश का 5.7 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश का 5.1 प्रतिशत है, प्रदेश में जो कृषि सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है उस कृषि के बजट को भी और देश के स्तर पर भी कम करने का काम किया गया है। उसी का परिणाम है कि आज प्रदेश में हर मामले में यह सरकार फेल हुई है। पूंजीगत व्यय जो हमारे निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण अंग होता है, उस पूंजीगत व्यय का जो आंकड़ा है वह मैं प्रस्तुत करना चाहता हूँ। वर्ष 2014 से सकल राष्ट्रीय घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के अनुसार जो पूंजीगत व्यय है वह वर्ष 2014-2015 में जहाँ 5.58 प्रतिशत था, वर्ष 2015-2016 में 5.86 प्रतिशत हुआ, वर्ष 2016-2017 में 5.59 प्रतिशत, जब इनकी सरकार वर्ष 2017-2018 में आई तब 2.84 प्रतिशत, वर्ष 2018-2019 में 4.23 प्रतिशत, वर्ष 2019-2020 में 3.55 प्रतिशत, वर्ष 2020-2021 में 2.69 प्रतिशत और वर्ष 2021-2022 में 5.51 प्रतिशत यानि पूंजीगत पर व्यय सकल राष्ट्रीय घरेलू उत्पाद के मुकाबले उसका प्रतिशत कम किया गया है और निश्चित रूप से जो परिसम्पत्तियों का सृजन होता है वह उसी से होता है।

मान्यवर, दूसरे, मैं माननीय मंत्री जी के संज्ञान में लाना चाहता हूँ वह अपराध का आंकड़ा, रोजगार का आंकड़ा सदन में प्रस्तुत करने का काम करते हैं। मान्यवर, आप भी आठवीं बार इस सदन में आये हैं, आपके संज्ञान में होगा कि सदन में जब हम बोलते थे और विशेषकर जब मंत्री जवाब देता था और जवाब में एक भी त्रुटि होने पर नोटिस आ जाती थी, विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव आ जाता था कि आपने सदन को गुमराह करने का काम किया है। आज उसी दिन अलग-अलग आंकड़ा आ जाता है, माननीय मंत्री जी ने कहा कि 4 लाख 60 हजार लोगों को हमने स्थायी सरकारी नौकरियां दी हैं। मान्यवर, 4 लाख 50 हजार कहा था और अभी कल माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि हमने 5 लाख लोगों को नौकरियां देने का काम किया है। मान्यवर, 26 तारीख को 4 लाख 50 हजार था और कल 50 हजार बढ़ गया। कहां आपने बढ़ा लिया तीन दिन में 50 हजार, अगर बढ़ा तो उसका आंकड़ा कहां है। निश्चित रूप से जिस तरह से चौराहे का भाषण होता है उसी तरह का भाषण सरकार के मंत्री सदन में दे रहे हैं, इसलिए इस बात को मैं आपके संज्ञान में लाया हूँ। माननीय मंत्री जी ने अपने बजट में कहा है कि पूर्वांचल और बुन्देलखण्ड के विशेष क्षेत्र विकास के लिए 7 सौ करोड़ रुपये बढ़ाने का काम किया है लेकिन जो हमारा आंकड़ा है जो हमें साहित्य मिला है जो अपलोड किया गया है उसमें 5 सौ करोड़ रुपये है, माननीय मंत्री जी 2 सौ करोड़ रुपये का अन्तर कहां से आ गया। मान्यवर, इस तरह से सदन को गुमराह करने का काम किया जा रहा

है। मान्यवर, इसी तरह से मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो का जो आंकड़ा है उसे माननीय मंत्री जी यहां प्रस्तुत करके दिखायेंगे कि हमने पूरे अपराधों पर नियंत्रण पाने का काम किया है। हमारा बजट प्रदेश के समग्र विकास के लिए और समग्र विकास के लिए कानून-व्यवस्था महत्वपूर्ण अंग है, लोगों को रोजगार मिलना महत्वपूर्ण है, परिसम्पत्तियों का विकास महत्वपूर्ण है इसलिए सुनियोजित विकास जितना अच्छा होगा, उतना ही प्रदेश का विकास होगा। मान्यवर, मेरे पास राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो का आंकड़ा है जिसमें उत्तर प्रदेश में आई0पी0सी0 की धाराओं में जहाँ 2016 में 2 लाख 82 हजार 171 अपराध दर्ज हुए थे, वहीं 2020 में 3 लाख 55 हजार 110 अपराध दर्ज हुए।

श्री अध्यक्ष-

माननीय वर्मा जी, आप कितनी देर बोलेंगे।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर 15 मिनट हुआ है 15 मिनट और बोल लेंगे।

श्री अध्यक्ष-

जो समय आप ले लेंगे उसका सारा इफेक्ट माननीय सदस्यों पर चला जायेगा। पार्टीवाइज समय तय होता है यह मैं पहले भी बोल चुका हूँ और आज फिर बोल रहा हूँ। आप जितना समय ले लेंगे उसका प्रभाव आपके दल के सदस्यों पर जायेगा, कहीं न कहीं ग्रहण लगेगा बीच में।

(समाजवादी पार्टी के कुछ सदस्यों द्वारा 'कोई चिन्ता नहीं' कहने पर)

कोई चिन्ता नहीं तो कोई बात नहीं, आप घण्टे भर बोल सकते हैं, मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं है।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, इसी तरह से किशोरों के अपराध में 2017 में 825 था वहीं 2020 में 1282 हुआ। इसी तरह से अनुसूचित जातियों पर किये गये अपराध और अत्याचार 2016 में 10 हजार 426 थे और 2020 में 12 हजार 714 हो गये। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम तथा उससे सम्बन्धित आई0पी0सी0 के केस 2016 में 30 थे और 2020 में 62 हो गये। साइबर अपराध 2016 में 2 हजार 639 थे और मान्यवर, वर्ष 2020 में 11 हजार 97 हो गये।

मान्यवर, इस तरह से अपराध एवं कानून-व्यवस्था को संरक्षित करने के मामले में भी ये सरकार पूरी तरह से फेल हुई है। मान्यवर, मैं आपके संज्ञान में लाना चाहूँगा कि आज ये सरकार तमाम घोषणाएं करती है, लेकिन पिछड़ी जाति का जो हमारा रिजर्वेशन है, ये सरकार उसकी भी धज्जी उड़ाने का काम कर रही है। मान्यवर, अभी लोक सेवा आयोग में समीक्षा

अधिकारियों की भर्ती हुई है। उस भर्ती में जो तस्वीर सामने आयी हैं, उसके अनुसार पिछड़ी जाति के मुकाबले सामान्य भर्ती का कट ऑफ कम है जबकि वर्ष 1994 का जो हमारा आरक्षण अधिनियम है, उसके अनुसार पहले हम 50 प्रतिशत सामान्य भर्ती करेंगे और सामान्य भर्ती करने के बाद जो शेष 50 प्रतिशत भर्ती बचेगा, उसको हम रिजर्वेशन के आधार पर भर्ती करने का काम करेंगे।

मान्यवर, अगर जनरल की कट ऑफ कम है, तो इसका मतलब हमने सामान्य कैटेगरी में शामिल लोगों को भी आरक्षण की कैटेगरी में शामिल कर दिया। इस तरह से हमारा जो आरक्षण है, उसका लाभ हमें मिलना चाहिए। पिछड़ी जाति का 27 फीसदी आरक्षण है, अनुसूचित जाति का 21 फीसदी आरक्षण है। पिछड़ी जाति की 52 फीसदी आबादी है और 27 प्रतिशत में हमें सीमित कर दिया गया है। अभी 69,000 हजार शिक्षकों की भर्ती हुई, उसमें पूरे प्रदेश में जिस तरह से भर्ती में धांधली हुई, वह जगजाहिर है। पिछड़ा वर्ग आयोग ने इस बात को माना कि बड़े पैमाने पर भर्ती में धांधली करने का काम किया गया। मान्यवर, उसके बावजूद भी इस सरकार ने भर्ती निकाली और माना कि 6800 से अधिक पदों पर गलतियां हो गयी हैं, लेकिन उस गलती को आज तक भी सुधारने का काम नहीं किया गया।

समीक्षा अधिकारियों की आयोग से भर्ती हुई, उसमें जो कट ऑफ जारी हुआ है, उसमें पिछड़े वर्ग का कट ऑफ ज्यादा और जनरल का कट ऑफ कम दर्शाया है। यानी भेदभाव किया जा रहा है। मान्यवर, इसी तरह से जहाँ रोजगार का सवाल है, इन्होंने अपने संकल्प-पत्र में वादा किया था कि हम 70 लाख नौजवानों के लिए रोजगार सृजन करने का काम करेंगे। अभी मंत्री जी ने कल एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि हमने मेला लगवाकर लोगों को रोजगार दिलाने का काम किया और कुल संख्या 5 लाख बताने का कार्य किया। 5 लाख वो और साढ़े चार लाख सरकारी नौकरी। इस तरह से कुल साढ़े नौ लाख हुआ, यानी 77 लाख के मुकाबले बहुत कम हुआ।

मान्यवर, दूसरा सबसे महत्वपूर्ण विषय है कि ये सरकार अपनी पीठ थपथपाती है कि हमने प्रदेश में आज 30 निजी क्षेत्रों में और 35 सरकारी क्षेत्रों में मेडिकल कालेज स्थापित करने का काम किया। मान्यवर, अच्छी बात है, मेडिकल कालेज होना भी चाहिए, लेकिन उस मेडिकल कालेज की व्यवस्था क्या है 35 मेडिकल कालेजों के लिए आपने बजट में जो पैसा रखा है, वो 21 सौ करोड़ रुपये रखा है। जब मेडिकल कालेज बढ़ गए, तो उसके लिए हमारा बजट भी बढ़ना चाहिए। उसी का परिणाम है कि पहली साल की मान्यता जहाँ-जहाँ मिली है, दूसरे साल के लिए जो हमारा स्ट्रक्चर होना चाहिए, जो सुविधाएं होनी चाहिए। जो लेक्चरर, प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर होने चाहिए, वो एक भी जगह पूरे नहीं हैं, जिसके कारण दूसरे वर्ष की मान्यता का खतरा उत्पन्न हो गया है। उन पहले साल के बच्चों के भविष्य के लिए चिन्ता हो गयी है। मान्यवर, अम्बेडकर नगर में वर्ष 2011 में महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल

कालेज चालू हुआ 2011 से 2022 बारह साल हो गए, अभी वहां एम0डी0 और एम0एस0 की कक्षाएं नहीं शुरू हो सकीं तो जिला अस्पताल के बराबर में मेडिकल कालेज बनाने का औचित्य क्या है। अगर मेडिकल कालेज बनाना है तो जब तक एम0डी0, एम0एस0 परीक्षाएं नहीं शुरू हो सकें तब तक मेडिकल कालेज का कोई स्वरूप नहीं है। वह एक जिला अस्पताल के समान ही दिखाई पड़ता है। इसलिए उन सब सुविधाओं को उपलब्ध कराने की दिशा में इस बजट में कोई प्रोविजन नहीं किया गया। आपने जो सभी ग्रामीण क्षेत्रों में मेडिकल कालेज खोले हैं उसको एस0जी0पी0जी0आई0 और लोहिया इंस्टीट्यूट और के0जी0एम0यू0 की तरह अगर असिस्टेंट प्रोफेसर व प्रोफेसर स्टाफ को सैलरी देने का काम करेंगे तभी वहां जो शिक्षकों की कमी है, वह पूरी होगी। मान्यवर, आज कम से कम 40 से 60 प्रतिशत शिक्षकों की कमी है, हम कैसे पूरा कर लेंगे। उस दिशा में इस बजट में कोई एलोकेशन नहीं है। दूसरी तरफ इन्होंने कहा था किसान को फ्री बिजली देंगे सिंचाई के लिए। मैंने पूरा बजट पढ़ा है और किसी एक मद में किसानों को बिजली फ्री देने के लिए एक नए पैसे की व्यवस्था इसमें नहीं की गयी है। इसी तरह से मान्यवर बिजली की जो स्थिति है किसानों को सिंचाई की सुविधा नहीं हो पा रही है। नहर और सरकारी नलकूप की सिंचाई को मा0 अखिलेश जी ने माफ किया था और इनकी सरकार ने इसको खत्म कर दिया था, उसकी भी वाह-वाही आप लूट रहे हैं, केन्द्र की योजनाओं की वाह-वाही भी आप लूट रहे हैं और जब महंगाई की चर्चा आती है तो कहते हैं कि महंगाई से हमारा कोई लेना-देना नहीं है। यह केन्द्र का है। अगर वह केन्द्र का तो केन्द्र ने जो प्रधानमंत्री आवास दिया, केन्द्र ने जो शौचालय दिया, केन्द्र ने जो किसान सम्मान निधि दिया, उसका ढिंढोरा आप क्यों पीटते हो। यह केन्द्र की योजनाएं हैं, आपकी नहीं हैं। अगर केन्द्र की महंगाई से आपको लेना-देना नहीं है, डीजल की महंगाई से आपको कोई लेना-देना नहीं है तो केन्द्र की योजनाओं का ढिंढोरा आपको नहीं पीटना चाहिए यह मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ। मान्यवर, इसी तरह से मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि बिजली विभाग में बहुत से कास्तकारों ने जैसा कि मान्यवर यह आपके संज्ञान में भी है। पहले निजी नलकूप के लिए कनेक्शन लेने जाते थे और पैसा जमा करते थे 10-11 हजार रुपये और 300 मीटर तक की वायरिंग फ्री दी जाती थी जब हमारा कनेक्शन जोड़ा जाता था। आज वह खत्म कर दिया गया है मैंने यहीं एक प्रश्न लगाया था हमारे तत्कालीन मा0 ऊर्जा मंत्री श्री श्रीकान्त शर्मा जी यहां बैठे हैं तब इन्होंने कहा था कि हम 68 हजार रुपये की छूट देंगे।

श्री अध्यक्ष-

मंत्री जी अभी बतायेंगे इस बारे में।

श्री लाल जी वर्मा-

अब वह छूट भी समाप्त हो गयी है और सामान्य योजना में 2018-19-20 से बहुत से किसानों ने पैसा जमा किया किसी ने 53 हजार, किसी ने 68 हजार, किसी ने 62 हजार,

किसी ने 70 हजार की छूट के बाद कनेक्शन हो जाएगा। 2-2 ढाई-ढाई साल हो गये हैं, मान्यवर लेकिन आज तक वह बिजली नहीं आ पायी है और मा0 मंत्री जी के सामने मैंने एक प्रश्न किया था, एक इंडिविजुअल व्यक्ति का अपने क्षेत्र के एक व्यक्ति के लिए मैंने प्रश्न किया था और प्रश्न में मैंने कहा कि क्या इनका 53 हजार रुपया जो 2019 में जमा हुआ ? मंत्री जी ने जवाब दिया कि हां हुआ, हमने कहा उनकी बिजली कब जोड़ी जायेगी तब इन्होंने कहा कि पूरा पैसा जमा करके लेना चाहे तो उनको बिजली मिल जाएगी। तो दो साल से उसका जो 53 हजार रुपया पड़ा हुआ है, उसका क्या होगा मान्यवर। अब हम अगर डेढ़ लाख रुपया जमा करें तब हमें बिजली मिलेगी। तो इसलिए किसानों के साथ यह सरकार शोषण कर रही है। हमारे ऊर्जा मंत्री जी अभी नये हैं लेकिन अधिकारी के रूप में बहुत पुराने हैं। इन्होंने कहा और बड़ा अपना गुणगान किया, 4 बार भाजपा की सरकार भी उत्तर प्रदेश में रही, यह चौथी सरकार है आपकी, 1991 में रही 1997 से 2002 तक रही और 2017 से लेकर 2022 तक रही। मा0 इस 4 बार की सरकार में दो परियोजनाएं बेचने का काम किया है, कोई नई परियोजना लगाने का काम नहीं किया है भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने। और बिजली का दर कितना बढ़ा दिया, चार गुना। हमारी ट्यूबवेल का जो 55 रुपये प्रति हार्स-पावर था वह आज 255 रुपये प्रति हार्स-पावर है। बुनकर का जो 65 रुपये प्रति हार्स-पावर था, वह भी काफी बढ़ा दिया गया।

श्री अध्यक्ष-

अब समाप्त करिये।

श्री लाल जी वर्मा-

बस मान्यवर, 10 मिनट और दे दीजिये।

श्री अध्यक्ष-

माननीय वर्मा जी, आपने 30 मिनट का समय देने का अनुरोध किया था और आप अपने बात के पक्के हैं, 30 मिनट होने वाले हैं।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, ठीक है, 3 मिनट में समाप्त कर दूंगा। मान्यवर, इस तरह से बिजली का दर बढ़ा दिया। घरेलू कनेक्शन में चार गुना से ज्यादा दर बढ़ाने का काम किया गया। कृषि के लिए खाद, बीज, रासायनिक उर्वरक का दाम बढ़ा दिया गया। अभी धान की खरीद का और पिछले साल गेहूँ की खरीद का गुणगान कर रहे हैं। माननीय मंत्री जी जब इस बार जवाब देने के लिए खड़े हों तो इस बार कितना गेहूँ खरीदा गया है, इसका भी जिक्र कर दें। किसान को जब लाभ मिलने लगा, अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में दाम बढ़ा, उसका निर्यात होने लगा तो इन्होंने निर्यात पर प्रतिबन्ध लगाकर किसान की कमर को तोड़ने का काम किया है। मान्यवर, इस तरह से किसानों

के साथ भी अन्याय किया गया है। शौचालय बनाया, मैं माननीय मंत्री जी से कहूँगा कि आज हर मीटिंग में, हर भाषण में शौचालय बनाये जाने का गुणगान करते हैं, किसी एक शौचालय में बैठ कर आप शौच करके हमें दिखा दीजिये। (सदन में हँसी) ऐसा शौचालय बनाकर पैसे के अपव्यय के साथ-साथ हमें गुमराह करने का भी काम किया गया। आवारा पशुओं की जहाँ तक बात है, हमें कभी माननीय मुख्य मंत्री जी एक चित्र दिखा रहे थे कि यह तमिलनाडु का चित्र है। वह सांकेतिक है कि जिस तरह से वहां हम खेल रहे हैं, पिछड़े वर्ग के लोग भी उनके साथ खेलते हैं, वह खेल पिछड़े लोगों, दलितों का है। मान्यवर, उसी तरह से आज हर गांव में सांडों के माध्यम से फसल के नुकसान के साथ-साथ लोग मारे जा रहे हैं। हमारा यह दिखाने का उद्देश्य था कि उसी तरह से हमें मारा जा रहा है। उसको दूर करने की आवश्यकता है। मान्यवर, इस तरह से यह काम किया गया है। मान्यवर, यह सरकार पक्षपाती सरकार है, पक्षपातपूर्ण कार्य कर रही है। विपक्ष के विधायकों की कोई बात नहीं सुनी जाती, उनके क्षेत्र के विकास के लिए त्वरित विकास योजना से कोई पैसा नहीं दिया जाता और सरकारी पक्ष के जो विधायक हैं, उनको दिया जाता है। लैपटॉप या टैबलेट बांटने में हमें बुलाया भी नहीं जाता, आप अकेले सब कुछ कर लेते हैं, आपका जिलाध्यक्ष जाकर करता है। (प्रतिपक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) माननीय मुख्य मंत्री जी ने एक बात और कही कि थाने पर हमारे लोग नहीं जाते। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूँ कि थानों पर सी0सी0टी0वी0 लगवाइये हर थाने पर परमानेन्ट भारतीय जनता पार्टी के लोग बैठे रहते हैं और वहां थाने का संचालन करते हैं।

श्री अध्यक्ष-

माननीय वर्मा जी धन्यवाद। आपने जितना समय मांगा था, वह पूरा हो गया है।

श्री लाल जी वर्मा-

अब खत्म कर रहा हूँ।

श्री अध्यक्ष-

दूसरे माननीय सदस्य इशारा कर रहे हैं कि ये बोलेंगे तो हम क्या बोलेंगे। अब समाप्त करें, आप 30 मिनट से लगातार बोल रहे हैं।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, खत्म कर रहा हूँ। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि यह बजट निराशाजनक, किसान विरोधी, बेरोजगार नौजवानों को रोजगार न देने वाला, महिला विरोधी बजट है। अपराध को बढ़ाने वाला और पक्षपातपूर्ण बजट है जिसमें पिछड़े, दलितों और अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय वाला बजट है। धन्यवाद।

*** [11:44] श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपका आभार प्रकट करता हूँ कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। मैं वरिष्ठ नेता मा0 लाल जी वर्मा जी, जो विपक्ष से हैं, उनका आदर करता हूँ। मैं उनकी बातों को सुन रहा था। मैं यह भी साथ-साथ सोच रहा था कि अर्थशास्त्र के ऊपर जो-जो बातें कही गयीं। माननीय अध्यक्ष जी, शायद उसके अन्दर आंकड़ों को भी भ्रमित करते गए, इसलिए कभी-कभी ख्याल में आता है कि जो जिसके पास है, वह उछाल देता है। हमारे पास तो गुलाल है, उनके पास कीचड़ है, उन्होंने कीचड़ उछाल दिया, लेकिन सोच का भी अन्तर होता है। सोच का जब अन्तर होता है तो उनको कुछ पंक्तियों में अर्ज करने की गुस्ताखी करना चाहूँगा-

"सीढ़ियां उन्हें मुबारक हों, जिन्हें छत पर जाना है।

आसमान है जिसकी मंजिल, रास्ता स्वयं बनाना है।।"

विषय आंकड़ों में फंसने का नहीं है। यही समस्या 2012 से 2016-2017 तक रही। जो बजट है, वह केवल आंकड़ों का बजट रह गया। डेबिट-क्रेडिट ही करते रह गए। बजट जो एक्सरसाईज है, इसलिए डेबिट-क्रेडिट, आय-व्यय से बाहर निकलते हुए उत्तर प्रदेश की नीवं रखने का बजट बनना शुरू हो तो उसका अन्दाज या रुख कहीं और जायेगा। अभी हमारे वरिष्ठ नेता बोल रहे थे। मैं सब विषयों पर उनके उत्तर नहीं दूंगा, क्योंकि आंकड़े पता नहीं कहां से लाये हैं, मेरी समझ में नहीं आ रहा था। मैं कुछ बातें उनके बीच में रखना चाहूँगा। जब आप पूंजीगत निवेश की बात करते हैं और स्टेट जी0डी0पी0 से लेते हैं तो यह अर्थशास्त्र का एक प्रिंसिपल है, उसको भी समझना चाहिए। स्टेट जी0डी0पी0 का जितना बड़ा बेस होता है, परसेन्टेज उसके हिसाब से रिफलेक्ट करता है। कहीं आपका बेस ही छोटा है तो आप 100 रुपये पर 3 परसेन्ट जोड़ेंगे तो 3 रुपये होगा, लेकिन 200 रुपये पर कहीं आप 2 परसेन्ट भी जोड़ेंगे तो वह 6 रुपये हो जाता है। आपके जमाने में जो स्टेट जी0डी0पी0 था, 2015-16 में जब आपकी सरकार जाने वाली थी तो वह 11.4 लाख करोड़ था। 2019-20 के अन्दर जब हमारी सरकार चुनाव में जाने वाली थी तो वह 18 लाख करोड़ तक जाता है और अभी केन्द्र सरकार के आंकड़े नहीं आये हैं।

माननीय वर्मा जी, जब वह आंकड़े आयेंगे तो आप देखेंगे, वह 20 लाख करोड़ तक चला जायेगा। 4 परसेन्ट और 3, साढ़े 3 परसेन्ट में अन्तर अपने आप आ जायेगा। यह अर्थशास्त्र है। इसको समझना पड़ेगा तभी आप बजट को ठीक से समझ पायेंगे। बजट को समझने के लिए आपके पास 6,15,000 करोड़ एक बड़ा फीगर है, मगर फिर भी आप उसको समझ नहीं पाये। उससे टैक्स कलेक्शन 3,70,000 करोड़ पहुंचता है और 6,15,000 करोड़ में

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

तो वह अपने आप में इस बजट के एक ऐतिहासिक बजट होने का संकेत भी करता है। एफ0आर0बी0एम0 जिसको हम राजकोषीय घाटा कहते हैं, वह कहीं 4 परसेन्ट के नीचे रह जायेगा तो अपने आप दिखता है कि रेवेन्यू रिसीड जो है, वह बढ़ती जा रही है और जब बढ़ती है तो उसका कारण एक ही होता है कि आपका जो स्टेट जी0डी0पी0 है, वह बढ़ रहा है और वह कभी नहीं बढ़ेगा। जब आपने बजट का पैसा खर्च नहीं किया या राज्य के अन्दर जो निवेश है, अन्य योजनाओं में आपने उसको नहीं लगाया तो स्टेट का जो जी0डी0पी0 होता है, वह बढ़ता नहीं है, न ही वह लाखों में आगे बढ़ता है। मैं अब थोड़ी सी बात करूंगा।

मान्यवर, जब बजट की बात हो रही थी। मैंने कहा कि डेबिट-क्रेडिट से निकले और एक नींव की बात कर रहा था। इसलिए जब नींव की बात करते हैं तब आप लोगों ने भी देखा होगा कि 2012 से 2016-17 तक की जो पिछली सरकार थी उसका सवा लाख डेढ़ लाख करोड़ ही बजट बढ़ा है। ग्रोथ नहीं हुई है, लेकिन जब हम 2016-2017 से आज तक आते हैं, तब वह ग्रोथ डबल होती है। उसका यह नतीजा है कि बजट के माध्यम से आप यहां पर योजनाओं को क्रियान्वित कर रहे हैं। यहां पर जितने लोग बैठे हैं, यह हम लोगों को समझना चाहिए कि ग्राम स्वराज की बात करना अच्छा होता है और हम अपने भाषणों में भी कहते हैं कि उत्तर प्रदेश के अन्दर 65 से 70 प्रतिशत जो आबादी है, वह गांव में रहती है। यह सही है कि अगर गांव की आबादी को हम छोड़ करके अर्थव्यवस्था के ऊपर चर्चा करें तो वह अच्छा नहीं होगा। लेकिन इसके लिए किसी ने भी योजना नहीं बनाई है। यह पहली बार हुआ है कि 2017 में माननीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार आती है, भाजपा के गठबन्धन की सरकार आती है, तो योजनाएं लाती है। उन योजनाओं के साथ बजट को जोड़ा जाता है। मैं उस पर कुछ जिक्र करने का प्रयास करूंगा। उदाहरण के लिए एक जनपद एक उत्पाद ओ0डी0ओ0पी0। इसके अन्दर जब देश के प्रधानमंत्री अमेरिका के राष्ट्रपति को टोक्यो के अन्दर मथुरा की जो कला है सांझी आर्ट जब प्रस्तुत करते हैं या भेंट करते हैं तो उत्तर प्रदेश का हर व्यक्ति गौरवान्वित महसूस करता है। यह परम्परागत उद्योग है। इसको चालू करना और साथ ही साथ जब देवोस के अन्दर 600 फॉरेन डेलीगेट्स को जो विश्व के डेलीगेट्स होते हैं, उनको ओ0डी0ओ0पी0 का जो उत्पाद है, वह उनको भेंट किया जाता है तो उत्तर प्रदेश के 24 करोड़ लोगों को भी सम्मान मिलता है। लेकिन यह खाली वहां सम्मान नहीं है लेकिन यह सोचिए कि ग्रामीण विकास के नाते यहां पर आपकी अर्थव्यवस्था जो ग्राम स्वराज की बात करते, वह उसको विकसित कर रही है।

इसी प्रकार से आखिरी पावदान पर खड़ा हुआ व्यक्ति यह हम लोग कहते हैं और इसको हम लोग पूरा भी करते हैं लेकिन आप लोग भाषण तक ही सीमित रह जाते हैं। हम लोग योजना लेकर आए, आदरणीय मुख्य मंत्री जी लेकर आए, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, जिसके अन्दर ऐसे लोग हैं जो बढ़ई, नाई, हलवाई हैं, उनका भी ध्यान दिया गया। आपने क्या

सिखाया, जो मिट्टी के काम का हुनर रखते हैं, वहां पर उनको अवैध खनन करना सिखा दिया। हमने उनके लिए माटी कला बोर्ड बनाया। जो माटी कला बोर्ड है, उनके अर्थव्यवस्था का सुधार किया, यह ग्रामीण स्वराज का एक मॉडल है।

इसके साथ-साथ वायु कनेक्टिविटी बेहतर हो, सड़क कनेक्टिविटी बेहतर हो, जल कनेक्टिविटी बेहतर हो, उस पर भी ध्यान दिया गया। साथ ही साथ इण्डस्ट्रियल पार्ट बने, टेक्सटाइल पार्ट बने, मेडिकल पार्ट बने, एम0एस0एम0ई0 पार्ट बने, इन सभी चीजों पर भी हम लोगों ने पिछली पांच साल में कार्य किया और बजट से उसको सपोर्ट किया। आज वह जो नींव है, वह तैयार हुई है। इसलिए यह जो ग्रामीण स्वराज का एक मॉडल है और उसको शहर के साथ जोड़ा जा रहा है। विकास का मॉडल उसको एक नया नाम मैंने दिया है जिसको अंग्रेजी में कहेंगे मॉन्क विद एन इकोनामिक मॉडल योगी जिसका अर्थशास्त्र का मॉडल है, योगी का अर्थशास्त्र का मॉडल। कुछ बातें और करी हैं जिस पर मैं रोशनी डालना चाहूँगा कि किसानों के विषय पर बात की गयी, युवाओं के सम्बन्ध में बात की गयी, महिलाओं के विरोधी हैं, अल्पसंख्यक समाज के विरोधी हैं तो मैं आपको बताना चाहता हूँ कि शायद आप बजट के भाषण को पढ़ना भूल गये होंगे। हम तो मानते हैं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' जो प्रधानमंत्री जी ने हम लोगों को सिखाया है और इसीलिए जो युवा है विशेष रूप से जो अल्पसंख्यक युवा है, वह अच्छा पढ़ें और पढ़ करके आगे निकले, उसके लिए छात्रवृत्ति की जो दो योजनाएं हैं उसमें 800 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है, पता नहीं वह आप लोगों को क्यों नहीं दिखा ? जो फारसी और अरबी पढ़ते हैं, उनके लिए मदरसों का आधुनिकीकरण हो, उसके लिए भी 480 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है।

(इसी मध्य विपक्ष के किसी सदस्य के बीच में टोका-टाकी करने पर)

आपको मौका मिलेगा तो आप जरूर बोलियेगा। यह जितनी चीजे हैं, उनको दिखी नहीं और कहीं स्वास्थ्य की बात कर रहे हैं। जे0ई0, ए0ई0 और इन्सेफेलाइटिस की जो समस्या थी, उसको वहां से खत्म करना शुरू किया और जो जिला अस्पताल है वहां पर हम लोग सी0टी0 स्कैन लेकर आये, यह हमने पिछले पांच साल में नींव रखी थी जो आपने नहीं रखी थी और आज इस बजट में प्रावधान किया जा रहा है कि जहाँ-जहाँ जनपदों में मेडिकल कालेज नहीं खुले हैं उसके लिए अलग से 2100 करोड़ रुपये की व्यवस्था भी की है। साथ ही साथ हम सब ने कोरोनाकाल में देखा कि आयुष की जो मेडिसिन है, दवाइयां हैं, उनका उपचार अच्छा है इसलिए गोरखपुर में आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये 113 करोड़ 52 लाख रुपये की व्यवस्था की गयी है। वहां आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है। गम्भीर बीमारियों के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही साथ मैं पुराने विस्तार में जाते हुए कहना चाहूँगा कि अर्बन डेवलपमेन्ट पर बात होती है तो यह अच्छा है कि लखनऊ पर फोकस रहना चाहिये, लेकिन पिछली सरकार सिर्फ लखनऊ केन्द्रित रह गयी, लखनऊ सेन्ट्रिक रह गयी

और गिना-चुना एक लखनऊ से आगरा, गिना-चुना 08 किलोमीटर का मेट्रो, फिर आप देखें तो एक स्टेडियम, लेकिन यहां तो 'खेलो भारत' के अन्दर हम 75 के 75 जनपदों में ऐसे स्टेडियम बनवा रहे हैं और यह बजट के माध्यम से सपोर्टेड है।

आपके द्वारा लखनऊ से बाहर निकलने का प्रयास ही नहीं हुआ। जो झांसी या बुन्देलखण्ड में रहते हैं या पूर्वांचल में रहते हैं या पश्चिम में रहते हैं, यहां पर जो आर0आर0पी0एस0 हैं उनको दिल्ली से कैसे कनेक्टिविटी मिले, वह करना शुरू कर दिया है। कहीं मेट्रो की बात होती है तो एक जगह मेट्रो नहीं, बल्कि कानपुर, आगरा, वाराणसी, गोरखपुर और अन्य शहरों में भी मेट्रो का कार्य हो रहा है और उसके लिए बजट में 2750 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। धार्मिक स्थलों का भी विकास हो। यह लोग समझ ही नहीं पाते कि पर्यटन जो है वह एक अनस्किल्ड लेबर के लिए नौकरी का जरिया बनता है और साथ ही साथ मैं अर्थशास्त्र के रूप में थोड़ा-सा बताने का प्रयास करूंगा, नेता प्रतिपक्ष समझ जायेंगे और आपके माध्यम से सब समझेंगे कि जो मनी सप्लाई है और जो सर्कुलेशन होता है वह सर्कुलेशन सबसे अधिक टूरिज्म या पर्यटन इण्डस्ट्री के अन्दर होता है। हमारे जो हिल्स अथवा पहाड़ थे वह सब चले गये, लेकिन हमारे पास गंगा-जमुना की तहजीब है और उसके साथ-साथ जुड़ा हुआ काशी-मथुरा और अयोध्या है उसको भी विकसित किया जा रहा है। इसके साथ-साथ हम बौद्ध सर्किट की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन वहां पर हर जगह एयरपोर्ट हो, इसकी भी तैयारी कर रहे हैं।

वह सब रोड से कनेक्ट हो, उसके लिए भी बजट के अन्दर प्राविधान किया गया है। मा0 अध्यक्ष जी मैंने सुर्खियों में पढ़ा था जिसमें विपक्ष कहता है कि आपने आम आदमी के लिए क्या किया ? भारतीय जनता पार्टी की यह सरकार गठबन्धन की सरकार है और यह सरकार चुनाव में जो संकल्प करती है उस संकल्प को बजट के माध्यम से भी पूरा किया जाता है। संकल्प-पत्र में 130 सकल्प थे, उसमें से 97 घोषणाओं का समावेश किया गया है, 44 नई योजनायें हैं जिसके लिए 54,883 करोड़ रुपये का बजट के अन्दर प्राविधान किया गया है। हमने इन सब चीजों को अपने संकल्प-पत्र में रखा है जिसका जिक्र हमारे वित्त मंत्री जी ने विस्तार से किया है। मैं घड़ी की तरफ भी देख रहा हूँ, मा0 अध्यक्ष जी को लग रहा है कि मैं अच्छा बोल रहा हूँ इसलिए उन्होंने अभी बेल नहीं बजायी है। हम लोग योजनाओं पर बात करें तो मा0 प्रधानमंत्री जी के माध्यम से जो स्कीम्स चल रही है उसमें किसानों के लिए बीज, खाद और पानी की सुविधा मिले इसके लिए मुख्य मंत्री लघु सिंचाई योजना के तहत हजार करोड़ रुपये की धनराशि को प्रस्तावित किया गया है, उनको वर्ष 2022-23 में जो बीज मिले उसके लिए 60.23 लाख कुन्टल का प्राविधान किया गया है और साथ ही साथ 119.30 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का भी प्राविधान किया गया है। इसके अलावा कृषकों को मुफ्त सिंचाई सुविधा भी

उपलब्ध करायी जायेगी, ये भी बजट में कहा गया है। मा0 अध्यक्ष जी मैं अपनी बात को समाप्त करते हुए कहना चाहता हूँ कि हमारे वित्त मंत्री जी ने मा0 मुख्य मंत्री जी की प्रेरणा से जो बजट रखा है मैं उसकी तारीफ करूं और कहूँगा कि वन ट्रिलियन की जो अर्थव्यवस्था बनाने के लिए यह पैराडाइम स्विफ्ट बजट कहूँगा। मैं इसे एक मास्टर स्ट्रोक बजट कहूँगा और अन्त में कुछ पंक्तियां कह कर अपनी वाणी को विराम दूंगा कि "सत्ता के सिंघासन पर भी श्रम जिसका अविराम रहेगा, कीचड़ सी राजनीति में कमल के जैसा काम रहेगा।" बहुत-बहुत धन्यवाद।

[12:04] मा0 सदस्यों को उनके जन्म-दिन के अवसर पर सदन की ओर से बधाई

श्री अध्यक्ष-

आज सभी पार्टी के नेतागणों को बोलने के लिए अनुरोध किया गया है। मा0 नेता प्रतिपक्ष शायद सोमवार को बोलेंगे, उसके बाद मैं सारी पार्टियों को बोलने का अवसर दूंगा। कांग्रेस विधान मण्डल दल के नेता आदरणीय मोना जी के द्वारा अनुरोध किया गया है कि वह पहले बोल लें क्योंकि उन्हें कहीं जाना है, उन्होंने मा0 ओम प्रकाश जी से भी अनुरोध कर लिया है। मा0 मोना जी से हम शुरू करेंगे उनके बाद विधान मण्डल दल के सम्मानित सारे नेतागण बोलेंगे, फिर इसी क्रम को जारी रखेंगे। मैंने कल जो परम्परा शुरू करी थी, उसी परम्परा में आज दो मा0 सदस्यों का जन्म दिन है।

नेता विरोधी दल (श्री अखिलेश यादव)-

मा0 अध्यक्ष जी, आपकी तरफ से कोई गिफ्ट की व्यवस्था भी की जाय।

श्री अध्यक्ष-

यदि नेता प्रतिपक्ष कोई बात कहते हैं तो मैं उसको टालूंगा नहीं, नेता प्रतिपक्ष ने एक छोटी सी बात मेरे लिए कही है, इसलिए आपके जन्म दिन पर निश्चित रूप से यह व्यवस्था की जायेगी।

श्री अखिलेश यादव-

अगला जन्म दिन हमारा भी आ रहा है।

(सदन में हँसी)

श्री अध्यक्ष-

आपके ही जन्म दिन पर होगा, आज दो मा0 सदस्यों का जन्म दिन है। श्रीमती मुक्ता संजीव राजा जी उपस्थित हैं।

(सदन में उपस्थित सभी सदस्यों ने सीटें थपथपाकर सदस्य को जन्म दिन की बधाई दी)

उत्तर प्रदेश की माननीया सदस्य श्रीमती मुक्ता संजीव राजा निर्वाचन क्षेत्र अलीगढ़ से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर वर्तमान विधान सभा में प्रथम बार निर्वाचित हुई हैं। आपके पिता का नाम स्वर्गीय बाल कृष्ण गुप्ता है। 28 मई, 1966 को आपका जन्म गंगीरी, अलीगढ़ में हुआ था। आपने इण्टरमीडिएट तक की शिक्षा ग्रहण की। आपके पति श्री संजीव राजा भी सत्रहवीं विधान सभा के सदस्य रहे हैं। आपको जन्म दिन के अवसर पर इस सदन की ओर से हार्दिक शुभकामनायें देता हूँ। दूसरे माननीय सदस्य श्री ब्रज भूषण राजपूत जी को जन्म दिन की बहुत-बहुत बधाई। ये इस समय अनुपस्थित हैं लेकिन हम लोग शुभकामनायें दे देते हैं। इनका जन्म 28 मई, 1982 को उरई में हुआ था। उत्तर प्रदेश विधान सभा के माननीय सदस्य श्री ब्रज भूषण राजपूत निर्वाचन क्षेत्र जरखारी, महोबा से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर वर्तमान विधान सभा के लिए दूसरी बार निर्वाचित हुए हैं। इसके पूर्व आप सत्रहवीं विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए थे। आपको राजनीतिक कौशल विरासत में प्राप्त हुआ है। आपके पिता श्री गंगा चरण राजपूत तीन बार लोक सभा तथा एक बार राज्य सभा के सदस्य रह चुके हैं। आपने परास्नातक की शिक्षा ग्रहण की है तथा मदर टेरेसा यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया ने आपको उत्कृष्ट कार्यों के लिए डॉक्ट्रेट की उपाधि से सम्मानित किया है। आप वर्ष 2017 से 2022 तक विधान सभा पुस्तकालय के परामर्श दायी समिति के सदस्य रहे हैं। आपको जन्म दिन के इस अवसर पर मैं अपने और इस सदन की ओर से हार्दिक शुभकामनायें देता हूँ।

दिनांक 01-05-2022 को जनपद चन्दौली में घटित घटना के सम्बन्ध में व्यवस्था का प्रश्न

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, 01-05-2022 को चन्दौली में एक घटना हुई थी। नियम-56 में हम लोग डालना चाहते थे लेकिन आज के कार्यक्रम में नहीं लिया गया। आपके माध्यम से चूंकि यह सरकार के संज्ञान में है हम माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी से यह आग्रह करेंगे कि इस घटना पर अभी तक क्या कार्यवाही हुई है ?

श्री अध्यक्ष-

जब यह नियम-56 में नहीं है तो वे तैयारी के साथ नहीं आये होंगे कि क्या जवाब देना है। आपने माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी के संज्ञान में डाल दिया है, वे उसको दिखवा लेंगे। आप बिना सूचना के कोई भी बात पूछेंगे तो यह स्वाभाविक है कि उसकी जानकारी नहीं होगी। आप वह नोटिस दे दीजिए, माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी उसको दिखवा लेंगे।

[12:07] वित्तीय वर्ष 2022-2023 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा (क्रमागत)

***श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-**

धन्यवाद माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे अट्ठारहवीं विधान सभा के प्रथम सत्र के बजट भाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आभारी हूँ। अपने सभी सहयोगियों की आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे पहले बोलने का अवसर दिया।

माननीय अध्यक्ष जी, हम सब लोगों ने बजट सुना, देखा और पढ़ा भी। रुपये 6.15 लाख करोड़ का सरकार का लहीम-शहीम बजट प्रस्तुत हुआ है, मैं कहूँगी कि यह पूरी तरह से झूठ की नींव पर खड़ा हुआ बजट है। कदम-कदम पर इस बजट में जनता को गुमराह करने के लिए, भ्रमित करने की पूरी कोशिश की गयी है। आज प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी हर वर्ग के अन्दर हाहाकार मचा है। गरीब और मध्यम वर्ग की कमर टूट गयी है। लोगों ने सरकार से अपेक्षा की थी कि ऐसा बजट आयेगा जो जिन्दगी को थोड़ा-सा आसान और सुगम बना देगा पर सरकार का बजट हर वर्ग के अन्दर घोर निराशा लेकर आया है। जी0एस0टी0 के बाद महँगे टैक्स और रोजगार के साधन सिमट गये हैं। आज त्राहिमाम मचा है और जनता अपने आप को ठगा महसूस कर रही है। एक दिशाहीन सरकार के भटके हुए बजट ने जनता को केवल निराशा दी है। आज जनता अपने आपको छला हुआ महसूस कर रही है। दुख इस बात का है कि चुनाव में सरकार ने जो वायदे किये थे उसको भी पूरा करने में सक्षम नहीं है। बजट में प्रदेश की गिरी हुई अर्थव्यवस्था और अधिक लड़खड़ा जाने का खतरा बढ़ गया है। प्रदेश के हालात जिस तरह से चल रहे हैं, अर्थव्यवस्था के और खराब होने की उम्मीद है और इसके लिए अगर कोई जिम्मेदार होगा तो भविष्य में सरकार जिम्मेदार होगी।

सरकार ने संकल्प-पत्र में 130 घोषणाएं की थीं और 97 घोषणाओं पर सरकार ने बजट में प्रावधान किया है। इससे यह प्रतीत होता है कि सरकार सत्ता में रहने के लिए घोषणाएं तो कर देती है पर उन घोषणाओं को पूरा करने के लिए गम्भीर नहीं होती है। क्या सरकार के पास कोई रोडमैप नहीं है। सरकार किसानों की आय दुगुनी करने की बात करती थी और फ्री बिजली देने का वायदा किया था जिस पर बजट में कोई भी चर्चा नहीं की गयी है और अब कहा जा रहा है कि नलकूप और नहर की सिंचाई हम करेंगे। कालेज जाने वाली छात्राओं को रानी लक्ष्मीबाई योजना के तहत स्कूटी देने का वायदा किया था। सरकार ने बजट में इस पर भी चुप्पी साधी हुई है। इनवेस्टर्स समिट-2018 में सरकार ने 40 लाख युवाओं को रोजगार देने का तीन वर्ष का लक्ष्य रखा था। भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव से पहले 2 व 3 करोड़ स्वरोजगार देने की बात कही और 4.68 लाख करोड़ में 3 लाख करोड़ का निवेश करने का दावा किया। न ही यह निवेश हुआ और न ही रोजगार व स्वरोजगार नौजवानों को

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मिला और न ही सरकार ने बजट में इसका जिक्र किया है। मैं यह मांग करती हूँ कि सरकार को इन इनवेस्टर्स समिट से मिले रोजगार व स्वरोजगार पर श्वेत-पत्र जारी करना चाहिए। गरीब को सस्ती दर पर भोजन देने के लिए अन्नपूर्णा योजना की घोषणा सरकार ने की थी पर बजट में उस पर भी चर्चा नहीं की गयी।

बजट में कहा गया कि चिकित्सा शिक्षा में रोजगार सृजन की अपार सम्भावनाएं हैं। मैं पूछना चाहती हूँ सरकार से कि जोयुवा बेरोजगार है, वह सरकार से उम्मीद करता है कि रोजगार मिले। रोजगार सृजन की सम्भावना बता दी जाये युवाओं को तो यह युवाओं के लिए सरकार का सबसे बड़ा धोखा है। महत्वपूर्ण योजनाओं का सरकार ने ढिंढोरा तो पीटा पर किसी भी योजना पर न तो पैसा बढ़ाया है और न ही कोई प्रोविजन किया है। वाराणसी और गोरखपुर में मेट्रो के लिए मात्र 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कम से कम वाराणसी और गोरखपुर में तो पूरा पैसा मेट्रो चलाने के लिए दे दिया होता। नए मेडिकल कालेज के लिए केवल 2100 करोड़ दिये गये हैं। मैं पूछना चाहती हूँ कि अगर सभी जिलों में मेडिकल कालेज खुलेंगे तो क्या ये 2100 करोड़ पर्याप्त हैं। क्या सरकार के पास कोई रोडमैप नहीं है, उनको पूरा करने के लिये। मेडिकल कालेज में भर्ती की भी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गयी है केवल 1000 नर्सों की भर्ती आगामी वर्षों में करने की बात की गयी है। आज हमारे पैरामेडिकल स्टाफ हमारे यहां मेडिकल कालेज में नहीं है और न ही सरकारी अस्पतालों में है तो इन सबकी आपूर्ति कैसे होगी। इस विषय पर भी सरकार मौन है। व्यापारियों के लिए भी इस बजट में कोई सुविधा नहीं दी गयी है। कोरोना के बाद व्यापारी आगे बढ़ने के लिए परेशान है और सरकार के पास व्यापारियों को आगे बढ़ाने के लिए कोई योजना नहीं है। सरकार यह बताने का काम करे कि छोटे और मझले व्यापारियों को आगे बढ़ाने के लिए क्या योजना है। केवल इनवेस्टर्स समिट में रेड कार्पेट बिछा देना ही सरकार का काम नहीं है। जनता की कमाई का पैसा इस तरह से उड़ा देना और रोजगार न देना इस तरह से बहुत बड़ा धोखा सरकार ने जनता के साथ किया है। हर साल दो लाख छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा के लिए उत्तर प्रदेश से बाहर जाता है। इनको उत्तर प्रदेश में शिक्षा उपलब्ध कराने का सरकार का क्या नजरिया है इसका भी बजट में कहीं भी जिक्र नहीं किया गया है।

बजट में कर्मचारियों के लिये भी कुछ नहीं है। पुरानी पेंशन पर सरकार पूरी तरह से मौन है। महंगाई भत्ते की 18 महीने से जो रुकी धनराशि है उसके भी भुगतान की घोषणा सरकार ने नहीं की है। लाखों अस्थाई कर्मचारियों को उम्मीद थी कि सरकार को स्थाई करेगी। बजट में प्राविधान करेगी, लेकिन इस बजट में कर्मचारियों के लिए भी कुछ नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि 2000 हजार पदस्थ शिक्षक बेरोजगारी की कगार पर हैं। मा0 अध्यक्ष जी यह वह शिक्षक हैं जिन्होने अपना पूरा जीवन अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए बिताया है। आज बहुत से ऐसे शिक्षक हैं जो रिटायरमेन्ट की कगार पर हैं जिन्होंने अपने बच्चों की शिक्षा

के लिए बेटी की शादी के लिए ऋण ले रखा है। लोन ले रखा है और अगर सरकार उनको निकाल देगी तो उनके परिवारों का क्या होगा। मैं मांग करना चाहती हूँ कि सरकार इस पर पुनर्विचार करे। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश को देखते हुए सरकार मानवता के आधार पर कोई बीच का रास्ता निकाले। बिजली आपूर्ति में सुधार कैसे होगा ? उत्पादन कैसे बढ़ेगा ? अगर हमें अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ाना है और अपने उद्योगों को बढ़ाना है तो इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता निर्बाध विद्युत आपूर्ति की है। मैंने पूरा बजट पढ़ डाला है लेकिन सरकार ने बिजली की एक भी नई इकाई खोलने के लिए इसमें कोई प्राविधान नहीं किया है। आज बिजली की बहुत बड़ी समस्या है जिससे पूरा प्रदेश त्राहि-त्राहि कर रहा है।

जलवायु परिवर्तन आज एक गम्भीर मुद्दा है। भूमिगत जल का स्तर लगातार गिरता चला जा रहा है। लखनऊ में ही पिछले पांच वर्षों में एक मीटर से ज्यादा भूगर्भ जल का स्तर गिर चुका है। सरकार के बजट में हरियाली लाने के लिए और जंगलों के विस्तार के लिए कोई प्राविधान नहीं किया गया है। सरकार लगातार ओ0डी0ओ0पी0 की बात करती है केवल धनराशि का आवंटन कर देने से क्या कोई योजना सफल होती है। यह दावा कर देने से कि 88,000 करोड़ की बजाय हमारा निर्यात 1.56 लाख करोड़ का हो गया है, पर्याप्त नहीं है। सरकार को बताना चाहिए कि सरकार ने ऐसा कौन सा काम किया है, जिससे बिना कुछ लगाये उनका निर्यात बढ़ गया। हकीकत तो यह है कि जो लोग अपनी मेहनत से व्यापार कर रहे हैं उन लोगों ने निर्यात को बढ़ाया है और सरकार इसका पूरा श्रेय लेने का प्रयास कर रही है। स्कूल के बच्चे जिनके लिए सरकार लगातार कह रही है कि हम उनकी यूनीफार्म का पैसा उनके खातों में दे रहे हैं। उनकी यूनीफार्म और जूते-मोजे और बैग के लिए 1100 रुपये की धनराशि पर्याप्त नहीं है। इस पर सदन में चर्चा भी हुई कि यह धनराशि पूरी तरह से अपर्याप्त है क्योंकि महंगाई बढ़ गयी है। सरकार ने बजट में इसको भी बढ़ाने का कोई निर्णय नहीं लिया है। मैं कहती हूँ कि महिलाओं के लिए इससे धोखे भरा बजट और कोई नहीं हो सकता है। हमने लगातार सदन में इस बात को उठाया है कि उसी वर्ग की महिलाओं को सरकारी नौकरी में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन सरकार इस पर भी पूरी तरह से मौन है। आज लगातार महिलाओं के प्रति अपराध बढ़ रहे हैं जिसको नियंत्रित करने के लिए भी सरकार के पास कोई रोड मैप नहीं है। मान्यवर, एक और बहुत गम्भीर विषय है। इस सम्मानित सदन में बहुत सारी महिला सदस्य भी हैं और बहुत सारे ऐसे सदस्य भी हैं जो ग्रामीण क्षेत्रों से चुन कर आते हैं। सरकार ने शौचालय बनाने की एक अच्छी पहल की है और बड़ी संख्या में बनाये भी हैं लेकिन हम सबने देखा है और हम सब देखते हैं कि ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं के लिए स्नान घर बनाना बहुत आवश्यक है क्योंकि आज भी जब हम गांवों में जाते हैं तो गरीब घर की महिलायें खटिया की ओट में या साड़ी की ओट में स्नान करती हैं। मेरी मांग है कि सरकार को इस विषय पर गम्भीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। मैं सभी सदस्यों से और खासकर जो हमारी

महिला सदस्य हैं, उनसे मांग करूंगी कि हमें मजबूत तरीके से सरकार के सामने यह मांग रखनी चाहिए ताकि सरकार उत्तर प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए स्नान घर का निर्माण कराने पर विचार करे।

अन्त में हमारे जो साथी विधायक हैं, मैं इनके बारे में भी आपसे कुछ मांग करना चाहती हूँ। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी बैठे हैं और हमेशा से माननीय मंत्री जी इस विचार पर हम लोगों के साथ खड़े भी रहे हैं। माननीय अध्यक्ष जी, महंगाई केवल जनता के लिए ही नहीं बढ़ी है, बल्कि महंगाई माननीय जन प्रतिनिधियों के लिए भी बढ़ी है। जिस तरह से आज देश और प्रदेश में महंगाई चरम पर जा रही है, तो मैं मांग करूंगी कि खासकर जो हमारे नये साथी आये हैं, इनको अपने क्षेत्र में जाकर अपनी जनता के बीच में जाकर कुछ काम करना है। आज जो विधायक निधि की धनराशि है, वह आज की महंगाई के दौर में पर्याप्त नहीं है, इसलिये इसको बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर देना चाहिये। मेरी मांग है कि सभी सदस्यों के लिए विधायक निधि की धनराशि पांच करोड़ रुपये होनी चाहिये और सरकार को सदस्यों के महंगाई भत्ते को भी बढ़ाना चाहिये। मान्यवर, मेरा अनुरोध है कि सरकार को इस पर शीघ्र विचार करना चाहिये।

(इस समय 12 बजकर 19 मिनट पर अधिष्ठाता डॉ0 मंजू शिवाच पीठासीन हुईं)

मैं अन्त में इतना ही कहना चाहूँगी कि जो मेरे सुझाव हैं सरकार उन पर विचार करे और उन्हें अपने बजट में समायोजित करे। बहुत-बहुत धन्यवाद।

[12:20] *श्री राम निवास वर्मा-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, इस सम्मानित सदन में आदरणीय वित्त मंत्री श्री खन्ना जी द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रस्तुत बजट के समर्थन में मुझे अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। इसके लिए मैं आपको धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। माननीया अधिष्ठाता महोदया जी, भाजपा, अपना दल, निषाद पार्टी के गठबन्धन की सरकार द्वारा 06 लाख 15 हजार 519 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट प्रस्तुत किया है जो कि उत्तर प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा बजट है। सभी वर्गों के कल्याण और प्रदेश के विकास का खाका खींचा गया है। इस बजट में कुल 39 हजार 181 करोड़ 10 लाख की नयी योजनायें सम्मिलित की गयी हैं जिसमें प्रदेश के युवाओं, महिलाओं एवं किसानों का विशेष ध्यान रखा गया है। हमारी सरकार द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के लिए 10 हजार 547 करोड़ 42 लाख रुपये प्रस्तावित किये गये हैं जिसके तहत नये मेडिकल कालेजों की स्थापना की जायेगी। प्राथमिकताएं यदि निश्चित हों और कार्य योजना स्पष्ट हो तो लक्ष्य हासिल करना आसान हो

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जाता है। लगातार दूसरी बार सत्ता में आयी हमारी सरकार के पहले बजट में प्रदेश को आगे बढ़ाने की सोच और दिशा दोनों ही दिखायी पड़ती है। शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचा तो इसके केन्द्र में है ही। समाज के लिए कल्याणकारी योजनाओं के लिए भी ध्यान दिया गया है। लोक कल्याणकारी सरकार अन्नदाता की उपेक्षा नहीं कर सकती है और हमारी सरकार ने अपने बजट में उनकी आर्थिक उन्नति पर ध्यान केन्द्रित रखा है।

मा0 अधिष्ठाता महोदया जी, कोई भी प्रदेश विकास की पटरी पर तभी आ सकता है जब वहां औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिले, इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान दिया जाय। इसके लिए सरकार ने मल्टी मॉडल कनेक्टिविटी परियोजना पर विशेष ध्यान दिया है। कनेक्टिविटी बढ़ेगी तो निवेशक भी आकर्षित होंगे। बजट में प्रमुखता से शामिल एक्सप्रेस-वे परियोजनायें इसकी तो रीढ़ हैं और इसके किनारे बनने वाले औद्योगिक गलियारों से पिछड़े क्षेत्रों का भी विकास होगा। महिला सशक्तीकरण के लिए तीन महिला पी0ए0सी0 बटालियन गोरखपुर, लखनऊ, बदायूं का गठन नारी शक्ति को नई ऊर्जा देगा। इसी के साथ आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए ए0टी0एस0 सेन्टर, देवबन्द का निर्माण कार्य प्रगति पर है जिसे पूर्ण किया जायेगा। मेरे जनपद बहराइच में भी सेन्टर का निर्माण कराया जायेगा। किसानों की सिंचाई हेतु डीजल विद्युत के स्थान पर वैकल्पिक ऊर्जा प्रबन्धन के अन्तर्गत प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महा अभियान की योजना के अन्तर्गत किसानों के प्रक्षेत्रों में सोलर पम्पों की स्थापना हमारी सरकार द्वारा करायी जा रही है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 15 हजार सोलर पम्पों की स्थापना करायी जायेगी। कृषि उत्पादन में गुणवत्ता बीजों का सर्वाधिक महत्व है। इसके लिए हमारी सरकार द्वारा वर्ष 2022-23 में 7 लाख 20 हजार कुन्तल बीजों का वितरण किया जाना प्रस्तावित है। प्रदेश सरकार द्वारा किसान भाइयों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करायी जा रही है। प्रदेश में 165.38 लाख हे0 में खेती की जाती है। कृषि क्षेत्र की विकास दर 5.1 प्रतिशत प्राप्त करने का लक्ष्य है। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रदेश में उत्तरोत्तर खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि करने हेतु सरकार प्रयासरत है। इसी के साथ नया सवेरा कार्यक्रम के तहत हमारे समाज से बाल श्रम को पूरी तरह समाप्त करने की योजना है। जरूरतमन्द परिवारों को नकद हस्तान्तरण किया जा रहा है।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, जरूरतमन्द परिवारों को नकद हस्तान्तरण किया जा रहा है ताकि परिवार उन बच्चों की शिक्षा जारी रख सकें जिससे बाल श्रम में शामिल होने का खतरा रहता है। मैं सभी प्रदेशवासियों को इस आत्मनिर्भर और अन्त्योदय की संकल्पना को सिद्ध व समर्पित लोक कल्याणकारी बजट के लिए बधाई देता हूँ। यह बजट प्रदेशवासियों के लिए खुशियों का द्वार सिद्ध होगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

[12:25] *श्री राजपाल सिंह बालियान-

मा0 अधिष्ठाता महोदया जी, आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर दिया है उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। नये बजट में किसानों के लिए कोई विशेष प्राविधान नहीं किया गया है। किसानों को दवाई, पेस्टीसाइड में सब्सिडी, खाद में सब्सिडी और उनकी फसलों के अच्छे दाम मिलने चाहिए थे। हमारे जनपद मुजफ्फरनगर एवं शामली में, वैसे तो पूरे प्रदेश में गन्ना फैक्ट्रियां हैं, लेकिन कुछ गन्ना फैक्ट्रियां ऐसी हैं जिन्होंने पिछले साल से अब तक का बकाया पेमेण्ट नहीं किया है। मेरी विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना में एक भसाना गन्ना शुगर मिल है। उस गन्ना शुगर मिल द्वारा इस वर्ष किसानों का केवल 22 दिन का ही पेमेण्ट किया गया है। मैं आपके माध्यम से चाहूँगा कि सरकार किसानों के लिए ऐसा कोई प्रावधान करे जिससे कि गन्ना किसानों का पेमेण्ट किया जा सके। जहां तक विद्युत विभाग की बात है, विद्युत विभाग के द्वारा सुबह 3 बजे, 4 बजे छापे डाले जा रहे हैं। विद्युत विभाग द्वारा घरों पर छापे इस तरह से डाले जा रहे हैं कि लगता है कि जैसे किसी डकैत को ढूंढने के लिए छापा डाला जा रहा हो और चेकिंग की जा रही है। मैं मानता हूँ कि चेकिंग होना जरूरी है, लेकिन चेकिंग नियमानुसार होनी चाहिए। सरकार ने ऐसी कोई भी व्यवस्था नहीं की है कि जैसे पिछली सरकारों में किसानों को हर वर्ष बकाया बिलों में छूट दी जाती थी। उनकी पेनाल्टी माफ कर दी जाती थी, लेकिन अबकी बार किसानों की पेनाल्टी माफ नहीं की गयी है और मैं चाहूँगा कि सरकार इस ओर भी ध्यान दे।

जहाँ तक सिंचाई ट्यूबवेल की बात थी। सरकार ने अपने घोषणा-पत्र में लिखा था कि निजी नलकूपों की बिजली फ्री होगी, लेकिन निजी नलकूपों की बिजली को फ्री नहीं किया गया है। जहाँ तक सरकारी नलकूपों की बात है और सभी मा0 मंत्री एवं मा0 सदस्य लोग बैठे हैं। यदि हम अपने क्षेत्र में नजर डालें तो मेरे हिसाब से 50 प्रतिशत सरकारी नलकूप खराब हैं। उनको ठीक कराया जाय जिससे किसानों को सिंचाई में सुविधा मिल सके। हमारी विधान सभा क्षेत्र एवं जनपद मुजफ्फरनगर के अन्दर जो जिला पंचायत सदस्य है और वहां पर पुराने जिला पंचायत सदस्यों के विकास कार्यों के बोर्ड लगाये जा रहे हैं, लेकिन वहां पर नये जिला पंचायत सदस्यों के विकास कार्यों के बोर्ड लगने चाहिए। हमारी विधान सभा क्षेत्र में 43 जिला पंचायत सदस्य हैं, लेकिन 13 जिला पंचायत सदस्यों को अपने क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए पैसा ही नहीं मिला है। मैं संसदीय कार्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि ऐसा कोई प्राविधान बनायें कि जैसे पक्ष हो, विपक्ष हो, सभी विधायकों को बराबर निधि दी गयी है।

मान्यवर, मैं संसदीय कार्य मंत्री जी से अनुरोध करना चाहूँगा कि जिस तरह से विधान सभा के अन्दर पक्ष हो या विपक्ष हो, सभी विधायकों को बराबर निधि दी गयी है। तो ऐसा ही

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

प्रावधान जिला पंचायत में, चाहे वह पक्ष हो या विपक्ष हो, उनकी धनराशि का भी किया जाना चाहिए। जहां तक सूचीपट की बात है, हमारे यहां मौजूदा सांसद और मंत्री जी द्वारा जो सूचीपट सड़कों के निर्माण के लिये लगाये जा रहे हैं, उनमें अपने साथ निवर्तमान विधायक का नाम हर सूची पर डलवा रहे हैं। मैं अपने माननीय मुख्य मंत्री को धन्यवाद दूंगा, उन्होंने कुछ दिन पीछे एक बयान दिया था कि जिस ब्लाक में मेला हो, फंक्शन हो या क्षेत्र में कोई बात हो वहां के विधायकों के द्वारा किया जाये जिसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी को पुनः धन्यवाद भी दूंगा और उनका ध्यान इस तरफ आकर्षित करूंगा कि मौजूदा विधायक एवं जिला पंचायत सदस्यों का अपमान न किया जाये। जहां तक बात किसानों की अन्य समस्याओं की है, तो उसमें छुट्टा पशु की समस्या भी बहुत बड़ी है। सरकार ने बहुत-सी गौ-शालाएं खुलवाईं, लेकिन उनका प्रबन्ध ठीक तरीके से नहीं हुआ। 30 रुपये की धनराशि एक गाय को दी गयी है जबकि भूसे का भाव आज 1300 रुपये या 1400 रुपये कुन्टल है, तो वह धनराशि भी बजट में नहीं बढ़ाई गयी है।

मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहूँगा कि मेरठ और सहारनपुर हवाई अड्डे के लिए उन्होंने पैसा स्वीकृत नहीं किया है, यह पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए और जनहित के लिए यह बहुत बड़ी एवं पुरानी मांग है, मैं मेरठ और सहारनपुर हवाई अड्डे के लिए अनुरोध करूंगा कि उसे जल्दी-से-जल्दी तैयार कराया जाय। जहाँ तक प्रश्न गन्ना फैक्ट्री का है, तो जिस तरीके से पिछले कुछ सालों में गन्ना फैक्ट्रियों का रवैया रहा उससे अबकी बार काफी मजबूत स्थिति में मुनाफा है। चीनी के रेट कभी डाउन नहीं हुए, लेकिन रेट केवल 25 रुपये ही बढ़ाया गया था, तो किसानों को और कोई सुविधाएं दी जायें जिससे किसान मजबूत हों और किसान अधिक से अधिक गन्ना फसल को तैयार करे। जहाँ तक कानून व्यवस्था की बात है, कानून व्यवस्था में जिस तरह से कमजोर आदमी थानों में जाता है उसकी तहरीर पर पकड़ने के लिए कोई तैयार नहीं है, मैं सरकार का ध्यान भी उस ओर दिलाना चाहता हूँ। जहाँ तक यह फेसबुक-वाट्सऐप पर आया है कि भारतीय जनता पार्टी के कोई कार्यकर्ता थाने में नहीं जाएंगे तो थाने में जाना, कार्यकर्ता चाहे उधर का हो या इधर का हो, सदस्य चाहे उधर का हो या इधर का हो, वहां जाना भी जरूरी है, वहां पर रिपोर्ट भी कराना जरूरी है। कमजोर लोगों की सुनवाई कम हो रही है और कमजोर लोगों की वहां पर कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं होती, उनको वहां से भगा दिया जाता है इस ओर भी मैं सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूँ। इसी के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय श्री अनिल कुमार त्रिपाठी जी आप बोलिये।

[12:34] *श्री अनिल कुमार त्रिपाठी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, उत्तर प्रदेश की 18वीं विधान सभा के प्रथम सत्र पर माननीय वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना द्वारा प्रस्तुत किये गये उत्तर प्रदेश सरकार के इस बहुआयामी बजट एवं अब तक की सबसे बड़ी धनराशि के बजट, जो उत्तर प्रदेश की जनता के सर्वांगीण विकास के लिए चाहे वह किसान हो, विद्यार्थी हो, युवा हो, मजदूर हो, हर वर्ग के उत्थान का यह बजट प्रस्तुत किया गया है, माननीय मुख्य मंत्री जी के दृष्टिकोण और उनकी संकल्पनाओं को गति देने के लिए, इस बजट के लिए मैं आपकी सरकार, माननीय वित्त मंत्री जी को और माननीय मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ, धन्यवाद देता हूँ। माननीय अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश भारत के बहुित ही पिछड़े प्रदेशों में गिना जाता था और इस प्रदेश में कभी गुण्डे-माफियाओं का राज चलता था, लेकिन जबसे हमारे माननीय योगी जी की सरकार उत्तर प्रदेश में आयी है, एक नया वातावरण पैदा हुआ है और आज प्रदेश विकास की तरफ गतिमान है। आप सभी ने देखा होगा कि जहां सरकारी अस्पतालों में पहले मरीज जाता था तो सिर्फ खानापूर्ति होती थी, न कोई डॉक्टर्स होते थे, न दवाएं होती थीं। आज हमारी सरकार अस्पतालों के कायाकल्प के लिए जो निरन्तर प्रयास किया है। प्राइवेट अस्पतालों को छोड़ करके अब लोग सरकारी अस्पतालों में, मेडिकल कालेजेज में इलाज कराने के लिए जाते हैं और हमारी सरकार ने इसके लिए विशेष व्यवस्था की है। जो 108 और 102 नम्बर की गाड़ियां हैं, किसी प्रकार की दुर्घटना होती है, किसी प्रकार का कोई मरीज आग्रह करता है, तो तुरन्त ही उसके लिए वह सुविधा उपलब्ध होती है। शिक्षा के क्षेत्र में जो उत्तर प्रदेश कभी नकल का प्रदेश कहलाता था और यहां के विद्यार्थी कहीं बाहर के प्रदेशों में जाते थे तो उन्हें बड़ी हिकारत की दृष्टि से देखा जाता था। आज शिक्षा के क्षेत्र में जिस प्रकार से हमारी सरकार ने काम किया है, चाहे प्राथमिक शिक्षा हो, चाहे उच्च शिक्षा हो, हर क्षेत्र में सरकार ने जो बहुआयामी काम किया है, उससे आज हमारे विद्यार्थियों का भाग्य उदय हुआ है और जिस प्रकार से गरीब विद्यार्थियों के लिए सरकार ने उनकी विशेष शिक्षा के लिए व्यवस्था की है, गरीब विद्यार्थियों को भी आज आई0ए0एस0, आई0पी0एस0 बनने का अवसर प्राप्त हो रहा है। हमारे प्रदेश में एक वक्त था, जब सड़कें बहुत ही बुरी दशा में होती थीं। आज उत्तर प्रदेश की सड़कें इतनी बेहतर हैं कि हम लोगों को अगर सन्तकबीर नगर से लखनऊ आना होता है तो मुश्किल से 03 घण्टे का समय लगता है। पहले इसी लखनऊ में आने के लिए 06 घण्टे का समय लगता था।

आज हमारे उत्तर प्रदेश की जो आर्थिक स्थिति है, अच्छी हुई है, वह बहुत ही विकसित हुआ है। उत्तर प्रदेश में विदेशों से और देश के कोने-कोने से लगातार इन्वेस्टमेण्ट आ रहा है। अभी आने वाली 03 तारीख को माननीय प्रधानमंत्री जी इनवेस्टर्स समिट करने जा रहे

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

हैं और जैसा कि बताया गया है, 75 हजार करोड़ का इन्वेस्टमेण्ट उत्तर प्रदेश में आ रहा है। आज एक वातावरण बना हुआ है, औद्योगिक विकास का, जो हमारे गोरखपुर और सन्तकबीर नगर के आस-पास के जिलों में उद्योग-धन्धे जो बन्द हुआ करते थे, पिछले 5 वर्षों में जिस प्रकार से नई-नई, बड़ी-बड़ी कम्पनियां गोरखपुर के गीडा क्षेत्र में आ करके उद्योग-धन्धे स्थापित कर रही हैं और उसी प्रकार से पूरे प्रदेश में उद्योग-धन्धे स्थापित हो रहे हैं तो मुझे भरोसा है कि आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश उद्योग-धन्धों में सर्वोच्च शिखर पर होगा। (सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) मैं अपनी निर्बल इण्डियन शोषित हमारा आम दल, निषाद पार्टी की तरफ से अपनी सरकार को बधाई देना चाहता हूँ, उन्होंने एक गरीब के बेटे को, डॉ0 संजय निषाद जिन्होंने गरीबों के लिए विगत 30 सालों से लगातार संघर्ष किया और जिन्होंने गरीबों के उत्थान के लिए लाठियां खाईं, गोलियां खाईं और ऐसा गरीब वर्ग जिसे निषाद समुदाय कहा जाता है और जिनकी सदैव उपेक्षा होती रही है उनको मंत्रि-मण्डल में शामिल करके आज हमें गौरवान्वित करने का अवसर दिया है। मैं इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूँ कि हमारी सरकार ने निषाद समुदाय के विकास के लिए मत्स्य विभाग में अनेक प्रकार की योजनाएं बनाई हैं और उसके लिए धन आवंटित किया है। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के अन्तर्गत दुर्घटना बीमा दिया है और उसके लिए फंड की व्यवस्था की गयी है। इसके लिए राष्ट्रीय विकास बोर्ड बनाया गया है और साथ ही साथ इसके लिए अभिकरण की स्थापना की गयी है और प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र और अन्य उपक्रमों को सहायता दी जा रही है। उसके लिए 790 लाख के बजट का प्राविधान किया गया है। जिस प्रकार से प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना में भारत सरकार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश की सरकार ने व्यवस्था बनाई है। आज यह उम्मीद दिखाई दे रही है कि हमारे प्रदेश के मछुआ समुदाय के हाथों से कभी छीन लिया गया था और सारे तालाबों के पट्टे और उनके रोजगार के साधन दूसरे समाज के लोग ले लिया करते थे। आज यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मछुआ समुदाय को उनका रोजगार उन्हें पुनः मिल सके, इसके लिए मैं उत्तर प्रदेश सरकार को बधाई देता हूँ।

हमारे प्रदेश में आज जो परिस्थितियां हैं जिस प्रकार से रोजगार का विकास हो रहा है, अभी पिछली सरकार में हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार में साढ़े चार लाख युवाओं को रोजगार दिया गया। मुझे याद आता है कि इसके पहले जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी, आज से 15 साल पहले उस समय मुझे अच्छी तरीके से याद है कि पुलिस की भर्ती थी और उस भर्ती में सैफई में बैठे हुए लोग और इस सरकार में उस समय समाजवादी पार्टी की सरकार थी उस सरकार में बैठे हुए लोग कुछ सूची भेजा करते थे और जो डी0आई0जी0 और एस0पी0 हुआ करता था। पूर्वांचल के लोगों की नौकरी पश्चिम के लोगों को मिलती थी वहां के लोगों को नौकरी नहीं मिलती थी। सूची बन करके जाती थी, लेकिन इस बार हमारी सरकार ने

यह सुनिश्चित किया है कि किसी भी व्यक्ति को अगर सरकारी नौकरी मिल रही है तो एक भी रुपए का किसी भी प्रकार का कोई भ्रष्टाचार नहीं किया जायेगा। जो चीज हमारे विपक्षी भाई कहना चाहते हैं भर्ती के मामले में आज की डेट में उत्तर प्रदेश में जितनी शुचिता है, उतनी शुचिता कभी नहीं मिली है। उत्तर प्रदेश की हमारी सरकार में यह कहा जा रहा है। शायद आपको पता नहीं होगा कि जब वर्ष 2019 में लोक सभा का चुनाव था तभी से मुझे प्रत्याशी बनाया गया था। आपका जो यह आरोप लगा रहे हैं श्रीमान जी पहले आप अपने गिरेबान में झांकिये।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य बजट पर चर्चा जारी रखिए।

श्री अनिल कुमार त्रिपाठी-

आप सभी को अच्छी तरह से पता है कि उत्तर प्रदेश सरकार इस समय सत्य और न्याय के विचार को अपने व्यवस्था में ले करके चल रही है और किसी प्रकार का आरोप जो भी विपक्ष के द्वारा लगाया जाता है, वह पूरी तरह से अनुचित है, मैं इसकी भर्त्सना करता हूँ। अभी मैंने इसी सदन में देखा था कि जिस प्रकार से तू-तू, मैं-मैं की गई थी और जब राज्यपाल महोदय यहां पर भाषण दे रही थीं और जिस प्रकार से लोगों ने विरोध किया था, यह कभी भी हमारे भारतीय समाज में स्वीकार्य नहीं है और इसके लिए मैं भर्त्सना करता हूँ। 17 जातियों के लिए मैं अपने योगी जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने प्रयास किया है और मा0 अमित शाह जी ने उसके लिए वहां पर व्यवस्था बनाई है और मैं आने वाले दिनों में आप लोगों को भरोसा देता हूँ कि ये जो पिछड़ी जातियों में हमारे निषाद और मछुआ समुदाय के लोग हैं, इन्हें शीघ्र ही अनुसूचित समाज में शामिल किया जायेगा।

श्री अधिष्ठाता-

संक्षेप कर लीजिए। प्लीज आप अपनी बात समराइज कर लीजिए। एक मिनट में समराइज कर लीजिए।

श्री अनिल कुमार त्रिपाठी-

अधिष्ठाता महोदया, मैं यह कहना चाहता हूँ कि हर मुश्किल का हल निकलेगा, आज नहीं तो कल निकलेगा। आप लोग सब्र रखिये। यह हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार और इसके गठबन्धन का जो लक्ष्य है, गरीब का कल्याण और शासन-प्रशासन में शुचिता का मुझे भरोसा है कि इस लक्ष्य को आने वाले दिनों में पूरा किया जायेगा। हमारी सरकार के द्वारा इस प्रदेश को सर्वोच्च शिखर पर पहुंचाया जायेगा, हिन्दुस्तान में नम्बर एक पर पहुंचाया जायेगा। आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ। आपको बहुत-बहुत शुभकामना।

[12:46] *श्री ओम प्रकाश राजभर-

मा0 अधिष्ठाता महोदया, बैठे-बैठे मैं सुन रहा था, उधर के लोग कह रहे हैं कि चार बार सपा की सरकार और चार बार बसपा की सरकार रही, कांग्रेस की सरकार तो लम्बे समय तक रही। इधर के लोग कह रहे हैं कि सत्ता पक्ष के लोग कुछ नहीं कर रहे हैं। लेकिन अभी मैं कल की एक घटना बताऊं कि जो काम समाजवादी पार्टी और बसपा के लोग चार बार में नहीं कर पाए, वह काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने मेरठ में एक थाने पर बैनर लगाकर कर दिया है कि सत्ता पक्ष के, भारतीय जनता पार्टी के लोगों का थाने में आना मना है। यह काम इधर के लोग नहीं कर पाये, यह काम इनकी सरकार में नहीं हो पाया। लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार में थाने पर बैनर लग गया है कि यहां भारतीय जनता पार्टी के लोगों का आना सख्त मना है, द्वारा थाना प्रभारी। अधिष्ठाता महोदया, मैं आपके माध्यम से मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि जब विपक्ष के लोग बोलते हैं तो सत्ता पक्ष के लोग यह कहते हैं कि ये कहां से आंकड़ा ले आये और जब उधर के लोग बोलते हैं तो इधर के लोग यह कहते हैं कि ये कहां से आंकड़ा ले आये। मेरा कहना है कि यह तय हो जाये, सत्ता पक्ष के लोग ही तय कर दें कि यहीं से आंकड़ा निकालिये। कम से कम यह तय हो जाये कि यहीं से आंकड़ा आयेगा। अभी हमारे सत्ता पक्ष के एक साथी, हमारे बड़े भाई आंकड़े पर बोल रहे थे हम पिछले पांच साल के कार्यकाल में कुछ दिन उधर वाले गोल में भी रहे और कुछ दिन इधर वाले गोल में भी रहे। लेकिन हम ज्यादा तो इधर वाले गोल में हैं। हम इधर वाले गोल में ज्यादा हैं। (सत्ता पक्ष के कतिपय सदस्यों द्वारा टोका-टाकी करने पर) अरे सुन तो लो भईया, चिल्लाओ मत। ओम प्रकाश राजभर से ज्यादा चिल्लाने वाला दूसरा कोई नहीं है। मेरी बात सुनो, अगर समय मिला है तो सुनने की क्षमता भी रखो और अनुशासन सीखो। दूसरे को अनुशासन का भाषण देने से पहले खुद अनुशासन में रहना सीखो, क्योंकि यहीं पर बैठकर सब कुछ प्रस्तुत करता है ओम प्रकाश राजभर। ऐसे नहीं बोलता हूँ, मेरी बात सुनो, समझो।

मा0 अधिष्ठाता महोदया, मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी वित्त मंत्री भी हैं तो कोई एजेंसी तय हो जाए जो डाटा देती हो, क्योंकि जब हम लोग डाटा दें तो फिर कहीं हम लोग भी उस घेरे में न आ जाएं ताकि सत्ता पक्ष के लोग यह कह सकें कि नहीं, यह सही है। दूसरी चीज मा0 अधिष्ठाता महोदया, हम मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी और वित्त मंत्री जी का ध्यान आकर्षित कराना चाहेंगे कि वर्ष 2021-22 के बजट में मैंने पूरा पढ़ा, बैठ करके सुना भी और दो दिन से पढ़ रहा हूँ। पूरे बजट में बड़ा ढिंढोरा पीटा जा रहा है और लगता है कि प्रदेश में पहली बार बजट पेश हुआ है। सन् 1952 से चुनाव हो रहे हैं, सन् 1952 से जो भी सरकारें

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बनीं, सभी ने अपना-अपना बजट पेश किया। सन् 1952 में प्रदेश की क्या आबादी थी और आज सन् 2022 में प्रदेश की क्या आबादी है? आप यह तुलना कर लीजिएगा तो बता दीजिएगा कि बजट कम है या ज्यादा है। पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान में पिछले बजट में 200 करोड़ रुपया था। बेटियों की शादी के लिए 200 करोड़ रुपया मिलता था, इस बार के भारी-भरकम बजट में इतना दे दिया, इतना दे दिया कि 52 परसेण्ट आबादी में पिछड़ी जाति की बेटी कोई शादी करने लायक है ही नहीं, जीरो परसेण्ट दे दिया। मा0 वित्त मंत्री जी दिखवा लीजिएगा। पिछड़े समाज के लोगों सोचो, तेरी आबादी 52 परसेण्ट है और तेरी बेटी की शादी के लिए जो बाबा साहब डॉ0 अम्बेडकर ने संविधान में व्यवस्था दी, उस व्यवस्था में जीरो बैलेन्स कर दिया गया है, मा0 वित्त मंत्री जी दिखवा लीजिएगा। अभी हमारे बड़े भईया ने बड़ा तगड़ा शेर सुना दिया। हम दो-तीन दिन से देख रहे हैं हमारे वित्त मंत्री जी ने कुछ सुना दिया, इधर से भी कुछ सुना दिया गया, कहीं-कहीं से सुन लिया। 'गर्मी के मौसम में भी ओला पड़ने लगा है, गर्मी के मौसम में भी ओला पड़ने लगा है, जिसका पेट भरा है, वह बेवजह लड़ने लगा है।' पूर्वांचल के पिछड़े वर्ग के बच्चों का सपना होता है कि हम सब भी पढ़-लिख कर डॉक्टर, मास्टर, इंजीनियर, कलेक्टर बनें, लेकिन पिछड़ी जाति में ऐसे बहुत से गरीब, कमजोर लोग हैं, जो इलाहाबाद, दिल्ली जा करके शिक्षा हासिल नहीं कर सकते, खर्चा नहीं उठा सकते। मा0 अधिष्ठाता महोदया, मा0 वित्त मंत्री जी का ध्यान चाहूँगा। भाजपा के संकल्प-पत्र में लिखा हुआ है 'ओ0बी0सी0 युवाओं को सभी प्रतियोगी परीक्षाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिलाये जाने का संकल्प है।'

मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, यह संकल्प सिर्फ संकल्प-पत्र में छप कर न रह जाये, क्योंकि भारी-भरकम बजट में इसके लिए कोई प्राविधान नहीं रखा गया है। सरकार वास्तव में पिछड़े वर्ग की हितैषी है तो देश की सर्वोच्च कोचिंग में पिछड़े वर्ग के युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिलाने की व्यवस्था करे और फीस की व्यवस्था भी सरकार अपने बजट से करे। मा0 वित्त मंत्री जी जरा आप अपना संकल्प-पत्र दिखवा लीजिएगा। हम रोजगार पर आते हैं, अभी सत्ता पक्ष के सहयोगी साथी बड़े ताव से रोजगार पर बोल रहे थे। अधीनस्थ चयन आयोग ने तीन साल में एक भी परीक्षा पास कराकर एक भी नौकरी नहीं दिलायी। अब आप लोग कहेंगे कि यह रिकार्ड आंकड़ा कहां से ले आये। आप दिखवा लीजिएगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग से जो भी परिणाम आये हैं, उसका विश्लेषण किया जाये तो अधिकांश परीक्षाओं में पिछड़े वर्ग के युवाओं की मेरिट सामान्य से भी अधिक है। ऐसे आरक्षण का क्या फायदा ? पिछड़े समाज को क्या फायदा मिल रहा है, इसलिए जातिवार जनगणना कराना बहुत ही आवश्यक है, क्योंकि 1931 में ही जातिवार जनगणना हुई, उसके बाद जातिवार जनगणना नहीं हो पायी। पिछड़े वर्ग के साथ धोखे पर धोखा किया जा रहा है।

मा0 अधिष्ठाता महोदया, पूरे भारी-भरकम बजट में जातिवार जनगणना कराने का एक पैसे का बजट नहीं है। कोर्ट का आदेश गोंड और खरवार जाति के लिए है। हाई कोर्ट के आदेश पर सपा-बसपा सरकारों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति का प्रमाण-पत्र तहसीलों में बनाया जाता था, लेकिन जबसे भाजपा की सरकार आयी है तबसे गोंड और खरवार जाति का तहसीलों में अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र बनना ही बन्द करा दिया गया है। मा0 अधिष्ठाता महोदया, ऐसा भेदभाव गोंड और खरवार जाति के साथ क्यों ? इनके साथ अन्याय क्यों ? इनका जाति प्रमाण-पत्र बनवाया जाये। स्वास्थ्य पर बड़ी चर्चा हो रही है। सरकार मेडिकल कालेज बना रही है, बड़ी खुशी की बात है, एम्स बना रही है, बहुत अच्छी बात है, लेकिन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की दुर्दशा देख लीजिए। डॉक्टर नहीं हैं, दवा नहीं है, फोन करने पर एम्बुलेन्स नहीं पहुंच पा रही है। इस बजट में इन सुविधाओं को सुधारने का कोई बजट नहीं है। मा0 वित्त मंत्री जी देख लीजिएगा। आते हैं शिक्षा पर। बिना शिक्षा के न समाज, न प्रदेश, न देश कोई तरक्की नहीं कर सकता। वाह रे! भाई बजट! एक देश, एक राशन कार्ड। वित्त मंत्री खड़े होकर बड़ी देर एक घण्टा के ऊपर पढ़े उसमें लिखा हुआ है कि एक देश, एक राशन कार्ड, एक उद्योगपति ?

माननीय अधिष्ठाता महोदया, जब एक देश, राशन कार्ड की बात हो रही है तो एक देश एक समान की शिक्षा की बात क्यों नहीं हो रही है ? अब आते हैं हम छात्रवृत्ति पर। पिछले साल 2021-2022 के बजट में 65 प्रतिशत पिछड़े वर्ग के युवाओं को छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति नहीं मिली। लगभग 10 लाख पात्र छात्र दर-दर भटक रहे हैं। कारण 52 प्रतिशत आबादी है। पिछड़े समाज के चुनकर आये हुए विधायकगण साथी, 52 प्रतिशत तेरी आबादी। मैं सदन में जब उस गोल में था तो माननीय मुख्य मंत्री से लड़ करके 900 करोड़ से बढ़ा करके 1650 करोड़ ले गया। तब 50 प्रतिशत के लगभग बच्चों को छात्रवृत्ति दिलाने की व्यवस्था बनी, लेकिन आज क्या हो गया। सरकार ने 1600 करोड़ का बजट दिया, 400 करोड़ भेज दिया कि दिल्ली देगा, केन्द्र देगा। अब तक का इतिहास उठा कर देख लीजिएगा कि 200 करोड़ से ज्यादा केन्द्र सरकार ने कभी बजट नहीं दिया। दिया आपने 1200 करोड़ और जरूरत है 2200 करोड़ की, भारी-भरकम बजट। ये 10 लाख बच्चे कहां जायेंगे, छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए। वोट तो हमको चाहिए, सबको चाहिए, लेकिन ये छात्रवृत्ति कौन दिलायेगा ? ये मेरे घर का सवाल नहीं है ये 52 प्रतिशत आबादी का सवाल है। इस नाते मैं माननीय अधिष्ठाता महोदया के माध्यम से वित्त मंत्री जी से कहना चाहूँगा कि हाई कोर्ट का एक आदेश है। मान्यवर, आपने भी आश्वासन दिया है, पीठ से भी मिला, मुख्य मंत्री जी ने भी सदन में कहा कि 27 अगस्त, 2020 को आरक्षण में वर्गीकरण का हाई कोर्ट का एक आदेश सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट 04 साल से आप रद्दी की टोकरी में रखे हुए हैं। आपने कहा था कि इसे लागू करूंगा। सरकार चली गयी, दूसरी सरकार आ गयी, लागू नहीं हो पाया। अभी-अभी 02 महीने पहले

एक आदेश हाई कोर्ट आस्क यू0पी0 गवर्नमेन्ट टू डिसाइड ऑन इन्क्लूड ऑफ भर राजभर कम्युनिटी इन एस0टी0 लिस्ट आ गया। हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश को आदेश दिया है कि 02 महीने के अन्दर भर राजभर जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल करें। 02 महीना बीत गया। सरकार का कोई उत्तर नहीं आया। आदेश की कापी चाहेंगे तो अधिष्ठाता महोदया आपके माध्यम से पहुंचा दूंगा। सरकार ने एक योजना बनाई है, टैबलेट और मोबाइल बांटने की। ये बांट किसको रहे हैं, जिसके पास फोन है, एप्पल का मोबाइल है, उसको 10,000 रुपये का मोबाइल दे रहे हैं।

(सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा टोका-टाकी करने पर)

श्री ओम प्रकाश राजभर-

हम कहां कह रहे हैं कि आप नहीं दे रहे हैं। मेरी बात तो सुन लो आप। मेरे कहने का तात्पर्य है एक करोड़ आप बांट रहे हो, लेकिन जनरल बांट रहे हो, जिसके पास एप्पल फोन है, जो टैक्स दे रहा है, जो अमीर है, सबको एक समान दे रहे हो, इसका एक क्राइटेरिया बना लो।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, समराइज कर लीजिये, 05 मिनट हो गये हैं।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

गरीब को दो। अमीर को क्यों दे रहे हो। ये आपका काम है अमीर को मलाई खिलाओ, गरीब को चटनी चटाओ। पूरे बजट में महंगाई पर कैसे काबू पाया जाय। 25 करोड़ आबादी को कैसे राहत पहुंचायी जाय, कोई ठोस उपाय नहीं है।

बिजली के बारे में बताना चाहता हूँ। माननीय अधिष्ठाता महोदया, ऊर्जा मंत्री जी चले गये, मैं माननीय वित्त मंत्री जी से कहूँगा कि जो बिजली का मीटर लगा है, वह मीटर इस समय हवा से भी चल रहा है। मैं निवेदन करूंगा कि प्राइवेट दुकान से 10 मीटर खरीदवा लीजिए और 10 जगहों पर उपभोक्ताओं के वहां लगवा दीजिए, दूध का दूध और पानी का पानी हो जायेगा। जितने मीटर लगे हैं, वह मीटर दिन दूना, रात चौगुना फेंक रहे हैं। अगर आप 7 रुपया यूनिट बिजली दे रहे हो तो वह 12 से 14 रुपया यूनिट बिल दे रहा है। यह जो मीटर लगा हुआ है, उसका यह रिजल्ट आ रहा है। इस नाते प्राइवेट दुकानों से 10 मीटर खरीदवा करके उपभोक्ताओं के वहां लगवा करके आप चेक करा लें, तब समझ में आ जायेगा।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, समराइज कर लीजिए।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, गौ-शाला में पशुओं को, गाय, भैंस को 30 रुपये में खिला रहे हैं, आदमी का 30 रुपये में पेट नहीं भरता है। यहां जितने लोग बैठे हैं, बतायें, क्या 30 रुपये में आ पायेगा ? जबकि यह गाय को 30 रुपये में पेट भर खिलाते हैं। माननीय वित्त मंत्री जी, जरा बनारस, गाजीपुर, आजमगढ़, जौनपुर और चन्दौली में जो गौ-शाला खुले हैं, आप वहां दिखवा लीजियेगा, वहां से फोटो मंगवा लीजियेगा, डी0एम0 से चेक करा लीजियेगा। गौ-शालाओं की यह हालत हो गई है कि जो स्वस्थ गाय गौ-शाला में गई, वह इस समय डुगुर-डुगुर कर रही है। (विपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गईं) ऐसा डुगुर-डुगुर कर रही है कि जैसे लग रहा है कि कल मर जाये, आज मर जाये।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, आप समराइज कर लीजिए।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, अगर कम से कम किसी को भोजन दें तो पेट भर दीजिए, केवल 30 रुपये क्यों दिये जा रहे हैं ?

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, समराइज कर लीजिए।

श्री रामनरेश अग्निहोत्री-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, इनके ही बहुत से साथी बोलना चाहते हैं, जो इनके पीछे बैठे हैं।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

माननीय मंत्री जी, क्षमा करियेगा, हम पूर्वांचल से आते हैं, हमारी भैंस डुगुर-डुगुर का मतलब है कि वह हिलत है। अगर आप उस कुर्सी पर होते और मना कर देते तो भइया, मैं बैठ गया होता।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, मैं आपको तीन बार बोल चुकी हूँ कि समराइज कर लीजिए। अब आप समराइज कर लीजिए।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

माननीय अधिष्ठाता जी, वित्त मंत्री जी नहीं समझ पाये कि डुगुर-डुगुर का मतलब होता है कि हिल रही है, कमजोर हो गई है, खाने के बगैर मर रही है (विपक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गईं), यह डुगुर-डुगुर का मतलब है। माननीय अधिष्ठाता महोदया, आपने इशारा

किया कि समय नहीं है। यह पूरा बजट जो पिछड़ों के लिए, दलितों के लिए, वंचितों के लिए और अल्पसंख्यकों के लिए है, मैं देख रहा हूँ, यह खाली डुगुर-डुगुर हिल रहा है और इसमें कुछ नहीं है। मैं अपनी वाणी को यहीं पर विराम देता हूँ और आपको धन्यवाद देता हूँ।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अधिष्ठाता जी, आपने जो बजट में बातें उठाई, उसका जवाब तो बाद में देंगे, लेकिन मुझे एक शेर याद आ गया। एक शायर ने कहा था कि "इस जमाने में जीने का हक उसी को है, जो उधर का दिखता रहे और इधर का हो जाये।"

(सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं)

(सदस्य श्री रघुराज प्रताप सिंह का नाम पुकारा गया, लेकिन वह अनुपस्थित थे)

(सदस्य श्री उमाशंकर सिंह के बोलने का प्रयास करने पर)

श्री अधिष्ठाता-

श्री उमाशंकर सिंह जी, आप मन्डे को बोलें।

अब श्रीमती अनुपमा जायसवाल जी बोल लें।

[01:04] *श्रीमती अनुपमा जायसवाल-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, आपने मुझे वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट के पक्ष में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपकी बहुत आभारी हूँ। लेकिन चूंकि अभी डुगुर-डुगुर की बात आई, तो मुझे लगा कि यहीं से शुरुआत करती हूँ, माननीय वित्त मंत्री जी को बाद में बधाई दूंगी। यह डुगुर-डुगुर शब्द कहीं धुकुर-धुकुर से आता है। यह बात एकदम सही है कि माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में, जो पुरानी, भ्रष्ट, जर्जर चीजें थीं, आज वह डुगुर-डुगुर कर रही हैं। हिले-ला और हिल रही हैं। मैं हर भाषा में बता रही हूँ जो माननीय आपने कहा। मैं बधाई देना चाहती हूँ माननीय मुख्य मंत्री जी को एवं विद्वान वित्त मंत्री माननीय श्री सुरेश कुमार खन्ना जी को जिन्होंने पिछले कार्यकाल के बजट की तरह ही इस बार एक लोक कल्याणकारी बजट को सम्मानित सदन में पेश किया है। मुझे उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल महामहिम आचार्य विष्णुकान्त शास्त्री जी की पंक्तियां याद आती हैं कि हारे नहीं जब हौंसले तो कम हुये फासले दूरी नहीं कोई हमें समर्पण चाहिए, कुछ कर गुजरने के लिए मौसम नहीं मन चाहिए और ऐसा ही मन यहां देखने को मिला। मैं माननीय वित्त मंत्री जी को केवल इसलिए बधाई नहीं दे रही हूँ कि उन्होंने बड़ी सूझ-बूझ से उत्तर प्रदेश की विधान सभा के इतिहास में आज तक का सबसे बड़ा बजट पेश किया है बल्कि इसलिए बधाई दे रही हूँ कि इसमें समाज के सभी वर्गों की आवश्यकताओं को पूरी तरह से ध्यान में रखा गया है। फिर

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

चाहे वह युवा हो, महिला हो, किसान हो या कोई अन्य व्यक्ति हो। समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े हर व्यक्ति की जरूरतों का पूरा ध्यान इस बजट में रखा गया है।

वास्तव में बजट केवल एक सरकारी दस्तावेज नहीं होता है बल्कि वह सरकार की नीतियों का एक आइना होता है जिसमें से सरकार की सूरत और सरकार की नीयत दोनों को ठीक-ठीक देखा जा सकता है कि सरकार अपनी जनता के लिए किस तरीके से जवाबदेह है और किस तरीके से उसकी चिन्ता करती है और इन सब बातों का निरूपण इस बजट में हुआ है। मुझे फिर एक लाइन याद आती है कि जिन्दगी में एक सबक याद रखिये, सियासत और इबादत में नियत साफ रखिये और इसीलिए देश के प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी ने अभी उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री जी की तारीफ में कहा है कि दिखा दिया है एक सन्त ने कैसे इबादत की जाती है और कैसे सियासत की जाती है। हमारी सरकार का नारा है सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास और इसका ठीक-ठीक निरूपण आदरणीय वित्त मंत्री जी ने किया है। मैं अपने उत्तर प्रदेश की विवेकशील जनता का भी अभिनन्दन करती हूँ जिसने जाति, धर्म और समुदाय के सारे समीकरणों को ध्वस्त करते हुए, उत्तर प्रदेश के इतिहास में वह चमत्कार दिखाया जब 37 वर्षों के बाद किसी सरकार को दोबारा से लगातार काम करने का अवसर प्रदान किया है। हमारी सरकार का पिछला कार्यकाल हमारे प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी और माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में सफलताओं और प्रदेश के दीर्घकालिक सतत विकास का रहा है। श्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश में कानून का राज कायम किया, माफियाओं, गुंडों और दंगाइयों के आतंक से जनसामान्य को राहत भी दिलाई है। प्रदेश में उद्योग-धंधों को बढ़ावा दिया गया, आधुनिक तकनीकों के प्रयोग को शासन-प्रशासन के साथ-साथ सामान्य जन के मध्य भी बढ़ावा दिया गया है। हम सब जानते हैं कि पिछले 2 वर्ष में देश के साथ-साथ उत्तर प्रदेश ने कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी का सामना किया जिसके समक्ष विश्व की बड़ी शक्तियां कहने वाले देश भी बेबस और लाचार नजर आये लेकिन उस समय हमारे देशवासी और प्रदेशवासी अपने केन्द्रीय और प्रदेश के नेतृत्व के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़े रहे, उन्होंने न केवल अपने देश और प्रदेश की जनता को बचाने का काम किया बल्कि स्वदेशी वैक्सीन बनाकर दूसरे देशों का भी काम किया जिसकी दूसरे देश के लोगों ने उसे संजीवनी बूटी कहकर उसका स्वागत करने का काम किया है लेकिन कुछ लोग तो इसमें लगे रहे, आदरणीय राजभर जी हमारे साथ मंत्री थे और हमारे पास आया करते थे, वह बहुत ही अच्छे व्यक्ति हैं और मैं दावे के साथ कह सकती हूँ कि जो भी उनके साथ बैठेगा, वह हँसता ही रहेगा। इसमें बहुत से लोग इसलिए लगे रहे कि इस कोरोनाकाल में सरकार करती क्या है ?

आदरणीय नेता प्रतिपक्ष हमारे बीच में हैं, मैं आपको बता दूं कि आप मुख्य मंत्री रहे हैं और मैं आपकी जबरदस्त फैन रही हूँ और बहुत इज्जत करती हूँ, वह बात अलग है कि

हम इधर हैं और आप उधर बैठे हैं। विपक्ष में जब आप जैसा व्यक्ति बैठता है तो निश्चित रूप से सरकार को और अच्छे से काम करने का बल मिलता है। तो कुछ लोग तो इसमें भी लगे थे कि सरकार अब करती क्या है लेकिन जीतने का मजा तब ज्यादा आता है जब कुछ आपकी हार का इन्तजार कर रहे हों। हम इस आपदा में विजेता बनकर उभरे हैं कुछ लोग इस आपदा से परेशान तो थे लेकिन इस बात में दिलचस्पी ले रहे थे कि सरकार क्या करेगी, इस वायरस के आगे सरकार गिर जायेगी, कमजोर पड़ जायेगी, बीच भंवर में नैय्या डूब जायेगी लेकिन

वाकिफ कहां थे लोग हमारी उड़ान से,

वह कुछ और लोग थे जो हार गये तूफान से।

हमने तूफान में भी अपनी किश्तियां निकालने का काम किया है। मान्यवर, आज मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हम नम्बर-1 बनने की ओर बढ़ चुके हैं। गन्ना मूल्य भुगतान में देश में प्रथम स्थान पर, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में 2.55 करोड़ किसानों को 8 हजार रुपए वार्षिक सहायता दिलाकर उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर, उत्तर प्रदेश पांच एक्सप्रेस-वे वाला पहला प्रदेश बन गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत 1 करोड़ 67 लाख महिलाओं को मुफ्त कनेक्शन देने वाला हमारा प्रदेश देश का पहला प्रदेश बना है।

श्री अधिष्ठाता-

कृपया समराइज कर लीजिये।

श्रीमती अनुपमा जायसवाल-

माननीय अधिष्ठाता महोदया, केवल दो मिनट और दीजियेगा, मैं शार्ट करती जा रही हूँ। मान्यवर, माननीय योगी जी की सरकार ने प्रदेश को हर क्षेत्र में नम्बर-1 बनाने की कामना की है और वह दिखायी भी पड़ रहा है। आदरणीय वरिष्ठ सदस्य इस समय सदन में नहीं हैं जब हमारे मा0 पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह जी खड़े थे तो उस समय उन्होंने कहा था कि यह सरकार सपने बेचने का काम करती है। यह सही है कि सपने आज-कल विपक्ष को बहुत योगी जी के आते हैं। इसीलिए खुद कहा है कि यह एक ऐसा बजट है कि मालुमात होता है कि योगी जी को विपक्ष बहुत याद करता है, ऐसे भी याद करता है, सपने में भी याद करता है क्योंकि कभी तो उनकी याद आती है, कभी उनके ख्वाब आते हैं, योगी जी आपको मुझे सताने के तरीके बेहिसाब आते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, कृपया समराइज कर लीजिये।

श्रीमती अनुपमा जायसवाल-

केवल 10 मिनट तक। दुर्दान्त अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही के दौरान 159 अपराधी मुठभेड़ में मारे गये, गैंगस्टर अधिनियम में 51 हजार 696 व एनएसए में 730 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई और ऐसा करके कानून व्यवस्था को पुख्ता करने का काम आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने किया है। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास के लिए राज्य सरकार ने आगामी 10 वर्षों में 10 हजार करोड़ रुपए के अभूतपूर्व स्तर पर निवेश आकर्षित करने की योजना बनायी है। महिलाओं और बालिकाओं के समग्र विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है और इस उद्देश्य के लिए मिशन शक्ति को पूरे राज्य में व्यापक रूप से लागू किया गया है और इसके चौथे चरण में प्रवेश के लिए हम तैयार हैं। प्रधानमंत्री जी ने देश को आत्मनिर्भर भारत का मंत्र दिया जिसका परम उद्देश्य भारत देश को हर क्षेत्र में चाहे वह मैन्यूफैक्चरिंग हो, आईटी हो, इलेक्ट्रानिक्स हो, उद्योग-धन्धे, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि हो सभी क्षेत्रों में भारत को आत्मनिर्भर बनाना है। तमाम प्रशंसा और निन्दा के अवसरों के बीच हमारी सरकार अपने पथ से नहीं डिगी है। इस अवसर पर नीरज जी की मुझे कुछ पंक्तियां याद आती हैं।

लाखों बार गगरियां फूटीं, शिकन न आयी पनघट पर,
लाखों बार किश्तियां डूबीं, चहल-पहल वही है तट पर,
तम की उम्र बढ़ाने वालों, लौ की उम्र घटाने वालों,
लाख करे पतझड़ कोशिश, पर उपवन नहीं मरा करता है,
कुछ पानी के बह जाने से, सावन नहीं मरा करता है।

श्री अधिष्ठाता-

कृपया समाप्त करें।

श्रीमती अनुपमा जायसवाल-

मान्यवर, बिल्कुल समाप्त कर रही हूँ। मान्यवर, हमारे देश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने किसानों की बहुत चिन्ता की है और क्यों न करते, इस देश के पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने कहा था कि किसी भी देश और प्रदेश की प्रगति केवल सैनिकों और श्रमिकों पर नहीं, बल्कि किसानों और श्रमिकों पर भी आधारित है ? इसीलिए उन्होंने नारा दिया था 'जय जवान, जय किसान' और हमारे प्रधानमंत्री जी ने उसमें जोड़ा 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसन्धान'। इसी बात को लेकर किसानों के लिए बहुत सारे प्रावधान किये गये हैं।

चूंकि मेरा समय समाप्त हो रहा है, इसलिए मैं उन प्रावधानों पर नहीं जा रही हूँ। मैं आज इस सदन के माध्यम से श्रद्धेय पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की पंक्तियों को

नमन करते हुए, उनके विचारों को नमन करते हुए आज पूरे सदन की तरफ से चाहे पक्ष हो, विपक्ष हो, मैं आज अपने किसान भाइयों को आश्वस्त करते हुए कहना चाहती हूँ कि 'हे कृषक देवता, ये सदन आपको नमस्कार करता है, हे कृषक देवता, तुम्हें बारम्बार नमस्कार'। 'सोने से नहीं, चांदी से नहीं, माटी से तूने किया प्यार। दौलत से नहीं, शोहरत से नहीं, मेहनत से तुमने किया प्यार।। हे कृषक देवता, तुम्हें बारम्बार नमस्कार।'

एक बार मैं पुनः आदरणीय वित्त मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देते हुए अपनी बात समाप्त करते हुए कहती हूँ कि इस बजट में सर्वे भवन्तु सुखिनः। सर्वे सन्तु निरामयाः। सर्वे भद्राणि पश्यन्तु। मा कश्चित् दुःख भाग्भवेत्।। ऐसे वेद वाक्य के साथ इस बजट को प्रस्तुत किया गया है। सभी के लिए सभी प्रकार का प्रावधान है। हमारी सरकार, हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी सबको साथ लेकर चलने का प्रयास करते हैं। इसीलिए मकदूम जी का बहुत मशहूर शेर है, जिसको कहकर मैं अपनी सीट पर बैठ जाऊँगी कि "हयात लेकर चलो, कायनात लेकर चलो, चलो तो सारे जमाने को साथ लेकर चलो"। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

श्री राम नरेश अग्निहोत्री जी।

[01:17] श्री राम नरेश अग्निहोत्री-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे इस बजट पर बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूँ। हमारे उधर के मित्रों ने, इधर के मित्रों ने बहुत कुछ बोला है।

मा0 ओम प्रकाश राजभर जी बोल रहे थे डुगुर-डुगुर हो रहा है। कभी इधर डुगुर-डुगुर कर रहे थे, अब उधर कर रहे हैं। अब लोग पूछ रहे हैं कि अगला इरादा क्या है ? अब जो इरादा होगा, वे करेंगे।

मित्रों आज हमारे देश में गुजरात मॉडल की बहुत बात हो रही है। विकास की दृष्टि से, नई-नई योजनाओं की दृष्टि से और पूरे देश के अन्दर गुजरात मॉडल प्रदेश बना है। सारे प्रदेशों में इसकी चर्चा होती है कि गुजरात मॉडल लाया जाये, लेकिन हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हमारा उत्तर प्रदेश भी मॉडल प्रदेश बनने की ओर आगे बढ़ रहा है।

मा0 वित्त मंत्री श्री सुरेश खन्ना जी द्वारा जो बजट प्रस्तुत किया गया है, हमारे विपक्ष में बैठे हुए जितने मा0 सदस्य बोले, सबने उसे झूठ का पुलिन्दा बताया, आंकड़ों का खेल बताया है। यानी अगर इनके हिसाब से देखा जाये तो इस बजट में कुछ अच्छा है ही नहीं, लेकिन प्रदेश की जनता इस बजट को और पिछले पांच वर्षों के बजट को, वर्ष 2017 से 2022 तक मा0 योगी जी की सरकार ने जो बजट प्रस्तुत किये, वो बजट विकासपरक है, प्रदेश को आगे बढ़ाने वाला है। नौजवान, गरीब, किसान, महिला सबके उत्थान के लिए यह बजट है।

इसीलिए 2022 में पुनः प्रदेश की महान जनता ने इतना बड़ा जनादेश फिर हमारे पक्ष में दिया है। यह उसी के कारण है इसीलिए मैं कह रहा हूँ कि उत्तर प्रदेश फिर मॉडल प्रदेश बनने की ओर गुजरात की तरह आगे बढ़ रहा है सभी चीजों का ध्यान इस बजट में रखा गया है। मैं कुछ दो-चार बिन्दुओं की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। एक एक्सप्रेस-वे हमारे मा0 समाजवादी पार्टी की सरकार के समय में बना, आगरा से लखनऊ, इन्होंने बहुत हल्ला किया हमने एक्सप्रेस-वे बना दिया, जहाँ जाते थे, यही चर्चा करते थे। हमने 5 एक्सप्रेस-वे बनाने का काम किया है और इसमें कुछ बन गये हैं कुछ पर काम चल रहा है क्या यह काम आपको दिखाई नहीं देता। क्या प्रदेश की जनता को दिखाई नहीं देता। आप सुन लीजिए, प्रदेश में पिछले 5 साल पहले केवल 2 अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे थे, अब 5 बनने के लिए तैयार खड़े हैं। क्या यह काम आपको दिखाई नहीं देता क्या यह झूठ का पुलिन्दा है आपको नहीं दिखाई दे रहा, आपको चश्मा बदलने की जरूरत है।

नेता विरोधी दल (श्री अखिलेश यादव)-

हम तो चश्मा पहनते ही नहीं हैं।

श्री राम नरेश अग्निहोत्री-

दिखाई सब दे रहा है जानते सब हैं 5 एक्सप्रेस-वे यह सब प्रदेश की जनता को दिखाई दे रहे हैं। 5 हवाई अड्डे बनने के लिए तैयार हैं। जेवर का इन्टरनेशनल विश्व स्तर का एयरपोर्ट बनने जा रहा है। अभी हमारे भाई साहब राजभर जी कह रहे थे कि पिछड़ों की शादी की कोई व्यवस्था नहीं की गयी, मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना में अब तक 51 हजार रुपए हमारी सरकार दे रही थी, अब 1 लाख रुपया हमारी सरकार दे रही है उसमें पिछड़े भी आएंगे, दलित भी आएंगे, अल्पसंख्यक भी आएंगे और गरीब से गरीब आदमी की शादी में बैण्ड-बाजे के साथ, शादी में डी0एम0 भी जाएगा, एस0पी0 भी जाएगा, मंत्री भी जाएगा पूरी आन-बान-शान के साथ गरीबों की शादी का काम यह हमारी सरकार करेगी, क्या यह काम आपको नहीं दिखाई देता। क्या यह प्रदेश के विकास के लिए या गरीबों के उत्थान के लिए यह योजनाएं नहीं हैं। हर चीज की आलोचना करना यह परम्परा है 45 जनपदों में मेडिकल कालेज और शेष बचे हुए 16 जनपदों में पी0पी0पी0 मॉडल से मेडिकल कालेज बनाने का काम हो रहा है कोई जनपद नहीं बचेगा। हर बात का विरोध करना यह परम्परा अच्छी बात नहीं है। आप थोड़ा सुनने का अभ्यास भी डालिए। बिजली पहले आती थी केवल 5 जिलों में हमारे नेता प्रतिपक्ष ने 5 जिले कटौती मुक्त कर रखे थे, उन्हीं में बिजली आती थी, अब पूरे प्रदेश के सभी जनपदों में समान रूप से बिजली मिल रही है। जिला केन्द्रों पर 24 घण्टे, तहसीलों पर 20 घण्टे और गांव में 17-18 घण्टे बिजली उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में मिल रही है। बेसिक शिक्षा के अन्दर पिछली सरकार में (2012-2017) गरीबों के बच्चे स्कूल में पढ़ने नहीं जाते थे, अध्यापक नहीं आते थे। पूरे प्रदेश के बेसिक शिक्षा के स्कूलों की खस्ताहालत थी,

आज वही बेसिक शिक्षा के स्कूल, प्राइमरी पाठशाला चमचमा रहे हैं। टाइल्स लगाये गये हैं, फर्नीचर की व्यवस्था की गयी है और गरीबों के बच्चे बहुत सम्मान के साथ टाई लगाकर, जूता-मोजा पहन कर, ड्रेस पहनकर स्कूलों में आ रहे हैं जैसे लग रहा है वह भी कान्वेन्ट के बच्चे हों। आप बताईये कि यह काम नहीं है तो क्या है ? क्या यह काम सरकार ने नहीं किया है ? प्रदेश की जनता इस काम को देख रही है। (प्रतिपक्ष के कई सदस्यों द्वारा टोका-टाकी करने पर)

श्री अधिष्ठाता-

कृपया शोर न करें, बाद में आप लोग अपने विचार दे दीजिएगा। माननीय सदस्य अब संक्षेप कर लीजिए।

श्री राम नरेश अग्निहोत्री-

कृषक दुर्घटना कल्याण योजना-पहले केवल जिसके नाम जमीन होती थी उसी को इस योजना का लाभ मिलता था। भगवान न करे किसी की दुर्घटना हो, लेकिन किसी किसान के साथ दुर्घटना हो जाती थी तो केवल जिसके नाम जमीन होती थी उसी को इस योजना का लाभ मिलता था। लेकिन हमारी सरकार ने उसमें संशोधन किया है। अब पूरे परिवार में जो भी लोग होंगे, उनको भी मिलेगा और यहां तक अगर बटाईदार है तो उस बटाईदार को पांच लाख रुपये की दुर्घटना बीमा का लाभ हमारी सरकार देगी। अन्त में मैं एक बात कहना चाहता हूँ, वास्तव में इस बात को हमारे नेता प्रतिपक्ष को उठाना चाहिए था कि सैफई में मेडिकल कालेज है, लेकिन सैफई के मेडिकल कालेज में माननीय अधिष्ठाता जी, आपके माध्यम से मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि सैफई मेडिकल कालेज में पोस्टमार्टम की व्यवस्था नहीं है। आसपास के जनपदों के जितने मरीज आते हैं, दर्जनों की संख्या में डेड बॉडी जब इकट्ठा हो जाती है तो वह इटावा जाती है और पोस्टमार्टम होने में दो-दो, तीन-तीन दिन लग जाते हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि सैफई मेडिकल कालेज में पोस्टमार्टम की सुविधा उपलब्ध कराने का काम करें। मैं समझता हूँ कि मेरी इस बात से आप (मा0 नेता प्रतिपक्ष) भी सहमत होंगे। जनपद मैनपुरी की मेरी विधान सभा भोगांव है, उसमें एक बहुत दूरस्थ क्षेत्र जासमई है, बहुत पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। मैंने पिछली बार भी निवेदन किया था कि वहां पर विकास खण्ड बनाने का काम किया जाये, ऐसा मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

माननीय अधिष्ठाता जी, बजट शब्द पर दो लाइन की एक शायरी से अपनी बात शुरू कर रहा हूँ-

प्रदेश की हालत जो बताने लगेंगे,
तो पत्थर दिल भी आंसू बहाने लगेंगे।।

मान्यवर, जो बजट पेश किया गया है उस बजट में 6 लाख 15 हजार करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया है। लेकिन इससे पहले जो चुनावी वर्ष था उसमें सरकार 4 लाख के भी आंकड़े छू नहीं पायी। यह पूरी तरीके से फर्जी बजट है और इसमें जनता को गुमराह करने का प्रयास किया गया है। मान्यवर, अभी राम नरेश अग्निहोत्री जी कह रहे थे कि 05 इण्टरनेशनल एयरपोर्ट बन रहे हैं, वह आपको दिखाई नहीं पड़ रहे हैं। मान्यवर, हमको उसके आगे भी दिखाई पड़ रहा है। ये इण्टरनेशनल एयरपोर्ट अडानी के लिए बनाये जा रहे हैं। मान्यवर, लखनऊ का एयरपोर्ट में कभी आप गये हों तो मालूम कर लीजियेगा कि लखनऊ का एयरपोर्ट क्यों बेच दिया गया ? कहा गया कि हम लखनऊ का एयरपोर्ट चला नहीं पा रहे हैं और उसका मालिक अब कौन हो गया? उसका मालिक अडानी हो गया। मान्यवर, ये पांचों इण्टरनेशनल एयरपोर्ट जो बनेंगे वह बहुत शानदार बनेंगे, उसके बाद इसका मालिक अडानी हो जायेगा। मान्यवर, यह गरीब जनता का पैसा है, जो गरीब जनता नाले पर रहती है, उसका नाला ढकने का काम नहीं हो रहा है, जो गरीब जनता झोपड़ी में रहती है उसका झोपड़ी बनने का काम नहीं हो रहा है।

मान्यवर, इस बजट में किसी मलिन बस्ती के अन्दर कोई काम करने की बात नहीं कही गयी है। उस मलिन बस्ती में रहने वाले गरीब को जो 50 सालों से वहां पर रह रहा है, नाले के किनारे रह रहा है, झोपड़ी में रह रहा है, फुटपाथ पर सो रहा है, रिक्शे पर सो रहा है, कबाड़ी अपनी दुकान पर सो रहा है, उसके लिए प्राविधान नहीं किया गया है और उसके पैसे से इन्टरनेशनल एयरपोर्ट बनाने पर वाहवाही करने की बात कर रहे हैं। बजट में एक नहीं कई बड़े घोटाले हुए हैं। इसमें एक बड़ा घोटाला दवा का हुआ है। जो गरीब जनता है, उस गरीब जनता को कोरोना काल में आक्सीजन नहीं मिल रही थी और हजारों लोगों की मौत हो गई। कोरोना पीड़ितों को बेड नहीं मिल रहा था, उसको दवा नहीं मिल रही थी। एक ओर लखनऊ शहर के ट्रांसपोर्ट नगर में मेडिकल सप्लाई कार्पोरेशन को जो सप्लाई मिलती है, उसके गोदाम पर छापा डाला गया। उसमें स्वास्थ्य मंत्री जी गये और 16 करोड़ 40 लाख की दवाई पकड़ी गयी, जिसकी एक्सपायरी डेट निकल गयी थी। ऐसे एक गोदाम नहीं हैं, इसमें कई गोदाम ऐसे हैं, जहाँ पर ऐसी एक्सपायरी डेट की दवाएं भरी हुई हैं। कुछ जगह तो उस कम्पनी ने एक्सपायरी डेट निकल गयी तब दवाएं खरीदी गयी हैं। जनता के पैसे से बहुत बड़ा घपला करने का काम हुआ है। एक तरफ जनता परेशान है कि उसको अस्पताल में दवा नहीं मिल रही है, जांच की व्यवस्था नहीं है। 108 एम्बुलेन्स में मरीज जा रहा था, उसमें आग लग गयी और मरीज की मौत हो गयी। मैं वर्ष 2016 में जब मंत्री था और मैंने 108 एम्बुलेन्स पकड़ी

और पकड़ने के बाद जुर्माना किया, जुर्माने के पौने 2 करोड़ रुपए सरकारी खजाने में जमा कराने का काम किया। इस सरकार ने एक भी एम्बुलेन्स पर कोई कार्यवाही नहीं की, न गाड़ी बढ़ाने का काम किया। 20 मई को मा0 स्वास्थ्य मंत्री जी ने मेडिकल सप्लाई कार्पोरेशन के गोदाम में एक्सपायरी डेट की दवाएं पकड़ीं लेकिन 8 दिन के बाद भी उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई और जो उस कम्पनी के मालिक हैं, उनको आप रोज स्वास्थ्य मंत्री जी के घर पर देख सकती हैं। उसके आगे कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। सारा घपला दबाने का काम हो रहा है। पकड़ लिया और पकड़ने के बाद दबाने का काम हो गया। एक घोटाला और हुआ है। अभी कुछ साथी कह रहे थे कि गाय डुगुर-डुगुर हो रही है, डुगुर-डुगुर नहीं हो रही है, उनकी मौतें हो रही है, जो 30 रुपये मिल रहे हैं, उतना भोजन भी गाय को नहीं मिल रहा है और गौ-शाला में गाय मर रही है। आप मेरी बात मालूम कर लीजिये कि गौ-शाला में कोई विधायक अगर अपना मोबाइल लेकर जाना चाहे तो मोबाइल लेकर वह गौ-शाला के अन्दर नहीं जा सकता है, इसलिए कि आप उससे फोटो खींच लेंगे और सरकार की सारी पोल खुलने का काम हो जायेगा। एक घोटाला खाद्यान्न का हुआ है, गरीब जनता को जो राशन बांटने का काम हो रहा है, इसमें 43 जिलों में तमाम तरह के फर्जी आधार कार्ड बनवा करके राशन लेने में बहुत बड़ा घोटाला करने का काम हुआ है। ऐसे ही प्रदेश में सबसे गम्भीर समस्या यह है कि लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। पीने का पानी न मिलने के कारण आज त्राहि-त्राहि मची हुई है। दूसरी तरफ जल शक्ति मंत्रालय में 17411 करोड़ रुपये का घपला हुआ। वह कम्पनी रश्मि मैटेलिक है। उस कम्पनी को ठेका दिया गया, जो कम्पनी 9 प्रान्तों उड़ीसा, पंजाब, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़ और सईसई सेरा में भी वह कम्पनी ब्लैक लिस्टेड है, उस कम्पनी को 17411 करोड़ रुपए का ठेका देने का काम हुआ है। यह जनता की गाढ़ी कमाई को लूटने का प्रयास है। पूरे प्रदेश में यह जो बजट बढ़ाया गया है। इस बजट के माध्यम से बहुत बड़ा भ्रष्टाचार और घोटाला होने का काम होगा। जो लोकतंत्र सेनानी हैं, आपको याद होगा, हो सकता है कि आपकी उम्र कम है, आप पैदा न हुई हों, आज से 47 साल पहले देश में आपातकाल लगा था। मान्यवर, मैं आपातकाल में पूरे 20 महीने लगातार जेल के अन्दर बन्द रहा हूँ। आपातकाल के उन 20 महीनों के अन्दर पूरा देश जेलखाना बन गया था। जनता के मौलिक अधिकार समाप्त कर दिये गये थे। उस समय लोकतंत्र की बहाली का संवैधानिक आन्दोलन था। अगर मान्यवर आपको मालूम होगा कि 20 महीने के बाद उत्तर प्रदेश में लोक सभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को एक सीट नहीं मिली थी और इन्दिरा गांधी स्वयं चुनाव भी हार गयी थीं। उस आपातकाल के सेनानियों को माननीय मुलायम सिंह जी ने सम्मान देने का काम किया था। यहां पर बैठे हुए पूर्व मुख्य मंत्री समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0 अखिलेश यादव जी ने 2012 में लोकतंत्र सेनानियों को 3000 रुपया पेंशन देने

का काम शुरू किया। अगले साल वह पेंशन 6000 रुपया हो गयी। उसके बाद तीसरे साल 10,000 रुपया हो गई और माननीय अखिलेश यादव जी ने उसी सरकार में 15000 रुपया पेंशन बढ़ाने का काम किया। 2017 में वह पेंशन 20000 हो गयी। आज लोकतंत्र सेनानी हैं उनकी उम्र 65 साल से ले करके 90 साल तक है। पिछले पांच सालों में इस सरकार ने लोकतंत्र सेनानियों का एक रुपया पेंशन बढ़ाने का काम नहीं किया गया है। दुर्भाग्य की बात है कि आप बजट पढ़ लीजिएगा कि इस पूरे बजट में लोकतंत्र सेनानी शब्द नाम का इस्तेमाल तक नहीं किया गया है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, इसको संक्षेप में कर दीजिए।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, मेरा आपसे यह कहना है कि जो गरीब को मिलने वाला पैसा था उस पैसे में इस सरकार ने भारी लूट करने का काम किया है। महंगाई के ऊपर चर्चा हुई, एक मंत्री जी बोल रहे थे लेकिन मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ कि वह कह रहे थे कि पूरे प्रदेश में भूख से कोई नहीं मरा। अब यह बताइए कि अगर कोई भी भूखा रहेगा तब 15-20 दिन के बाद उसके मल्टीआर्गन फेल होने शुरू हो जाएंगे। उसकी किडनी फेल हो जाएगी। जब कोई भूखा रहेगा तब कुछ दिनों के बाद उसका बी0पी0 लो हो जाएगा और उसके बाद हार्ट फेल हो जाएगा। डॉक्टर लिखेगा कि उसकी मौत हार्ट फेल होने से या किडनी फेल होने से हुई है। लेकिन यह कोई डॉक्टर नहीं लिखेगा कि उसकी मौत भूख से हुई है। हजारों लोगों की मौत भूख से हुई है और सदन के अन्दर एक मंत्री कह रहे हैं कि भूख से कोई मौत नहीं हुई है। कोरोनाकाल में कोरोना की चर्चा हुई और मान्यवर इस बीमारी का नाम था कोविड-19 तमाम देशों में कोरोना हुआ और यहां पर जब कोरोना फैला उससे पहले अगर इन्टरनेशनल एयरपोर्ट बन्द कर दिये गये होते तो किसी को भी कोरोना नहीं होता। लेकिन क्या कहा गया कि थाली पीटिए और कोरोना मर जाएगा। आप यह बताइए कि सरकार ने कहा कि 9 तारीख को 9 बजे रात में 9 मिनट तक मोमबत्ती जलाओ और मोमबत्ती जलाने से कोरोना मर जाएगा। इस तरीके से जनता को गुमराह करने का काम हुआ है। थानों में लगातार रेप हो रहे हैं। अभी ललितपुर थाने के अन्दर एक महिला का थाना प्रभारी ने अपने रूम में बलात्कार किया। चन्दौली में पुलिस एक घर में घुस गई और बेटी को उसी के घर में मार दिया। मान्यवर, आपको यह मालूम होगा कि हाथरस में एक दलित बेटी का अपहरण हुआ, बलात्कार हुआ, उसकी मौत हो गई और दो बजे रात में पेट्रोल डाल करके उसको आग लगाने का काम किया गया। इस तरीके से पूरे प्रदेश में आज कहीं कोई भी बहन और बेटी सुरक्षित नहीं है।

श्री अधिष्ठाता-

आप इसको समराइज कर लीजिए, 10 मिनट हो गए हैं।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, सत्ता पक्ष के लोगों ने कहा कि सब सड़कें बनी हुई हैं। आपसे यह अनुरोध है कि जहाँ पर यह विधान सभा क्षेत्र आती है मैं उस क्षेत्र का विधायक हूँ और सारे सरकारी विधायक आवास जितने भी आप लोगों को आवास मिले हैं, वह सभी मेरे विधान सभा क्षेत्र में आते हैं। आपसे यह अनुरोध है कि केवल यहां विधान सभा से बाहर जाइए और विधान सभा से बाहर निकल कर मेडिकल कालेज तक जाइए आपको मालूम हो जएगा कि जब लखनऊ शहर के अन्दर सड़कों की हालत यह है तो गांव की क्या हालत होगी। लखनऊ मध्य क्षेत्र में सारी सड़कें टूटी हुई हैं। पिछले पांच साल में कहीं कोई भी सड़क बनाने का काम नहीं हुआ है। जब माननीय अखिलेश यादव जी प्रदेश के मुख्य मंत्री थे तब उन्होंने उस लखनऊ शहर में विकास कार्यों के लिए 100 करोड़ दिये थे तब लखनऊ शहर में विकास का सारा काम हो गया था।

पिछले पांच साल से लखनऊ मध्य क्षेत्र से सरकार में मंत्री थे और वह मंत्री जी भी अपने क्षेत्र में दोबारा चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं कर पाये और वह क्षेत्र छोड़कर चले गये, उन्होंने क्षेत्र में कहीं कोई कार्य करने का काम नहीं किया। मान्यवर, सारे शहर के नाले खुले हुए हैं। लबालब भरे हैं। अभी पानी बरसा तो सारे नाले उफना गये और घरों के अन्दर पानी घुस गया। वहां पर कोई काम नहीं हो रहा है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, अब आप आधे मिनट में जल्दी से इसे समराइज कर दीजिये। आपको बोलते हुए 11 मिनट हो गये हैं।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, मैं अपनी बात एक शायरी कहकर समाप्त कर रहा हूँ 'उन्हें जिद है जहाँ बिजली गिराने की, हमें भी जिद है वहीं आशियाना बनाने की'।

श्री अधिष्ठाता-

थैंक्यू। मा0 सदस्य श्री अशोक कुमार जी।

(सदस्य श्री अशोक कुमार के अनुपस्थित रहने पर)

मा0 सदस्य श्री मेघश्याम जी।

[01:41] *श्री मेघश्याम-

मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, आपका बहुत-बहुत आभार कि आपने मुझे बजट सत्र 2022-23 पर अपनी बात रखने का अवसर प्रदान किया है। सबसे पहले मैं अपने मुख्य मंत्री मा0 योगी आदित्यनाथ जी को बहुत-बहुत धन्यवाद व बधाई देता हूँ जिनके कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास के नित नये आयाम छू रहा है। इसके बाद मैं अपने वित्त मंत्री मा0 श्री सुरेश कुमार खन्ना जी का और उनके सहयोगियों का बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूँ कि उन्होंने इतना जनप्रिय/लोकप्रिय बजट प्रस्तुत किया है। हमारी सरकार द्वारा प्रस्तुत यह बजट पूर्व की सरकारों द्वारा प्रस्तुत किये गये बजट से दोगुना है। इस बजट से निश्चित ही हमारा प्रदेश देश का उत्तम प्रदेश बनेगा तथा वन ट्रिलियन इकोनामी के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। यह बजट पूरी तरह किसानों को समर्पित बजट है, गरीबों को समर्पित बजट है तथा यह बजट पूरी तरह से शिक्षा के उत्थान को समर्पित बजट है। इस बजट में जिन-जिन मदों में आवश्यकता थी, उन-उन मदों में बजट में धन की व्यवस्था करके मा0 वित्त मंत्री जी ने जनता को समर्पित करके यह बजट प्रस्तुत किया है। निश्चित ही इस बजट से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचेंगी। हमारी सरकार ने इस बजट में गन्ना मूल्य के भुगतान, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा उद्योगों को बढ़ावा देने वाली इन्वेस्टर्स समिट करके जहाँ एक ओर प्रदेश को विकास के मार्ग पर अग्रसर करने का काम किया है,

(इस समय 01 बजकर 43 मिनट पर अधिष्ठाता श्री पंकज सिंह पीठासीन हुए।)

वहीं हमारी सरकार ने कानून-व्यवस्था के काम को आगे बढ़ाते हुए अपराध एवं अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनायी है तथा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा हेतु 'मिशन शक्ति' अभियान को चलाने का काम किया है तथा हमारी सरकार ने किसानों के हितों के लिए मुख्य मंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना तथा मुख्य मंत्री लघु सिंचाई योजना की व्यवस्था करके किसानों के चेहरों पर मुस्कान लाने का काम किया है। हमारी सरकार ने रोजगार को बढ़ावा देने हेतु मुख्य मंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना तथा मुख्य मंत्री युवा स्वरोजगार योजना की स्कीम ला करके युवाओं के चेहरों पर प्रसन्नता लाने का काम किया है। हमारी सरकार ने लोक कल्याण संकल्प-पत्र-2022 के अनुरूप चिकित्सा के क्षेत्र में बड़ा ही प्रभावी काम किया है। हमारी सरकार ने उत्तर प्रदेश में पर्यटन के लिये, अयोध्या में दीपोत्सव के लिये, वाराणसी में देव दीपावली व शिवरात्रि के लिये तथा बरसाना में भव्य रंगोत्सव के साथ-साथ साधु-संत-पुजारियों के कल्याण के लिये एक बोर्ड का गठन करने का बड़ा ही जनकल्याणकारी काम किया है। यानी इस बजट में सरकार ने प्रत्येक वर्ग के युवाओं, महिलाओं, किसान, मजदूर, व्यापारी, उद्योगपति, इंजीनियर, डॉक्टर तथा एडवोकेट सभी के कल्याण की चिन्ता की है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

निश्चित ही इस बजट से प्रदेश का कल्याण होगा। हमारी सरकार ने इस प्रथम बजट में ही अपने चुनावी संकल्प-पत्र-2022 के 97 संकल्पों पर काम करने का काम किया है। इस बजट का मैं पुरजोर समर्थन करता हूँ तथा प्रदेशवासियों को इस बजट की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मेरे क्षेत्र में पिछले पांच वर्षों में विकास के बहुत से कार्य हुए हैं। मेरे क्षेत्र की जनता पिछले पांच वर्षों के शासन से बहुत प्रसन्न है, लेकिन मेरे क्षेत्र की एक बहुत बड़ी समस्या है और मेरे क्षेत्र की यह मांग भी है कि मेरे सम्पूर्ण क्षेत्र का भू-गर्भ जल खारा है जो न तो सिंचाई के योग्य है और न ही पीने के योग्य है। मेरे क्षेत्र में सिंचाई का जल एन0सी0आर0 में स्थित ओखला बैराज से आता है और ओखला बैराज में जो पानी है वह दिल्ली के सीवर व फैक्ट्रियों का प्रदूषित पानी है। मैं चाहता हूँ और मेरे क्षेत्र की यह बहुत बड़ी और बहुत पुरानी मांग है कि मेरे क्षेत्र के लिये सिंचाई की व्यवस्था या तो हथिनी कुण्ड से अथवा गंग नहर से करके वहां शुद्ध जल की आपूर्ति करने की कृपा करें।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, तीन दिन पहले दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता यशस्वी प्रधानमंत्री जी जापान की यात्रा पर थे तब उनका एक चित्र पूरी दुनिया के सामने आया था, वह आप सबने भी देखा होगा उससे पूरी दुनिया यह समझ चुकी है कि अब भारत ही पूरी दुनिया पर नेतृत्व करने वाला है। अब मां भारती दुनिया की विश्व गुरू बनने की ओर चल पड़ी हैं और इसमें किसी को कोई सन्देह नहीं होना चाहिए। हमारे प्रदेश के यशस्वी और तेजस्वी मुख्य मंत्री मा0 योगी जी महाराज के सुशासन को देखकर प्रदेश की लोकप्रिय जनता मा0 योगी जी को ही हर बार मुख्य मंत्री के रूप में देखना चाहती है। सभी वरिष्ठों को वन्दन, सभी साथियों को राधे-राधे। 18वीं विधान सभा के लिये निर्वाचित सभी सदस्यों को बहुत-बहुत शुभकामनायें, आइये मिलकर एक सकारात्मक सोच के साथ अपने प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने का काम करें, साथ ही अपनी क्षेत्र की जनता-जनार्दन की अपेक्षाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का काम करें, बहुत-बहुत धन्यवाद, वन्दे-मातरम्, जय-हिन्द जय-भारत।

श्री अधिष्ठाता-

श्री तेजपाल नागर जी। श्री वीरेन्द्र सिंह लोधी जी।

[01:46] *श्री वीरेन्द्र सिंह लोधी-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे लोकतंत्र के इस पवित्र मन्दिर में बजट के समर्थन पर बोलने का जो अवसर दिया है इसके लिए मैं इस पीठ को नमन करते हुए आपका आभार व्यक्त करता हूँ और धन्यवाद देता हूँ। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी को और अनुभवी वित्त मंत्री जी को प्रदेश के चहुंमुखी विकास और जनकल्याणकारी

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

योजनाओं का बजट प्रस्तुत करने के लिए धन्यवाद देता हूँ। इस बजट में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, प्रदेश के विकास, महिलाओं की सहभागिता और बराबरी का अधिकार देने के लिए प्रतिबद्धता दर्शायी गयी है। व्यापारियों का कल्याण, युवाओं का उत्थान, गांव-गरीब किसान, बेरोजगार नौजवानों एवं झुग्गी-झोपड़ी के इंसान, सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। मान्यवर, किसी भी प्रदेश के विकास में अच्छी सड़कों की भूमिका अहम होती है। बजट में अच्छे सम्पर्क मार्ग, सबसे अधिक एक्सप्रेस-वे, अच्छी कानून-व्यवस्था, अच्छी शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवायें देने की प्रतिबद्धता दर्शायी गयी है। मा0 योगी सरकार का बजट मा0 मोदी जी के नए भारत की परिकल्पना की अवधारणा को संकल्प से सिद्धि तक पहुंचाने के परिणाम का प्रतिफल प्रतीत होता है। इस बजट में देश के महापुरुष रहे मा0 पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की विचारधारा, जो हम लोगों को सिखाती है कि समाज के अन्तिम पायदान पर गरीब व्यक्ति जो भगवान का स्वरूप होता है उसकी सेवाओं के लिये इस बजट में जो प्राविधान किया गया है इसके लिए मैं मा0 पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी को इस सदन में नमन करता हूँ, उनके नाम से इस योजना में प्राविधान किया गया है। मा0 अटल बिहारी बाजपेई जी जिन्होंने देश का मार्ग प्रशस्त किया, उन्होंने लोकतंत्र की अवधारणाओं को, अपने जीवन-काल को इस देश को दिया, उनके नाम से इस बजट में प्राविधान किया गया है, इसके लिए मैं उनको भी नमन करता हूँ। मा0 कल्याण सिंह जी इस विधान सभा के महान नेता रहे थे हिन्दू हृदय सम्राट जिन्होंने वर्ष 1992 में 500 वर्ष पुराने मुस्लिम आक्रान्ताओं के उस ढांचे को ढहाकर वर्ष 1992 में 100 करोड़ से भी अधिक हिन्दुओं की आस्था का सम्मान करते हुए अपनी सरकार का बलिदान किया था, उनके शौर्य के लिये इन योजनाओं को बजट में जोड़ा गया है, इसके लिए मैं मा0 मोदी जी को एवं योगी जी को और मा0 वित्त मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं तीन बातें कहना चाहता हूँ। अभी गऊ माता की बड़ी चर्चा हो रही थी वह प्रत्यक्ष रूप से मुझसे ही जुड़ा हुआ प्रश्न है, क्योंकि उसमें कानून व्यवस्था एवं गऊ माता दोनों आयेंगे। वर्ष 2017 में आपकी सरकार थी उस समय मैं विधायक नहीं था, मैं अपने जनपद और अपनी विधान सभा क्षेत्र की एक घटना सुनाता हूँ। ये गऊ माता के कितने शुभचिन्तक हैं। एटा कासगंज रोड है वहां एक एक्सीडेन्ट हो जाता है। बड़ा सा टैंकर था, उसे पीछे से काट कर गौ-माता को भरा गया था। जब वह टैंकर पलटा तो 34 गाय मरी पाई गयी थीं। लोगों ने वहां जाम लगा दिया था। लोग उस कन्डक्टर और ड्राइवर की मांग कर रहे थे जिससे सही बात की जानकारी हो जाये, लेकिन उस समय समाजवादी पार्टी के विधायक, ब्लाक प्रमुख तथा विसर्जन सिंह यादव, एडीशनल एस0एस0पी0 थे, उनको न पकड़ कर मेरे खिलाफ व 56 नौजवानों पर एफ0आई0आर0 कर दी गयी थी। ये गौ-माता के बहुत बड़े रक्षक हैं जो इस तरह का व्यापार करके राजनीतिक संरक्षण देते हैं, क्योंकि अगर वास्तव में कन्डक्टर और ड्राइवर पकड़े जाते थे तो असलियत इनके सामने आ जाती कि गौ काटने का काम कौन करता

है ? उस समय पूरा व्यापार चलता था। यह है इनकी कानून-व्यवस्था। अब मैं विलेज डेवलपमेन्ट की बात करूंगा। मैं अपने से ही शुरू करता हूँ, मैं गांव से आता हूँ और मैं किसान परिवार से हूँ जब हम छोटे थे, मेरे पिता जी खाद की बोरी लाते थे तो उसी का थैला बनवाकर उसमें एक बोरी और रखते थे और पट्टी लेकर उस समय प्राइमरी स्कूल जाते थे। वहां जो कच्ची जमीन होती थी, रेता उसमें बिछाकर हम लोग पढ़ते थे। वह जमाना इनकी सरकार में देखा है, आज प्राइमरी स्कूलों में जो कायाकल्प हुआ है, वह आप लोगों को नहीं दिखायी दे रहा है। टाइल्स की व्यवस्था, लाइट की व्यवस्था, पंखे की व्यवस्था, बच्चों के लिये शौचालय की व्यवस्था माननीय योगी जी की सरकार ने की है। मैं माननीय योगी जी को इस परिवर्तन के लिए धन्यवाद देता हूँ। 2012 से 2017 के बीच में गांव में एक सामान्य गली कीचड़ की होती थी। अगर खड़न्जा करा देते थे तो लागों को आत्मिक सन्तुष्टि होती थी, लेकिन 2017 के बाद गांव में इण्टरलॉकिंग, सी0सी0, नेट व्यवस्था, ए0सी0, कूलर यह योगी जी की सरकार के परिवर्तन का कारक है। मैं आप लोगों को धन्यवाद देता हूँ। अगर आप 2017 से पहले देखेंगे तो गांव में कच्चे मार्ग, कीचड़ आदि दिखते थे। आज गांव और शहर में कोई परिवर्तन नहीं है। गांव में ए0सी0 मिलेगा, शहर में ए0सी0 मिलेगा। गांव में कूलर होगा, शहर में कूलर होगा। गांव में नेट है और शहर में नेट है। यह परिवर्तन योगी सरकार का है जो आप लोग कृपया अपना चश्मा उतार कर देखें कि 2017 के पहले गांव के हाल क्या थे। धन्यवाद। आपने बोलने का समय दिया, इस बजट का समर्थन करते हुए, पीठ को नमन करते हुए, आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ।

[01:52] *श्री इन्द्रजीत सरोज-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे सामान्य बजट पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। आदरणीय वित्त मंत्री जी ने सामान्य बजट 2022-23 का प्रस्तुत किया उसमें 6 लाख 15 हजार 518 करोड़ 97 लाख का एक आंकड़ा दिया कि इतना बजट बना और इसको हम तमाम कार्यों पर साल के अन्दर खर्चा करेंगे। मान्यवर, यह बजट तो बहुत लम्बे अरसे से बनते चले आये हैं। माननीय ओम प्रकाश राजभर जी अभी कह रहे थे कि सन् 1952 से बजट प्रस्तुत होते चले आये, लेकिन सन् 1952 में जो बजट प्रस्तुत हुआ और आज सन् 2022 में जो बजट प्रस्तुत हुआ। महँगाई के हिसाब से अगर देखें तो ऊंट के मुंह में जीरा समान बजट है। मान्यवर, हर बार सरकारें बजट बढ़ाकर बनाने का काम करती हैं, लेकिन उसके सापेक्ष न तो वो वसूलियां कर पाती हैं, कर प्राप्तियां कर पाती हैं और न ही उसके सापेक्ष वह खर्चा कर पाती हैं। यह जो बजट प्रस्तुत किया गया है और जो हम लोगों ने पढ़ा है यह निराशाजनक बजट है। इसमें दलितों, पिछड़ों, बेरोजगारों, कृषकों,

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मजदूरों, नौजवानों के लिए कुछ भी ऐसा नहीं कहा गया है जिससे उनका उत्थान हो सके। ज्यादातर पुरानी योजनाओं के लिए बजट का प्राविधान किया गया है, लेकिन जो भाजपा की सरकार कहती है, उसको करती नहीं है। मुझे याद है मैं और मा0 सुरेश कुमार खन्ना जी इधर बैठा करते थे और आदरणीय अखिलेश जी उधर बैठा करते थे तब इतनी निराशा हुई थी। जब खन्ना जी ने कहा था लगता है कि मैं पूरी जिन्दगी विपक्ष में बैठने के लिए बना हूँ।

मान्यवर, लेकिन एक झूठ का चमत्कार हुआ इस देश और प्रदेश के अन्दर और बड़े-बड़े वादे करके भारतीय जनता पार्टी ने जनता को छलने का काम किया। वर्ष 2014 में मोदी जी को भारतीय जनता पार्टी की तरफ से प्रधानमंत्री का प्रत्याशी बनाया गया तो क्या-क्या नहीं कहा गया। कहा गया कि हम 15-15 लाख रुपए हर गरीब के खाते में भेजने का कार्य करेंगे और दो करोड़ नौकरियां हर वर्ष देंगे और यह भी कहा गया कि 100 स्मार्ट सिटी बनायेंगे इस तरह के तमाम सपने दिखाकर भारतीय जनता पार्टी ने जनता को छला। भारतीय जनता पार्टी ने यह भी कहा था कि यदि हमारी सरकार बनेगी तो भारत में हम जातिगत जनगणना भी करायेंगे। मा0 अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में एक बेहतरीन सरकार वर्ष 2012 से 2017 तक चल रही थी और उस समय मैं विपक्ष में था। भारतीय जनता पार्टी के लोग भगवान राम के नाम पर बार-बार सरकार बनाने वाले लोग हैं और कहते हैं कि अयोध्या से चलकर भगवान राम चित्रकूट तक गये थे। वर्ष 2014 में आदरणीय नितिन गडकरी जी भू-तल एवं परिवहन मंत्री बने तो उन्होंने घोषणा की थी कि हम जल्द से जल्द राम वन गमन मार्ग बनाने का काम करेंगे, लेकिन कोई मार्ग नहीं बना पाये और फिर दोबारा मंत्री बन गये। आज तक राम वन गमन मार्ग की डी0पी0आर0 तक तैयार नहीं हो पायी है। इससे यह सिद्ध होता है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार दिखावा करने का काम करती है। अगर राम जी के असली प्रेमी कोई हैं तो वह आदरणीय मुलायम सिंह यादव जी और आदरणीय अखिलेश यादव जी हैं। यह बात मैं प्रशंसा में नहीं कह रहा हूँ। मैं इसलिए कह रहा हूँ कि गंगा नदी में कोई पुल नहीं होता था, यमुना नदी में कोई पुल नहीं होता था, चित्रकूट को जोड़ने के लिए और वर्ष 2012 में हमारे जिले से एक भी समाजवादी पार्टी का विधायक नहीं जीता था, लेकिन उसके बाद भी आदरणीय मुलायम सिंह यादव जी व आदरणीय अखिलेश यादव जी ने चित्रकूट को जोड़ने के लिए यमुना में राजापुर में पुल बनवाने का काम किया था और लखनऊ को जोड़ने के लिए गंगा नदी पर पुल बनवाने का कार्य किया था। मैं बधाई देना चाहूँगा आदरणीय मुलायम सिंह यादव जी व अखिलेश यादव जी को इन्होंने चित्रकूट की हवाई पट्टी बनवाने का भी काम किया है। भारतीय जनता पार्टी किसान विरोधी सरकार है। इस सरकार ने कहा था कि हम वर्ष 2022 में किसानों की आय दुगुनी कर देंगे। अभी ओम प्रकाश राजभर जी गाय डुगुर-डुगुर की बात कर रहे थे, लेकिन इनके प्रशासनिक अधिकारियों ने जनपद-बांदा के अन्दर जिन्दा गायों को जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर गड़वाने का काम किया है।

दूसरी तरफ प्रदेश में आवारा सांड़ों से किसानों की जान जा रही है। लेकिन सरकार ने इस समस्या से बचाव के लिए कुछ नहीं किया है। भारतीय जनता पार्टी ने इतना बड़ा चमत्कार कर दिया कि जो किसान रात में अपने घरों में सोते थे वह आज मजबूरी में अपनी फसलों को जानवरों से बचाने के लिए रात-रात भर लाठी लेकर खेत और खलिहान में बैठकर पहरा दे रहे हैं। माननीय औद्योगिक विकास मंत्री जी यहां पर बैठे हैं। राजनीतिक रूप से हमारी पार्टी ने उनको राजनीति में लाने का काम किया है। औद्योगिक विकास मंत्री जी इलाहाबाद से आते हैं। मैं कहना चाहूँगा कि इलाहाबाद जो हमारे प्रदेश की पुरानी राजधानी रही है और जिसका बहुत गौरवशाली इतिहास रहा है उस इलाहाबाद से लखनऊ को जोड़ने वाली सड़क आज तक फोर-लेन नहीं हो पाई है।

श्री अधिष्ठाता-

कृपया आप बैठ जाइये। अब श्री गणेश चन्द्र जी बोलेंगे।

श्री इन्द्रजीत सरोज-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं अम्बेडकरनगर की एक घटना का जिक्र करना चाहता हूँ। जहाँ पर दलित बिरादरी के एक लड़के को सामन्तवादियों ने बहुत मारा-पीटा।

श्री अधिष्ठाता-

आपका बोला हुआ अब कुछ लिखा नहीं जायेगा। यह कार्यवाही का भाग नहीं बनेगा। कृपया आप बैठिये। श्री गणेश चन्द्र जी कृपया आप बोलिये।

श्री इन्द्रजीत सरोज-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, भारतीय जनता पार्टी की इस सरकार में कानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार दलित विरोधी सरकार है, पिछड़ा विरोधी सरकार है और अल्पसंख्यक विरोधी सरकार है। इस सरकार में गरीबों पर अत्याचार किया जा रहा है जिसकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आज जेलों के अन्दर जो लोग भेजे जा रहे हैं उनमें सबसे ज्यादा इसी वर्ग के लोग भेजे जा रहे हैं। चुन-चुनकर दलित वर्ग को जेलों में ठूंसा जा रहा है। सरकार और उसके पार्टी के कार्यकर्ता लोगों पर जुल्म कर रहे हैं। यह सरकार पूरी तरह से कानून-व्यवस्था के मामले में फेल है।

श्री अधिष्ठाता-

श्री गणेश चन्द्र जी आप प्रारम्भ करिये।

[02:00] श्री गणेश चन्द्र-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट के समर्थन में बोलने का अवसर दिया है जिसके लिए मैं आपको सहृदय धन्यवाद देता हूँ। घनघटा की महान

जनता-जनार्दन को सादर प्रणाम एवं आभार तथा नेतृत्व को आभार जिन्होंने एक मजदूर के बेटे, एक सफाई कर्मचारी को सदन में भेजने व सदन में निचले तबके की आवाज बनाने का काम किया है। मान्यवर, हमारी सरकार ने तमाम कल्याणकारी योजनाएं चलायी हैं जिससे प्रदेश की जनता के जीवन स्तर में काफी सुधार हुआ है। हमारी सरकार ने अभियान चलाकर खुले में शौच से मुक्त करने के लिए पूरे पदेश के ग्रामीण इलाकों में बड़े पैमाने पर शौचालय बनाने का काम किया है जिससे प्रदेश की जनता को तमाम बीमारियों से मुक्ति मिली है। हमारी सरकार ने स्वच्छता कार्यक्रम को एक अभियान के रूप में आगे बढ़ाने का काम किया है जिसके अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, हमारे विपक्ष के लोगों में सरकार की हर बात का विरोध करने की एक आदत सी बन गई है। सरकार की तरफ से जो भी बातें कही जाती हैं उसको यह लोग न तो स्वीकार करते हैं और न ही मानने को तैयार होते हैं। मैं कहना चाहता हूँ कि अगर हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी कह दें कि शौच के बाद हाथ धोना बहुत जरूरी है तो यह लोग हाथ धोना भी बन्द कर देंगे। हमारे मा0 मुख्य मंत्री परम पूज्य महाराज जी ने सदन में एक चित्र दिखाया जिसका इन्होंने विरोध करना शुरू कर दिया। हमारे सामने जो चित्र में दिख रहा है यह उसको भी मानने को तैयार नहीं हैं और जोर-शोर से कहते हैं झूठ है, झूठ है। हमें समझ में नहीं आता है कि यह सरकार की हर बात का इतना विरोध क्यों करते हैं। जो बात सही हो तो उसको स्वीकार करना चाहिए। लैपटॉप वितरण में पूरे प्रदेश के विधायक जाकर बांटे हैं, परन्तु स्वीकार नहीं कर रहे हैं। महोदय, सरयू नदी पर 2013 में सन्तकबीरनगर का गांव भिखारीपुर विलुप्त हो गया। नदी में कटान को लेकर महाराज जी का नेतृत्व पूरी तरह सक्रिय रहा, जिसका परिणाम पिछले वर्ष देखने को मिला। महोदय, एक मजदूर का बेटा झूठ को कभी स्वीकार नहीं करेगा। पूज्य महाराज जी एवं श्रद्धेय मोदी जी जो कहते हैं, वो करते हैं। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास को चरितार्थ करते हैं। मा0 नेता प्रतिपक्ष के सहयोगी अभी श्री रविदास मेहरोत्रा जी कोविड काल में भूख से मरने की बात कह रहे थे। मान्यवर, हमारी सरकार में जिस प्रकार से कोविड काल से ही महीने में दो बार पांच-पांच यूनिट का राशन बांटने का काम पूज्य महाराज जी के नेतृत्व में किया गया, जिस प्रकार से महामारी से पूज्य महाराज जी ने बचाया वह अत्यन्त ही प्रशंसनीय है, जिसमें डॉक्टर और सफाई कर्मियों की बड़ी भूमिका रही है। महोदय, अभी स्वास्थ्य विभाग में जो बजट का औसत है इससे पहले स्वास्थ्य विभाग बजट का औसत दर 6 प्रतिशत था, लेकिन परम पूज्य महाराज जी के नेतृत्व में इस बार का जो बजट आया है उसमें इसको 7.1 प्रतिशत किया गया है।

श्री अधिष्ठाता-

गणेश जी अब समाप्त करिये।

श्री गणेश चन्द्र-

सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए जब हमारी पुनः सरकार आयी तो उसमें अन्य प्रदेशों का 4.3 प्रतिशत औसत दर है, लेकिन हमारे नेता जी ने मा0 वित्त मंत्री जी ने 5.4 लक्ष्य रखा है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, संकल्प का कोई विकल्प नहीं होता और परम पूज्य महाराज जी ने इस बात को साबित कर दिया है। परम पूज्य महाराज जी मुख्य मंत्री उ0प्र0 की सेवा के प्रति पूर्णतः संकल्पित हैं, जिनके लिए परिवार नहीं प्रदेश प्रथम है। इसे कोविड-काल में पूज्य महाराज जी प्रमाणित कर चुके हैं। मैं पुनः अपने नेतृत्व तथा इस प्रदेश की महान जनता के साथ घनघटा की जनता-जनार्दन के चरणों में नमन करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

मेरा आग्रह है कि सभी लोग साढ़े चार मिनट में बोलने के बाद फिर आधे मिनट में सब समराइज करके साढ़े पांच मिनट में समाप्त कर दें। बहुत सारे सदस्यों को बोलना है।

[02:06] श्री सभा कुंवर-

आदरणीय अधिष्ठाता जी, आपने मुझे मा0 वित्त मंत्री जी द्वारा पेश सामान्य बजट पर साधारण चर्चा में बोलने का अवसर प्रदान किया है। मैं इसके लिए आपका बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूँ। मान्यवर, मैं उत्तर प्रदेश के अन्तिम सीमा बिहार बार्डर से चुनकर आया हूँ। इस विधान सभा में पहली बार आजादी के बाद भारतीय जनता पार्टी के सदस्य के रूप में चुनकर आया हूँ। इसके लिए मैं अपने आदरणीय मुख्य मंत्री पूज्य योगी जी को और अपने क्षेत्र की महान जनता का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ। मान्यवर, हमारी सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट विकासोन्मुख बजट है। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, औद्योगिक विकास के लिए व्यवस्था की गयी है। मान्यवर, जहाँ इस बजट में चहुंमुखी विकास के लिए धन की व्यवस्था की गयी है। वहीं कानून-व्यवस्था को ठीक करने के लिए पुलिस व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए पर्याप्त धन की व्यवस्था की गयी है। मान्यवर, मेरा विधान सभा क्षेत्र अत्यन्त पिछड़ा है। वर्ष 2017 के पूर्व जो सरकारें रही हैं या वहां से जो जनप्रतिनिधि चुने गये हैं उन्होंने विकास के लिए कोई काम नहीं किया है। इसलिए मेरा क्षेत्र विकसित नहीं हो पाया। मैं पिछली योगी जी की सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिसमें मा0 मुख्य मंत्री जी और मा0 उप मुख्य मंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी के माध्यम से हमारे इलाके में अच्छी-अच्छी सड़कों का निर्माण हुआ। मा0 अध्यक्ष जी, मुझे पूरा विश्वास है कि मेरी सरकार मेरे क्षेत्र के विकास के लिए कृतसंकल्प है। इसलिए मैं यह विश्वास करता हूँ कि मेरे क्षेत्र का भी अवश्य विकास होगा। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र भाटपाररानी में जहाँ हल्दी की खेती पर आधारित उद्योग नहीं है। उद्योग की स्थापना होगी। गो-वंश की रक्षा

हेतु गौ-शाला, शुगर मिल से निकलने वाले बगास से कागज का कारखाना और हमारे भाटपाररानी इलाके में भाटपाररानी-भिनारी मार्ग पर एक सड़क है बेलपार रेलवे पर क्रासिंग जहाँ उपरिगामी सेतु की आवश्यकता है, बेलपार में उपरिगामी सेतु का निर्माण किया जाना है, विकास खण्ड भाटपाररानी में विकास भवन के जर्जर भवन के स्थान पर नये भवन का निर्माण, भाटपाररानी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को उच्चीकृत करके सौ शैय्या के अस्पताल का निर्माण, भाटपाररानी नगर पंचायत की जल निकासी हेतु एक योजना, क्षेत्र के जर्जर विद्युत तारों को बदलना, कम क्षमता वाले ट्रान्सफार्मरों की क्षमता वृद्धि करना, राजकीय पालीटेक्निक का निर्माण, खनुवा नदी पर चखनी घाट, केखनिया घाट, सत्या घाट, केहनिया घाट और स्याही नदी पर बनका चित्रसेन में पुल का निर्माण, भरही नदी पर भिटौली घाट पर पुल का निर्माण हमारी सरकार करायेगी, ऐसा मुझे विश्वास है और आपके माध्यम से जो आम बजट प्रस्तुत हुआ है उसके लिए मैं अपने मा0 वित्त मंत्री जी को और मा0 मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

[02:09] *श्री प्रसन्न कुमार-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर प्रदान किया इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ।

मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, मेरे से पहले कुछ लोगों ने बजट पर चर्चा की, लेकिन मैं इस बजट के बारे में बतान चाहूँगा कि यह बजट किसानों के लिए निराशाजनक, पक्षपातपूर्ण, किसानों के साथ अन्याय, किसान विरोधी एवं महिला विरोधी कहा जायेगा। मैं जिस क्षेत्र से आता हूँ वह किसानों का क्षेत्र है, स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी का क्षेत्र है। इस बजट में किसानों के लिए, गन्ना पेमेण्ट के लिए और एम0एस0पी0 के लिए कुछ नया नहीं किया गया है। हर बार गन्ना पेमेण्ट के लिए उल्टे आंकड़े दिये जाते हैं और यह बताया जाता है कि हमने किसानों का इतना गन्ना पेमेण्ट कर दिया है, लेकिन आज की तारीख में शामली जनपद का मिल मालिकों पर किसानों का 840 करोड़ रुपया बकाया है और यदि हम पूरे प्रदेश की बात करें तो लगभग 10 हजार करोड़ रुपये के आस-पास की बात होती है। इस बजट में किसानों की मिलों को सुधारने के लिए 350 करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया है। मान्यवर, मैं सरकार से निवेदन करता हूँ कि एक बागपत मिल है जिसको आपने छुआ तक नहीं है और उस जिले में किसान अभी भी गन्ने की बोगियों को लाइन में लगाये हुए खड़े हैं। उनका भी विस्तारीकरण होना चाहिए। मैं आगे बजट पर चर्चा करते हुए बेरोजगारों की बात करना चाहता हूँ। इस बजट में बेरोजगारों के लिए, नौजवानों के लिए कुछ नया नहीं किया गया है। इस सरकार ने घोषणा की थी कि किसानों की आय दोगुनी की जायेगी, लेकिन इस बजट में ऐसा

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कोई प्राविधान नहीं है कि जिससे किसानों की आय दोगुनी की जा सके और आज किसानों की आय एक-चौथाई हो चुकी है। किसानों से बिजली का बिल ज्यादा मात्रा में लिया जाता है जिससे किसानों की आय एक-चौथाई हो गयी है। हरियाणा प्रदेश में एक यूनिट बिजली 80 पैसे की है, लेकिन उत्तर प्रदेश में किसानों को एक यूनिट बिजली लगभग 05 रुपये के आस-पास पड़ती है। इस बजट में शिक्षा के लिए भी कुछ अलग से नहीं किया गया है। हमेशा इस प्रदेश से लगभग दो लाख छात्र-छात्राएं बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूँ कि कम-से-कम उन छात्र-छात्राओं को पढ़ने के लिए प्रदेश में व्यवस्था दी जाये। ग्रामीण स्वराज की घोषणाएं की जाती हैं। ग्रामों में कुटीर उद्योग हुआ करते थे, कुम्हार का उद्योग हुआ करता था, लेकिन सरकार ने कुम्हार उद्योग एवं लोहार उद्योग के लिए कुछ नहीं किया है, वो सभी उद्योग अपने आप खत्म होते जा रहे हैं और वो उद्योग हमारी सामाजिक व्यवस्था से जुड़े हुए थे। इस सरकार ने घोषणा की है कि 22-22 घण्टे बिजली आती है, लेकिन मेरे क्षेत्र में 6-6 घण्टे भी बिजली नहीं मिल रही है और किसान दुखी है। किसानों की फसल का मूल्य एम0एस0पी0 पर देना चाहिए था, लेकिन किसानों की फसल का जो एम0एस0पी0 मूल्य है उसका आंकड़ा सही नहीं दिया गया है और किसानों को स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार मूल्य दिया जाना चाहिए था जो नहीं दिया गया है, वह बिलकुल गलत है। अन्त में फिर अपनी बात को इस बजट के साथ जोड़ते हुए कहना चाहता हूँ कि यह बजट किसानों के लिए, महिलाओं के लिए, छात्रों के लिए बिलकुल नाकारा है और यह बजट कोई काम का नहीं है और मैं अन्त में आप सभी का धन्यवाद करता हूँ और अपनी वाणी को विराम देता हूँ।

[02:15] *श्री अवधेश प्रसाद-

माननीय अधिष्ठाता महोदय जी, मैं आपके प्रति आभार प्रकट करता हूँ। सरकार के द्वारा और सरकार के आदरणीय वित्त मंत्री श्री खन्ना जी द्वारा जो बजट पेश किया गया है, उसको मैंने बहुत ही गम्भीरतापूर्वक सुना और आपके विद्वतापूर्ण भाषण को पढ़ा लेकिन यह बजट पूरी तरह से निराशाजनक है और वास्तविकता से कोसों दूर है। श्रीमन्, इन्होंने अपने संकल्प में कहा था कि किसानों की आय दोगुनी होगी, आय दोगुनी होने के लिए इन्होंने यह स्टेप उठाया कि माननीय अखिलेश यादव जी की सरकार में यूरिया खाद की बोरी पचास किलो की रहती थी और जैसे ही भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई तो उन्होंने किसानों की आय दोगुनी करने के लिए उसे पांच किलो घटाकर 45 किलो कर दिया। पांच किलो कहां गया, पता नहीं है। मान्यवर, यह देश किसानों का देश है, लेकिन मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि किसान की रात अगर बीतती है तो वह खेतों में बीतती है, पांच साल हो गया किसान

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

को अपने घर में सोने की नौबत नहीं आई है। उनकी रात खेतों में सांड़ों से रखवाली करने में बीतती है। मैंने इस सम्बन्ध में सवाल भी लगाया था, सरकार की तरफ से जवाब भी आया था, लेकिन जवाब बिलकुल गलत है। इन्होंने जवाब में लिखा है कि केवल 7 लोगों की जानें गयी हैं जबकि कम-से-कम अकेले मेरे विधान सभा क्षेत्र मिल्कीपुर में 50 लोगों की जानें गयी हैं, हजारों लोग घायल हुए हैं, लोगों की आंतें निकल आई हैं, लेकिन सरकार के द्वारा कुछ नहीं किया गया है। श्रीमन्, माननीय मुख्य मंत्री जी एवं सरकार के द्वारा बहुत मजबूती के साथ कहा गया है कि गरीबों के लिए आवास। 42 लाख लोगों के लिए आवास की बात कही गयी है और 2 करोड़ 61 लाख व्यक्तिगत शौचालयों की बात कही गयी है। श्रीमन् मैं बड़े दावे के साथ कह सकता हूँ, और इस पर बाजी भी लगा सकता हूँ कि जितने भी शौचालय बने हुए हैं, अगर उनकी जांच करा दी जाये तो 95 फीसदी शौचालय फर्जी मिलेंगे, हम पूरे प्रदेश का उदाहरण नहीं देना चाहते हैं। केवल अपने विधान सभा क्षेत्र मिल्कीपुर में एक गांव मोहलावां है जहाँ पर रामदयाल दलित बिरादरी का व्यक्ति है, शौचालय के नाम पर पैसा मिला या नहीं मिला, पता नहीं। आज तक शौचालय नहीं बन पाया और शौचालय की प्रत्याशा में गड्ढा खोद दिया गया, दीवार बन गयी, छत आ गयी, 26 सितम्बर को बारिश होती है, तीन साल की दलित की बेटी उसी गड्ढे में डूब कर मर जाती है, ये शौचालय मौत का गड्ढा है और मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि इस मामले की जांच करा ली जाये। आज वहां पर छत नहीं है और उसको एक नया पैसा भी नहीं मिला, जबकि सत्ता पक्ष का विधायक उसी गांव में रहता है, लेकिन देखने तक नहीं गया, जबकि मैं तो देखने गया भी था और मैंने मदद भी की। मैं मांग करता हूँ कि तत्काल किसी अफसर को भेज कर इसकी जांच कराई जाये और जिस दलित का तीन साल का बच्चा मरा है, उसको ये दैवीय आपदा मानते हुए पांच लाख का मुआवजा दिया जाये और जिन लोगों ने लापरवाही बरती है, उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाये।

श्रीमन्, आज पूरे देश में अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, लेकिन हमने बजट में भी देखा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी, जिन्होंने सन् 1857 में सिकन्दरा बाग चौराहे पर पीपल के पेड़ पर चढ़कर 36 अंग्रेजों को मारा। जब अंग्रेज ब्रिगेडियर आया और देखा कि ये तो महिला है तब उनसे कहा कि अगर हम यह जानते कि यह महिला है तो उस पर वार न किया जाता। सल्यूट किया, लेकिन जब पूरे देश में महोत्सव मनाया जा रहा है तो मैं उम्मीद करता था कि एक बहुत बड़ा मेडिकल कालेज, जिसमें हिन्दुस्तान के गरीब, कमजोर लोग इलाज करायें, लेकिन इसमें उसका कोई प्रॉविजन नहीं है। इसी तरह श्रीमन्, वीरांगना झलकारी बाई भी 1857 में आजादी की लड़ाई अगली कतार में लड़ी हैं और हमारे नेता माननीय मुलायम सिंह यादव जी ने वीरांगना झलकारी बाई के नाम पर अस्पताल किया। हम मांग करते हैं कि वीरांगना ऊदा देवी पासी और वीरांगना झलकारी बाई कोरी के नाम पर उत्तर प्रदेश में हिन्दुस्तान स्तर का

एक मेडिकल कालेज बनाया जाय और मान्यवर, वीरांगना ऊदा देवी पासी किसी जाति के लिए नहीं, किसी बिरादरी के लिए नहीं, वह ऐसे समाज में पैदा हुई थीं, पासी समाज में पैदा हुई थीं, इसलिए उनका नाम जिस तरह से आना चाहिए, नहीं आया। मैं मांग करता हूँ, उनके सम्मान में एक बहुत बड़ा स्मारक बनाया जाये, जहाँ पर देश के पासी बिरादरी, कोरी बिरादरी के और समाज के गरीब लोग आ करके उस बहादुरी की प्रेरणा लें और जो देश का गौरवशाली इतिहास है, उसकी परम्परा को कायम करने का काम करें। श्रीमन्, यही नहीं मेरे विधान सभा क्षेत्र में आश्रम पद्धति विद्यालय है। माननीय अखिलेश जी की कृपा से करोड़ों रुपये की लागत से बना है, बिल्डिंग बन कर तैयार है, लेकिन वहां पर बच्चों के लिए पढ़ाई नहीं है। वहां देखा जाए तो सांड़ रहते हैं, सांड़ वहीं पर खाते हैं, उछलते हैं, गुर्राते हैं और खेती चरते हैं। यही नहीं श्रीमन्, हमारे विधान सभा क्षेत्र में माननीय अखिलेश जी की कृपा से, मुख्य मंत्री जी की कृपा से, आज अहमद साहब इस दुनिया में नहीं हैं, वह स्वास्थ्य मंत्री थे, देवगांव जो पिछड़े क्षेत्र में आता है, वहां पर आपकी कृपा से एक अस्पताल दिया गया था। शानदार बिल्डिंग बनकर तैयार है। 6 साल हो गया, न वहां पर डॉक्टर का इन्तजाम किया गया, न दवाई का इन्तजाम किया गया और न कर्मचारी का इन्तजाम किया गया। वहां पर आज सांड़ों का राज है, सांड़ वहीं पर रुकते हैं, खाते हैं, उछलते हैं, गुर्राते हैं और लोगों को मारते हैं। आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि हमारे इस देवगांव के उस अस्पताल को संचालित कराने का काम करें। इसी तरह श्रीमन्, समाजवादी पार्टी की सरकार थी, वर्ष 2014 में आई0टी0आई0 कालेज बनाया गया, उस पर 07 करोड़ रुपए निर्गत हुआ, बिल्डिंग बन कर तैयार हो गयी, लेकिन आज उसको प्राइवेट हाथों में बेचा गया।

मान्यवर, हमारे संविधान में व्यवस्था है, लिखा है, आजादी के बाद चाहे केन्द्र की सरकारें हों, चाहे प्रदेश की सरकारें हों, वेलफेयर स्टेट की कल्पना की गयी है। वेलफेयर स्टेट की कल्पना को साकार करने के लिए, कल्याणकारी राज्य के सपने को पूरा करने के लिए काम करना चाहिए, लेकिन आप तो व्यापार कर रहे हैं। जिस आई0टी0आई0 का मैंने जिक्र किया है, हम आपके माध्यम से मांग करते हैं कि हमारा वह आई0टी0आई0 जो गरीब क्षेत्र के बच्चों के लिए बनाया गया था, जहाँ पर मित्रसेन जैसे बहादुर सपूत पैदा हुए थे, लड़ाकू थे, वह न्याय के लिए हमेशा लड़े थे। वहां की जनता किसी कीमत पर इस बात को बर्दाश्त नहीं करेगी कि मा0 अखिलेश यादव की सरकार में जो सरकारी आई0टी0आई0 दिया गया था, आज वह बेच दिया गया है और दफ्तर अयोध्या में खोला गया है। अधिष्ठाता जी, इनके द्वारा बड़ी-बड़ी ज्यादतियां हुई हैं और उसके बाद भी ये उम्मीद करें कि इस बजट की हम प्रशंसा करें तो यह जनता के साथ बड़ी नाइंसाफी होगी। हम लोग न्याय, अत्याचार के खिलाफ हमेशा लड़ाई लड़ते रहे हैं। माननीय मुलायम सिंह यादव जी एक व्यक्ति के साथ-साथ, एक विचारधारा थे और उसी पदचिन्हों पर हमारे नेता माननीय अखिलेश जी चल रहे हैं। इसलिए मान्यवर, हम लोग

किसी कीमत पर झूठे पर सही की मुहर नहीं लगा सकते हैं, हम गलत को गलत कहेंगे। मान्यवर, हम लोग तीन तिरक्का चौदह कहने वाले लोग नहीं हैं। मान्यवर, हम लोग तो तीन तिरक्का नौ ही कहेंगे। यह उधर के बैठे हुए लोग भले ही कह दें। मान्यवर, हमारे नेता लोग अभी बोलेंगे और सुझाव देंगे, वह सुधार की बात करेंगे, जो इनके लिए लाभकारी होगा। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ। आपने मुझे समय दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

[02:25] श्री अमित सिंह चौहान-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आज हमें उत्तर प्रदेश के बजट पर बोलने का अवसर दिया है इसके लिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मा0 योगी जी के नेतृत्व में सरकार द्वारा लगातार छठवां बजट 6,15,518 करोड़ 97 लाख रुपए का बजट पेश किया गया। बजट में छात्र-छात्राओं, किसानों, बुजुर्गों, महिलाओं एवं युवाओं और किसान सभी वर्गों का ख्याल रखा गया है। हमारी सरकार द्वारा प्रदेश में कानून व्यवस्था का राज स्थापित किया गया है तथा अपराधियों पर अंकुश लगाने का काम किया गया है। मा0 योगी जी सरकार द्वारा प्रस्तुत किए गए बजट में महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान रखा गया है। इसके साथ-साथ गरीब बेटियों के सामूहिक विवाह के लिए बजट में प्राविधान किया गया है और इस बजट में पेंशन में भी इजाफा किया गया है। हमारी सरकार ने उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे बड़ा बजट पेश करके यह साबित कर दिया कि भारतीय जनता पार्टी जो कहती है, उसको करती है। महोदय इस बजट में किसानों के लिए सिंचाई, बीजों के वितरण से लेकर धान खरीद तक के लिए धनराशि आवंटित की गई है। सिंचाई बाधित न हो, इसके लिए सरकार ने सोलर पम्पों की स्थापना को लेकर अहम फैसले लिये हैं। मैं स्वास्थ्य की बात कर लूं, मैं पेशे से एम0बी0बी0एस0 डॉक्टर हूँ। मैंने लखनऊ में प्रभारी चिकित्साधिकारी नेशनल अर्बन हेल्थ मिशन में लखनऊ में प्रभारी चिकित्साधिकारी के रूप में करीब डेढ़ वर्ष तक काम किया।

मान्यवर, अच्छा लगता है जब सरकार स्वास्थ्य की चिन्ता करती है। हमारे जनपद अयोध्या में दशरथ मेडिकल कालेज की भी सरकार ने स्थापना की है। इस बजट में मेडिकल कालेजों के लिए करीब 21 सौ करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। हमारे जनपद अयोध्या में प्रभु श्री राम के नाम पर एयरपोर्ट की भी स्थापना की जा रही है। हमारी सरकार ने इस बजट में अयोध्या को विशेष स्थान दिया है। अयोध्या के पर्यटन एवं विकास के सौन्दर्यीकरण के लिए सौ करोड़ रुपये, अयोध्या स्थित सूर्य कुण्ड के विकास समेत पूरी अयोध्या के लिए 140 करोड़ रुपये, अयोध्या में जन-सुविधाओं के विकास एवं पार्किंग के निर्माण के लिए 209 करोड़ रुपये, अयोध्या में सीपेट केन्द्र एवं संयंत्रों के क्रय के लिए 35 करोड़ रुपये, राम जन्मभूमि अयोध्या धाम पहुंच मार्ग के लिए तीन सौ करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। हमारी सरकार का नारा है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास इसी नारे के साथ निरन्तर योगी

सरकार आगे बढ़ रही है। हम सबके पूज्य नेता स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेई जी की मैं बात कर लूं। वह कहते थे, भारत भूमि कोई टुकड़ा नहीं है, यह जीता-जागता राष्ट्र पुरुष है। यह वन्दन की भूमि है, यह अभिनन्दन की भूमि है, यह अर्पण की भूमि है, यह तर्पण की भूमि है, यहां के कण-कण में भगवान शंकर वास करते हैं और नदी-नदी में मां गंगा मईया वास करती हैं। हम जिएंगे तो इस भारत-वर्ष के लिए और मरेंगे तो इस भारत-वर्ष के लिए और मरने के बाद जब हमारी अस्थियां पवित्र नदी में प्रवाहित की जाएंगी तो आप कान लगाकर सुनेंगे तो एक ही आवाज आएगी भारत माता की जय, भारत माता की जय। हमारी सरकार में शिक्षा पर भी अनेकों कार्य किये गये हैं, पहले वर्ष 2017 के पूर्व उत्तर प्रदेश में टेक्नोलॉजी की व्यवस्था नहीं थी, वर्ष 2017 से जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो भारत में जो रहने वाला टैलेण्ट है, उत्तर प्रदेश में रहने वाला टैलेण्ट है उसको टेक्नोलॉजी से जोड़ा गया। आज उत्तर प्रदेश में रहने वाला टैलेण्ट टेक्नोलॉजी से जुड़कर उत्तर प्रदेश की सेवा कर रहा है इसके लिए मैं मा0 योगी जी को धन्यवाद देता हूँ। हमारी सरकार ने हमारे विधान सभा क्षेत्र बीकापुर, अयोध्या को भी अनेकों सौगात दी हैं। एक राजकीय महाविद्यालय, एक कृषि कल्याण केन्द्र, एक राजकीय गेस्ट हाउस पी0डब्लू0डी0 का तथा जो समाजवादी पार्टी इसके पहले वर्ष 2017 के पूर्व में थी, उसमें ढेमवापुल अधूरा छोड़ दिया गया था, जिसको हमारी मा0 योगी जी की सरकार ने पूर्ण कराया।

मान्यवर, हम लोगों के नेता आदरणीय मोदी जी कहते हैं कि व्यक्ति से बड़ी पार्टी होती है और पार्टी से बड़ा देश होता है। भारतीय जनता पार्टी निरन्तर देश हित की बात करती है, देश हित का कार्य करती है। मान्यवर, मैं बताना चाहता हूँ कि मैं स्व0 श्री मुन्ना सिंह चौहान जी का पुत्र हूँ। जब वे सिंचाई एवं बाढ़ नियन्त्रण मंत्री थे, उन्होंने अपने कार्यकाल में पहली बार नहरों में टेल तक पानी पहुंचाने का काम किया, नहर की पटरियों की मरम्मत कराने का काम किया। लेकिन उसके बाद किसी सरकार ने उसकी सुध लेने का काम नहीं किया। वर्ष 2017 में जब आदरणीय योगी जी की सरकार बनी, हम लोगों ने निवेदन किया तो मा0 योगी जी ने पुनः नहर की पटरियों की मरम्मत कराने का काम किया और पुनः भारतीय जनता पार्टी की सरकार में नहरों में टेल तक पानी पहुंचाने का काम हुआ है। मान्यवर, इसके पूर्व में मेरी माता जी श्रीमती शोभा सिंह चौहान जी इसी विधान सभा क्षेत्र की सदस्य थीं। मुझे आज अच्छा लग रहा है कि एक डॉक्टर को यहां पर बोलने का मौका मिला और मुझे यहां पर अपने विधान सभा क्षेत्र बीकापुर की बात उठाने का सौभाग्य मिल रहा है। इसके लिए मैं आपको पुनः धन्यवाद देता हूँ कि मुझे आपने इस बजट पर बोलने का अवसर दिया। मैं आपका फिर से आभार व्यक्त करता हूँ। जय हिन्द-जय भारत।

श्री अधिष्ठाता-

बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे यह अच्छा लग रहा है कि नये सदस्य बोल भी रहे हैं, लेकिन समय की मर्यादा का पालन भी कर रहे हैं। श्री अभिजीत सिंह सांगा जी।

[02:31] *श्री अभिजीत सिंह सांगा-

धन्यवाद मा0 अधिष्ठाता महोदय कि आपने बजट की इस चर्चा में मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। साथ ही साथ मैं यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी एवं हमारे वित्त मंत्री मा0 सुरेश कुमार खन्ना जी को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने प्रदेश के चतुर्दिक विकास के लिए एक क्रान्तिकारी बजट प्रस्तुत करने का काम किया है। जहाँ एक ओर हम 06 लाख 15 हजार करोड़ के इस बजट के माध्यम से 01 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की तरफ कदम बढ़ा रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ सरकार द्वारा किये गये कार्यों से हासिल परिणाम हमको गौरवान्वित करने का काम भी कर रहे हैं। हमें गर्व है कि हम सदस्य भी इस व्यवस्था के अंग हैं। भारत माता को विश्व गुरू बनाने के लिए हमारे देश के प्रधानमंत्री मोदी जी और प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी जी जो हवन कर रहे हैं, उस हवन में हम सदस्यगण भी आहुति डालने का काम कर रहे हैं। हम भी भागीदार हैं और जैसा कि वित्त मंत्री जी ने कहा है कि संकट में ही नेतृत्व की पहचान हो सकती है। आज कोरोना जैसी वैश्विक बीमारी में भी हमारे प्रदेश में, हमारे देश में कहीं-न-कहीं हम लोग सफलता की ओर अग्रसर हैं। हम लोग सफल दिख रहे हैं, हमें गर्व है कि हमें ऐसा नेतृत्व मिला हुआ है। हमारी सरकार ने इतने बेहतर कार्य किये हैं।

आज हम गर्व से कहते हैं कि गन्ना मूल्य भुगतान में हम पहले स्थान पर हैं। हम गर्व से कहते हैं कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि 2.5 करोड़ किसानों को दिलवा कर हम पहले स्थान पर हैं। उत्तर प्रदेश 05 एक्सप्रेस-वे वाला पहला राज्य बन चुका है। आज उत्तर प्रदेश लखनऊ और वाराणसी के अतिरिक्त 03 और एयरपोर्ट के साथ, 05 अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट वाला पहला राज्य बनने जा रहा है। आज उत्तर प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में अभूतपूर्व प्रगति करते हुए देश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। आज उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से 1.67 करोड़ महिलाओं को गैस कनेक्शन देने वाला पहला राज्य बन गया है। आज स्वच्छ भारत मिशन के माध्यम से 02 करोड़ 61 लाख शौचालयों का निर्माण करवा कर उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है। अभी जब शौचालय की बात हुई, जब शौचालय की चर्चा हुई तो सत्ता पक्ष ने यहां गर्व के साथ शौचालय की चर्चा की। वहीं विपक्ष के हमारे कुछ नेताओं ने शौचालय को हँसी का विषय बनाया और शौचालय के विषय पर ठहाके लगाने का काम किया। मैं बताना चाहता हूँ कि शौचालय में दी जाने वाली जो 12 हजार की राशि है, यह प्रोत्साहन राशि है। पूरा शौचालय आपको 12 हजार में नहीं बनवाना है। बहुत से हमारे विपक्ष के सदस्यों ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के मंत्री भी ऐसे शौचालय का उपयोग नहीं करते होंगे। किसी दुर्घटना की भी चर्चा अभी पूर्व सदस्य ने की। नेता प्रतिपक्ष यहां पर उपस्थित हैं, मैं

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

दावे के साथ कहना चाहता हूँ कि अगर जांच करा ली जाये तो सबसे ज्यादा शौचालय का लाभ गरीब जनता के साथ-साथ समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी अपने घरों में उसी योजना के साथ शौचालय को बनवाने का काम किया होगा।

(किसी सदस्य के टोका-टाकी करने पर)

श्री अभिजीत सिंह सांगा-

आपके यहां उसी से बना है। आपको जो कम पड़े वो ले लीजिएगा। अधिष्ठाता महोदय, बजट में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए 5 नये ए0टी0एस0 सेण्टर की व्यवस्था की गयी है, हमारा सौभाग्य है, जिसमें 1 ए0टी0एस0 सेण्टर हमारे कानपुर में भी होगा। 3 महिला पी0ए0सी0 बटालियन बनायी जायेंगी जो महिला सुरक्षा के लिए काम करेंगी। प्रदेश में 1535 थानों में महिला हेल्प डेस्क बनाया जायेगा जिसमें महिलाओं की समस्याओं का तुरन्त निस्तारण किया जायेगा। वहीं किसानों को निजी ट्यूबवेल के बिल में 50 परसेण्ट की छूट होगी। किसानों को 15 हजार सोलर पम्प दिये जायेंगे। बीज व उर्वरक की उपलब्धता बढ़ाई जायेगी। सिंचाई की व्यवस्था को बेहतर बनाने का काम किया जायेगा। रबी और खरीफ की खरीद को बेहतर किया जायेगा।

श्री अधिष्ठाता-

अभिजीत जी, आपका समय समाप्त हो गया।

श्री अभिजीत सिंह सांगा-

अधिष्ठाता महोदय, अन्त में 2 मिनट में कहना चाहूँगा कि मैं बिठूर की क्रान्तिकारी धरती से आता हूँ, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की धरती से आता हूँ। एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हमारे बिठूर की धरती पर वर्ष 1857 में हुआ। आज मैं कहना चाहता हूँ कि देश की आजादी के बाद इस देश में एक स्वच्छता संग्राम चल रहा है। वह स्वच्छता संग्राम जो मोदी जी के नेतृत्व में, इस देश में एक तरफ भौतिक सफाई हो रही है। गांव-गांव में, घर-घर में शौचालय बनाये जा रहे हैं। गंगा जी के लिए 'नमामि गंगे परियोजना' के साथ में ट्रीटमेण्ट प्लाण्ट लगाकर गंगा जी को मैला होने से रोका जा रहा है। गंगा जी के लिए अनेकों योजनाओं-परियोजनाओं को क्रियान्वित किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश में योगी जी के नेतृत्व में जो स्वच्छता अभियान चल रहा है, उसमें उत्तर प्रदेश से जातिवाद की सफाई हो रही है, उत्तर प्रदेश से आतंकवाद की सफाई हो रही है, उत्तर प्रदेश से भ्रष्टाचार की सफाई हो रही है, उत्तर प्रदेश से कहीं-न-कहीं जो रोजगार देने में भ्रष्टाचार किया जाता था, उसकी सफाई हो गई है। अधिष्ठाता महोदय, आज आपने मुझे इस बजट-सत्र में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

अभिजीत जी धन्यवाद। आदरणीय माता प्रसाद पाण्डेय जी।

श्री माता प्रसाद पाण्डेय-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं सर्वप्रथम आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे इस बजट पर बोलने का अवसर दिया। बजट के बारे में हमारे बहुत सारे सम्मानित साथियों ने बड़ी बातें कीं। सत्ता पक्ष ने तो ऐसी बात कर दी, लगता है कि अब उत्तर प्रदेश का कायाकल्प हो जायेगा।

(कई सदस्यों के एक साथ टोका-टाकी करने पर)

[02:38] श्री माता प्रसाद पाण्डेय-

मैं तो कभी छेड़ता नहीं हूँ। आप में से बहुत-से लोग मेरे साथ भी बैठे रहे होंगे। इस बजट में जो व्यवस्था इन्होंने की है, उसमें मैं आंकड़ों में नहीं जाता, क्योंकि आंकड़े हमारी पार्टी के नेता लालजी वर्मा ने सब प्रस्तुत कर दिये हैं। इन्होंने जो वृद्धि की है, उसके बारे में मुझे कहना है। इन्होंने पिछले पूरे बजट के मुकाबले अबकी बार 11.9 परसेण्ट बजट बढ़ाया है, लेकिन पिछले बजट में कितना खर्च हुआ और जो आपने बनाया था, वह आपने कितना खर्च किया है, उसके बारे में आपकी जानकारी तो इसमें है, परन्तु जब आप पुराना ही नहीं खर्च कर सके थे, जितना आपने बनाया था तो वृद्धि से आपको क्या मिलने वाला है। दूसरी बात, निर्माण काम में इन्होंने 7.3 परसेण्ट तथा अनुरक्षण कार्य में 6.6 परसेण्ट की वृद्धि की है। निर्माण कार्य में आप जानते हैं कि यह पूंजीगत परिव्यय होता है। पूंजीगत परिव्यय में जितना अधिक खर्च किया जाये उसे अच्छा बजट माना जाता है और राजस्व व्यय में अधिक खर्च करना बजट की अच्छाई नहीं प्रकट करता है। पूंजीगत परिव्यय में आपने केवल 7.3 प्रतिशत बढ़ाया है और अनुरक्षण पर 6.7 प्रतिशत, लेकिन फिर इसमें कहां से, कितना रुपया कहां जायेगा, ये इसमें विवरण नहीं आया।

पी0डब्लू0डी0 द्वारा सड़कों के निर्माण में भी आपने वृद्धि की है, लेकिन पिछली बार की जो सड़के हैं वो अभी रुपये के नाते रुकी हुई हैं। पिछली बार आपने जो बजट बनाया था और सड़कों के लिए जो धनराशि रखी थी, वो धनराशि जितना आपका प्लान था, वो कम हो गया है। आप किसी जिले से मंगा कर देख लीजिये, पैसों के अभाव में सड़कें नहीं बन रही हैं। इसलिए इस वृद्धि से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है। हर जिलों से पी0डब्लू0डी0 की कितनी सड़कों को आपने स्वीकृति दी थी और कितना धन दिया था इसके बारे में आपको जानकारी रखने की जरूरत है। चिकित्सा शिक्षा में आपने बढ़ोत्तरी की, आपने कहा कि हम मेडिकल कालेज बनायेंगे। आप एम0बी0बी0एस0 की 500 सीटें बढ़ा दे रहे हैं, लेकिन 500 सीटों को बढ़ाने का क्या मतलब जब मेडिकल कालेज में आप पढ़ाने वाले शिक्षक ही नहीं नियुक्त कर पा रहे हैं। न तो आपको पढ़ाने वाले एम0डी0 मिल रहे हैं, न आपको एम0एस0 मिल रहे हैं। जब हैं ही नहीं तो सीट बढ़ाने का क्या मतलब ? सीट बढ़ाइये, लेकिन ये आपकी

जिम्मेदारी है, आपने जितने मेडिकल कालेज खोलें, जितना आपका व्यय है, आपकी संचित निधि का या बजट का जो पैसा उस पर खर्च हुआ उसके बदले हमें मिल क्या रहा है ? केवल बिल्डिंगें खड़ी हैं और छोटे स्टाफ भी नहीं हैं। कोई है नहीं और रुपया खर्च करके जितनी पूंजी आपने उसमें लगायी उतनी पूंजी अगर आप दूसरी जगह लगाते तो आपको पूंजी का लाभ भी होता और देश-प्रदेश का कुछ फायदा भी होता। केवल बिल्डिंग खड़ा कर देने से कोई फायदा नहीं है। आपको खोजना चाहिए कि एम0डी0 कहां हैं, एम0एस0 कहां हैं, प्रोफेसर कहां हैं, अच्छे लोग कहां हैं ? जब तक वो कालेजों में नहीं जायेंगे, तब तक मेडिकल कालेज की जिस उपयोगिता को लेकर आपने जिलों-जिलों में मेडिकल कालेज खोलने की कोशिश की है, वह नहीं पूरा होगा। एलोपैथिक में आपने कम कर दिया, मैं नहीं जानता क्यों कम हुआ ? उसमें पैसा कम हो गया। एलोपैथिक चिकित्सा ऐसी चिकित्सा है, जिसमें गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से लेकर पी0जी0आई0 और लोहिया संस्थान तक का उसमें खर्च होता है और आपने उसका बजट ही कम कर दिया। सबसे ज्यादा गरीब कहां जाते हैं ? इन्हीं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर जाते है। ये देखिये लिखा हुआ है, 3.2 प्रतिशत की कमी, प्राथमिक स्वास्थ्य 2.9 प्रतिशत। अब आप जब आयेगा, तो बताइयेगा, मैं उसमें ज्यादा नहीं जाना चाहता। दूसरी बात आपसे मेरा एक आग्रह यह है आपने स्वच्छता का बड़ा प्रमाण दिया। शौचालय के बारे में मुझे पूछना है। ये मैं नहीं समझ पा रहा हूँ या तो इसमें गलत लिखा है, आप बता देंगे मुझे। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना अन्तर्गत वर्ष 2022-23 में 6 लाख 45 हजार 473 व्यक्तिगत शौचालय निर्माण हेतु 12 रुपये की दर से 1460 सामुदायिक शौचालय हेतु 3 लाख रुपये की दर से अनुदान दिये जाने की व्यवस्था है। ये 12 रुपये का क्या अनुदान है ?

श्री अधिष्ठाता-

इसको माननीय मंत्री जी ने उसी दिन बोलते हुए क्लियर कर दिया था।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

वो मिसप्रिण्ट हो गया था।

श्री माता प्रसाद पाण्डेय-

हम उस दिन थे नहीं। इसको पहले ही देखना चाहिए था। जब आपके पास आया था तो इसको पहले पढ़ लिये होते, चेंज करा दिये होते। दूसरी बात मुझे कहना है ये ग्रामीण शौचालय। मान्यवर, बजट जब पास होता है और जब निचले स्तर पर जाता है तो बहुत भ्रष्टाचार का शिकार हो जाता है। आपकी जिम्मेदारी यह भी है कि बजट को आप सही ढंग से खर्च करावें। आपने शौचालय के लिए 12-12 हजार रुपये दिया। 12 हजार में कोई शौचालय बन नहीं सकता। दबाव डालकर पंचायत सचिव ने प्रधानों से कहा कि बनाओ और उसमें भी घपला हुआ और उस घपले का परिणाम हुआ कि शौचालय बने नहीं। मैं खुद अपने क्षेत्र के

एक गांव में गया था। 111 आदमी खड़े हो गये कि साहब मेरे नाम पर शौचालय का पैसा निकला है और शौचालय नहीं बनाया और न ही हमने रुपया लिया। हमने लिखकर एफीडेविड के साथ डी0पी0आर0ओ0 को दिया कि इसकी जांच कराओ। अब आपके लोग उसकी जांच ही नहीं होने देते हैं। जब जांच अधिकारी जाता है तो पहुंच जाते हैं। यह भी एक नई चेन बन गई है। पहले साहब आप भी थे और हम भी थे। इस सदन में बहुत दिनों से कभी यह नहीं होता था कि पार्टी स्तर पर किसी जांच को रोकने की कोशिश की जाय, निचले स्तर पर या अधिकारियों को धमकाया जाय कि इस तरह की जांच न करो।

आपको भ्रष्टाचार के इन कामों को रोकने का भी प्रयास करना चाहिए, क्योंकि आप उसके लिए रुपया दे रहे हैं। आपने लिख दिया कि हमारा जिला ओ0डी0एफ0 है। माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, आपको सौभाग्य मिले तो चलिये और आप शाम को सड़कों पर निकलिये तथा देखिये कि क्या ओ0डी0एफ0 है ? किसी गांव के एक कोने पर जाइये और देखिये कि ओ0डी0एफ0 है ? कहां है ओ0डी0एफ0, कहां शौचालय में ओ0डी0एफ0 है ? आप सब बड़े-बड़े भाषण करते हैं, देश-विदेश में भाषण होता है। लेकिन एक्चुअल जो गांव की स्थिति है, उसको भी जानने की कोशिश करनी चाहिए। यहां ग्राम विकास मंत्री जी नहीं हैं, ग्राम विकास मंत्री जी से मेरा अनुरोध है कि जब आप नरेगा-मनरेगा का बजट भेजते हैं तो कभी आपने देखा है कि वह सही खर्च हो रहा है ? हर ब्लाक में 40 परसेण्ट कमीशन लिया जाता है। प्रधान रोता है और कहता है कि हम नहीं देंगे तो हमारा काम नहीं होगा और दुर्भाग्य देखिये कि जो अधिकारी 40 परसेण्ट कमीशन लेता है, जब उसी को कोई दरखास्त देता है तो वही जांच करने जाता है। मैंने एक अधिकारी से पूछा कि तुमने 40 परसेण्ट पहले ले लिया तो जांच करने क्या आये हो ? उसने कहा साहब, अब जांच क्या करेंगे, मुझे वैसे ही कुछ लिखना पड़ेगा। इसलिए आपको इसे देखना चाहिए कि पैसा सही खर्च हो रहा है या नहीं, उसकी गुणवत्ता है कि नहीं है ? अगर गुणवत्ता नहीं है तो पैसा कहां जा रहा है ? और आप जानते हैं कि लखनऊ का जो बड़ा विकास हो रहा है, इसमें भ्रष्टाचार का भी बहुत बड़ा योगदान है। गांव के जो छोटे कर्मचारी हैं, जो नरेगा-मनरेगा से जुड़े हैं, उनकी बड़ी-बड़ी बिल्डिंगें बनी हैं। कभी इन पर आपकी नजर जायेगी ? इसको भी देखना चाहिए कि यह रुपया कहां से इनके पास आ रहा है। अधिष्ठाता महोदय जी, यह जनरल बजट है, इसमें दूसरे विषय पर थोड़ा बोलने का अधिकार मिल जाता है। हम अपनी बात 10 मिनट में खत्म कर देंगे। हम खुद इसको मानने वाले रहे हैं, समय का ध्यान रखेंगे।

श्री अधिष्ठाता-

इसीलिए मैं नहीं बोल रहा हूँ।

श्री माता प्रसाद पाण्डेय-

मान्यवर, मैं एक चीज पर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ कि यह जो स्वास्थ्य विभाग है, यहां उप मुख्य मंत्री जी नहीं हैं। आपने एक आदेश जारी कर दिया कि गांव में जो

मार-पीट होगी, उसमें जिसकी रपट लिखी जायेगी, उसी का मेडिकल होगा। डॉक्टर कहता है कि जब पुलिस लायेगी तो मैं करूंगा। अब हमारे आदमी को आपने मारा, बुरी तरह से मारा, आपके लोगों ने रपट नहीं लिखने दिया, कप्तान के पास गये, कप्तान ने जांच बैठा दी। सी0ओ0 ने जांच करके लिख दिया कि रपट होनी चाहिए। इसी में 10 दिन बीत गये और उन्होंने भी रपट नहीं लिखी। इसलिए जो प्राइवेट लोग हैं, जिनको सरकार संरक्षण नहीं दे सकती तो जब वह डॉक्टरी करायेंगे, तभी तो वह 156(3) में अपने लिए मुकदमा लिखाने के लिए जा सकते हैं। हमें चोट लगी है, डॉक्टरी रिपोर्ट नहीं है तो मजिस्ट्रेट हमें कैसे मानेगा ? माननीय खन्ना साहब, आप संसदीय कार्य मंत्री हैं, इस चीज को तो आप हटवाइये, जिससे सबको न्याय मिल सके। हम मारे जायें, आपकी पार्टी के लोग मिलकर मारें और रपट भी न लिखने दें, डॉक्टरी भी न करने दें, हमें अपनी बात भी न कहने दें। यहां बड़ी बात हो रही है कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता बड़ा उदण्ड रहे हैं। ऐसा नहीं है, हम खुद समाजवादी पार्टी से बहुत दिनों से जुड़े हैं, आप तो जानते ही हैं। हमारा जिला शान्त है, लेकिन जरा अपने लोगों को देख लीजिए कि नीचे क्या हो रहा है ? सबेरे से शाम तक अंगौछा रखे थाने के सामने खड़े हैं, और कोई काम है ? (विपक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं)

श्री अधिष्ठाता-

आदरणीय सदस्य, अब समाप्त करें, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री माता प्रसाद पाण्डेय-

मान्यवर, मैं गलत नहीं कह रहा हूँ। अब वह काम रहे, चाहे न रहे, उसको घेर कर बैठ जायेंगे। जैसे माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि दलाली बन्द हो जाये। आप यह सब चीजें इनको भी समझाइये। हम तो और पीड़ित हैं। आपके एक महान नेता हमारे क्षेत्र में हैं, वह तो और रपट नहीं लिखने देते हैं। एक चीज और कह दूं, यहां शिक्षा मंत्री जी नहीं हैं, नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ और बुलन्दशहर के लड़के-लड़कियां हमारे क्षेत्र में, हमारे जिले में पोस्टेड हैं। अब वह करते क्या हैं, बस वह खण्ड शिक्षा अधिकारी या जिस किसी को पांच हजार रुपया महीना देते हैं। मैं जब स्कूल में जाता हूँ तो मास्टर नहीं। मैं पूछता हूँ कि कहां गये तो जब मौका पा जाते हैं तो लिख देते हैं कि छुट्टी पर गये हैं। कृपा करके या तो उनको उनके ही क्षेत्र में भेजिये या फिर यहां वह रह कर पढ़ायें। आपने शिक्षा का बन्टाधार कर दिया। उच्च शिक्षा में आपने शोध के लिए कोई धन नहीं दिया।

श्री अधिष्ठाता-

कृपया अब आप समाप्त करिये, 12 मिनट होने वाले हैं।

श्री माता प्रसाद पाण्डेय-

जब तक अनुसन्धान नहीं होगा तब तक देश कैसे आगे बढ़ेगा, अनुसन्धान से ही देश आगे बढ़ता है। इसमें आप बजट बढ़ायें और कोशिश करें कि अधिक से अधिक हमारी शिक्षा

और स्वास्थ्य व्यवस्था सुधरे। हमारे यहां एक यूनिवर्सिटी बनी है जो माननीय अखिलेश यादव जी द्वारा बनवाई गई थी। जिस दिन उसका शिलान्यास हुआ, उस दिन से 2 साल में उस यूनिवर्सिटी की बिल्डिंग बन कर तैयार हो गई थी और वहां की क्लासें चलने लगी थीं। क्या ऐसी कोई यूनिवर्सिटी बनाई है। उस यूनिवर्सिटी को एक पैसा नहीं दे रहे हैं। जब वह यूनिवर्सिटी बनी थी, तब बाबा जी मुख्य मंत्री नहीं थे बल्कि वह एम0पी0 थे। इन्होंने बड़ी प्रसन्नता जाहिर की कि हमारे बगल में बनवा लिया लेकिन उस यूनिवर्सिटी को तो कुछ पैसा दे दीजिये तो वह कायदे से चलने तो लगे। वह इन्टरनेशनल यूनिवर्सिटी है। थाईलैंड के मिनिस्टर के कहने पर, जापान के मिनिस्टर के कहने पर और नेपाल के राष्ट्रपति ने मुझे फोन करके कहा कि मेरे बार्डर पर बनाओ जिससे हमारे यहां के लड़के पढ़ें। हमारे यहां के लड़के रूस चले जाते हैं, चीन चले जाते हैं तो वहां से भारत के प्रति घृणा भाव लेकर आते हैं। इसलिए वह यूनिवर्सिटी बनाई गई है। यूनिवर्सिटी इन्टरनेशनल है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

श्री त्रिभुवन राम जी।

[02:51] श्री त्रिभुवन राम-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने बजट भाषण पर मुझे चर्चा में भाग लेने का अवसर प्रदान किया है, इसके लिए मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मान्यवर, यह बजट 6 लाख 15 हजार 518 करोड़ रुपए का सामान्य बजट वित्तीय वर्ष 2022-2023 के वर्ष के लिए रखा गया है और इस बजट में हमारे प्रदेश में, हमारे जो सामान्य वर्ग के लोग हैं, जो जनता है, उसके लाइफ स्टैण्डर्ड को बढ़ाने का, उनके जीवन स्तर को सुधारने का कार्य किया गया है। माननीय प्रधानमंत्री जी भी यही चाहते हैं और माननीय मुख्य मंत्री जी भी यही चाहते हैं कि हमारा प्रदेश एक उत्तम प्रदेश बने और इस प्रदेश में स्वच्छता, स्वास्थ्य, चिकित्सा, बिजली, शिक्षा, सड़क, पानी, आवास, किसानों की सुविधायें और बेटियों की पढ़ाई और महिलाओं की सुरक्षा जो मूलभूत सुविधायें हैं जिस पर सबका जीवन चलता है, उन चीजों पर इस बजट में विशेष ध्यान देने की कोशिश की गयी है। मान्यवर, अभी मैं तीन, चार दिन से सुन रहा हूँ। हम विपक्ष के रूदन और उनकी संवेदनशीलता तथा अपने लोगों की भी बातें सुन रहा हूँ और सभी लोग कोरोना से अपने आपको सम्बद्ध करते हुए कहते हैं कि इस सरकार ने कोरोना काल में कुछ नहीं किया।

मान्यवर, मैं आज आपको 100 साल पीछे ले जाना चाहता हूँ। दिनांक 27-07-1914 को जब प्रथम विश्व युद्ध शुरू हुआ और वह 11-11-1918 तक चला था। मान्यवर इसके बाद पूरी दुनिया में एक स्पैनिश फ्लू नामक बीमारी फैली थी। वह इन्फ्लूएंजा ही का एक रूप था आज के कोरोना का। और 1918 में भारत में उस समय इन्फ्लूएंजा और स्पैनिश फ्लू के साथ-साथ हैजा भी फैला था। गांवों की हालत यह थी कि एक लाश जाती थी, तब तक दूसरी तैयार हो जाती थी। दूसरी लाश ले जाते थे तो तीसरी लाश तैयार हो जाती थी और यहां तक

हुआ कि पूरा गांव का गांवों का सफाया हो गया। आज कोरोना पूछ कर नहीं आया था। पूरे विश्व में इसकी कोई दवा नहीं थी। पहले हमारे डॉक्टरों ने कोशिश की। टाईफाइड, मलेरिया, फ्लू इन सारी चीजों का और फिर इसके साथ स्टेरॉयड देकर कोरोना को कन्ट्रोल करने की कोशिश की गई। धन्य हैं हमारे प्रधानमंत्री, धन्य हैं हमारे मुख्य मंत्री जिन्होंने कोरोना काल में जब वार्ड नहीं थे, दवायें नहीं थीं, डॉक्टर नहीं थे उस समय हर तरह की व्यवस्था की। चाहे सरकारी अस्पताल हों, चाहे प्राइवेट अस्पताल हों, सभी में कोरोना के वार्ड खोले गए और समुचित व्यवस्था की गई। कोरोना से मरने का रूदन हमारे विपक्ष वाले कर रहे हैं लेकिन दुःख तो हमें भी है, हमने मंत्री खोया है, हमने विधायक खोया है, हमने वरिष्ठतम् आईएएस अधिकारियों को खोया है, हमने डॉक्टरों को खोया है, हमने भी बहुत कुछ खोया है। आज कोरोना को नियन्त्रित कर लिया गया है, देश में कोरोना लगभग समाप्ति पर है लेकिन इस बात को बार-बार रिपीट करना कि कोई मर गया ठीक नहीं है। ऑक्सीजन के लगभग साढ़े तीन सौ प्लाण्टों का तो माननीय योगी जी ने उद्घाटन कर दिया है। सारे अस्पतालों में इसकी व्यवस्था की गई, उसके बावजूद लगातार इसी बात को लेकर रोना कदाचित उचित नहीं है। मान्यवर, एक बात और कह रहा हूँ कि अभी तमाम विपक्ष के साथियों ने कहा कि जनता को गुमराह करने वाला यह बजट है, आखिर जनता को प्रसन्न करने वाला बजट क्या 2012 से 2017 में इन्होंने पेश किया था ? क्या उस समय जनता दुःखी नहीं थी, क्या जनता के सारे काम हो गये ? मान्यवर, उस समय तो पब्लिक सर्विस कमीशन से लेकर कदम-कदम पर भ्रष्टाचार पैदा हो गया था और यहां तक कि सी0बी0आई0 भी आज तक जांच पूरी नहीं कर पायी है। चाहे गोमती नदी का रिवर फ्रन्ट हो, चाहे पब्लिक सर्विस कमीशान हो, बहुत सी जगहों पर इस तरह की घटनाएं हुईं जो प्रदेश और देश के हित में नहीं थीं। यहां पर बहुजन समाज पार्टी के एक ही सदस्य हैं और वह लगातार इस बात को कह रहे थे कि जनेश्वर मिश्र पार्क पहले मान्यवर कांशीराम जी के नाम से पार्क था। माननीय राम अचल राजभर, इन्द्रजीत सरोज, मा0 जगदीश नारायण राय जी विपक्ष में बैठे हुए हैं क्या वह मना कर सकते हैं कि यह पार्क मान्यवर कांशीराम जी के नाम पर नहीं था। मान्यवर, इसके बाद इसका नाम बदला गया, केवल इसी का नाम नहीं बदला गया बल्कि बहुत से जनपदों, यूनिवर्सिटीज का नाम भी बदला गया। मैं तो कहता हूँ कि एक तरफ जनेश्वर मिश्र पार्क का नाम उठता है, दूसरी ओर मान्यवर कांशीराम जी का नाम उठता है।

श्री अधिष्ठाता-

कृपया समाप्त करें।

श्री त्रिभुवन राम-

मान्यवर, अभी तो मैं बजट पर आया ही नहीं हूँ, थोड़ा-सा समय दे दीजिये। मैं तो कहता हूँ कि-

कभी चिमलन से ये झांकें, कभी चिमलन से वो झांकें,
लगा दो आग चिमलन में, न ये कभी झांकें न वो झांकें।

इसलिए मेरा कहना है कि जनेश्वर मिश्र पार्क और मान्यवर कांशीराम जी के विवाद को समाप्त कर जिन्होंने देश की एकता और अखण्डता को बरकरार रखा ऐसे महापुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल जी के नाम पर उस पार्क का नाम रख दिया जाय। इससे दोनों पार्टियां खुश हो जएंगी और हमारी जनता को उसका फायदा मिलेगा। मान्यवर, एक चमत्कार की बातें कर रहे थे, चमत्कार देखने में आया बड़े सीनियर मेम्बर मा0 इन्द्रजीत सरोज जी कह रहे थे। मान्यवर, एक चमत्कार हमने भी देखा था जब 2012 में हम लोग यहां पर आये तो हमको एक बड़ा अच्छा सा ब्रीफकेस मिला था।

श्री अधिष्ठाता-

समय हो गया है, कृपया समाप्त करें। श्री राम निवास वर्मा जी आप अपनी बात प्रारम्भ करें।

श्री त्रिभुवन राम-

मान्यवर, बहुत बड़ी घटना है, जब उस ब्रीफकेस को मैंने खोला तो इतना बड़ा झाड़ू उसमें से निकला। मान्यवर, 2012 में उस झाड़ू को सरकार ने दिया था मुझे यह बात वर्ष 2017 में समझ में आयी जब मैंने देखा कि वह झाड़ू विपक्ष के लोगों का सफाया करने के लिए दिया गया था, उससे दोनों विपक्षी पार्टियों का सफाया हो गया। मान्यवर, बजट पर तो मैं अभी आ नहीं पाया।

श्री अधिष्ठाता-

नहीं, नहीं ऐसे नहीं होगा। अब आपका समय हो गया। अब कोई भी बात रिकार्ड में नहीं आ रही है, कृपया आप बैठ जाएं। श्री राम निवास वर्मा जी नहीं हैं तो डॉ0 सुरभि जी अपनी बात रखें।

[03:00] *डॉ0 सुरभि-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे, एक नव-निर्वाचित सदस्य को मा0 वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत किए हुए बजट पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करती हूँ। सर्वप्रथम अपना दल एस0 के संस्थापक डॉ0 सोनेलाल पटेल जी को श्रद्धासुमन अर्पित करती हूँ। यह मेरा सौभाग्य है कि लोकतंत्र के इस पवित्र मन्दिर में मुझे विचार रखने का मौका मिला। मैं इस सदन के सभी वरिष्ठ सदस्यों के आशीर्वाद की आकांक्षी हूँ। हमारी गठबन्धन की सरकार ने 6 लाख 15 हजार 518 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत किया है। यह दर्शाता है कि देश के साथ उत्तर प्रदेश भी एक ट्रिलियन इकोनामी की तरफ अग्रसर है।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मान्यवर, मैं अपनी सरकार का आभार व्यक्त करती हूँ कि श्रद्धेय बाबू कल्याण सिंह जी के नाम पर 'ग्राम उन्नति योजना' की शुरुआत की। जिसके तहत प्रदेश के सभी गांवों की सड़कों पर 'सोलर स्ट्रीट लाइट' के लिए रुपये 22 करोड़ 50 लाख की व्यवस्था की गयी। गांव की सड़कें भी अब बाबू जी के नाम पर रोशन होंगी। साथ ही हम प्रदेशवासी गौरवान्वित महसूस होते हैं कि गन्ना मूल्य भुगतान में प्रदेश प्रथम स्थान पर है। इसके तहत 1 लाख 72 हजार करोड़ गन्ना मूल्य का भुगतान 16 मई, 2022 को हुआ है और यह अपने आप में एक कीर्तिमान है। साथ ही मुझे विश्वास है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र कायमगंज की सहकारी चीनी मिल का भी नवीनीकरण, आधुनिकीकरण के साथ-साथ क्षमता वृद्धि भी होगी, क्योंकि प्रदेश सरकार ने चीनी मिलों के लिए 380 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की है।

इसके साथ ही 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' से 2.55 करोड़ किसानों को 6 हजार रुपये वार्षिक सहायता दी गयी है। उत्तर प्रदेश इसमें भी प्रथम स्थान पर है। अभी हमारे बहुत वरिष्ठतम सदस्य ने 'मुख्य मंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना' का जिक्र किया था। इसके तहत भूमिहीन व्यक्ति, जिसने पट्टे पर भूमि प्राप्त की है, अथवा बटाई पर कृषि कार्य करते हैं, उनको भी इस योजना के तहत सम्मिलित किया गया है। यह भी अपने आप में एक बहुत ही कीर्तिमान प्रस्ताव है।

01 जनवरी, 2022 से निजी नलकूप उपभोक्ताओं को विद्युत बीजकों में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की गयी है। यह दर्शाता है कि हमारी सरकार किसानों के प्रति कितनी संवेदनशील है। मान्यवर, उत्तर प्रदेश वासियों को मैं बधाई देना चाहती हूँ कि उत्तर प्रदेश 05 एक्सप्रेस-वे एवं 05 अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला देश का पहला प्रदेश बन जायेगा।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से मा0 मुख्य मंत्री जी को भी धन्यवाद देना चाहती हूँ, क्योंकि उन्होंने मेरे जनपद फर्रूखाबाद को भी लिंक एक्सप्रेस-वे के द्वारा जोड़ने के लिए आश्वस्त किया है। यहां पर एक्सप्रेस-वे की बात हो रही थी, तो मैं इसमें कुछ बातें जोड़ना चाहती हूँ। जब भी एक्सप्रेस-वे का निर्माण होता है या इन्फ्रास्ट्रक्चर पर बजट प्रस्तावित किया जाता है, तो उससे हमारी अर्थव्यवस्था पर एक मल्टीप्लाइंग इफेक्ट होता है। मल्टीप्लाइंग इफेक्ट का मतलब, जब किसी एक्सप्रेस-वे का निर्माण होगा, तो मजदूरों को व्यवसाय मिलेगा। सीमेण्ट इण्डस्ट्री, स्टील इण्डस्ट्री सभी को बढ़ावा मिलेगा। इसलिए हमारा उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे में प्रथम स्थान पर बनने वाला है। जब महिलाओं की बात होती है, तो मैं स्वयं में एक महिला हूँ, डॉक्टर हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

श्री त्रिभुवन राम जी, सामने से मत जाइये।

डॉ0 सुरभि-

मान्यवर, वर्ष 2017 के बाद से महिला सशक्तीकरण की बात अगर किसी ने की है, तो हमारी सरकार ने की है। मैं स्वयं में अपने आप को सुरक्षित महसूस करती हूँ, तो मैं जानती हूँ कि उत्तर प्रदेश की सभी महिलाएं अपने आपको वर्ष 2017 के बाद से सुरक्षित ही महसूस करती होंगी। साथ ही जितनी भी निराश्रित महिला पेंशनर्स हैं, उसकी धनराशि को भी हमारी सरकार ने बढ़ाकर एक हजार रुपए कर दिया है।

यहां पर हमारे बहुत ही वरिष्ठ सदस्य ने पिछड़ा वर्ग के बारे में बात कही थी, तो मैं उनको कुछ आंकड़े बताना चाहती हूँ कि 2021-22 वित्तीय वर्ष में पिछड़ा वर्ग से 13 लाख 77 हजार 2 सौ 13 छात्र लाभान्वित हुए थे और इस वित्तीय वर्ष में 1 हजार 6 सौ 72 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है और मैं आपको यह भी बताना चाहती हूँ कि प्रदेश के 15 करोड़ निर्धन व्यक्तियों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया, जो कि देश की ही नहीं अपितु विश्व की सबसे बड़ी मुफ्त खाद्यान्न योजना है। और यहां यह प्रदर्शित करता है कि सरकार अन्तिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के चेहरे पर भी मुस्कान लाने के लिए प्रयासरत है और यह बजट किसान, युवा, महिला, पिछड़ों, शोषितों और वंचितों के लिए समर्पित है। धन्यवाद।

[03:06] *श्री चन्द्रपाल सिंह-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं विधायक चन्द्रपाल सिंह विधान सभा क्षेत्र डिबाई, जनपद बुलन्दशहर से आता हूँ, जो मा0 कल्याण सिंह जी हिन्दू हृदय सम्राट, श्री राम जन्म भूमि की सभी बाधाओं को दूर करने वाले बाबू जी कल्याण सिंह जी की कर्म भूमि रही है। मा0 प्रधानमंत्री जी की तथा उनकी सरकार ने बाबू जी को पदम विभूषण से सम्मानित किया था। इसीलिए मैं और मेरी क्षेत्र की जनता सदैव आभारी रहेगी। मा0 अधिष्ठाता महोदय, बजट सत्र में वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी द्वारा जो बजट पेश किया गया है जो कि लगभग 6 लाख 15 हजार करोड़ का बजट है। यह बजट प्रदेश की लगभग 25 करोड़ जनता की आकांक्षाओं और भावनाओं को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह बजट प्रदेश के विकास को ध्यान में रखते हुए गांव, गरीब, किसान, नौजवान, बच्चों, महिलाओं, श्रमिकों, दलितों, वंचितों समेत समाज के हर तबके की पूर्ति के लिए बनाया गया है। अधिष्ठाता महोदय मैंने सपा सरकार का 2012 का बजट भी देखा है जिसमें चिकित्सा के नाम पर बजट पास किया गया था, जिसमें धरातल पर कुछ खास नजर नहीं आया था। मा0 योगी जी के नेतृत्व में चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मेडिकल कालेज बन कर तैयार हो रहे हैं जिसमें मेरे क्षेत्र जिला बुलन्दशहर में एक मेडिकल कालेज बाबू जी कल्याण सिंह के नाम से बनाया जा रहा है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, कोरोनाकाल में अन्य सरकारों की अपेक्षा मा0 योगी जी की सरकार की

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सराहना हुई थी। इस लोक कल्याणकारी बजट के लिए योगी जी और मा0 वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना जी को मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

मा0 अधिष्ठाता महोदय उत्तर प्रदेश के बजट में श्रद्धेय बाबू जी के नाम से बाबू जी कल्याण सिंह ग्राम उन्नति योजना शुरू करने के लिए मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी और प्रदेश सरकार को बहुत-बहुत साधुवाद देता हूँ। इस योजना के तहत सभी गांव की सड़कों पर सोलर सट्रीट लाइट की स्थापना करायी जायेगी, इस हेतु 22 करोड़ 50 लाख रुपये की व्यवस्था की गयी है और मा0 अधिष्ठाता महोदय जब इनकी सरकार थी तब गायों को कट्टी घर के हवाले कर दिया जाता था। हमारी डबल इन्जन की सरकार में 1 हजार बीघा जमीन एन0ए0पी0पी0सी0एस0आर0 के द्वारा फण्ड में मेरी विधान सभा क्षेत्र डिबाई के लिए एक संरक्षित गौ-शाला बनायी जा रही है जिसमें स्वयं पानी की व्यवस्था है, चारे की व्यवस्था है, केवल तार की फेन्सिंग हो रही है, वहां केवल हमें केयर टेकर रखने हैं। ऐसी व्यवस्था मेरे क्षेत्र में सरकार के द्वारा की जा रही है। हमारी सरकार की मंशा है कि उस गौ-शाला का नाम 'काऊ सफारी' रखा जायेगा। अधिष्ठाता महोदय, मुख्य मंत्री कृषक योजना के अन्तर्गत किसान की दुर्घटना में मृत्यु होने पर 05 लाख रुपये दिये जाने का प्राविधान किया गया है। 600 करोड़ रुपये की धनराशि से किसान लाभान्वित किये गये हैं। इस वित्तीय वर्ष में 650 करोड़ रुपये का प्राविधान किया गया है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना गरीबों के लिए बहुत ही कारगर सिद्ध हुई है। इस योजना के अन्तर्गत 1 लाख 74 हजार 326 जोड़ों का विवाह कराया जा चुका है। अधिष्ठाता महोदय, मैंने निरन्तर वर्ष 2000 से कोरोनाकाल तक काफी जोड़ों की शादी करायी है और मैं मानता हूँ कि इसीलिए आज आपके सामने विधान सभा में बोल रहा हूँ।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, टैबलेट, स्मार्ट फोन योजना के तहत प्रदेश में युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए अब तक 12 लाख स्मार्ट फोन वितरित किये जा चुके हैं और इस वित्तीय वर्ष 2022-2023 के लिए 1500 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मेरे क्षेत्र में कन्याओं की पढ़ाई के लिए कोई डिग्री कालेज नहीं है इसलिए छात्राओं की पढ़ाई के लिए अन्य क्षेत्रों में जाना पड़ता है। तो मैं आपका ध्यान इस ओर आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि मेरे क्षेत्र मे कन्याओं की शिक्षा के लिए एक कन्या डिग्री कालेज बन जाये तो मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करूंगा। माननीय अधिष्ठाता महोदय, गंगा 40 से 45 कि0मी0 के दायरे में बहती है।

श्री अधिष्ठाता-

सी0पी0 सिंह जी, अब समाप्त करिये।

श्री चन्द्रपाल सिंह-

मान्यवर, समाप्त कर रहा हूँ। मेरे क्षेत्र में एक वर्ष में 45 मेले लगते हैं और भीड़ की वजह से वहां दुर्घटनाएं होती हैं। आपसे निवेदन है कि गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की

सुरक्षा के लिए वहां एन0डी0आर0एफ0 की टीम, सोनार सिस्टम, गोताखोरों की व्यवस्था कराने की कृपा करें।

श्री अधिष्ठाता-

सी0पी0 सिंह जी, बहुत-बहुत धन्यवाद, अब समाप्त करें।

श्री चन्द्रपाल सिंह-

मान्यवर, मेरे क्षेत्र में 40 कि0मी0 में गंगा बहती है वहां पर सरकार ने छोटे-बड़े 8 घाट बना रखे हैं। इनमें एन0सी0आर0 क्षेत्र के श्रद्धालु कर्णबाज, राजघाट, नरौरा, रामघाट आदि क्षेत्रों से आते हैं। यदि हमारे क्षेत्र में गंगा रिवर फ्रन्ट बन जाये तो श्रद्धालुओं को सुविधा होगी और पर्यटकों का आवागमन बढ़ेगा जिससे क्षेत्र की जनता को रोजगार मिलेगा और उनकी आमदनी बढ़ेगी। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मेरी विधान सभा क्षेत्र में बरसात के समय गंगा में बाढ़ की स्थिति बनी रहती है जिससे गंगा में प्रतिवर्ष पहाड़ों से बालू, सिल्ट का ढेर लग जाता है जिससे जल का तल लगातार ऊपर बढ़ता आ रहा है। अगर लगातार इस प्रकार चलता रहा तो एक दिन गंगा अपना रास्ता बदल करके गांवों में चलने चलेगी। इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि वहां से गंगा का बालू उठाया जाये, उससे राजस्व की भी प्राप्ति होगी और गंगा भी अपने निश्चित जगह पर बहने लगेगी। अधिष्ठाता महोदय, आपने आज मुझे अट्ठारहवीं विधान सभा के पहले सत्र में बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

अब मैं अंकुर तिवारी जी को बुला रहा हूँ। मैं अनुरोध करूंगा कि समय का ध्यान रखें। मैं बाकी मा0 सदस्यों से भी आग्रह करूंगा कि अपने बुलेट प्वाइंट एकदम तैयार रखें और समय आने पर उसका इस्तेमाल करें।

[03:13] *श्री अंकुर तिवारी-

अधिष्ठाता महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। सर्वप्रथम मैं इस विधान सभा रूपी पवित्र मन्दिर से जिन माताओं, बहनों, बड़े-बुजुर्ग और नौजवान साथियों ने, भारतीय जनता पार्टी के देवतुल्य कार्यकर्ताओं ने हमें यहां भेजने का काम किया है, सर्वप्रथम मैं उनको प्रणाम करता हूँ। मैं इस बजट के अवसर पर वित्त मंत्री मा0 सुरेश कुमार खन्ना जी और उनके सभी सहयोगियों का आभार प्रकट करता हूँ।

मान्यवर, जो बजट उन्होंने प्रस्तुत किया है, निश्चित तौर पर विपक्ष की बौखलाहट से यह पता चल रहा है कि यह बजट कितना जनप्रिय और लोकप्रिय है। इस बजट का जवाब यह है कि यह बजट किसानों को, गरीबों को, असहायों को मजबूती प्रदान करता है। जिन-जिन

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

विषयों पर, जिन-जिन आवश्यकताओं पर इस बजट में वृद्धि की आवश्यकता थी, उसमें वृद्धि की गयी है। जिन-जिन मुद्दों पर इस बजट में कटौती की आवश्यकता थी, उनमें कटौती की गयी है। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि विपक्ष इसलिए बार-बार इस बजट के विरोध में चर्चा कर रहा है, क्योंकि जब विपक्ष की सरकार के समय जब यह बजट आता था तो निश्चित तौर पर इस बजट में लाभ पहुंचाने का जो काम किया जाता था, वह लाभ अगर 100 करोड़ रुपये की कोई योजना रहती थी तो उसको 300 करोड़ रुपये में बदलकर प्रस्तुत किया जाता था ताकि उनकी पार्टी के नेताओं को इसका लाभ मिले और उनको लूटने कमाने का अवसर मिले, इसीलिए विपक्ष बार-बार छाती पीटकर इस बजट का विरोध कर रहा है।

मैं आपको बताना चाहता हूँ कि मैं कबीर की धरती से आता हूँ। कबीर की धरती सन्तकबीर नगर खलीलाबाद, 313 विधान सभा क्षेत्र से मैं चुनकर आया हूँ। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का एवं परिवहन मंत्री जी का विशेष रूप से आभार प्रकट करता हूँ। हमारे यहां 1997 से बस अड्डा नहीं था, बस अड्डे के लिए, हमारे जनपद के लिए जो प्रयास किया है, हमारी विधान सभा के लिए जो आश्वासन दिया है। मैं विशेष रूप से परिवहन मंत्री जी का और माननीय मुख्य मंत्री जी का आभार प्रकट करता हूँ कि इन्होंने हमारे जिले के ऊपर विचार किया है। माननीय वित्त मंत्री जी द्वारा माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में इस प्रदेश में बजट प्रस्तुत किया गया है। निश्चित तौर पर इस बजट का समर्थन करता हूँ और आभार प्रकट करता हूँ। यह बजट उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश की तरफ आकर्षित करेगा, इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि इस प्रदेश में माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा जो कानून का राज स्थापित किया गया है, इसके लिए भी पूरे प्रदेशवासियों की तरफ से, अपने जनपद वासियों की तरफ से मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का आभार प्रकट करता हूँ। इस बजट में मैं आपको कुछ जानकारी देना चाहता हूँ। इस बजट में विशेष रूप से स्वास्थ्य पर ध्यान दिया गया है। अगर 30 प्रदेशों का एक सर्वे कराया गया है, जिसमें 6 प्रतिशत पूरे 30 प्रदेशों को बजट दिया जाता है, उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य पर 7.1 प्रतिशत बजट दिया गया है। स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से इस बजट में चिन्ता की गयी है। साथ ही मैं आपको बताना चाहता हूँ कि इस बजट में विशेष रूप से कानून व्यवस्था पर भी ध्यान दिया गया है। इस बजट में कानून व्यवस्था पर 6.4 प्रतिशत ध्यान दिया गया है, जबकि 30 प्रदेशों का जो संयुक्त रूप से सर्वे निकला है, उसमें 4.7 प्रतिशत ध्यान दिया गया है। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का विशेष रूप से धन्यवाद करता हूँ। मैं वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी को और उनके सभी सहयोगियों को इस बात के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार प्रकट करता हूँ कि आपने इतना जनप्रिय और लोकप्रिय बजट दिया है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

[03:19] *श्री तूफानी सरोज-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूँ कि आपने मुझे बजट 2022-23 पर बोलने का अवसर दिया। मैं आभारी हूँ। बहुत समय से एक ही बात बार-बार रिपीट की गई महामहिम के अभिभाषण में और इस बजट भाषण में कि उत्तर प्रदेश बहुत विकास कर चुका है। उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बन चुका है। गुजरात मॉडल बन रहा है। तमाम तरह की बातें आईं। बजट भाषण जो आया है कि 15 करोड़ निर्धन लोगों को अन्न देने का काम किया गया है। एक तरफ आप 15 करोड़ निर्धन लोगों को अन्न देने की बात कर रहे हैं और दूसरी तरफ आप कह रहे हैं कि पिछले पांच वर्षों के हमारे कार्यकाल में प्रदेश बीमारू राज्यों की श्रेणी से निकल करके इस देश के अगले राज्यों में आ चुका है। प्रदेश की पापुलेशन लगभग 25 करोड़ है। 50 प्रतिशत से ज्यादा लोग निर्धन कार्ड हाथ में लेकर खड़े हैं। कौन सा आपने उत्तम प्रदेश बनाया है और नीति आयोग की रिपोर्ट को देखा जाये कि नीति आयोग क्या कहता है "list of India states an union territories by poverty rate Bihar, Jharkhand and Uttar Pradesh have emerged as the poorest state in India" यह आपका बनाया हुआ नीति आयोग कह रहा है मैं नहीं कह रहा हूँ। आप कहते हैं कि गुजरात मॉडल बन रहा है। नीति आयोग के अनुसार बिहार में 51.91 प्रतिशत गरीब, झारखण्ड में 42.16 प्रतिशत गरीब और उत्तर प्रदेश में 37.79 प्रतिशत गरीब इसके बावजूद भी आप वाह-वाही लूट रहे हैं। अब कौन सा आंकड़ा मैं सही समझूं नीति आयोग को सही समझूं कि आपको सही समझूं। यह तो आपका बजट पूरा भ्रम फैलाने वाला है। आप 26 स्टेट से पीछे हैं, देश के 26 स्टेट आपसे आगे हैं। इसके बावजूद भी आप तालियां बजा रहे हैं। नीति आयोग आपको सबसे पुअरेस्ट स्टेट की श्रेणी में बता रहा है। इससे अच्छे हालात प्रदेश के देश में 2017 के पहले थे। 2017 के पहले की स्थिति इससे बेहतर थी और आज स्थिति खराब बनी हुई है। 15 करोड़ लोगों को जिस रेशियो से आपने निर्धन कार्ड दिया है कि आपका मानक है कि जिसके पास दो पहिया वाहन न हो और जिसके पास पक्के मकान न हो यही रेशियो आपका है इसका मतलब 25 करोड़ लोगों में 15 करोड़ लोगों के पास पक्का मकान और दो पहिया वाहन नहीं है। जो आपका मानक है, जो आपका सिस्टम अन्त्योदय कार्ड बनाने का कर रहा है इसी तरह अगर अन्त्योदय कार्ड बनता रहा तो हमें यह कहने में आश्चर्य नहीं है कि आने वाले पांच साल के बाद यह निर्धन कार्ड आपके 25 करोड़ लोगों के हाथों में दिखाई देने लगेगा। आपका सिस्टम कहां है ? आपने नीति क्या बनाई है ? और कहां, किस तरह से आपका कार्ड बन रहा है ? दो-दो घर वालों के पास भी और सरकारी नौकरी करने वालों के पास भी अन्त्योदय कार्ड है। बिजली के बारे में जो बजट भाषण में कहा गया है और बिजली के बारे में बहुत बातें आई हैं। हम तो विपक्ष में हैं, हम तो यह कह कर टाल देंगे कि मैंने

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अधिकारियों को कई बार कहा है बिजली के सम्बन्ध में कि बिजली दो। अधिकारी मेरी बात नहीं सुनते हैं, लेकिन बिजली के बारे में जो उन्होंने 18 घण्टा किसानों को बिजली देने के लिए जो यहां पर डंका बजाया गया सत्ता पक्ष के विधायक लोगों का जो इन्तजार जनता कर रही है कि आप वहां तो 18 घण्टे चिल्ला रहे हो। मंत्री का भी इन्तजार कर रही है कि आप तो 18 घण्टा किसानों को बिजली देने की बात कर रहे हो, लेकिन गांव में कितनी बिजली आ रही है इसका पता जब आप क्षेत्र में जाएंगे, जनता आपसे जरूर पूछेगी। बजट में पिछड़ा वर्ग के बारे में, पिछड़ा वर्ग के छात्र पिछली बार बहुत से छात्र छात्रवृत्ति से वंचित रह गए जो पात्र थे, उनको नहीं मिला, अनदेखी की गई। यह बहुत निराशा महसूस कर रहे थे। माननीय अधिष्ठाता महोदय आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री से निवेदन करूंगा कि जो आपने पिछड़ा वर्ग में सोलह सौ बहत्तर करोड़ का प्रावधान किया है। इस प्राविधान को आप थोड़ा और बढ़ाने का काम करेंगे जिससे पिछड़े वर्ग के सभी लोगों को न्याय मिल सके। आपने जेवर एयरपोर्ट के बारे में भी बहुत बातें कीं कि उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत में जेवर एयरपोर्ट सबसे आलीशान एयरपोर्ट बन रहा है। इसको प्रदेश की जनता देख रही थी, लेकिन प्रदेश की जनता एक चीज जानना चाहती है जिसको आपने नहीं बताया। वह सिर्फ एक चीज जानना चाहती थी कि एयरपोर्ट बनने के बाद इसे आप किसको बेचोगे, जनता जानना चाहती थी कि यह एयरपोर्ट किसे बेचा जायेगा ?

श्री अधिष्ठाता-

मा0 तूफानी जी, धन्यवाद। अब आप समाप्त कीजिये।

श्री तूफानी सरोज-

मान्यवर, अभी एक ही मिनट तो हुआ है। बस एक मिनट में अपनी बात समाप्त कर लूंगा। आपके बीच में कोरोना पर भी तमाम बहस हुई है। हम इस सदन में पहली बार चुन कर आये हैं और इतनी मजबूती से यहां पर झूठ बोला जाता है, यह पहली बार हमें सुनने और देखने को मिला। मा0 मंत्री जी ने कहा कि कोरोना के पीरियड में परिजन लाश छोड़ कर चले गये थे। मान्यवर, यहां कोई मर जाता है तो दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता, अहमदाबाद से लाशें मंगाई जाती हैं और मा0 मंत्री जी के भाषण को उनके क्षेत्र की जनता और प्रयागराज के लोग सुन रहे थे। कोरोनाकाल में दर्जनों लाशें जेसीबी से खोद कर ढंक दी गयी थीं और जब बारिश हुई और हवा चली तो दर्जनों लाशें ऊपर चली आयीं। उस पर मंत्री जी का बयान था कि परिजन छोड़ कर चले जाते हैं। कोरोना के समय में गंगा नदी शव वाहिनी बन चुकी थी। बिहार बार्डर पर दर्जनों लाशें पायी गयीं और कहा गया कि ऑक्सीजन के अभाव में यहां कोई मृत्यु नहीं हुई। आप के0जी0एम0सी0 में जा कर पता लगा लीजिये, वहां पर कई सीनियर डॉक्टर्स की मृत्यु ऑक्सीजन के अभाव में हुई है, कई सीनियर डॉक्टर ऑक्सीजन के अभाव में मरे हैं। इसके बावजूद बजट की प्रशंसा की जा रही है। यह बजट भ्रमित करने वाला बजट है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, अब आप समाप्त करें।

श्री तूफानी सरोज-

मान्यवर, यह बजट किसान विरोधी बजट है। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

(इसी मध्य सदस्य श्री रफीक अंसारी एवं श्री विरेन्द्र यादव के एक साथ अपने-अपने स्थानों पर बोलने के लिए खड़े होने पर)

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, मैं बहुत क्लीयर हूं कि किसका नाम है, लेकिन आपकी ही तरफ से कुछ चेंजेज आये हैं तो मैं उसी के अनुसार चल रहा हूं। इसलिये आप लोग तय करके मुझे बता दें, मैं उसी के अनुसार चलूंगा। आप तय करके मुझे बता दें, मुझे कोई आपत्ति नहीं है। जो भी चेंजेज आये हैं, वह आपकी ही तरफ से मेरे पास लिखित रूप में आये हैं। मा0 वीरेन्द्र जी, आप इसके बाद बोल लीजियेगा।

[03:27] *श्री रफीक अंसारी-

मा0 अधिष्ठाता जी, आपका दिल की गहराइयों से धन्यवाद। मैं दिल की गहराइयों से आपका शुक्रिया अदा करता हूं। 'मेरी तकदीर के मालिक, मेरी तकदीर के मालिक मेरी पहचान लिख देना। मेरे जिस्म के हिस्से पर हिन्दोस्तां लिख देना। कहीं राम लिख देना, कहीं रहमान लिख देना।' मान्यवर, गांधी जी की तस्वीर ऊपर है। हमारे मा0 वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री जी यहां नहीं हैं। यहां पर मा0 मंत्री जी बैठे हैं। किसान के बाद और कृषि के बाद बुनकर समाज का नम्बर आता है। आज पूरे उत्तर प्रदेश के अन्दर बुनकरों के क्या हालात हैं। वह 22 महीनों में इतना कर्जदार हो गये हैं और यकीन मानिये कि जो गांधी जी हैं, इनको भी कपड़ा पहनाने का काम बुनकर ने ही किया है। जब बच्चा पैदा होता है तो सबसे पहला काम उसे कपड़ा पहनाने का होता है जिसे बुनकर तैयार करता है। जब आदमी मरता है तब उसे भी कपड़े की जरूरत पड़ती है तो उसे भी बुनकर ही तैयार करता है, लेकिन यह सरकार बुनकरों के बारे में कुछ नहीं सोच रही है। सरकार के अनुसार 03 लाख से ज्यादा पावरलूम हैं। करोड़ों लोग बेरोजगार हो गये, आत्महत्या करने पर मजबूर हो गये, भुखमरी की कगार पर हैं और बुनकर समाज, उनके छोटे-छोटे बच्चे और बीबी 24 घण्टे और रात को भी काम करते हैं और पेट पालने का काम करते हैं। साल 2006 में पूरे पांच साल के अन्दर मा0 मुलायम सिंह यादव और समाजवादी पार्टी ने उनको फ्लैट रेट देने का काम किया था, लेकिन उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की इस सरकार ने यह भी महसूस नहीं किया और एक मिनट के अन्दर

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बुनकरों का गला घोंटने का काम कर दिया और फ्लैट रेट समाप्त करने का काम इस सरकार ने किया है।

मान्यवर, मैं कहना चाहता हूँ, ये गांधी जी देख रहे होंगे जिन्होंने कपड़ा बुनकर बनाया, ये लोग उनका भी लिहाज नहीं कर रहे हैं और सबका साथ, सबका विश्वास, सबका विकास और सबका प्रयास की बात करते हैं। मा0 प्रधानमंत्री जी के क्षेत्र में तमाम बुनकर हैं। जब प्रधानमंत्री जी के क्षेत्र के बुनकरों का उत्पीड़न हो रहा हो तो फिर इस देश के अन्दर अन्य बुनकरों को कहां सुकून और चैन मिल रहा होगा ? आज पूरे उत्तर प्रदेश के अन्दर, बनारस के अन्दर तमाम साड़ियां बनती हैं, लेकिन आज वहां का बुनकर परेशान है। मा0 मंत्री जी बैठे हैं, नये मंत्री हैं। मेरा आपसे अनुरोध है कि अगर आप बुनकर समाज के लिए आगे नहीं आये, यकीन मानिये ये प्रदेश आगे नहीं बढ़ पायेगा। हमारा मुकाबला गुजरात से है, तमिलनाडु से है, महाराष्ट्र से है, वहां पर बिजली सस्ती दी जाती है और छूट भी दी जाती है। तमाम कताई मिल बन्द हो गयी हैं, धागा महंगा हो गया है। हमें धागा महाराष्ट्र से खरीदना पड़ता है, तमिलनाडु से खरीदना पड़ता है। यदि हम महाराष्ट्र और तमिलनाडु से धागा खरीदेंगे तो यहां के बुनकर को कितना महँगा पड़ेगा ? सारे कताई मिल बन्द पड़े हैं, लेकिन इस सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। यहां तक कि हालात इतने खराब हैं कि आज 22 महीने से बिल भी नहीं जमा हो रहा है। 22 महीने से बुनकरों पर खतरे की तलवार लटकी हुई है, यकीन मानिये उनको रात को नींद नहीं आती है। मैं आप लोगों से कहना चाहता हूँ कि "उतनी भी मयस्सर नहीं, मयखाने में, जितनी हम छोड़ दिया करते थे पैमाने में"।

श्री अधिष्ठाता-

आपने सब बातों की एक बात बोल दी, अब आप समाप्त करिये।

श्री रफीक अंसारी-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, अभी समय नहीं हुआ है, देखिये हमारे मंत्री जी बैठे हुए हैं और हमें उम्मीद है कि हमारे मंत्री जी बुनकरों का भला करेंगे, लेकिन इसके लिए बहुत बड़ा सीना करना पड़ेगा। आपने किसानों के लिए तमाम उल्लेख किये हैं। इस बजट में ढाई सौ करोड़ रुपये हैं और 800 करोड़ रुपयों की जरूरत है, बताइये आप बुनकरों का भला कहां से करेंगे ? बुनकर आज करोड़ों-करोड़ रुपये का जी0एस0टी0 भर रहा है, पहले जी0एस0टी0 भी नहीं थी। अरे जितना बुनकरों से ले रहे हैं, उतना ही दे दो भाइयों, क्यों इतना जुल्म कर रहे हो। मैं कहना चाहता हूँ कि "सितम करोगे सितम करेंगे, करम करोगे करम करेंगे, हम भी आदमी हैं आपकी तरह, जो तुम करोगे वो हम करेंगे"।

श्री अधिष्ठाता-

बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री रफीक अंसारी-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, एक अनुरोध कर रहा हूँ। हमारे मंत्री जी बैठे हैं, उनसे अनुरोध है कि दिल खोल के इस विषय को पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ायें, पूरी मजबूती के साथ आगे बढ़ायें। मैं अपने नेता के लिए जिनकी सिफारिश पर मुझे बोलना पड़ा, एक शेर पढ़कर मैं अपनी वाणी को विराम दूंगा कि "हजारों साल नरगिस अपनी बेनूरी पे रोती है, बड़ी मुश्किल से होता है चमन में दीदावर पैदा" उनका नाम है अखिलेश यादव, जिन्दाबाद-जिन्दाबाद, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, हम लोगों को भी समय दे दीजिए। आपके पास सूची गयी है।

श्री अधिष्ठाता-

आपके यहां से एक आयी है, हम तीनों का लिख लिये हैं।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

एक नहीं तीन गयी हैं।

श्री अधिष्ठाता-

हमने लिख लिया है।

[03:33] *श्री अतुल गर्ग-

धन्यवाद अधिष्ठाता जी। कल-परसों से लगातार कोई न कोई चर्चा चल रही है। लगातार मैं इसको लोकतंत्र का मन्दिर मान कर चल रहा हूँ, इसे लोग कहते हैं कि यह एक पंचायत है। मन्दिर हो या पंचायत हो दोनों ही जगह यह माना जाता है कि लोग सच बोलेंगे, ठीक बोलेंगे और तर्कपूर्ण तरीके से बोलेंगे। लेकिन क्या इस सरकार ने एक भी अच्छा काम नहीं किया ? बजट के अन्दर लगातार कमियां बतायी गयीं, ये कोई नहीं बता रहा कि पहले हमारे समय में ये था और अब ये है।

एक विषय बता दें कि 2017 के पहले कौन-सी व्यवस्था थी जो बाद में खराब हुई हो? कोई कुछ भी बोलता है। ऐसा लगता है कि यहां पर जोकि इन्साफ का मन्दिर है, कानून का मन्दिर है, पंचायत है। यह दो वकीलों की लड़ाई हो गयी है, जिन्हें अपनी-अपनी बात रखने से मतलब है। चाहे उसमें कोई तर्क हो या न हो। हमारे एक वरिष्ठ नेता हैं, सच पूछिए तो उनको सुनने में मुझे उतना ही मजा आता है जितना लालू यादव जी को सुनने में आता था। उन्होंने गरीबों की बहुत बात की है। गरीबों और पिछड़ों की इतनी बात की कि आंख से आंसू आ जायें। इनसे यह भी पूछिए कि इन्होंने कितने गरीब लोगों को अपनी पार्टी का टिकट दिया।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कोई करोड़पति से कम का है, जिसे टिकट दिया हो। टिकट देते टाइम पैसे वालों को और रोने के टाइम पर गरीब। आपने इस लोकतंत्र के मन्दिर का क्या मजाक बना रखा है ? मैं आपके लिए नहीं कह रहा हूँ किसी और के लिए कह रहा हूँ। माननीय अधिष्ठाता जी, एक्साइज का कलेक्शन 2017 तक कुल 14 हजार करोड़ था। अचानक से क्या कारण हुआ कि यह 36 हजार करोड़ हो गया। जी0एस0टी0 डबल हो गया। पूरे प्रदेश के सारे शराब के ठेके, ठेकेदारों को सौंप दिये गये थे। मुझे नाम नहीं याद है, पोंटी या कुछ ऐसा ही नाम था और उनके हटने के साथ ही जो नई सरकार आई उसने हर जिले के अन्दर अलग-अलग ठेकेदार दिये। लोगों को जॉब भी मिली। उत्तर प्रदेश की इनकम 3 गुना हुई। क्या उसके लिए आपको शर्मिन्दा नहीं होना चाहिए कि हमसे गलती हुई। चीनी मिलें एक आदमी को, मिड-डे मील एक आदमी को यह नहीं चलना चाहिए। मैं आपसे सहमत हूँ, पहली बार आपने अच्छी बात कही कि यह नहीं चलना चाहिए। यह भी सामने से कहा गया कि केन्द्र सरकार की योजना का आप लाभ उठा रहे हैं। पहली बात तो बहुत-बहुत धन्यवाद। सन् 2024 आने वाला है और आपने यह स्वीकार किया है कि केन्द्र सरकार की योजनायें बहुत अच्छी थीं। आपने ईमानदारी से एक बात कही। लेकिन जब गरीब आदमी को राशन नहीं मिलता था उसे धक्के देकर भगा दिया जाता था तब भी केन्द्र सरकार की यह अपेक्षा थी कि आप ई पॉश मशीन लगायें। अंगूठे के ऊपर राशन मिलना चाहिए तब आपने ई पॉश मशीनें क्यों नहीं लगवाईं ? उस वक्त तो ये सब चीजें उगाही का धन्धा बनी रहीं। क्या आपके टाइम पर डिजिटल एक्स-रे मशीन, सी0टी0 स्कैन मशीनें थीं ? क्या आपके टाइम पर दवाइयां मिलती थीं ? आपको जानकर खुशी होगी कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक हास्पिटल है उसके अन्दर 3000 से भी कम लोग प्रतिदिन आते थे और ज्यादातर वे लोग थे जो आपके भक्त हैं और हमें वोट नहीं देते थे। मुझे गर्व है हमारी सरकार पर और हमारी सरकार के प्रबन्धन पर कि अब रोज 6000 लोग आते हैं, वे आज भी हमें वोट नहीं देते हैं, लेकिन हमें सेवा करने का मौका मिला है। अधिष्ठाता महोदय बहुत सारे आंकड़े मेरे पास हैं। चूंकि आपने कहा कि नये सदस्य बहुत अनुशासित हैं। अनुशासन का प्रमाण देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूँ। धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय अतुल जी, आपने हमेशा अनुशासन का पालन किया है।

[03:40] श्री राम दुलार-

अधिष्ठाता महोदय धन्यवाद, आपने मुझे सदन में बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मैं आपको बताना चाहता हूँ, उत्तर प्रदेश की 403 विधान सभा क्षेत्र में से मैं अन्तिम विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ और वहां की जनता ने मुझे अपना सेवक चुनकर सदन में भेजा है। मैं मा0 योगी जी और मा0 मोदी जी को कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूँ और जिस जनता ने मुझे चुनकर भेजा है, मैं दुद्धी विधान सभा क्षेत्र की सम्मानित जनता को भी

धन्यवाद देता हूँ। दुद्धी आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण वहां किसी सरकार ने ध्यान नहीं दिया। जब मा0 मोदी जी की सरकार आयी तो वहां पर सभी क्षेत्रों में ध्यान दिया जाने लगा और विकास कार्य भी होने लगे। जैसे अभी 19 मई, 2022 को हमारी राज्यपाल महोदया जी, सेवा कुंज आश्रम में गयी थीं। वहां की जो मूल समस्या थी, उस समस्या का समाधान किसी सरकार ने नहीं किया, लेकिन मा0 योगी जी की अगुवाई में मा0 राज्यपाल महोदया वहां गयीं और वह वनवासी सेवा कुंज आश्रम में जाकर आदिवासी, वनवासियों की समस्या को सुना और उन्होंने वहां के लोगों को आश्वासन भी दिया और कहा कि जो काम आप लोगों का पिछली किसी सरकार ने नहीं किया वह काम मा0 योगी जी की सरकार में हर सम्भव किया जायेगा। सरकार ने एक कानून बनाया है जो उस क्षेत्र में निवास करते हैं, उनके लिए एक वनाधिकार कानून है। अनुसूचित जनजाति और अन्य परम्परागत वन एवं जिसको हम अपनी भाषा में वनाधिकार कहते हैं। वन अधिनियम, 2006, नियम, 2008 व संशोधित नियम-2012 के अन्तर्गत जनपद सोनभद्र में दुद्धी विधान सभा क्षेत्र की तरफ से मेरी सदन के पटल से मांग है कि वहां के आदिवासियों को भूमिक अधिकार दिलाने का काम करें। मेरी दूसरी समस्या यह है कि उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से सरकार को सबसे अधिक राजस्व मिलता है और आज तक वहां से बहुत सारे विधायक और सांसद बने हैं, लेकिन किसी ने वहां की स्थानीय जनता की बेरोजगारी पर ध्यान नहीं दिया है।

अतः मैं सदन के माध्यम से आपसे निवेदन करता हूँ कि हमारे यहां तमाम कारखाने लगाये गये हैं, लेकिन फिर भी वहां के लोग रोजगार से वंचित हैं। मैं आपसे मांग करता हूँ कि योग्यता के हिसाब से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलना चाहिए।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं एक सुझाव अन्त्योदय योजना के सम्बन्ध में देना चाहता हूँ। वर्तमान में अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रतिमाह 35 किलो राशन मिलता है। यह देखने की जरूरत है कि एक कार्ड पर 04 यूनिट हैं और एक कार्ड पर 12 यूनिट हैं तो ऐसी स्थिति में 35 किलो राशन में 12 यूनिट वाला परिवार किस प्रकार अपना जीवन यापन करेगा। आपके माध्यम से मेरा निवेदन है कि इस व्यवस्था में भी संशोधन करके सुधार करने की कार्यवाही की जाये। मैं उत्तर प्रदेश की सबसे आखिरी विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूँ और माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदी जी और माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी जी की नीतियों से प्रभावित होकर वहां की जनता ने मुझे इस आदरणीय सदन में भेजने का काम किया है। मैं आपको बहुत-बहत धन्यवाद देते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूँ। जय हिन्द, जय भारत, वन्दे मातरम्।

श्री वीरेन्द्र कुमार यादव-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट भाषण पर बोलने का अवसर दिया जिसके लिए मैं आपको धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। मैं माननीय नेता विरोधी दल और माननीय

लाल जी वर्मा जी की बातों से सम्बद्ध करते हुए कहना चाहता हूँ कि यह बजट किसान विरोधी, नौजवान विरोधी, पिछड़ा वर्ग विरोधी और दलित विरोधी है। आज उत्तर प्रदेश का नौजवान और युवा बेरोजगारी की मार झेल रहा है और उनको बहुत उम्मीद थी कि शायद इस बार ऐसा बजट आयेगा जिसमें उनके लिए नौकरी से लेकर तमाम व्यवस्थायें रखी जायेंगी, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी ऐसा सम्भव नहीं हुआ। आज का युवा आत्महत्या कर रहा है और बेरोजगारी का दंश झेल रहा है। एक तरफ किसान परेशान है। किसानों की आमदनी को दोगुना करने की बात इस सरकार की थी, लेकिन आज तक किसानों की आमदनी दोगुनी नहीं हुई है। किसान का फसलों पर लागत का जो मूल्य है वह भी नहीं निकल पाता है। किसान को समय से यूरिया नहीं मिल पाती है और उसका मूल्य भी काफी बढ़ा हुआ है। आज जो गेहूँ क्रय केन्द्र हैं, वहां पर सही तरीके से खरीददारी नहीं हो पा रही है। आज प्रदेश में किसान बहुत परेशान है, इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि जो इसका समर्थन मूल्य रखा गया है, वह बहुत ही कम है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि जो गेहूँ और धान का वर्तमान समर्थन मूल्य है, उससे किसानों का भला होने वाला नहीं है। मैं सरकार से मांग करता हूँ कि उसके मूल्य को बढ़ाने का काम करें। जबसे माननीय अखिलेश यादव जी की सरकार के बाद इस प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तब से लेकर आज तक प्रदेश में बेरोजगारी बहुत तेजी से बढ़ी है। सी0एम0आई0 की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2017 में यह दर 2.4 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2021 में बढ़ कर 4.8 प्रतिशत हो गई है। यानि कि बेरोजगारी बहुत अधिक बढ़ी है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि आज नौजवान आत्महत्या कर रहा है। इलाहाबाद में पढ़ने वाले नौजवान को जब रोजगार नहीं मिलता है, पढ़ते-पढ़ते उसकी उम्र निकल जाती है तो वह कहीं न कहीं आत्महत्या करने को मजबूर हो जाता है। यह सरकार नौजवानों के ऊपर बहुत लम्बी-चौड़ी बात करती है, लेकिन कहीं न कहीं उस तरह की चीजें सामने नहीं आ पाती हैं। इसलिए मैं सरकार से मांग करता हूँ कि जो झूठे आंकड़े प्रदेश सरकार ने सदन के अन्दर रखने का काम किया है। जो प्राइवेट नौकरियों में आंकड़ा प्रस्तुत किया गया है।

मान्यवर, मैं कहना चाहता हूँ कि गाजीपुर जनपद में जब कैम्प लगाकर यह सरकार नौकरी देने की बात कर रही थी उसी समय वहां के प्रशासन के लोगों ने गाजीपुर के युवाओं के साथ धोखा किया। लाठी-डण्डे से मारकर उनको बाहर निकाल दिया। मैं नहीं समझ पाता हूँ कि वह आंकड़ा कहां से आ गया। जो प्राइवेट नौकरियां करने वाले लोग हैं, जब उनको लाठी-डण्डे से बाहर कर दिया गया तो उनको नौकरी कहां मिली। सरकारी नौकरियों का भी बहुत लम्बा आंकड़ा दिया जाता है। मनरेगा के जो मजदूर काम करते हैं, उनको भी इसी में शामिल किया जाता है। मनरेगा का जो मजदूर 202 रुपया पाता है उसका कैसे भला होगा। आज भारी तादात में जो युवा है, वह कहीं न कहीं बेरोजगारी की तरफ बढ़ रहा है, आत्महत्या

की तरफ बढ़ रहा है। मान्यवर, मैं आपसे मांग करता हूँ कि इस पर आप जरूर ध्यान देने का काम करेंगे। चूंकि आपने कम समय दिया है इसलिए मैं इस पटल के माध्यम से अपने क्षेत्र की समस्या भी रखना चाहता हूँ। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के बारे में बताना चाहता हूँ कि वहां तमाम ऐसी सड़कें हैं जो जर्जर हो गयी हैं, कुछ ऐसी सड़कों पर भी मैंने धरना दिया था, लेकिन आज तक उस सड़क पर एक भी काम नहीं हुआ है। अधिष्ठाता महोदय, हमारे पास एक लम्बी सूची है अगर मैं इसको गिनाऊंगा तो बहुत समय लगेगा इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि हमारी सूची को इसमें सम्मिलित कर लिया जाये। इसके साथ ही मैं गाजीपुर जनपद में एक बस अड्डा की मांग करता हूँ जो पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बलिया-गाजीपुर और मऊ को जोड़ने वाला जो फोर लेन का लिंक है। अगर उसके बीच में भरसर में एक बस अड्डा मिल जायेगा तो कहीं न कहीं लखनऊ से लेकर गोरखपुर तक और बनारस से लेकर गोरखपुर तक के इलाके के लोगों के लिए भलाई का काम होगा।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से गाजीपुर जनपद में एक विश्वविद्यालय की मांग करता हूँ। वह इलाका, पिछड़ा इलाका है इसलिए मैं शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए सरकार से मांग करना चाहता हूँ कि गाजीपुर जनपद में एक विश्वविद्यालय बन जायेगा तो उस इलाके के लोगों का भला होगा, युवाओं का भला होगा और वह उच्च नौकरियों में जाने का काम करेंगे। इसी के साथ मैं कहना चाहता हूँ कि जब मा0 श्री अखिलेश यादव जी की सरकार थी तो गाजीपुर जनपद में उन्होंने एक बड़ा स्टेडियम देने का काम किया था, लेकिन आज तक उस स्टेडियम में पूरी बाउण्ड्रीवाल हो गयी है, लेकिन उसके बाद उसका पैसा कहां गया, अभी तक नहीं पता है। इसलिए मैं मांग करता हूँ कि उस स्टेडियम को बनवाने का काम करें। इसके साथ ही मैं जंगीपुर विधान सभा क्षेत्र में एक मिनी स्टेडियम की मांग करता हूँ। मान्यवर, मैं पुनः आपका धन्यवाद करते हुए कहना चाहता हूँ कि हमारी और मांगे हैं, मैं आपके माध्यम से चाहूँगा कि वह पटल पर रख दूं, जिससे हमारी सारी मांगें आ जायें।

श्री अधिष्ठाता-

पटल पर आप रख दें।

श्री वीरेन्द्र कुमार यादव-

इसी के साथ मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री जगदीश नारायण-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आभारी हूँ कि आपने मुझे बहुत देर के बाद समय दिया। मान्यवर, यह बजट प्रस्तुत करते समय हमें और पूरे प्रदेश को यह अहसास कराया गया

है कि रामराज्य आ चुका है। मुझे तुलसीदास जी की एक चौपाई याद आ रही है। रामराज्य में तो ''दैहिक दैविक भौतिक तापा राम राज नहि काहुहि ब्यापा'' लेकिन आज हम अपने-अपने क्षेत्रों की जो हालत देख रहे हैं। हम दैहिक लेते हैं, दैविक पर तो कोई भरोसा नहीं वह तो ऊपर वाले के हाथ में है, लेकिन दैहिक रूप से इस बजट के माध्यम से जो चिकित्सा की व्यवस्था की गयी है। बहुत लम्बी-चौड़ी बात की जा रही है। चिकित्सा में उन चीजों को भुला दिया गया है जो हमारे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं, जो गांवों में, ब्लाकों में खुले हुए हैं जो कभी 1962 में साठ के दशक में बने हुए थे। उनकी जर्जर हालत है, वह खराब हो चुके हैं। बन्द पड़े हैं, उनको चलाने की दिशा में इस बजट में कोई बात नहीं कही गयी है। अगर हम सिर्फ मेडिकल कालेज पर ही डिपेण्ड रहेंगे तो मेडिकल कालेज में पूरे जनपद का इलाज नहीं हो पायेगा।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, हमारे जनपद जौनपुर में पूर्व मुख्य मंत्री श्री अखिलेश यादव जी ने एक मेडिकल कालेज दिया था, लेकिन वह आज तक चल ही नहीं पाया है। वहां पर जबरदस्ती लड़कों का एडमीशन कर रखा है, वह सभी रो रहे हैं। वहां पर कोई भी व्यवस्था नहीं है। वहां पर स्वास्थ्य की हालात इतनी खराब है कि गरीब लोगों को इलाज ही नहीं मिल पा रहा है। गरीब व्यक्ति अल्ट्रासाउण्ड एवं सीटी स्कैन के लिए जाता है, लेकिन उसको कहीं पर भी मुफ्त व्यवस्था नहीं मिल रही है। वह इधर-उधर भागते हैं और वह महंगा इलाज कराता है तो आपकी गरीबों के कल्याण के लिए योजना कहां से आएगी। अभी इस प्रदेश में कहा जा रहा है कि सारी चीजें गरीबों के लिए हो रही हैं। कल मैंने एक प्रश्न लगाया था और उसका यह जवाब आया कि किसी जनपद में यह आंकड़ा है ही नहीं कि कितने गरीब लोग हैं। जब आंकड़ा है ही नहीं तो इसका लाभ किसको मिल रहा है। हम लोग गांव से आते हैं और गांवों में पुराने समय के ट्यूबवेल खराब पड़े हुए हैं। सरकार ने ग्राम प्रधानों को ट्यूबवेल का संचालन करने का अधिकार दे दिया है। ग्राम प्रधान एक सीमित संसाधन है, उसके पास टेक्निकल व्यवस्था नहीं है। वह सही ढंग से ट्यूबवेल चला नहीं सकता है। इस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। अगर आप इस बजट के माध्यम से कुछ कर सकते हैं तो कुछ बढ़िया कीजिए और किसानों को मुफ्त सिंचाई देना चाहते हैं तो उस पर ध्यान दीजिए। खाद एवं बीज किसानों की बेसिक आवश्यकता है। खाद महँगी, बीज महँगा एवं दवाइयां भी महँगी हैं, लेकिन इस बजट में इस पर कोई भी ध्यान नहीं दिया गया है। इस बजट में किसानों के लिए सब्सिडी की व्यवस्था नहीं की गयी है। खाद का रेट रोज बढ़ता जा रहा है, शुद्ध बीज नहीं मिल पा रहा है। हम कृषि विज्ञान केन्द्र बढ़ा रहे हैं, सरकार कृषि विज्ञान केन्द्र की बात कर रही है। सरकार बता दे कि पिछले 5 या 10 सालों में कृषि विज्ञान केन्द्र में किसानों के उत्थान के लिए कितने नये शोध हुए हैं ? क्या कार्य किया जा रहा है ? कौन से नये बीज पैदा किये जा रहे हैं ? पूर्वांचल वाले बनारस विश्वविद्यालय से बीज की व्यवस्था कर लेते हैं। पहले पन्तनगर था, लेकिन वह भी

उत्तराखण्ड राज्य में चला गया है। कहीं पर भी बीज की व्यवस्था नहीं है। इस पर सरकार को विशेष ध्यान देना चाहिए वरना किसानों की आय दोगुनी हो ही नहीं सकती है, यह कपोल कल्पना ही होगी।

किसानों के साथ-साथ नौजवानों की बात हो रही हो। नौजवान बड़ी संख्या में बेरोजगार हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों का मुम्बई, कलकत्ता आदि जगहों पर पलायन हो रहा है, वहां पर उनको काम नहीं मिल रहा है और वह लौटकर घर आ रहे हैं। इस तरह से हम लोगों को गांवों में एक निराशा का वातावरण देखने को मिल रहा है। यह स्थिति बहुत ही दयनीय होती जा रही है। इसलिए लघु उद्योग शुरू होने चाहिए। पहले जिलों-जिलों में लघु उद्योग हुआ करते थे जिसके माध्यम से लोगों को रोजगार मिलता था। सारे उद्योग-धन्धे बन्द हो गये हैं। जो हमारी बेसिक चीजें थीं, जैसे हमारे जनपद में फूलों की खेती होती थी और उससे सेन्ट बनती थी। वह सभी उद्योग-धन्धे बन्द हो गये और उससे जुड़ी हुई तमाम इकाइयां बन्द हो गयी हैं तो लोगों को कहां से रोजगार मिलेगा। इस पर भी सरकार को विशेष ध्यान देना चाहिए। पूर्वी उत्तर प्रदेश में आलू एवं सब्जी पैदा करने का हब होता था। आज स्थिति यह है कि किसानों ने आलू एवं सब्जी को बोना बन्द कर दिया है, कोल्ड स्टोरेज बन्द हो गये हैं। अगर आलू का उत्पाद भी कर लिया जाये तो आलू कहां रखेंगे। अगर कोई चीज पैदा होती है तो उसका सही दाम नहीं मिलता है, कोई मण्डी ही नहीं है। इन तमाम विषमताओं के बीच अगर सरकार दावा करती है तो यह खोखला दावा है। यह बजट लोगों को गुमराह करने वाला है, हमारी जनता इस बजट के विरोध में है और मैं इस बजट का विरोध करता हूँ। हवाई अड्डे की बड़ी बात हो रही है। हम लोग वाराणसी जनपद के आस-पास के रहने वाले हैं। बनारस में अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बना हुआ है वहां पर कारगो की व्यवस्था हो चुकी है लेकिन वहां पर आज तक कारगो को चालू नहीं किया गया है और वह आदरणीय प्रधानमंत्री जी का क्षेत्र भी है। मैं सरकार से चाहूँगा कि वहां पर शीघ्र ही कारगो की व्यवस्था चालू कराई जाये जिससे आस-पास के किसानों को लाभ होगा। वहां पर डेरी प्लान्ट का शिलान्यास किया गया है। आज तक उसका अता-पता नहीं है, कोई कार्य नहीं हो रहा है। इसलिए हमारा पूरा प्रदेश बदहाल है, किसान एवं मजदूर सभी लोग दुखी हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इन सभी चीजों की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूँ। धन्यवाद।

[04:00] *श्री बाबूराम-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे माननीय वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश की जनता-जनार्दन ने लम्बे कालान्तर के बाद लगभग 37 वर्ष बाद किसी सरकार को दोबारा सत्ता

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

पर आरूढ़ किया, वह योगी सरकार है। योगी सरकार ने चार दर्जन योजनाओं को लागू करके उत्तर प्रदेश को देश में पहले स्थान पर पहुंचाकर सुशासन का प्रत्यक्ष प्रमाण दिया है। जो स्थान तारामण्डलों में चन्द्रमा को प्राप्त है और वह जिस प्रकार प्रकाश देता है उसी प्रकार उत्तर प्रदेश में हमारे माननीय योगी आदित्यनाथ जी का स्थान है। मैं उनको शत्-शत् नमन करता हूँ जो हर दिन उत्तर प्रदेश की जनता-जनार्दन के विकास और विश्वास का नया सवेरा लेकर आते हैं। मैं अपने लोकप्रिय वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी को नमन करना चाहता हूँ जिन्होंने 2022-23 में उत्तर प्रदेश का विशालतम बजट पेश किया जिसमें सिंचाई, कृषि, वन, बिजली, मजदूर, किसानों, शिशु, बुजुर्गों के उत्थान के लिए कल्याणकारी योजनाओं का समावेश है। ऐसे महान विद्वान वित्त मंत्री जी को मैं बार-बार प्रणाम करता हूँ। मैं माननीय विधान सभा अध्यक्ष जी को प्रणाम करता हूँ जिन्होंने अल्प समय में पेपरलेस ई-विधान सभा को बनाया और इस विशालतम बजट में 6 लाख 15 हजार 518 करोड़ 97 लाख रुपये का प्रावधान है। इस विशालतम बजट में मनरेगा योजना में 32 करोड़ मानव दिवस सृजन किये हैं, वृद्धावस्था पेंशन 7053 करोड़ 56 लाख रुपये, निराश्रित महिला पेंशन के लिए 4032 करोड़ और दिव्यांग पेंशन के लिए 1000 करोड़ का प्रावधान किया है जिसमें एक हजार रुपए प्रतिमाह पेंशन देने की जो योगी सरकार ने योजना रखी है, उसके लिए मैं उनको धन्यवाद देना चाहूँगा। मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह में 600 करोड़ रुपये और कुष्ठावस्था विकलांग भरण-पोषण योजना में 34 करोड़ 50 लाख रुपये, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन योजना में 10,547 करोड़ 42 लाख, आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत 560 करोड़ और प्रदेश में 9 से 14 वर्ष तक की एक लाख बालिकाओं को एच0पी0वी0 वैक्सीन की दोनों खुराक हेतु।

(इस समय 04 बजकर 01 मिनट पर अधिष्ठाता श्री अरविन्द गिरि पीठासीन हुए)

50 करोड़ रुपये आदि ऐसी लोक कल्याणकारी योजनाओं का जो विशालतम बजट पेश किया गया है, उसके लिए मैं हृदय से माननीय वित्त मंत्री जी को नमन करता हूँ।

मान्यवर, मैं 129 विधान सभा पूरनपुर, पीलीभीत से आता हूँ, जो उत्तराखण्ड और नेपाल सीमा से जुड़ी हुई मेरी विधान सभा क्षेत्र है। मैं आपके माध्यम से वहां की कुछ जरूरी मांगें रखना चाहता हूँ। मान्यवर, बाढ़ आने पर हमारी विधान सभा क्षेत्र दो भागों में बंट जाती है और वहां पर धनारा घाट पर पुल निर्माण होना जनहित में आवश्यक है, भविष्य में सामरिक दृष्टि से भी यह पुल बहुत आवश्यक है। मेरी विधान सभा क्षेत्र गन्ना क्षेत्र में पहली ऐसी विधान सभा है जो गन्ना की उपज पीलीभीत, खीरी, शाहजहाँपुर की सात चीनी मिलों को आपूर्ति होने पर भी वहां का किसान प्राइवेट कोल्हुओं पर औने-पौने दामों गन्ना बेचता है। मान्यवर, वहां पर 40 साल से लगी हुई चीनी मिल बहुत जर्जर अवस्था में है। मैं आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ कि वहां नवीनीकरण और उसका विस्तारीकरण हो, जिससे एक बहुत बड़ी आमदनी किसानों को मिले और सरकार को भी घाटे से निजात मिले क्योंकि प्रति वर्ष इस चीनी मिल में

करोड़ों का घाटा होता है। मैं कहना चाहूँगा कि माधो टाण्डा में मेरे इधर एक ब्लाक 03 साल तक चलती रही, वह बन्द पड़ी है, उसे भी दोबारा चलाया जाये, जिससे हमारा जो ब्लाक है, एशिया का बहुत बड़ा ब्लाक है, जिसमें डेढ़ विधान सभा क्षेत्र समाहित हैं। वह इतना बड़ा ब्लाक है कि उसमें एक और ब्लाक की आवश्यकता है। अभी पिछले 3 महीने पहले, मेरी विधान सभा क्षेत्र में मुजफ्फरनगर एक गांव है, वहां पर फायर स्टेशन का उद्घाटन किया गया, शुभारम्भ हुआ, उसके निर्माण के लिए मैं चाहूँगा कि आपके माध्यम से वह निर्माण कार्य जल्दी हो। मैं इसी के साथ अपनी वाणी को विराम देते हुए, आपको पुनः धन्यवाद देता हूँ। जय-हिन्द, जय भारत।

***श्री हरीश चन्द्र-**

मैं माननीय अधिष्ठाता जी का हृदय से धन्यवाद देना चाहूँगा कि उन्होंने बजट सत्र में बोलने का अवसर दिया। मुझे पिछले कई दिनों से इस सदन में अपने वरिष्ठ सदस्यों को सुनने का अवसर प्राप्त हुआ। चूंकि मैं पहली बार विधान सभा में सदस्य चुनकर आया हूँ और जो बजट पर बोलने का मुझे अवसर दिया, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। उत्तर प्रदेश के अन्दर माननीय योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने लगातार किसान, नौजवान, बेरोजगार के लिए निरन्तर जो प्रयास किये हैं, वह बहुत ही सराहनीय हैं। किसानों के लिए देश के प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र भाई मोदी जी ने किसान सम्मान निधि के माध्यम से हमारे उत्तर प्रदेश के किसानों को प्रति वर्ष 6 हजार रुपए देकर उनकी आय बढ़ाने का कार्य किया है। निश्चित रूप से किसानों के घर में खुशहाली आयी है, किसानों को उनकी तरक्की में यह सहायक बनी है। निश्चित रूप से इस सम्मान निधि के माध्यम से उन किसानों को लाभ मिल रहा है। माननीय मुख्य मंत्री जी के द्वारा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के माध्यम से किसानों के घर-परिवारों में यदि किसी प्रकार की घटना-दुर्घटना हो जाती है तो निश्चित रूप से वह किसान बेसहारा हो जाता है, उसका परिवार दर-दर भटकता है। इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी किसान दुर्घटना बीमा के अन्तर्गत 5 लाख रुपये की राशि देने का काम उस परिवार के लिए किया है। यह बहुत सराहनीय पहल है। इसी के तहत माननीय मुख्य मंत्री जी ने सिंचाई की दृष्टि से किसानों के लिए समुचित व्यवस्था की है। इस दृष्टि से लघु सिंचाई योजना के माध्यम से इस बजट में 01 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है जो उत्तर प्रदेश सरकार की सराहनीय पहल है। इसी तरीके से महिलाओं के लिये इस बजट में विशेष प्रावधान किया गया है। मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिलाएं अपनी सुरक्षा स्वयं करने का जिम्मा उनका हो गया है। निश्चित रूप से प्रत्येक महिला को सशक्तीकरण के लिए प्रेरित करने का वह काम किया जा रहा है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का जो स्लोगन देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र भाई मोदी जी ने दिया, निश्चित रूप से हमारी सरकार इस पहल पर भी काम कर रही है। इसी के तहत् महिलाओं को

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

सम्मान मिले। आज उत्तर प्रदेश के अन्दर 03 महिला पी0ए0सी0 बटालियन का जो गठन किया है, उसमें बदायूं के लिए भी माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो तोहफा दिया है, उसके लिए मैं हृदय से माननीय मुख्य मंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूँ। इसी तरीके से पुलिस में 20 प्रतिशत महिलाओं के लिए कोटा देने का काम किया है, यह भी निश्चित रूप से महिलाओं के सशक्तीकरण की पहल है। युवाओं के लिए इस बजट में विशेष प्रावधान किया गया है। उत्तर प्रदेश के अन्दर साढ़े चार लाख नौजवानों को रोजगार देकर उनको निश्चित रूप से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये हैं और उत्तर प्रदेश के अन्दर नौजवान तकनीक से जुड़ें, इसके लिए हमारी सरकार उन्हें लैपटॉप बांटने का काम कर रही है। निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश के अन्दर 60 लाख से अधिक स्वरोजगार से जोड़ने का काम हमारी सरकार ने किया।

वर्ष 2016 से पहले यदि हम बात करें तो इस उत्तर प्रदेश के अन्दर बेरोजगारी की दर 18 प्रतिशत थी और आज हमारी इस सरकार में 2.9 प्रतिशत रह गई है, यह हमारी उपलब्धि है। इसी तरीके से मा0 मुख्य मंत्री ग्राम उद्योग ग्रामोद्योग योजना के अन्तर्गत इस उत्तर प्रदेश के अन्दर 16 हजार लोगों को रोजगार मिला है, यह एक सराहनीय पहल है। उत्तर प्रदेश के अन्दर मा0 मुख्य मंत्री जी ने अनूठा कार्य किया है और इस बारे में कभी किसी को सोचने का अवसर नहीं मिला था, गरीब दर-दर भटकता था। गरीब की कन्या जब विवाह के योग्य होती थी तो उसके चेहरे पर और उसके माथे पर चिन्ता की लकीरें आ जाती थीं, तब हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी ने सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से गरीब की कन्या के हाथ पीले करने की योजना हमारी सरकार ने बनाई और 6 सौ करोड़ रुपये का बहुत महत्वाकांक्षी बजट देने का काम किया है। इसी के अन्तर्गत श्रमिक काम करने वाला व्यक्ति होता था, उसके घर में भी एक चिन्ता की बात रहती थी। आज श्रमिक योजना में श्रमिकों के लिए भी मुख्य मंत्री जी ने अपने सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से 94 हजार उत्तर प्रदेश के अन्दर श्रमिकों की बेटियों का विवाह कराने का महत्वपूर्ण काम किया है। चिकित्सा के क्षेत्र में, प्रत्येक जनपद में एक मेडिकल कालेज की व्यवस्था की गई है। इसके लिए हम निश्चित रूप से चिकित्सा के क्षेत्र में आगे बढ़े हैं। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत यदि हम बात करें गरीब की तो गरीब इलाज के लिए दर-दर भटकता था, उसके घर में पैसा नहीं होता था तो उसके लिए हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी ने इस आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत उस गरीब के लिए पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज करने का काम किया है जब से यह योजना आई है किसी भी गरीब को अपनी जमीन गिरवी नहीं रखनी पड़ी। उत्तर प्रदेश के अन्दर 1.78 करोड़ परिवारों को उसका लाभ मिला है। उत्तर प्रदेश के अन्दर 1.84 करोड़ लोगों के आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत कार्ड बनवाये गये हैं। निश्चित रूप से शिक्षा के क्षेत्र में यदि बात करें तो कायाकल्प योजना के माध्यम से प्राथमिक विद्यालयों को सुधारने का काम किया गया है। अब मैं अनुरोध करना चाहूँगा कि मेरी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत गंगा जी के किनारे एक कछला घाट पड़ता है, उस घाट पर प्रति दिन चार से पांच हजार लोगों का

आवागमन रहता है और जब कांवड़ का महीना जुलाई में होता है तो उस समय दस लाख लोगों का आवागमन रहता है। मैं उस गंगा घाट के दोनों तरफ पक्का घाट बनवाने की मांग करता हूँ। मेरी विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत एक बहुत पुरानी मांग है रोडवेज डिपो की, मैं मांग करता हूँ कि वहां एक रोडवेज डिपो बनवाया जाये। मा0 आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसलिए मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ।

***श्री ओम प्रकाश-**

श्री अधिष्ठाता महोदय, वर्ष 2022-23 के आय-व्यय की साधारण चर्चा में हमारे लालजी वर्मा साहब ने कटौती प्रस्ताव रख्ने का काम किया। जो यह बजट है इस बजट की बुनियाद भी उसी तरह से है जैसे वर्ष 2014 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार देश में और 2017 में प्रदेश में बनने का काम किया था, क्योंकि अच्छा नारा देना और अच्छे झूठ बोलने की जो कला इनके अन्दर है यदि किसी को सीखना है तो इनसे सीखना चाहिए। अच्छा दिन कब आयेगा, खोजते रहिये। उसी तरह से बजट में है, इस बजट को पढ़ने के बाद कई चीजें ऐसी हैं जो इन्होंने नारा दिया था कि गिट्टी, बालू सस्ता होगा और सबका घर पक्का होगा। न गिट्टी सस्ती हुई, न बालू मिल रही है लेकिन कहने वाला कह गया कि गिट्टी, बालू सस्ता होगा और सबका घर पक्का होगा। अब घर पक्का होगा या नहीं होगा, यह तय नहीं है लेकिन नारा देते समय इन्होंने यह बात रखने का काम किया। उसी तरह बजट में इन्होंने महंगाई का जो एक मूल सवाल है, उस पर कोई बात नहीं की कि हम उसका निदान कैसे करेंगे ? यहां पर हमारे बहुत से साथी पूर्वांचल से हैं लेकिन इस बजट में पूर्वांचल विकास निधि में क्या है ? जब यहां पर केवल पर्वतीय विकास योजना होती थी तो उस समय मा0 श्री मुलायम सिंह यादव जी ने पूर्वांचल विकास निधि की स्थापना की थी। उस समय इसमें 20 जनपद थे और हमें याद है कि देश के प्रधानमंत्री रहे मा0 चन्द्र शेखर जी ने इस योजना की भारत सरकार से स्वीकृति कराई और यह हर साल बढ़ाने की योजना है। अभी मैंने बजट में देखा, मा0 वित्त मंत्री जी ने यह जो बजट की किताब प्रस्तुत की है, उसमें 700 करोड़ रुपये पूर्वांचल और बुन्देलखण्ड के लिए दिये गये हैं। लेकिन जब हम बजट की किताब में देख रहे हैं तो बजट की किताब में यह केवल 500 करोड़ रुपये है। मैं यह बात इसलिए कहना चाहता हूँ कि जब कल बजट पेश हुआ तो मा0 वित्त मंत्री जी ने अपनी किताब में कहा कि 04 लाख 50 हजार लोगों को मैंने नौकरी दी है लेकिन कल जब मा0 मुख्य मंत्री बोल रहे थे तो उन्होंने कहा कि हमने 05 लाख लोगों को नौकरी देने का काम किया है। हमें समझ में नहीं आता है कि किताब में कुछ और है, आप बोल कुछ और रहे हैं और बजट में लिखा परिव्यय अलग है। जब तक इस सबका सामन्जस्य नहीं रहेगा तो कैसे चलेगा ? अभी इसमें दिया गया है कि मनरेगा में वर्ष 2021-22 में 26 करोड़ मानव दिवस का सृजन किया गया और फिर मैं देख

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

रहा हूँ कि हम वर्ष 2022-23 में 32 करोड़ मानव दिवस का सृजन करने का काम करेंगे। हमको समझ में ही नहीं आ रहा है कि मानव दिवस सृजित करने की इनकी योजना क्या है ? आखिर ये करना क्या चाह रहे हैं ? आप पता कर लीजिए कि आज पूरे गांवों में क्या हो रहा है ? दो-ढाई साल से केवल दो ही काम हो रहे हैं। या तो शौचालय बन रहा है या सचिवालय बन रहा है। आप सृजन करने की बात कर रहे हैं कि हम स्मार्ट सिटी बनाएंगे लेकिन आप स्मार्ट गांव कब बनाओगे भाई। प्रदेश की ज्यादातर आबादी तो गांवों में है।

अभी हमारे सत्ता पक्ष के कुछ मा0 सदस्य कह रहे थे कि हमारी कुल आबादी के 70 परसेण्ट लोग गांवों में रहते हैं और जब इतनी बड़ी आबादी के लोग गांवों में रहते हैं तो उनका विकास होगा कि नहीं होगा। उनके लिए मैं इस किताब में खोजता रह गया, पर मिला कुछ नहीं। जब मा0 अखिलेश यादव जी की सरकार थी और उनसे पहले भी और सरकारें थीं। तब जनेश्वर मिश्रा जी के नाम पर, लोहिया जी के नाम पर योजनाएं बनी थीं और गांवों का विकास होता था। लेकिन हमको लगता है कि इस सरकार में गांव में रहने वाला आदमी इंसान ही नहीं है, उसको रहने का अधिकार ही नहीं है या उनकी कोई रूपरेखा, लेखा-जोखा ही नहीं है। अभी हमारे मा0 सदस्य, डॉ0 वीरेन्द्र सिंह जी बोल रहे थे कि गाजीपुर में मेडिकल कालेज बन गया है, वहां नया प्रिंसिपल भी चला गया लेकिन आप फैकल्टी बनाएंगे कैसे ? अभी मा0 श्री लालजी वर्मा कह रहे थे कि जब तक आप वहां पर एम्स की तरह, पी0जी0आई0 की तरह, डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की तरह प्रोफेसर, असिस्टेण्ट प्रोफेसर की नियुक्ति नहीं करेंगे, उनकी तरह आप वेतन नहीं देंगे, तब तक आपकी फैकल्टी नहीं चलेगी। कई सम्मानित सदस्य बोल रहे हैं कि अब हर जिले में मेडिकल कालेज बनेगा। अच्छा है, बन जाये, बना दो, लेकिन वह चलेगा कैसे ? सबसे बड़ा सवाल यही है। अभी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का बड़ा हल्ला मचा था लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि आज एक्सप्रेस-वे का मानक तय ही नहीं है। काश! हमारे सम्मानित सदस्य यह जानते कि एक्सप्रेस-वे होता क्या है ? एक्सप्रेस-वे में एक जगह से चढ़ने और उतरने के बाद उस पर हर जगह चढ़ने, हर जगह उतरने के मानक नहीं हैं। यह तय है और एक जगह पर टोल देने के बाद उतरते वक्त भी टोल देना पड़ेगा। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बन गया, यह लम्बा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बना है, लेकिन जब तक इसको बिहार से नहीं जोड़ा जायेगा, तब तक इसका पूरा लाभ जनता को नहीं मिल पायेगा, क्योंकि उत्तर प्रदेश समेत बिहार और दिल्ली भी हिन्दुस्तान के ही अंग हैं न, इसलिए गंगा पर एक ब्रिज बन जाये।

श्री अधिष्ठाता-

कृपया समाप्त करें।

श्री ओम प्रकाश-

अभी तो हमने शुरू किया है। हमारा 02 मिनट तो आपका माइक खुलने में ही चला गया था। आपको अपने माइक की व्यवस्था ठीक करानी चाहिए। अधिष्ठाता महोदय, मैं यह

कहना चाहता था कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बन तो गया लेकिन अगर आप उसमें गंगा पर ब्रिज बना दे ंतो बहुत बढ़िया रहेगा। एन0एच0-124 से मा0 अखिलेश यादव जी ने 228 करोड़ रुपया देकर, एन0एच0-124 जो पहले स्टेट हाई-वे था, बाद में एन0एच0 बना, उससे जोड़ने का काम किया था। आपके पास कोई कार्यक्रम तो है नहीं, बस झूठा जैसा है। हमारे मा0 ओम प्रकाश राजभर साहब जी, जो सुहेलदेव पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, वह बोले कि डुगुर-डुगुर, यह सही बात है कि सरकार के पास कोई विजन नहीं है, कोई सोच नहीं है, कैसे करेंगे, कैसे नहीं करेंगे। मा0 अखिलेश जी की सरकार के समय का एक काम है, मेरे यहां 220 एम0वी0ए0 का ट्रांसफार्मर 10 साल से बन रहा है, इस पर भी क्वेश्चन लगा है। बात कर रहे हैं लेकिन वह अभी तक चालू नहीं हुआ है। यह बात मैं इसलिए कहना चाहता हूँ कि बजट तो बहुत सही है। प्रधानमंत्री आवास योजना में, आप 1 लाख 30 हजार में आवास बनाना चाहते हैं। सिंचाई के सम्बन्ध में कहना चाहूँगा कि आप पता कर लीजिए, ट्यूबवेल का और नहरों की सिंचाई में 500 करोड़ रुपया मा0 अखिलेश जी की सरकार में माफ किया। मुफ्त सिंचाई के लिए इस बजट में किसानों के लिए आप कहते हैं, हम दुगुना आमदनी कर देंगे। मन्त्र से तो नहीं होगा साहब! इसके लिए कोई न कोई कार्यक्रम देना होगा। अब जैसे लग रहा है कि किताब में पढ़ देंगे तो इसका माल दोगुना हो जायेगा।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप संक्षेप करिये।

श्री ओम प्रकाश-

मान्यवर, समाप्त कर रहा हूँ। अभी हमारे एक साथी गर्ग साहब, हमारे मित्र कह रहे थे कि पूर्व की सरकार ने कोई अच्छा काम नहीं किया तो मैं उनसे यही पूछना चाहता हूँ कि यदि यह सरकार अच्छा काम कर रही है तो 2014 से पहले भारत सरकार थी, क्या वह एक भी अच्छा काम नहीं कर रही थी। देश के प्रधानमंत्री जी यह बात क्यों नहीं बोलते, यह बात क्यों बताते हैं कि नहीं, पण्डित नेहरू के भी कार्यकाल में आजादी के बाद भी और लोगों ने भी काम किया है। ऐसा नहीं है कि अभी यह बजट पेश हुआ तो उन्होंने कहा कि यह अब तक के इतिहास का सबसे बड़ा बजट है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, यह इतिहास का अन्तिम बजट है क्या ? जब अगला बजट आयेगा, तब आयेगा कि जब बोलने वाला, यह तो पहाड़ी का सौदागर है। यह तो इतनी अच्छी बात बोलते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करें।

श्री ओम प्रकाश-

मान्यवर, एक मिनट में अपनी बात समाप्त करूंगा। खनन पर कहना चाहूँगा कि हमारे यहां मिट्टी का खनन होना कितना कठिन काम है। मिट्टी यदि बालू में हो, नदी में हो तो

समझ में आता है, अपनी मिट्टी को भी आदमी नहीं निकाल पायेगा। इसके नाम पर बहुत दोहन तहसील और थाने से हो रहा है, हो सकता है मैं गलत बोल रहा हूँ तो आप पता कर लो। गाजीपुर जिले में, थाने में और तहसीलों में क्या हो रहा है, यह आप पता कर लीजिए। मैं आपको पुनः धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपने मुझे अपनी बात रखने का जो मौका दिया, लेकिन मैं कहना चाहूँगा कि जो सत्ता में बैठने वाले लोग हैं, यह मत सोचो कि आप परमानेण्ट हैं, फिर 5 साल बाद चुनाव होगा। धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

श्री विवेकानन्द पाण्डेय जी।

(सदस्य के अनुपस्थित रहने पर)

श्री अधिष्ठाता-

श्री जियाउर्रहमान जी।

[04:24] श्री जियाउर्रहमान-

बिस्मिल्ला-ए रहमान ए रहीम। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं सबसे पहले आपका शुक्रिया अदा करता हूँ कि आपने मुझे 2022-23 के बजट सत्र पर बोलने का मौका दिया। मैं अपनी बात इस शेर के साथ शुरू करना चाहता हूँ कि 'बफूर ए गम से दो आंसू बहायें तो बगावत है और सितमगरे जहाँ को भूल जायें तो बगावत है, समझ में नहीं आता छेड़े तो दासतां कैसे है, हँसाएं तो बगावत है और रुलाएं तो बगावत है।'

माननीय अधिष्ठाता महोदय जी, उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है, यहां 25 करोड़ की आबादी है। मैं कहना चाहता हूँ कि स्वास्थ्य का जो हिस्सा बजट में है, उसमें ये कहते हुए मुझे अफसोस है कि इस बजट के अन्दर 6.66 प्रतिशत स्वास्थ्य के ऊपर रखा गया है। हमारे यहां स्वास्थ्य के मसले पर जो व्यवस्थाएं हैं, वह चरमराई हुई हैं। अभी कोरोना के टाईम में हमने देखा कि उत्तर प्रदेश के अन्दर किस तरह से बुरा हाल था। अफसोस है कि वर्ष 2021-22 का जो अनुमानित बजट था, वह 26,328 करोड़ था, लेकिन संशोधित बजट 40,991 रहा। मैं पूछना चाहता हूँ कि जब आप बजट के अन्दर थोड़ा-सा इजाफा करते हैं तो उत्तर प्रदेश की जो खस्ता हालत है, जहां अस्पताल बनने की आवश्यकता है, इस बजट के अन्दर आप उसे कैसे बनवा पायेंगे ? आज जो अस्पताल बने हुए हैं, उन अस्पतालों के अन्दर डॉक्टर और स्टाफ की कमी है। उनके अभाव में लोगों को इलाज नहीं मिल पाता। जो मालदार व्यक्ति है, वह तो अपना इलाज अच्छे प्राइवेट हास्पिटल में करा सकता है, लेकिन गरीब व्यक्ति का हाल बुरा है। वो नहीं जा सकता, उन चीजों का ख्याल रखते हुए, उन अस्पतालों के अन्दर सारी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए। खाली कागजों से काम नहीं चलता, ग्राउण्ड रिपोर्ट भी देखिये। मुझे अफसोस है कि पूरे हिन्दुस्तान नहीं, पूरी दुनिया के अन्दर हम शर्म से कहते हैं कि

उत्तर प्रदेश के अन्दर कोरोना वायरस के समय में आक्सीजन की कमी से मौतें हुई हैं। हम उसकी मजम्मत करते हैं। हमें अफसोस है अगर हमारे इस देश के माननीय प्रधानमंत्री जी की फोटो वैक्सीन के सर्टिफिकेट पर लग रही है तो मैं कहना चाहता हूँ कि अव्यवस्थाओं की वजह से जिनकी मृत्यु हुई है, उनके डेथ सर्टिफिकेट पर भी माननीय प्रधानमंत्री जी की फोटो होनी चाहिए। आज एजूकेशन के मसले पर आपने देखा जो एजूकेशन का बजट है, मैं देख रहा हूँ कि उस पर शिक्षा, खेल, कला, संस्कृति पर 12.22 प्रतिशत बजट आपने रखा है। आज हम बात करते हैं, इस उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने की, इस देश को विकसित करने की लेकिन याद रखिये बगैर एजूकेशन के हम अपने देश को आगे नहीं बढ़ा सकते और आज आप इतना कम बजट रख रहे हैं। इस बजट के आधार पर जहां कालेज, स्कूल हैं वहां भी आप भर्तियां नहीं कर रहे हैं। सिर्फ इस वजह से कि उनको तनख्वाह देनी पड़ेगी।

शायद पूरे विपक्ष से आपकी कोई तारीफ न करे लेकिन सरकार की मैं एक तारीफ करता हूँ कि सरकार ने जो हमारे शिक्षा मित्र थे, जो हमारी समाजवादी पार्टी की सरकार ने माननीय अखिलेश यादव जी ने जो उनको परमानेण्ट करके रु0 40,000 की सैलरी रखी थी। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जहां महंगाई बढ़ रही है तो उनकी सैलरी बढ़नी चाहिए थी, उनकी सैलरी को रु0 10,000 ला दिया। आपको तो इस उपलब्धि के लिये भारत रत्न मिलना चाहिए। आज इलेक्ट्रिसिटी का मसला देख लीजिये, आज बिजली के मसले पर जितना हमारे उत्तर प्रदेश के अन्दर 5.6 से लेकर 6 प्वाइंट समथिंग तक पर यूनिट बिजली का खर्चा है। मैं पूछना चाहता हूं कि जो मीटर जम्प कर जाते है उनका जो पैसा बिल में बढ़कर आता है कोई अधिकारी सुनने को तैयार नहीं होता। उन अधिकारियों के खिलाफ सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ? मुझे यह जानकारी चाहिए। भारतीय जनता पार्टी के लोग अपनी पीठ तो जरूर थपथपा रहे हैं लेकिन दिल मसोस कर रह जाते होंगे जब उनके क्षेत्र की जनता उनसे सवाल करती है जब जर्जर तारों के गिरने की वजह से बिजली के हादसे होते हैं, जहां ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि होनी चाहिए वहां उनकी क्षमता वृद्धि नहीं होती है। आप बिजली की चेकिंग पी0ए0सी0 को ले करके करते हैं। 5 जिलों को चिन्हित किया गया। अगर पी0ए0सी0 का इस्तेमाल करना है तो उनके खिलाफ करिये जो गुण्डे-मवाली हैं, आम जनता के खिलाफ करके हरेसमेन्ट पैदा नहीं करिये। आप रुपये 6000 प्रति वर्ष किसानों को सम्मान निधि दे करके वाहवाही लूटना चाहते हैं, अगर उसे 12 से डिवाईड करें तो 500 रुपये महीना किसानों के खाते में आयेगा।

श्री अधिष्ठाता-

संक्षिप्त करें जियाउर्रहमान जी।

श्री जियाउर्रहमान-

मान्यवर, क्या किसानों का सम्मान सिर्फ रुपये 500 प्रति माह देकर है ?

श्री अधिष्ठाता-

कृपया आप अपनी बात समाप्त करें।

श्री जियाउर्रहमान-

मान्यवर, मैं अपनी बात बस खत्म करने जा रहा हूँ। आज अभिभाषण का जो मसला है। जहाँ रोजगार की बात है, प्राइवेट इनवेस्टमेण्ट में आपने 01 करोड़ 61 लाख रोजगार दिखाया।

श्री अधिष्ठाता-

श्री जियाउर्रहमान जी, समाप्त करें। अब आदरणीय रत्नाकर मिश्र जी बोलें।

श्री जियाउर्रहमान-

मान्यवर, मैं बस एक मिनट में अपनी बात खत्म कर रहा हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करें।

श्री जियाउर्रहमान-

मान्यवर, मुझे अफसोस है, यदि इन आंकड़ों को 403 विधान सभाओं से डिवाइड करूं तो हमारी विधान सभा में 39950 रोजगार आयेगा लेकिन हमारी विधान सभा के अन्दर कोई रोजगार नहीं है।

श्री अधिष्ठाता-

अब आप समाप्त करें। यह बोलना उचित नहीं होगा।

श्री जियाउर्रहमान-

मान्यवर, मैं सिर्फ अपनी विधान सभा का मसला रखते हुए खत्म कर रहा हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

नहीं, अब नहीं।

श्री जियाउर्रहमान-

मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र कुन्दरकी के अन्दर ही नहीं, पूरे मण्डल के अन्दर अफसोस है कि एक भी सरकारी यूनिवर्सिटी नहीं है। वहां पर एक यूनिवर्सिटी खुलनी चाहिए। मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र कुन्दरकी में युवाओं के खेल-कूद के लिए कोई स्टेडियम नहीं है। मेरी सरकार से मांग है कि मेरी विधान सभा में स्टेडियम बनना जरूरी है। डगरपुर-कुन्दरकी क्षतिग्रस्त मार्ग का नवनिर्माण आवश्यक है।

श्री अधिष्ठाता-

अब मेरी मजबूरी होगी और कहना पड़ेगा कि अब लिखा नहीं जायेगा। अब श्री रत्नाकर मिश्र जी बोलें।

(माननीय सदस्य जियाउर्रहमान बोलने का प्रयास करते रहे, लेकिन उनका माइक बन्द हो गया और माननीय सदस्य श्री रत्नाकर मिश्र ने बोलना प्रारम्भ कर दिया)

[04:30] *श्री रत्नाकर मिश्र-

बोलिए, माता विन्ध्यवासिनी की जय। माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। हमारा जो बजट माननीय योगी जी और माननीय वित्त मंत्री जी के द्वारा आया है, वह बहुत अच्छा है, जन हितकारी है और सभी के लिए है।

(सदस्य श्री जियाउर्रहमान के बोलने का प्रयास करते रहने पर)

श्री अधिष्ठाता-

यह ठीक नहीं है। श्री रत्नाकर मिश्र जी, आप बोलें।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, माननीय अध्यक्ष जी से जो अभी सहमति बनी है, इधर और उधर से काफी सदस्य हैं, जो बोलने वाले हैं, माननीय अध्यक्ष जी ने भी इसमें सहमति दी है कि 3 मिनट से ज्यादा कोई न बोले, न इधर से, न उधर से।

श्री अधिष्ठाता-

सभी माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि समय का ध्यान रखते हुए कृपया 3 से 4 मिनट में अपनी बात समाप्त करें। इससे ज्यादा बोलेंगे तो फिर थोड़ा सा मजबूरी होगी। आदरणीय श्री रत्नाकर जी, आप अपनी बात रखिये।

श्री रत्नाकर मिश्र-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, हमारा जो बजट आया है, माननीय योगी सरकार का जो माननीय खन्ना जी द्वारा रखा गया है, यह बहुत हितकारी है। अभी तक पूर्ववर्ती सरकारें केवल शहर के लिए देती थीं, लेकिन मेरी सरकार ने गांव के लिए दिया है, इससे अच्छा कोई बजट हो ही नहीं सकता। पूर्व समय में जो हमारी व्यवस्था चलती थी, गांव आधारित शहर रहता था, क्योंकि गांव के द्वारा ही अन्न शहर में जाता है, न कि शहर के द्वारा गांव में जाता है। लेकिन मेरी सरकार ने गांव का जो ध्यान दिया, किसान भाइयों का ध्यान दिया। हमारे किसान भाई

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कोई भी खेती नहीं करना चाहते थे, लेकिन जब मेरी सरकार आई तो किसान अपने खेत में दिखाई पड़ रहे हैं। पहले उनका कोई बच्चा खेती नहीं करना चाहता था, लेकिन अब हर बच्चा खेती करना चाहता है। क्योंकि हमारी सरकार में उनको तमाम तरह से सब्सिडी दी जाती है, क्योंकि जब गांव आधारित अगर शहर रहेगा तो गांव भी बसा रहेगा और शहर भी बसा रहेगा। इससे अच्छा कोई बजट नहीं हो सकता। हम विन्ध्याचल क्षेत्र के हैं, मां विन्ध्यवासिनी के दरबार के हैं। पूर्ववर्ती सरकार के तमाम मुख्य मंत्री मां विन्ध्यवासिनी के दरबार के भक्त थे, लेकिन आज तक वहां किसी भी मुख्य मंत्री ने उसका ख्याल नहीं किया। लेकिन हमारे माननीय योगी जी आये, आज विन्ध्याचल में जाइये और देखिये कि पर्यटक की संख्या, दर्शनार्थियों की संख्या 4 गुना हो गई है। जो रोजगार की बात की जा रही है, मां विन्ध्यवासिनी के दरबार से लाखों लोगों को रोजगार मिलने जा रहा है। अगर देखा जाये तो मां विन्ध्यवासिनी का दरबार, ब्रह्माण्ड का पहला स्थान है, जहाँ तीन-तीन देवियां एक साथ विराजमान हैं। मां लक्ष्मी स्वरूपा, मां विन्ध्यवासिनी, महाकाली, संहार करने वाली और वाणी को गति देने वाली मां पूजा है, जो कृष्ण की बहन मानी जाती हैं। आज देखिये कि विन्ध्य कारीडोर माननीय मुख्य मंत्री जी ने देकर विश्व पटल पर उसका नाम रोशन किया है। इसके लिए हम उनके बहुत आभारी रहेंगे। एक तरह से देखा जाये तो हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी ने लाखों लोगों को रोजी-रोटी देने का काम किया है। यही नहीं, आप बाबा विश्वनाथ जी को देखिये, चाहे अयोध्या हो, अगर देखा जाये तो अभी तक पूर्ववर्ती सरकार में कोई भी हिन्दू देवी-देवता को ध्यान नहीं देता था, केवल वह हिन्दुओं को वोट बैंक मानते थे, लेकिन मेरी सरकार किसी भी तरह से वोट बैंक नहीं मानती है। अभी हमारे पूर्व के लोग कह रहे थे कि शिक्षा जगत को चौपट कर दिये हैं। हमारे पूर्व के मुख्य मंत्री नकल के नाम पर चुनाव लड़ते थे। माननीय राजनाथ सिंह जी, जो नकल अध्यादेश लाये थे, उसके बाद यह लोग नकल के नाम पर चुनाव लड़े थे, उन्होंने शिक्षा को चौपट किया था। हमारी सरकार ने शिक्षा को बढ़ावा दिया है। कहना नहीं चाहिए, लेकिन जान लीजिए, चाचा-भतीजा है, बुरे काम का बुरा नतीजा, क्यों भाई चाचा, हां जी भतीजा आप दोनों लोग उसमें लिप्त हैं और आपको मालूम होना चाहिए कि यह कह रहे थे कि कानून-व्यवस्था। कानून-व्यवस्था जो मेरे शासन में है, वह किसी शासन में था नहीं। आपके समय में हाई कोर्ट में भी घुसकर दंगा किये थे।

श्री अधिष्ठाता-

आदरणीय रत्नाकर जी, अब आप संक्षिप्त करें।

श्री रत्नाकर मिश्र-

मान्यवर, हमारे समय का 2 मिनट तो माननीय मनोज जी ले लिये थे।

श्री अधिष्ठाता-

आदरणीय रत्नाकर जी, अब आपका समय समाप्त हो गया है। कृपया अपनी बात को एक मिनट में समाप्त कर दें।

श्री रत्नाकर मिश्र-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, अयोध्या में गोली चलाने वाले कौन थे यह कहां का कानून था जिसमें निर्दोष लोगों को मरवा दिया गया था। हम राम भक्त हैं और रहेंगे, राम मन्दिर बनने से कोई रोक नहीं सकता है, उसी तरह से बाबा विश्वनाथ जी का मन्दिर बनने जा रहा है, कृष्ण भगवान जी का भी मन्दिर कोई बनने से रोक नहीं सकता है। किसी भी भगवान का मन्दिर बनेगा। हम हिन्दू हैं, मुझे हिन्दू होने का गर्व है। जय मां विन्ध्यवासिनी, जय भारत। धन्यवाद।

[04:35] *श्री विकास गुप्ता-

आदरणीय वित्त मंत्री जी के बजट भाषण पर मुझे बोलने का अवसर मिला, इसके लिए मैं बहुत-बहुत आभारी हूँ और बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। अधिष्ठाता महोदय, बजट पर विपक्ष के नेता कह रहे थे कि यह लो बजट है। कोई कहता था कि यह बंटवारे वाला बजट है और कोई कह रहा था कि यह घिसा-पिटा बजट है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि वर्ष 2007 से 2012 तक और 2012 से 2017 तक उनको जनता ने बजट प्रस्तुत करने का मौका दिया और उन्होंने बजट प्रस्तुत किया, लेकिन जनता ने उनको नकारने का काम किया। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी और पूरे प्रदेश के लोगों ने आशीर्वाद देकर उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री आदरणीय श्री योगी आदित्यनाथ जी को मुख्य मंत्री बनाने का काम किया। मैं बलपूर्वक यह कह सकता हूँ कि बजट नौजवानों के लिए, माताओं के लिए, बहनों के लिए, किसानों के लिए, व्यापारियों के लिए, सबके लिए यह बजट सर्वव्यापी है और सबकी चिन्ता करने वाला यह बजट है और 25 करोड़ लोगों के लिए उनके विचारों को रखकर यह बजट बनाने का काम हमारे आदरणीय वित्त मंत्री जी ने किया है।

बजट में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत पूरे प्रदेश में ग्राम सभाओं में 6800 ग्राम सभाओं को चयनित करके पानी की टंकी से हर घर को स्वच्छ जल देने का काम और पिछली बार के बजट से इस बार 500 करोड़ रुपये बढ़ाने का काम किया है। 19 हजार 500 करोड़ रुपया बजट में प्रावधान करने का काम किया। इसी प्रकार से लोक निर्माण विभाग द्वारा पुल निर्माण, सड़कों का निर्माण, 4 लेन, 6 लेन के लिए भी बजट आवन्टित करने का काम किया। बजट के माध्यम से 31.658 करोड़ रुपये की समुचित व्यवस्था की गई इससे उत्तर प्रदेश में रोडें अच्छी बनाने का काम होगा। अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जो हमारे साथी कह रहे थे गौ-वंश संरक्षण के लिए तो गौ-वंश संरक्षण पूरे उत्तर प्रदेश में अच्छी तरह से है। जब वर्ष 2022 का चुनाव था तो किसी प्रकार से विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं था। कानून-व्यवस्था उत्तर प्रदेश में अच्छी थी और रोडें अच्छी थीं और बिजली अच्छी मिलती थी और जब चुनाव समाप्त हुए तब गौ-वंश की समस्या का समाधान होने का काम हमारी सरकार में हुआ है। गौ-शालाओं में जिनके जानवर वहां पर रहे उनके लिए भी अच्छी व्यवस्था की गई है। उस पर भी वित्त मंत्री जी ने 53.70 लाख रुपये का प्रावधान करने का काम किया है। इसी प्रकार से भव्य कुम्भ, दिव्य कुम्भ के लिए हमारी सरकार ने अच्छा काम किया है। मेरी विधान सभा क्षेत्र अयाहशाह है। मैं चाहता हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में गाजीपुर से विजयीपुर मार्ग का नव निर्माण हो जाये, इसी प्रकार मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र में एक विश्वविद्यालय की मांग करता हूँ और नगर पंचायत असोथर में एक फायर स्टेशन का निर्माण हो जोय तो बहुत अच्छा होगा। आपने मुझे बोलने के लिए अवसर दिया इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूँ। धन्यवाद।

[04:39] श्री महेन्द्र नाथ यादव-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने हमें बजट भाषण पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपके प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूँ। मान्यवर, यह बजट मुंगेरी लाल के हसीन सपने की तरह से है, इस बजट से किसान, नौजवान, बेरोजगार सभी लोग ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। मान्यवर, यह सरकार कहती है कि गन्ना किसानों के लिए बहुत काम कर रही है। बजट में भी लम्बा-चौड़ा प्रावधान है। लेकिन मान्यवर, मैं कहना चाहता हूँ कि बस्ती जनपद में वाल्टरगंज चीनी मिल 2017-18 का पेराई सत्र पूरा करने के बाद भारतीय जनता पार्टी की सरकार में वाल्टरगंज चीनी मिल बन्द कर दी गई। उस चीनी मिल में किसानों का 58 करोड़ रुपये का भुगतान बकाया है, उसका भुगतान करने के लिए बजट में कोई प्रावधान नहीं है। उस चीनी मिल के जो मजदूर हैं, कर्मचारी हैं उनका 15 करोड़ रुपये बाकी है। मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहता हूँ कि वाल्टरगंज चीनी मिल पर 58 करोड़ रुपये किसानों का और 15 करोड़ रुपया जो मजदूरों और कर्मचारियों का बकाया है, उसके भुगतान की व्यवस्था करायी जाय। बस्ती जनपद में समाजवादी पार्टी की सरकार में श्री अखिलेश यादव जी ने एक इंजीनियरिंग कालेज दिया था जिसका निर्माण 2016 में शुरू हुआ था, लेकिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद उसका निर्माण रुक गया। मैं आपके माध्यम से कहना चाहूँगा कि बस्ती के इन्जीनियरिंग कालेज का निर्माण फिर से शुरू कराया जाये और उसे पूरा कराया जाये, ताकि वहां के बच्चों की शिक्षा-दीक्षा अच्छी हो सके।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूँगा कि बस्ती जनपद की हर्रैया तहसील में हर्रैया बाजार में समाजवादी सरकार में सौ बेड का अस्पताल बन करके तैयार है, पूरी बिल्डिंग तैयार है, लेकिन मशीनों और कर्मचारियों के अभाव में वह अस्पताल चालू नहीं है, इस बजट

में उस अस्पताल को चलाने की कोई व्यवस्था नहीं है। इसलिए मैं आपके माध्यम से उस अस्पताल को चलाये जाने की मांग करता हूँ। मैं बस्ती में सदर विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ। मुण्डेरवा हमारे सदर विधान सभा के मुख्यालय से काफी दूर है। गर्मी के सीजन में वहां आग लग जाती है। इस बार भी गेहूँ के सीजन में वहां आग लग गई थी। काफी किसानों का गेहूँ जल गया। इसलिए मान्यवर, मुण्डेरवा थाने में और कलवारी थाने में एक-एक अग्निशमन केन्द्र स्थापित किये जाने की व्यवस्था की जाय। मान्यवर, बस्ती पुराना शहर है, वहां से फोरलेन जा रहा है और शहर के अन्दर इन्ट्री पटेल चौक से लोग प्रवेश करते हैं वहां पर कोई ओवर ब्रिज नहीं है। मैं मांग करता हूँ वहां पर एक ओवरब्रिज बना दिया जाय। महोदय, कम्पनी बाग रोडवेज पर ओवरब्रिज बनाये जाने की मांग करता हूँ। आपने हमें बोलने का अवसर दिया इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

[04:43] *श्री विवेकानन्द पाण्डेय-

धन्यवाद माननीय महोदय जी कि आपने मुझे बजट भाषण पर बोलने का अवसर दिया। यह बजट उत्तर प्रदेश के स्वर्णिम विकास के लिए ऐतिहासिक बजट है। परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज के नेतृत्व में देश के यशस्वी प्रधानमत्री नरेन्द्र भाई मोदी जी के मार्गदर्शन में यह बजट उत्तर प्रदेश के सभी वर्गों, नौजवानों, महिलाओं, शिक्षकों, श्रमिकों आदि के लिए लाभदायक है। नेता प्रतिपक्ष जी ने कहा है कि यह बजट, बजट नहीं बंटवारा है। मैं बताना चाहता हूँ कि हां बंटवारा है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की जो सरकार प्रदेश में चल रही है वह बंटवारा करके प्रदेश के अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास की गंगा को पहुंचाना चाहती है। यह बजट नौजवानों, किसानों सभी की रक्षा के लिए, सभी के विकास के लिए है। इस बजट से स्वास्थ्य सुविधा अच्छी होगी, सड़कों का महाजाल बनेगा। मैं जिस क्षेत्र से आता हूँ। वह नरारी नदी के किनारे का क्षेत्र है। वहां पर 6 गांव ऐसे थे, जहाँ विगत तीन सालों से बिजली की कोई व्यवस्था नहीं थी। बजट में उसके लिए व्यवस्था की गई और उन 6 गांवों को बिजली से जोड़ा गया। सोलर ऊर्जा से उन गांवों को ऊर्जीकृत किया जा रहा है। हमारे प्रदेश का राजकोषीय घाटा 4 परसेण्ट से भी कम है, निश्चित रूप से यह बजट उत्तर प्रदेश के विकास के लिए है। बधाई के पात्र हमारे वित्त मंत्री जी हैं। हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में जो बजट आया है वह उत्तर प्रदेश के सभी वर्गों का ख्याल रखते हुए लाया गया है।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूँ कि मेरा क्षेत्र पिछड़ा क्षेत्र है। मेरे विधान सभा क्षेत्र के 6 गांव ऐसे हैं, जो बिहार प्रान्त में जाने की सरकार की ऐसी कोई योजना है। इस सम्बन्ध में एक पत्र हम लोगों के पास आया है। मेरे विधान सभा क्षेत्र के 6 गांव बिहार प्रदेश

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

में न जाएं, मेरे ही विधान सभा में उत्तर प्रदेश में रहें, यह मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ, क्योंकि वह नारायणी के किनारे का क्षेत्र है, जिस प्रकार देश के लिए, हम लोगों के लिए कश्मीर प्रिय है। हम लोगों को लगता है कि कश्मीर हमारा अभिन्न अंग है और हमारे साथ है, उसी प्रकार हमारे विधान सभा क्षेत्र के लिए वह छः गांव बहुत महत्वपूर्ण हैं। आपके माध्यम से मैं चाहता हूँ कि वह छः ग्राम सभा बिहार प्रदेश को न जाएं और अगर बिहार प्रदेश का कोई ग्राम सभा हो, तो वह मेरे प्रदेश में आ जाए, हम लोग स्वागत करेंगे।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, हमारे विधान सभा क्षेत्र में छितौनी चीनी मिल विगत पिछली सरकारों के समय से 20 साल से बन्द पड़ी हुई है। आपके माध्यम से हम चाहते हैं कि सरकार अगले बजट में छितौनी चीनी मिल को चालू करने का काम करे। हमारे विधान सभा क्षेत्र में कप्तानगंज शुगर फैक्ट्री है, जिसका प्रदेश में गन्ना मूल्य भुगतान बहुत अच्छा चल रहा है। हमारी सरकार एक नम्बर पर चल रही है। चाहे 'किसान सम्मान निधि' हो, उत्तर प्रदेश नम्बर एक पर चल रहा है, लेकिन एक प्राइवेट शुगर फैक्ट्री कप्तानगंज है, जिसने इस साल के गन्ने का भुगतान किसानों को नहीं दिया है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 विवेकानन्द जी, अब आप अपनी बात समाप्त कर दीजिए।

श्री विवेकानन्द पाण्डेय-

मा0 अधिष्ठाता जी, हम आपके माध्यम से चाहते हैं कि शुगर चीनी मिल कप्तानगंज के द्वारा किसानों के गन्ने का भुगतान कर दिया जाय।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 विवेकानन्द जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री विवेकानन्द पाण्डेय-

मा0 अधिष्ठाता जी, हमारे क्षेत्र की कुछ समस्या है। हमारे चार-पांच गांव नदी के किनारे ऐसे हैं, जो जल मग्न हो गए हैं। मैं चाहता हूँ कि बाढ़ जल शक्ति विभाग इसको देखे। धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

आदरणीय सौरभ श्रीवास्तव जी।

[04:47] *श्री सौरभ श्रीवास्तव-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने इस बजट पर मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको हृदय से धन्यवाद देता हूँ। अब तक का सबसे बड़ा बजट प्रस्तुत करने के लिए

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मा0 मुख्य मंत्री जी एवं मा0 वित्त मंत्री जी के प्रति हृदय से आभार। रुपये 6 लाख 15 हजार करोड़ का यह बजट है। उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। मान्यवर, यह एक घाटे का बजट है अर्थात् हम जनता से जितना ले रहे हैं, उससे बहुत अधिक उन्हें लौटा रहे हैं। यह हमारे प्रगतिशील दृष्टिकोण को प्रकट करता है। यहां पर हमारे एक मा0 सदस्य ने इस बजट को आंकड़ों का खेल बताया था। शायद उनका अपना अनुभव ऐसा ही होगा। मान्यवर, अपनी बात को रखने के लिए आंकड़ों के सिवाय कोई और तरीका नहीं है। इस बजट प्राप्ति का 55 प्रतिशत वेतन, पेंशन और ऋण पर ब्याज के रूप में खर्च होने वाला है। इसे किसी भी तरह से कम नहीं किया जा सकता, किन्तु बाकी 45 प्रतिशत प्रदेश के विकास पर खर्च हो रहा है। हमारी सरकार ने सबसे अधिक ध्यान चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण पर दिया है। जो पिछले बजट से 56 प्रतिशत अधिक है। घर-घर शुद्ध पेयजल पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। जलापूर्ति व सेनिटेशन पर पिछले बजट से 58 प्रतिशत की वृद्धि की गयी है। यह दिखाता है कि हमारी सरकार जनता के अच्छे स्वास्थ्य के प्रति दूरगामी दृष्टि रखती है।

महोदय, कोरोना की पिछली लहर में कुछ स्थानों पर हमने चिकित्सकों एवं नर्सों की कमी को झेला है जो पूर्ववर्ती सरकारों की नीतियों का नतीजा था। हमारी सरकार ने नये मेडिकल कालेजों की स्थापना पर जोर दिया है। एक मा0 सदस्य ने बजट में महिलाओं व युवाओं पर ध्यान न देने का आरोप लगाया है। मान्यवर, मुझे ऐसा लगता है कि बजट प्रस्तुत होने के पूर्व ही उन्होंने आरोप तय कर लिये थे। यदि ध्यान से बजट को पढ़ा होता, तो उन्हें इसकी आशंका न होती। पिछली सरकारों के समय गन्ना किसानों का भुगतान एक बड़ी समस्या थी। हमारी सरकार ने तुरन्त भुगतान की नीति अपना कर इस समस्या का समाधान कर दिया है और एक हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था गन्ना किसानों के भुगतान के लिए किया है। कानून-व्यवस्था एक बड़ा प्रश्न चिन्ह था, उद्योग-धन्धों का पलायन हो गया था। मा0 मुख्य मंत्री जी ने बड़ी कड़ाई से प्रदेश की कानून-व्यवस्था को ठीक किया है और बजट के इस मद में 30 प्रतिशत की वृद्धि की है। किसी भी क्षेत्र का विकास वहां की अवस्थापना सुविधाओं से मापा जाता है। सरकार ने सड़कों और पुलों पर व्यय का प्रतिशत पिछले बजट के 4.7 प्रतिशत के स्थान पर 6.4 प्रतिशत कर दिया है व युवाओं को तकनीकी रूप से समर्थ बनाने के लिए 2 करोड़ स्मार्टफोन और टैबलेट की व्यवस्था की है। संक्षेप में हम कह सकते हैं कि सरकार बजट द्वारा उन्नत उत्तर प्रदेश बनाने के लिए संकल्पित दिख रही है। मैं भोले बाबा की नगरी काशी से चुना गया हूँ। मेरा परम सौभाग्य है कि मेरे सांसद विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता आदरणीय श्री मोदी जी हैं। मान्यवर इस बजट में काशी सम्पूर्णानन्द स्टेडियम के लिए, मां गंगा की सुगम आरती दर्शन के लिए 500 करोड़, मेट्रो के लिए 100 करोड़, बाबा के धाम पहुंचने के लिए 77 करोड़ तथा सन्त रविदास व कबीरदास जी के संग्रहालय के लिए

25-25 करोड़ की व्यवस्था सरकार ने की है। मान्यवर, पूरे रामनगर के समग्र विकास की व्यवस्था करें, यह मेरी मांग है। अस्सी घाट से सन्त रविदास घाट के सामने तक पक्का घाट बनवा दें। धन्यवाद।

श्री विनोद कुमार-

माननीय अधिष्ठाता महोदय जी, आपने मुझे बजट के ऊपर बोलने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपको हृदय से धन्यवाद देता हूँ। मैं यह कहना चाहता हूँ कि यह जो बजट आया है उत्तर प्रदेश के अन्दर, इसमें जो हमारे बेरोजगार युवा हैं उनके लिए बजट में कुछ ज्यादा प्रावधान नहीं किया गया है। बेरोजगारी इतनी बड़ी समस्या है पूरे प्रदेश के अन्दर। जो हमारे युवा बेरोजगार साथी हैं, बेरोजगारी के चक्कर में बहुत सारे हमारे युवा आत्महत्या कर रहे हैं। लेकिन उनके लिए इस बजट में कोई बहुत ज्यादा स्थान नहीं दिया गया है। वहीं पर हम किसानों की बात करें तो वास्तव में पूरे प्रदेश में आवारा पशुओं की बहुत बड़ी संख्या हमारे किसानों को परेशान करती है। किसान दिन-रात अपने खेतों की रखवाली करता है। इस बजट में किसानों की फसल के रख-रखाव के लिए विशेष व्यवस्था नहीं की गयी है और एक बात हम बता देना चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार की एक बहुत बड़ी योजना है उस योजना के अन्तर्गत राम वन गमन मार्ग जोकि प्रतापगढ़ से होकर जाता है। हमारी विधान सभा क्षेत्र प्रतापगढ़ के अन्दर बाबागंज एवं कुण्डा विधान सभा क्षेत्र से होकर जो मार्ग चित्रकूट को जाता है, जो वास्तव में अभिलेखों में दर्ज है, उस मार्ग को न बनाकर दूसरी तरफ से घूमाकर मार्ग बनाया जा रहा है। हम चाहेंगे सरकार से कि इसको जरूर दिखवा लें, क्योंकि जिस रास्ते से भगवान श्री राम चन्द्र जी गये थे, उसको न बनाकर उसको परिवर्तित किया गया है। हम इस पर आपकी जरूर व्यवस्था चाहेंगे। एक बात और हम कहना चाहेंगे कि उत्तर प्रदेश के हर थानों में एक चौकीदार का पद होता है जिसमें चौकीदार 24 घण्टे काम करता है, लेकिन उसका पारिश्रमिक मात्र 2500 रुपया मिलता है। हम यह चाहते हैं कि उस चौकीदार को कम से कम 10 हजार रुपया मिलना चाहिए, क्योंकि वह दिन-रात एस0ओ0 के साथ खड़ा रहता है। उनके द्वारा जो भी काम बताया जाता है वह हमेशा करने के लिए तैयार रहता है।

यही नहीं आपको यह भी बताना चाहेंगे कि हमारी विधान सभा क्षेत्र में एक आई0टी0आई0 कालेज भिटारा है जोकि 2007-08 में स्वीकृत हुआ था, उसका कुछ निर्माण कार्य हुआ था जो कि हमारे लगातार पत्राचार करने के बाद भी आज तक पूरा नहीं हो पाया है। हम चाहते हैं कि इस बजट में इसकी कुछ व्यवस्था होनी चाहिए, क्योंकि हमारा क्षेत्र पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। आई0टी0आई0 कालेज बन जाने से हमारे क्षेत्र के बच्चों की अच्छी पढ़ाई हो सकेगी। यही नहीं, हमारे विधान सभा क्षेत्र में एक बालिका डिग्री कालेज एवं इंजीनियरिंग कालेज की भी व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे हमारे विधान सभा क्षेत्र के बच्चे अच्छे ढंग से पढ़ाई कर सकें और इस बजट में एक स्टेडियम की भी व्यवस्था हो ताकि जो हमारे क्षेत्र के होनहार बच्चे

हैं, उनको स्टेडियम में खेलने का मौका मिले। इसके अलावा हमारे विधान सभा क्षेत्र से होकर एक शारदा नहर जाती है। वह लखीमपुर खीरी से होकर निकलती है उसमें जो गांव के सामने बड़े-बड़े पुल बने होते थे, वह कुछ टूटे पड़े हैं। हमने विभाग को लगातार सूचनाएं दीं, उसके बाद भी आज तक उस पर कोई काम नहीं हुआ। हम चाहते हैं कि बजट से उन पुल को बनवाने की व्यवस्था की जाये, ताकि उस क्षेत्र में रहने वाले लोग उस पुल के माध्यम से आ-जा सकें।

श्री अजय सिंह-

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, बजट की इस चर्चा में भाग लेने का आपने अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। चूंकि समय बहुत कम है, पहले 10 मिनट और 7 मिनट का समय बोलने के लिए दिया गया था अब 5 मिनट और 3 मिनट दिया जा रहा है। शुरू में माननीय सदस्यों ने इसका लाभ उठाया, कोई 10 मिनट, कोई 8 मिनट बोला।

श्री अधिष्ठाता-

अजय सिंह जी, आप गागर में सागर भरिये।

श्री अजय सिंह-

मान्यवर, आप तीन मिनट का समय दे रहे हैं, दो मिनट का समय तो भूमिका बनाने में लग जाता है। मान्यवर, हर्रैया तहसील पूरे प्रदेश की सबसे बड़ी तहसील है। इसमें 1529 राजस्व ग्राम हैं। इतने बड़े तहसील के लिए हमें केवल एक एस0डी0एम0, एक तहसीलदार, एक नायब तहसीलदार, 317 लेखपाल और 43 कानूनगो दिये गये हैं जिससे सम्यक् रूप से सेवा नहीं हो पाती है। तहसील दिवस में 600 से 700 अप्लीकेशन्स आती हैं और व्यवस्था नहीं हो पाती है। पूरे प्रदेश में बहुत सारी तहसीलें ऐसी हैं जिसमें से दो सौ, तीन सौ और चार सौ राजस्व ग्राम हैं। दूसरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि हमारे यहां सिर्फ 01 नगर पंचायत है और बड़ी-बड़ी बाजारे हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूँ कि अगर व्यवस्था हो सके तो यह व्यवस्था करा दें कि हमारे यहां चौरी बहुत बड़ी एरिया है, चौरी नगर पंचायत हो जाये तो ठीक रहेगा। चौरी के अलावा एक नगर पंचायत परशुरामपुर मखौड़ा धाम है, तीसरी नगर पंचायत विक्रमजोत और चौथी छावनी अमोढ़ा नगर पंचायत बनाना जरूरी है। अगर एक-एक साल में एक-एक नगर पंचायत हो जायेगी तो अच्छा रहेगा, क्योंकि ये 15-20 हजार की आबादी की बाजारे हैं। आपके माध्यम से तीसरी मांग सरकार से करना चाहता हूँ कि हमारे यहां तीन ब्लाक हैं, हर्रैया, परशुरामपुर और विक्रमजोत। इसके अलावा एक गौर ब्लाक है। इसमें कहीं 107 ग्राम सभा, कहीं 90 ग्राम सभा, किसी में 85 ग्राम सभा हैं। तो मेरा निवेदन है कि तीनों ब्लाकों व गौर ब्लाक को भी काट कर नये

ब्लाक की व्यवस्था अगर बना दी जाये तो इससे लोगों को सुविधा होगी। इसके अलावा हमारी कुछ और मांगे हैं, हमारे यहां से संसारीपुर से पैकोलिया मार्ग का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण बहुत आवश्यक है जो 12.48 कि0मी0 का है। छावनी, केनौना, कोहरांय, मखौड़ा धाम मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण होना बहुत जरूरी है। यह 84 कोसी परिक्रमा मार्ग से निकलकर शहीद स्थल छावनी तक आता है। विक्रमजोत-हसीनाबाद मार्ग का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण होना बहुत आवश्यक है।

श्री अधिष्ठाता-

कृपया अब समाप्त करें।

श्री अजय सिंह-

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से एन0एच0-28 से खतमसराय से मल्हनी नेवरी होते हए मखौड़ा धाम का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण, बाघा नाला-परशुरामपुर मार्ग का चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण कराये जाने की सरकार से मांग करता हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, धन्यवाद।

श्री अजय सिंह-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, समाप्त कर रहा हूँ। एक बहुत महत्वपूर्ण विषय है। हमारा क्षेत्र बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है। लगभग 1970 के दशक में उस पार से नदी बढ़ी और बहुत सारे लोग इस पार आ गये और कुछ नदी के उस पार चले गये। 1970 में ही एक गांव सभा है रहमहिया जिसका पहले से नोटीफिकेशन अस्पताल के लिए था, लेकिन जब नदी आयी तो सारे के सारे आ करके वहां बस गये। अब 52 साल हो गये, 52 साल में मैंने कई बार प्रयास किया कि जो नोटीफिकेशन है, उसको चेंज कर लिया जाये, जिससे उनके गांव का नाम भी आ जाये। अगर नोटीफिकेशन चेंज नहीं किया गया तो जो घरौनी बनने जा रही है, वह उसमें नहीं बन पायेगी।

श्री अधिष्ठाता-

अजय सिंह जी अब समाप्त करिए। मा0 सदस्य अनिल सिंह जी।

श्री अजय सिंह-

मान्यवर, हमारी सरकार पं0 दीन दयाल उपाध्याय और स्व0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सिद्धान्तों पर चलने वाली सरकार है। अन्तिम व्यक्ति के उदय की सरकार है, अमीरी और गरीबी की खाई को पाटने वाली सरकार है। इण्डिया और भारत को दोनों को बराबर में लाने वाली सरकार है। भारत रत्न स्व0 अटल जी की एक कविता से अपनी बात समाप्त करूंगा-

टूटे हुए तारों से फूटे बासन्ती स्वर,
पत्थर की छाती से उग आया नव अंकुर,
झरे सब पीले पात कोयल की कुहुक रात,
प्राचीन में अरुणिम की रेख देख पाता हूँ,
गीत नया गाता हूँ।
टूटे हुए सपनों की कौन सुने सिसकी,
अन्तर की चीर व्यथा पलकों पर ठिठकी,
हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा,
काल के कपाल पे लिखता मिटाता हूँ,
गीत नया गाता हूँ, गीत नया गाता हूँ।

नये भारत का नया उत्तर प्रदेश प्रगति के पथ पर है। भारत माता की जय।

श्री अधिष्ठाता-

मेरा मा0 सदस्यों से अनुरोध है कि जो मा0 अध्यक्ष जी की व्यवस्था है, उसके अनुरूप हम लोग काम करें तो बेहतर रहेगा।

[05:00] *श्री अनिल सिंह-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। कुछ बोलने से पहले मैं एक बार प्रभु रामचन्द्र जी का जयकारा लगाना चाहता हूँ। बोलो जय-जय श्रीराम।

(सत्ता पक्ष के सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा सदन में जय श्रीराम के जयकारे लगाये गये)

इस उत्तर प्रदेश को बहुत ही भाग्यशाली माना जाता है। आज जहाँ सारे भगवान पैदा हुए हैं, जिसे जन्मस्थली माना जाता है। यह बजट दिखलाता है कि हम लोग रामराज्य की तरफ बढ़ रहे हैं। पहले याद करिये कि बिजली के लिये कल्लू भैया विधायक जी के दरवाजे पर बैठे रहते थे कि हमारे गांव में कभी डबडबाती आंखों को उजाला देखने को मिलेगा, ऐसा कभी नहीं हो पाया। लेकिन जिस दिन से भारतीय जनता पार्टी की सरकार आयी, माननीय नरेन्द्र भाई मोदी जी आये और उन्होंने सोचा, उन्होंने विजन दिया और बिना मांगे हर गांव में बिजली पहुंचा दी, यह काम करने की क्षमता है। जब कभी कोई गरीब आदमी हास्पिटल जाता था तो उसके पास पैसे नहीं होते थे, अभिभावक पितातुल्य बनकर नरेन्द्र भाई मोदी जी ने पूरे भारतवर्ष में 12 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य बीमा पहुंचाने का काम किया है। बहुत सारी योजनाएं हैं,

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मैं सबसे अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ, क्योंकि समय कम है। 3 महीने का काम 3 घण्टे में, 3 घण्टे का काम 3 मिनट में करना है। हम लोग जल्दी समाप्त करेंगे।

किसी ने सोचा नहीं था कि हर गांव में पीने को शुद्ध पानी मिलेगा। आज आजादी के इतने दिन बीत गये और पीने का शुद्ध पानी नहीं पहुंचा पाये, शौचालय नहीं दे पाये। विपक्ष के लोग कह रहे हैं कि शौचालय बनाते हैं, हम कह रहे हैं कि आधी बीमारी हम लोगों ने शौचालय की वजह से खत्म कर दी है। लोग गांव में पहले खुले में शौच करते थे, बीमार हुआ करते थे, लेकिन आज उनके स्वास्थ्य और अर्थ की व्यवस्था बढ़ती जा रही है। बहुत सारी योजनायें हैं, हम बहुत सारी योजनाओं का जिक्र नहीं करना चाहते हैं, क्योंकि 2 मिनट का समय बीत गया है, लेकिन मैं यह जरूर कहना चाहूँगा कि माननीय योगी जी और माननीय मोदी जी जैसे लोग कभी-कभी पैदा होते हैं, जिन्होंने गरीब के लिए सोचा है, यह बजट अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सोचा है और लगातार निरन्तर नीचे तक पहुंच रहा है। पहले लोग अपने परिवार के लिए, अपने घर के लिए योजनायें बनाते थे कि यह योजना हम बनायेंगे तो इसमें से 100 करोड़ हम खायेंगे, लेकिन आज योजनाएं बनती हैं कि 1 हजार गरीब के खाते में भेजेंगे तो वह गरीब खायेगा, यह है विजन, यह है काम। उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए इस तरीके से काम किया जाता है। रामराज्य क्या दोबारा नहीं लौट सकता है ? लौट आया है, आज आप गांव में किसी भी आदमी के घर जाइये। कोटेदार लगातार मशीन लिए हुए घूम रहा है कि अंगूठा लगा लो, राशन ले लो नहीं मुकदमा लिखवा देंगे। यह है विजन, यह काम करने की क्षमता है। हम तो हमेशा इसलिए खुश रहते हैं कि काम बहुत ही अच्छा हो रहा है अपने लिए नहीं हो रहा है, इसलिए लोग विरोध कर रहे हैं। आपने समय दिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

[05:03] श्री राजेन्द्र प्रसाद चौधरी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, वर्ष 2022-23 के इस बजट भाषण पर बोलने के लिए अवसर दिया, मैं इसके लिए आपका बहुत आभारी हूँ। माननीय मुख्य मंत्री जी बड़े दावे के साथ कह रहे थे कि गन्ना किसानों का हमने रिकार्ड भुगतान किया है, आंकड़ा भी उन्होंने दिया है कि 1,72,000 करोड़ से ज्यादा का भुगतान किया है, लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि कितना भुगतान नहीं किया है, इसका जिक्र इन्होंने कहीं नहीं किया है। हमारी विधान सभा क्षेत्र में अठदमा चीनी मिल पर आज की तारीख में 70 करोड़ रुपये बकाया है। वाल्टरगंज चीनी मिल का 68 करोड़ रुपया बकाया है और माननीय मुख्य मंत्री जी कह रहे थे कि हमने रिकार्ड भुगतान कर दिया है। मैं कहना चाहता हूँ कि क्या रिकार्ड भुगतान न करने का रिकार्ड इनके पास है ? आज बड़े दावे के साथ कहा जा रहा है कि हमने किसान दुर्घटना बीमा के अन्तर्गत 5 लाख रुपये के हिसाब से भुगतान किया है। समाजवादी पार्टी की सरकार के समय माननीय मुखिया श्री अखिलेश यादव जी ने जो 5 लाख रुपये निर्धारित किया था आज 7-8 साल बाद

भी वही 5 लाख है, इसको भी बढ़ाये जाने की आवश्यकता है। शिक्षा के मामले में, पिछड़े समाज, दलित समाज के बारे में बजट में कहीं कोई जिक्र नहीं आ रहा है।

मान्यवर, मैं इस बात का जिक्र करना चाहूँगा कि समाजवादी पार्टी की सरकार थी, डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर के सपनों को साकार करने के लिए दलितों को निःशुल्क शिक्षा देने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था थी। जब से बी0जे0पी0 की सरकार आई है, तबसे शुल्क देकर पढ़ने की व्यवस्था की गई है। साथ ही उधर के लोग बैठे हैं तो मैं यह कहना चाहता हूँ कि 275 में कम से कम 175 लोग संस्थाओं से जुड़े होंगे। उनको पता होगा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में सौ सीटों में दबे एवं वंचित समाज के साढ़े बाइस से बढ़ कर 27 से 28 प्रतिशत तक भी उनके बच्चे पढ़ा करते थे। आज पैसा देकर पढ़ने के लिए व्यवस्था कर दी गई है। मैं दावे के साथ कहना चाहता हूँ कि आज उनकी संख्या 7 से 8 प्रतिशत तक बड़ी मुश्किल से हो पा रही है। वह बच्चे पढ़ नहीं पा रहे हैं तो आगे चलकर अपनी शिक्षा को कैसे बढ़ायेंगे और कैसे वह नौकरी में जायेंगे। इसीलिए यह सरकार शिक्षा से वंचित करने की साजिश कर रही है। मैं पिछड़े समाज के लिए भी यह कहना चाहता हूँ कि यह जिक्र आया है कि सोलह सौ समथिंग करोड़ छात्रवृत्ति एवं फीस पूर्ति का है। मैं कहना चाहता हूँ 25 करोड़ आबादी का यह उत्तर प्रदेश है। साढ़े 13 करोड़ पिछड़े समाज के लोग यहां रहते हैं। बजट में पिछड़े समाज के उनके बच्चों की पढ़ाई का कोई जिक्र ही नहीं है। जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी, तब हर पिछड़े समाज के गरीब बच्चों को उनकी फीस की प्रतिपूर्ति की व्यवस्था समाजवादी पार्टी की सरकार में होता रहा है और आज कहा जा रहा है कि हम 65 प्रतिशत के ऊपर के लोगों को देने का काम करेंगे। इन्होंने बजट में कहा है कि 2021-22 में तेरह लाख सत्तर हजार दो सौ तेरह बच्चों को हमने दिया है यह बहुत कम है। मैं यह कहना चाहता हूँ कि यह सरकार शिक्षा से वंचित करने की साजिश कर रही है और अन्त में कहना चाहूँगा कि नौजवानों से कि यह सरकार रामराज्य की बात करती है, परन्तु आज नौजवानों को शिक्षा तंत्र से वंचित करके सभी जहाज इस सरकार में बड़े आराम से डुबोए जा रहे हैं। स्कूल एवं कालेज से लोगों को वंचित कर मेलों एवं रैलियों में बुलाया जा रहा है। डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर के लोग, हे आदमी आज तेरे बच्चे जिस्म से नहीं दिमाग से अपाहिज बनाये जा रहे हैं।

[05:07] *श्री राजीव सिंह-

मान्यवर, समाज के सभी वर्गों को प्रदेश के सभी क्षेत्रों को समाहित करके यह बजट बनाया गया है। यह बजट बनाने के लिए मैं माननीय खन्ना जी का हृदय से अभिनन्दन करता हूँ जिन्होंने बुन्देलखण्ड पर इस बार व्यापक दृष्टि डाली है। जहाँ बुन्देलखण्ड में तीन-तीन

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

एयरपोर्ट देने की जो सरकार की कल्पना है, वह इस बजट में साकार होती नजर आ रही है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, बुन्देलखण्ड को जहाँ एक-एक बूंद पानी के लिए तरसना पड़ता था, आज बुन्देलखण्ड में मुझे पूरी उम्मीद है कि इसी वर्ष 2022 में हर घर जल जो हम लोग आर0ओ0 का पानी पीते हैं इतना शुद्ध पानी बुन्देलखण्ड के हर घर पहुंचने की व्यवस्था सरकार ने इस बजट में सुनिश्चित कर दी है। पिछली बार जो बजट था, उसके लिए 15 हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई थी, लेकिन जब वह काम जमीन पर आया तब उसमें धन की आवश्यकता पड़ी, लेकिन सरकार ने संकोच नहीं किया सरकार ने तुरन्त उसमें साढ़े चार हजार करोड़ रुपये जोड़कर उसको 19 हजार करोड़ करने का काम किया है। सरकार बधाई की पात्र है, जहाँ बुन्देलखण्ड की तरफ जब इन लोगों की सरकार थी तो केवल खनन के लिए जाते थे, ठेका पट्टा के लिए जाते थे कभी-कभी बुन्देलखण्ड का भला करने के लिए यह लोग नहीं जाते थे। लेकिन पहली बार लगातार पांच सालों में हमारी वर्तमान सरकार माननीय योगी आदित्यनाथ जी ने बुन्देलखण्ड की तरफ जो ध्यान दिया है उसके लिए पूरा बुन्देलखण्ड गद-गद है और महाराज जी के लिए जय-जयकार करता है और बोलता है कि ऐसा मुख्य मंत्री कभी न हुआ है और न ही कभी भविष्य में होगा। मैं आपसे यह निवेदन करना चाहता हूँ कि इस बजट में जहाँ पर गरीबों के लिए आठ हजार करोड़ रुपए आवासों के लिए प्राविधान किया गया है वहीं शौचालय के लिए भी पर्याप्त प्राविधान किया गया है। राशन को कोरोना जैसी महामारी में 15 करोड़ लोगों के लिए मुफ्त राशन की व्यवस्था यह कल्पना से परे है। किसी को घर-घर भटकना नहीं पड़ा, दर-दर भटकना नहीं पड़ा। सरकार ने घर-घर जाकर राशन की व्यवस्था कराई और कोरोना जैसी महामारी जिससे दुनिया धराशायी हो गई।

बड़े-बड़े देश जहाँ घुटनों पर आ गये, हिन्दुस्तान और उत्तर प्रदेश पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ता रहा। कोरोना-काल में जिस तरीके का प्रबन्धन मा0 मुख्य मंत्री जी ने किया, वह प्रबन्धन पूरी दुनिया में आज एक मॉडल के रूप में परिलक्षित होता है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, आज जब हम कानून-व्यवस्था की बात करते हैं तो कानून-व्यवस्था के मॉडल के रूप में आज उत्तर प्रदेश पूरे हिन्दुस्तान में नाम रखता है और आज हर आदमी कहता है कि अब हमारा नेक्स्ट डेस्टिनेशन उत्तर प्रदेश होगा। अगर हमको व्यापार करना है तो हम उत्तर प्रदेश में जायेंगे। अगर हमको रहना होगा तो उत्तर प्रदेश से बेहतर स्थान आज पूरे हिन्दुस्तान में कहीं नहीं है। हर आदमी आज योगी जी का उदाहरण देता है। आज कोई भी अगर कानून-व्यवस्था की बात करता है तो केवल योगी जी का शासन ही नजर आता है। आज हर क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने तरक्की की है चाहे हम मेट्रो की बात करें, चाहे एक्सप्रेस हाई-वे की बात करें, आज बुन्देलखण्ड को भी एक एक्सप्रेस हाई-वे मिला है। इस सदन के माध्यम से बुन्देलखण्ड की तरफ से मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने बुन्देलखण्ड को एक समृद्ध बुन्देलखण्ड बनाने में योगदान दिया है। बुन्देलखण्ड आज उत्तर प्रदेश का सबसे विकासशील क्षेत्र

बन गया है। डिफेन्स कारीडोर के माध्यम से आज बुन्देलखण्ड में लगभग 8 हजार करोड़ रुपये का निवेश अब तक आ चुका है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य अब आप कृपया समाप्त करें।

श्री राजीव सिंह-

मान्यवर, हम लोगों को हमेशा बहुत कम समय मिलता है।

श्री अधिष्ठाता-

जो व्यवस्था है, उसके हिसाब से अब आप संक्षेप करें।

श्री राजीव सिंह-

मान्यवर, मेरी थोड़ी सी बात और आ जाये। बजट में बिजली के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गयी है। पहले जहाँ किसानों को अलग से बिजली नहीं मिलती थी, उनके लिए अलग से फीडर सेपरेशन नहीं होता था, लेकिन आज लगभग 31 हजार करोड़ रुपये की लागत से सरकार ने फीडर सेपरेशन और क्षमतावृद्धि का काम किया है, जिसके लिए निश्चित रूप से सरकार बधाई की पात्र है। बुन्देलखण्ड को आज लगभग 20 से 22 घण्टे निर्बाध रूप से बिजली मिल रही है। मैं बुन्देलखण्ड की जनता की तरफ से सरकार को धन्यवाद दूंगा कि लगातार हर क्षेत्र में बुन्देलखण्ड की जनता का ख्याल रखा जा रहा है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

[05:12] *श्री मोहन वर्मा-

आदरणीय अधिष्ठाता जी, मैं उत्तर प्रदेश के जनपद कुशीनगर की हाटा विधान सभा क्षेत्र से पहली बार चुनकर आया हूँ। मैं स्वर्णकार जाति से बिलांग करता हूँ और मैं केन्द्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने पहली बार मेरे जैसे एक छोटे से कार्यकर्ता को इस विधान सभा के सदस्य के रूप में भेजने का कार्य किया है। मान्यवर, यह छः लाख पन्द्रह हजार पांच सौ उन्नीस करोड़ रुपये का अब तक का सबसे बड़ा बजट है। मैं आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री यशस्वी मुख्य मंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ महाराज जी का धन्यवाद करता हूँ जिनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास की पटरी पर सरपट दौड़ रहा है और नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। यह बजट देश के यशस्वी प्रधान सेवक श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री परम पूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज जी के नेतृत्व में आया। इस बजट में गांव, गरीब, किसान, पढ़ाई-लिखाई, दवाई, सिंचाई, युवाओं को रोजगार तथा नारी सशक्तीकरण के हर पहलू को ध्यान में रखा गया है। भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में चुनाव के समय

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जो वायदे किये थे, उनको पूरा किया है। इससे पता चलता है कि योगी जी की अगुवाई वाली सरकार जो कहती है, उसे पूरा करती है। इसलिए यह सरकार अपनी पूर्ववर्ती सरकार से भिन्न है। इस बजट में अपराध, अपराधियों और भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेन्स की नीति तथा मजबूत सुरक्षा तंत्र के लिए फोकस किया गया है जिससे बाबा का बुल्डोजर गरजता रहेगा।

मा0 अधिष्ठाता जी, बड़े, मध्यम, लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों से लेकर बुनकरों तक के लिए बाबा कुबेर की पोटली खोल दी गयी है। इससे साफ पता चलता है कि केन्द्र की और प्रदेश की सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास हासिल करके प्रदेश को विकास की पटरी पर एक साथ लेकर चलना चाहती है। मैं किसान परिवार से आता हूँ। जिस तरह से बजट में खेती और खेतिहर की तरक्की और खुशहाली के लिए बीज, पानी तथा खाद की सुविधाओं को बेहतर तथा उनकी उपलब्धता को सुगम बनाने की दिशा में चिन्ता की गयी है, उससे निश्चित ही किसानों की आय दोगुनी होगी। नहरों तथा सरकारी नलकूपों से किसानों के लिए मुफ्त पानी खेती के लिए किसानों को समृद्ध बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। मा0 अधिष्ठाता जी, मैं इस बजट की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए अपनी विधान सभा क्षेत्र के कुछ कार्यों के प्रति आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। मेरी विधान सभा क्षेत्र की मण्डी समिति से बहुत बड़ी मात्रा में कर वसूल किया जाता है, लेकिन मण्डी समिति द्वारा वहां पर किसी प्रकार की उप मण्डी का निर्माण नहीं कराया गया और न ही सड़क का निर्माण कराया गया।

मेरे क्षेत्र के अन्दर अहिरौली बाजार, जहाँ पर पहले से स्थापित थाना, उच्च शिक्षा, डिग्री कालेज, माध्यमिक शिक्षा के लिए इण्टरमीडिएट कालेज, चिकित्सा सुविधा, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र है, जो मेरे क्षेत्र का मुख्य बाजार है। हमारे क्षेत्र के 20 किलोमीटर की परिधि में कोई नगर पंचायत नहीं है। अहिरौली बाजार को समग्र विकास के लिए नगर पंचायत बनाने के लिए आपके माध्यम से मांग करता हूँ। मेरी विधान सभा क्षेत्र हाटा में जर्जर तारों और खम्भों को बदलने एवं ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने की जरूरत है, क्योंकि योगी सरकार में लगातार 22 घण्टे बिजली आ रही है। इसके बावजूद आंधी-पानी के समय तार और खम्भों के टूटने के चलते यह समस्या बनी रहती है। हमारी विधान सभा क्षेत्र हाटा से नेशनल हाई-वे-28 के बीचो-बीच से होकर गुजरती है, जहाँ पर तहसील का मुख्य बाजार है जिसके चलते आये दिन सड़क पर हादसे होते रहते हैं। मैं हाटा में ट्रामा सेन्टर स्थापित करने हेतु मा0 अधिष्ठाता महोदय आपके द्वारा अपनी बात सरकार तक पहुंचाने की मांग करता हूँ। आपने मुझे बजट भाषण पर बोलने का मौका दिया, मैं हाटा विधान सभा क्षेत्र की समस्त जनता की तरफ से आभार प्रकट करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

[05:16] *श्री सचिन यादव-

आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे बजट भाषण पर बोलने का मौका दिया, मैं अपने मुख्य सचेतक जी को भी धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने लिस्ट में मेरा नाम भेजा। मैं सबसे पहले उन लोगों को धन्यवाद देता हूँ जिन लोगों ने मुझे चुन कर यहां भेजा है, जिनकी वजह से मैं इस सदन का पहली बार सदस्य बना हूँ। मैं आदरणीय भारत रत्न, संविधान रचयिता, हम लोगों को समानता का पाठ पढ़ाने वाले, शिक्षा का पाठ पढ़ाने वाले बाबा साहब अम्बेडकर जी को मैं उनके चरणों में नमन करता हूँ। नेता जी मा0 मुलायम सिंह जी, जिन्होंने मुझे सिन्धिया स्कूल में, एक उच्चतम स्कूल में, एक नामदायी स्कूल में भेजने का काम किया मैं उनको धन्यवाद देता हूँ, उनके चरण स्पर्श करता हूँ। मैं आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष जिन्होंने मुझे टिकट दी और जिनके नाम से मुझे वोट मिला, मैं उनको भी धन्यवाद देता हूँ और चरण स्पर्श करता हूँ। आदरणीय प्रोफेसर राम गोपाल यादव जो मुझे राजनीति में लाये और राजनीति का पाठ पढ़ाया, समानता का पाठ पढ़ाया, सामाजिकता सिखायी, मैं उनको भी धन्यवाद देता हूँ, और चरण स्पर्श करता हूँ। आदरणीय पूर्व सांसद और फिरोजाबाद के भागीरथ आदरणीय अक्षय यादव जी जिन्होंने फिरोजाबाद को मीठा पानी पिलाने का काम किया, मैं उनको भी धन्यवाद देता हूँ और चरण स्पर्श करता हूँ। समाजवादी जिला संगठन को मैं धन्यवाद देता हूँ, जसराना के सारे वरिष्ठ नेताओं को, समाजवादी के वरिष्ठ नेताओं को धन्यवाद देता हूँ, जसराना के बड़े-बुजुर्गों को, मातृशक्ति को, नौजवानों को मैं धन्यवाद देता हूँ। जसराना के सारे जिला पंचायत सदस्यों को, सारे प्रधानों को, सारे पूर्व प्रधानों को, बी0डी0सी0 सदस्यों को, पूर्व बी0डी0सी0 सदस्यों को, मैं उन सभी लोगों को धन्यवाद देता हूँ। मैं जसराना की बात करूंगा, जसराना हमारा गंगा और जमुना के बीच का क्षेत्र है जोकि बहुत ही पिछड़ा हुआ है। ज्यादा समय न लेते हुए मैं शिक्षा के क्षेत्र में मांग करता हूँ कि हमारे जसराना में एक पालीटेक्निक कालेज मिल जाय, हमारे फिरोजाबाद जनपद में एक बहुत पुराना कालेज है। मैं मांग करता हूँ कि उस कालेज को विश्वविद्यालय में तब्दील किया जाय और वहां के जो इण्टरमीडिएट स्कूल हैं, उनके टीचर्स, प्रिंसिपल और मैनेजर्स को मानदेय दिया जाय। हमारे यहां जो ड्रिंकिंग वाटर्स की दिक्कते हैं और एविडेशन की जो दिक्कते हैं सारे बम्बे, क्योंकि हम गंगा और जमुना के बीच में रहते हैं तब भी हमारे जो पानी के बम्बे हैं, वह बन्द पड़े हुए हैं। मैं आदरणीय नेता सदन से एवं वित्त मंत्री जी से ये मांग करता हूँ कि हमारे यहां जो बम्बे बन्द पड़े हुए हैं उन्हें फिर से चालू कराया जाय। फरिहा का बम्बा है, महराजपुर के पास का बम्बा है और रहना के पास का बम्बा है। 100 से ज्याद टंकियां हमारे क्षेत्र में हैं सारी की सारी बन्द पड़ी हुई हैं, खराब पड़ी हुई हैं। मैं मांग करता हूँ कि सारी टंकियां चालू की जायं, क्योंकि आदरणीय प्रधानमंत्री जी

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

भी यह चाहते हैं कि जल शक्ति मिशन के अन्तर्गत हर घर में पानी की व्यवस्था हो, इसलिए जो टंकियां बन्द पड़ी हैं, उन्हें चालू किया जाय। स्वास्थ्य सेवायें भी ठप पड़ी हुई हैं, दवाइयां वहां पर मिलती नहीं हैं। मैं यह आग्रह करना चाहता हूँ कि जो एम्बुलेन्स खराब है, वह सही करा दी जाय। नई एम्बुलेन्स दे दी जाय और दवाइयों की भी पूर्ति की जाय। बेरोजगारी की बहुत बड़ी समस्या है। मैं चाहता हूँ इन्वेस्टर्स समिट में फिरोजाबाद के लिए और खास कर जसराना के लिए भी इन्वेस्टमेन्ट लाया जाय। बड़ी-बड़ी इण्डस्ट्रीज वहां पर लगायी जायें। झपारा, खडीत, मिलावली, पाढम, उसमानपुर, महाराजपुर, भदाना, राजगढ़, नगला, मेवा, इटाहरी, बेरनी, बिजोली, जेड़ा, जाजूमई, सलेमपुर, उतरारा, पट्टी, बनवारा, पलिया, कुशयारी एवं बड़ागांव दलेलपुर यह बहुत ही पिछड़े गांव हैं। अगर इनके पास इण्डस्ट्री लग जायेगी तो लोगों को रोजगार मिलेगा। मैं अनुरोध करना चाहता हूँ कि जसराना में बाबा साहेब के जिन पार्कों में बाउण्ड्री नहीं है, उनकी बाउण्ड्री हो जाये। दलेलपुर में बहुत ही पुराना बुद्ध विहार है। मैं चाहता हूँ कि उसको भगवान बुद्ध के नाम पर उच्च स्तर पर डेवलप किया जाये। हमारे यहां फायर स्टेशन नहीं है, आग लगती है तो बाहर से गाड़ियां बुलानी पड़ती हैं, अतः मैं एक फायर स्टेशन की मांग करता हूँ। जोकि मुख्य मंत्री जी की घोषणा में भी है। हम एक बस स्टेशन की भी मांग करता हूँ। वहां से कोई सरकारी बस दिल्ली, जयपुर नहीं जाती है। मैं बस सेवा की मांग करता हूँ। पोस्टमार्टम फैसिलिटी नहीं है। हमें दूसरे जनपदों में पोस्टमार्टम के लिए जाना पड़ता है। अधिष्ठाता महोदय, मैं अनुरोध करता हूँ कि पोस्टमार्टम की फैसिलिटी हो जाय। मैं एडवोकेट्स के लिए बेसिक मानदेय की मांग करता हूँ। फ्री लान्स जर्नलिस्ट के लिए बेसिक मानदेय की मांग करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

[05:21] *श्री देवेन्द्र कुमार निम-

अधिष्ठाता महोदय, आदरणीय सुरेश कुमार खन्ना जी द्वारा जो बजट रखा गया, मैं उसका पुरजोर समर्थन करता हूँ और आपका धन्यवाद करता हूँ। मैं अपने उत्तर प्रदेश की जनता का धन्यवाद करता हूँ एवं अपनी विधान सभा क्षेत्र की जनता का धन्यवाद करता हूँ कि प्रचण्ड बहुमत की सरकार उनके द्वारा दी गयी। सुबह से लगातार जो चर्चा चल रही है उस पर सभी माननीय सदस्यों ने अपनी-अपनी बात रखी। मैं बताना चाहता हूँ कि मैं सहारनपुर जिले से आता हूँ जो उत्तर प्रदेश का सबसे लास्ट जिला है। वहां पर विकास की आवश्यकता थी। मैं अपनी सरकार का धन्यवाद करता हूँ कि सन् 2017 में जब हमारी सरकार बनी थी, तब वहां की जनता की समस्याओं का संज्ञान लेते हुए नया एयरपोर्ट बनाने का काम शुरू किया। वहां पर हेलीकाप्टर के माध्यम से चारोंधाम की यात्रा का काम शुरू हो चुका है। मैं बताना चाहता हूँ कि सहारनपुर जिले में सबसे बड़ी समस्या रोड को लेकर थी, क्योंकि सहारनपुर में बहुत खनन

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

होता है। जब रोडों पर हैवी ट्रैफिक चलता था तो सड़कें खराब हो जाती थीं। जब हम सबको दिल्ली या दूसरे राज्यों में जाना होता था तो बहुत लम्बा डिस्टेन्स कवर करना पड़ता था। पिछले बजट में हमने यह मांग रखी थी। मैं अपनी सरकार का धन्यवाद करना चाहता हूँ कि वहां ग्रीन एक्सप्रेस-वे बनने जा रहा है, दिल्ली को सहारनपुर से जोड़ने वाले फोर लेन पर बहुत तेजी से काम चल रहा है। हम सब युवाओं का सपना था। हम लोगों को बारहवीं करके यूनिवर्सिटी में जाने के लिए सोचना पड़ता था, लेकिन मैं योगी जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि वहां मां शाकुम्बरी देवी जी के नाम से एक यूनिवर्सिटी का निर्माण हो रहा है। मैं पूर्व गन्ना मंत्री जी को भी धन्यवाद देना चाहता हूँ। सहारनपुर में गन्ने का बहुत उत्पादन होता है। पहले की सरकारों ने चीनी मिलों को बन्द करने का काम किया, लेकिन सन् 2017 में जैसे ही हमारी सरकार बनी, हमने तय किया और बन्द पड़ी चीनी मिलों को चलाने का काम किया। एक बहुत बड़ी समस्या डार्क जोन को लेकर थी। पहले की सरकारों ने सरकारी ट्यूबवेल पर बैन लगा दिया था। सन् 2017 में हमारी सरकार बनी और उस बैन को खोलने का काम किया। हमारी सरकार ने किसानों को सम्मान निधि के साथ-साथ हमारा पहला नोट था जिसमें 86 लाख किसान साथियों को 36 हजार करोड़ रुपये की सौगात दी। फसली ऋण को माफ करने का काम किया। मैं आपके माध्यम से अपने क्षेत्र में जो काम हुए उसे बताना चाहता हूँ। पिछले बजट में हमें 15 करोड़ का, 11 करोड़ का एक पशु चिकित्सालय दिया गया, बहुत बड़ा पुल दिया गया। मैं अपनी सरकार का माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूँ। पहले भी जिन बातों को रखा जा चुका है, उस पर बल देते हुए कि वहां पर मिनी स्टेडियम का निर्माण हो, हिण्डन पुल है जो 25 सालों से टूटा पड़ा है उसका हमारी सरकार संज्ञान ले और पी0एच0सी0/सी0एच0सी0 पर डॉक्टरों की शार्टेज को पूरा किया जाय।

हमारे यहां पर इंजीनियरिंग कालेज और आई0टी0आई0 कालेज का निर्माण किया जाय। जो हमारे यहां शुगर मिल है उसके आस-पास के कई गांव जुड़ते हैं तो वहां की सड़क का चौड़ीकरण किया जाय जिससे किसानों को आने-जाने में समस्या नहीं होगी। धन्यवाद।

[05:25] श्री देवेन्द्र सिंह लोधी-

अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका बहुत आभारी हूँ कि आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया। मान्यवर, सरकार द्वारा जो बजट पेश किया गया है, वह उत्तर प्रदेश के इतिहास में सबसे बड़ा बजट है। जाति, धर्म, मजहब से ऊपर उठ कर बिना भेदभाव के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास कायम करने वाला बजट है। मान्यवर, यह बजट उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर व चारों तरफ विकास की गंगा बहाने वाला बजट है। यह बजट पण्डित दीनदयाल जी के सपनों को साकार करने वाला बजट है। उनका सपना था कि अन्तिम छोर पर

बैठे गांव, गरीब, किसान, मजदूर, पिछड़े व्यक्तियों का उत्थान होना चाहिए। मान्यवर, मैं एक अधिवक्ता के रूप में बुलन्दशहर में कार्य करता था। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी व वित्त मंत्री जी को बधाई देता हूँ कि उन्होंने इस बजट में युवा अधिवक्ताओं का विशेष ध्यान रखा है। राज्य सरकार द्वारा युवा अधिवक्ताओं को किताब खरीदने के लिए 10 करोड़ की व्यवस्था इस बजट में की गयी है। उत्तर प्रदेश में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी की दृष्टि से तीन महिला पी0ए0सी0 बटालियन गठित करने का सरकार का निर्णय ऐतिहासिक है और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के तहत टॉपर छात्राओं को लैपटॉप देने का सरकार का निर्णय भी ऐतिहासिक है। किसानों को सिंचाई के लिए सरकारी नलकूप, नहरों से मुफ्त में सिंचाई देने का काम किया है। मुख्य मंत्री लघु सिंचाई योजना के अन्तर्गत 1000 करोड़ रुपये का बजट दिया गया है और कृषि क्षेत्र में 5.1 प्रतिशत विकास दर के लक्ष्य के साथ-साथ किसानों के बकाया गन्ना मूल्य के भुगतान के लिए 1000 करोड़ रुपये का बजट देना एक महत्वपूर्ण पहलू है। किसान दुर्घटना बीमा के लिए 650 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। किसानों को आपरेटिव ऋण के लिए 300 करोड़ रुपये देने का प्रावधान है और चीनी मिलों की स्थापना करना सरकार का सराहनीय कदम है। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी और वित्त मंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने इतिहास पुरुष गांव, गरीब, किसान के मसीहा परम पूज्य बाबूजी कल्याण सिंह जी के नाम पर ग्राम उन्नति योजना के तहत 22 करोड़ 50 लाख रुपये की व्यवस्था की है। गांव की सड़कों पर सोलर स्ट्रीट लाइट लगवाने का कदम सराहनीय, प्रशंसनीय है। यह बजट उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर प्रदेश बनायेगा। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को व मा0 वित्त मंत्री जी को पुनः बधाई देता हूँ कि उन्होंने एक ऐसा जनोपयोगी बजट पेश किया है जो उत्तर प्रदेश को आत्मनिर्भर प्रदेश व उत्तम प्रदेश बनायेगा। ऐसा प्रदेश जिसमें गांव, गरीब, किसान, मजदूर के जीवन में ऐसा परिवर्तन लायेगा कि उसकी तस्वीर बदल जायेगी, तकदीर बदल जायेगी और गांव में रहने वाले लोगों की जिन्दगी बदल जायेगी। जय हिन्द, जय भारत।

[05:29] *श्री बेदी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। एक माननीय सदस्य कह रहे थे कि इधर पैसे लेकर टिकट दिये जाते हैं, लेकिन मैं यह भी बता देना चाहता हूँ कि जो पैसा लेकर टिकट देते हैं, वह सत्ता पक्ष के साथ हैं।

श्री अधिष्ठाता-

आप कृपया बजट पर बोलिये।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

***श्री बेदी-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, समय कम है इसलिये मैं अपने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं की ओर आपका ध्यान आकृष्ट कराते हुए मांग करूंगा कि बजट में सम्बन्धित विकास कार्यों का प्राविधान कर दिया जाये। हमारे जखनियां विधान सभा क्षेत्र में लगभग 90 प्रतिशत रोड खराब हैं, इसमें जगह-जगह गड्ढे हैं जिनमें बरसात के दिनों में पानी भर जाता है और यह चलने योग्य नहीं है। इन सड़कों की संख्या इतनी अधिक है, जिनको मैं गिना नहीं सकता हूँ और इसमें समय बहुत ज्यादा लग जायेगा। जखनियां रेलवे क्रासिंग पर इतना अधिक जाम लग जाता है कि हर बार क्रासिंग बन्द होने पर 20-20 मिनट तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। मेरा आग्रह है कि वहां पर एक ओवरब्रिज बनवाने की कृपा करें। मजुई और सादियाबाद की लाइन के नीचे जो अण्डर ग्राउण्ड बाईपास बना हुआ है, उसमें बरसात के दिनों में पानी भर जाता है जिस पर मैं ओवरब्रिज बनाने की मांग करता हूँ। हमारे विधान सभा क्षेत्र में कोई हास्पिटल और ट्रामा सेण्टर नहीं है। अगर वहां पर कोई बीमार हो जाता है तो उसको वाराणसी लेकर जाना पड़ता है, जो 100 किलोमीटर से अधिक दूरी पर है। इसलिये हम अपने विधान सभा क्षेत्र में एक बड़ा हास्पिटल और ट्रामा सेण्टर बनाने की मांग करते हैं। हमारे यहां पर फोर्स की तैयारी करने वाले बहुत बच्चे हैं, लेकिन कोई स्टेडियम नहीं है। बच्चे सड़क पर दौड़कर तैयारी करते हैं, इसलिये हमारे यहां पर एक मिनी स्टेडियम की स्थापना करा दी जाये। हमारे यहां कोई यूनिवर्सिटी नहीं है। हमारे यहां पर साढ़े तीन सौ से अधिक विद्यालय हैं इसलिये वहां पर एक यूनिवर्सिटी स्थापित कराई जाये। हमारे यहां पर नौजवानों के लिये कोई बड़ा सरकारी उद्योग स्थापित किया जाये, क्योंकि वहां पर बहुत अधिक बेरोजगारी है। मेरी पत्नी वहां पर ब्लाक प्रमुख है। चुनाव में वहां पर मेरे बच्चे को बहुत मारा-पीटा गया जिसके बाद आई0पी0सी0 की धारा-307 सहित अनेक गम्भीर धाराओं में अपराधियों के खिलाफ मुकदमा लिखाया गया। पुलिस ने इसकी विवेचना करने के बाद कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। दो महीने के बाद फिर से लीपापोती करने के लिए जांच के आदेश दे दिये गये हैं। यह मेरा खुद का केस है। मैं चाहता हूँ कि इसमें निष्पक्ष तरीके से कार्यवाही करायी जाये। माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर दिया जिसके लिये आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। जय भीम, जय भारत।

[05:33] श्री राम अवतार सिंह-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, वित्तीय वर्ष 2022-2023 के बजट की साधारण चर्चा पर बोलने का आपने मुझे जो अवसर दिया है, उसके लिए आपका बहुत-बहुत आभार। मान्यवर, मैं आपका ध्यान बजट की ओर दिलाते हुए कहना चाहता हूँ कि किसानों को जो सस्ती दर पर

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बिजली दिये जने का वायदा किया गया था उसके लिए बजट में किसी प्रकार का कोई प्राविधान नहीं किया गया है। पिछले चार-पांच वर्षों से किसान छूट के लिए विद्युत कनेक्शनों की लाइन में लगे हुए हैं, लेकिन पांच वर्षों से उनको विद्युत कनेक्शन देने के लिए बजट में कोई प्राविधान नहीं किया गया है। प्रदेश के विकास के लिए अहम भूमिका निभाने वाले बुनकरों को इस बजट में विद्युत में छूट देने के लिए कोई अतिरिक्त प्राविधान नहीं किया गया है। मैं सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ कि भविष्य में जब बिजली की मांग बढ़ेगी तो उस मांग को नियन्त्रित करने के लिए आपूर्ति के लिए नई उत्पादन इकाई लगाने का कोई प्राविधान इस बजट में नहीं किया गया है। साथ ही साथ सौभाग्य योजना के तहत उत्तर प्रदेश में जो निःशुल्क कनेक्शन लगाये गये हैं। उसमें कनेक्शन तो दे दिये हैं, लेकिन ट्रान्सफार्मर की क्षमता उतनी नहीं है कि वह उतना लोड सम्भाल सकें। बार-बार वह विद्युत ट्रान्सफार्मर फुंक रहे हैं। मेरा आपसे निवेदन है कि ऐसे ओवरलोड ट्रान्सफार्मर को बदलने के लिये बजट में पर्याप्त व्यवस्था की जाये। साथ ही मेरा यह निवेदन है कि गन्ना भुगतान के सम्बन्ध में सरकार द्वारा बार-बार वक्तव्य दिया जाता है, लेकिन यह नहीं बताया जाता कि गन्ना मूल्य का कितना किसानों का बकाया है। जो गन्ना मूल्य बकाया है कुछ ऐसी चीनी मिलें हैं जो किसानों का भुगतान नहीं कर रहे हैं। मेरा निवेदन है कि सरकार स्पष्ट करे कि किस-किस यूनिट पर कितना बकाया है, ताकि उस पर कार्यवाही की जा सके। साथ ही जो पिछड़े, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के और अल्पसंख्यक समाज के जो छात्र हैं, उनकी छात्रवृत्ति की प्रतिपूर्ति की पर्याप्त व्यवस्था इस बजट में नहीं की गयी है। मेरा निवेदन है कि इस पर ध्यान दिया जाये।

मैं बिजनौर जनपद की नूरपुर विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ, वहां पर मैं कोई हवाई अड्डे की मांग नहीं कर रहा हूँ, लेकिन मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक रामगंगा नहर बहती है, उस पर एक कडूला नदी है, कडूला नदी के ऊपर से नहर को गुजारा गया, एक बाक्स बना है। वहां पुल की कोई व्यवस्था नहीं है तो लोग बाक्स के ऊपर चलते हैं और उस पर अनेक घटनायें हो गयी हैं। मेरा केवल 110 मीटर लम्बे पुल के लिये निवेदन है। यह हो जायेगा तो इसका 22-23 गांवों को लाभ पहुंचेगा। मेरी विधान सभा क्षेत्र में ग्राम पंचायत ताजपुर है। वहां के ग्रामवासी सामान्य सुविधाओं से वंचित हैं। मेरा निवेदन है कि 20 हजार से ज्यादा की वहां आबादी है तो उस गांव को नगर पंचायत का दर्जा दिया जाना चाहिये। मेरा निवेदन है कि नूरपुर स्योहरा एक मार्ग है। स्योहरा में अपनी गंगेज शुगर मिल नाम की एक बड़ी शुगर मिल है। जाड़ों के दिनों में उसकी रेलवे क्रासिंग पर बैल बुग्गी, ट्रैक्टर और ट्रकों की भीड़ लगी रहती है और रेलवे लाइन पर वहां लगातार ट्रेनें चलती रहती हैं जिससे वह क्रासिंग ज्यादा समय तक बन्द रखनी पड़ती है तो जाड़े में जो गन्ने का सीजन चलता है, उस समय वहां जाम की स्थिति रहती है। मेरा निवेदन है कि वहां पर आप ओवरब्रिज बनवाने का काम करें। धन्यवाद।

[05:37] *डॉ0 एम0पी0 आर्य-

मा0 अधिष्ठाता जी, आपने मुझे मा0 वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी द्वारा प्रस्तुत उत्तर प्रदेश के वर्ष 2022-2023 के बजट पर बोलने का अवसर दिया, उसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मान्यवर, जहाँ हमारे देश के प्रधानमंत्री मा0 श्री नरेन्द्र मोदी परम् वैभवम् नेतुख मेदस्य सौराष्ट्रम् के लक्ष्य के साथ भारत को विश्व के शिखर पर पहुंचाना चाहते हैं, वही पथ का अन्तिम लक्ष्य नहीं है सिंहासन चढ़ते जाना सब समाज के लिए साथ में आगे है बढ़ते जाना। इस भावना पर काम करते हुए मा0 योगी आदित्यनाथ की सरकार समाज के हर वर्ग को साथ लेकर उत्तर प्रदेश के प्रत्येक नागरिक शोषित, वंचित, गरीब, मजदूर, किसान, पूंजीपति, व्यापारी प्रत्येक नागरिक को उपयुक्त सुरक्षित सम्पन्न सुविधाजनक जीवन देने के लिए कृत संकल्प है। मान्यवर, प्रस्तुत बजट में जहाँ नागरिक सुरक्षा को मजबूत करते हुए पुलिस बल को सशक्त और कार्य कुशल बनाने के लिए बजट की व्यवस्था है तो वहीं महिला सशक्तीकरण यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता की भावना के साथ महिला हेल्प डेस्क, महिला पी0ए0सी0 बटालियन, महिला सामर्थ्य योजना और मिशन शक्ति जैसे कार्यक्रम भी दिये हैं। मान्यवर, बच्चों को कुपोषण से बचाने की योजना से लेकर अनाथ बच्चों के लालन-पालन और शिक्षा आदि की चिन्ता करना मा0 योगी आदित्यनाथ सरकार की संवेदनशीलता की एक झलक मात्र है। मान्यवर, जहाँ किसानों की चिन्ता करते हुए फसल के लिए बीज, खाद, पानी आदि की व्यवस्था की है तो वहीं फसल की वाजिब कीमत दिलाने की व्यवस्था भी बजट में की गयी है। यहां तक कि किसान की फसल को प्रकृति की मार से सुरक्षा के लिए बीमा की व्यवस्था है तो किसान के जीवन की सुरक्षा के लिए भी बीमा की व्यवस्था की गयी है। मान्यवर, असंगठित मजदूरों की चिन्ता अभी तक किसी ने नहीं की थी। यह केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार है।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, यह केवल भारतीय जनता पार्टी की सरकार है जिसने असंगठित मजदूरों के लिए भी पूरे जीवन से लेकर उनके बच्चों की शिक्षा-दीक्षा तक की व्यवस्था की है। युवाओं के लिए बजट में शिक्षा-दीक्षा, खेल कूद से लेकर रोजगार तक की व्यवस्था की गयी है। रेहड़ी, ठेला, पटरी, खोखा वालों की चिन्ता कर सरकार ने समाज के हर कमजोर वर्ग को मजबूत करने का संकल्प प्रदर्शित किया है। प्रस्तुत बजट में जहाँ लोगों के जीवन को सहज, सरल, सुरक्षित, सुविधाजनक और स्वस्थ रखने की व्यवस्था की गयी है तो पर्यावरण की सुरक्षा के लिए मानव अपशिष्टों के निस्तारण की व्यवस्था, जल संरक्षण की व्यवस्था, वन संरक्षण और पौधारोपण की व्यवस्था और नमामि गंगे जैसे उपक्रम से-यह कंकड़ पत्थर रेत नहीं, यह तो माता है, माता है का भाव भी स्पष्ट किया है। प्रदेश के तीर्थ स्थलों एवं मान बिन्दुओं को संरक्षित करने, विकसित करने की मंशा से मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी का इस देश की सत्य सनातन संस्कृति के प्रति उनके अनुराग के लिए मैं उनको बार-बार प्रणाम करता हूँ।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

अन्त में मैं निश्चित रूप से कह सकता हूँ कि मा0 योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में 6,15,519 करोड़ रुपये यानी पिछले बजट से 11.86 प्रतिशत ज्यादा का बजट प्रस्तुत कर और अपने संकल्प-पत्र की लगभग 97 घोषणाओं को धरातल पर उतार कर उत्तर प्रदेश के लिए एक ट्रिलियन डॉलर के बजट और अपने घोषणा-पत्र को पूरा करने में अपने वायदे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित कर दिया है। मान्यवर, अभी कुछ लोग इस बजट को बहुत अच्छा कह रहे थे। हमारे मित्र सामने बैठे हैं, उन्होंने बजट की बहुत आलोचना की है। इसलिए मैं कहना चाहूँगा कि-'किसी को चांद चमकता नजर आता है, किसी को उसमें दाग नजर आता है।' मैं प्रस्तुत बजट का पुरजोर समर्थन करता हूँ और आपने मुझे बोलने का समय दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

[05:42] *श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट पर, बोलने का समय दिया है, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। आदरणीय श्री सुरेश कुमार खन्ना जी हमारी पास की सीट से ही विधायक हैं और कोई सम्मानित सदस्य लगातार एक ही राजनीतिक दल से, लगातार एक ही सीट से नौ बार चुना जाये तो निश्चित रूप से वह अनुकरणीय होता है। यह बजट उनके द्वारा प्रस्तुत किया गया है, उनकी योग्यता, विश्वसनीयता एवं उनके इस प्रदर्शन पर बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ, उनको बहुत-बहुत साधुवाद देता हूँ।

साथ ही मुझे प्रसन्नता है कि मैं दूसरी बार विधान सभा में चुनकर आया हूँ। मेरा माइंड सेट था कि विपक्ष की बड़ी अच्छी भूमिका होती है, लेकिन यहां आकर जाना कि विपक्ष का काम सिर्फ विरोध करना होता है। चाहे महामहिम राज्यपाल महोदया अभिभाषण करें तब भी विरोध करना है और चाहे कोई कितनी भी अच्छी बात हो, उनका विरोध करना ही कर्तव्य बन जाता है। मैं कहता हूँ कि - 'रोज नये अवरोध और कुछ आता है, नफरत, हिंसा, क्रोध और कुछ आता है, सही काम का करो समर्थन भी खुलकर, सिर्फ विरोध, विरोध और कुछ भी आता है।' हमारे बहुत सारे काबिल दोस्तों ने कहा कि आपने कहा था कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बना देंगे, आपने राष्ट्रवाद की परिकल्पना की बात की है, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की परिकल्पना की बात की है, आपने धर्म पर चर्चा की है। हां, हमने की है, हमने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने की बात की है और हमने करके दिखाया है लेकिन आपने क्या किया है, मान्यवर। जरा बीते काल खण्ड पर निगाह तो डालें, आप अपनी करतूतों पर तो निगाह डालें। एक वह भी काल खण्ड था। जब आपके द्वारा एक स्थान पर तमाम प्रकार के रंग-मंच के कार्यक्रम हुआ करते थे और दुर्भाग्य इस देश का, दुर्भाग्य इस उत्तर प्रदेश की संस्कृति का कि उस कार्यक्रम में तत्कालीन मा0 मुख्य मंत्री जी उस मंच पर बैठकर शोभा बढ़ाते थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण बात थी लेकिन आज परिस्थितियां बदली हैं, अब वह रंग-मंच का कार्यक्रम नहीं होता

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

है, अब अयोध्या में 10 लाख दीपक जलाकर दीपोत्सव मनाया जाता है और उसके अलावा आप देखिए कि राष्ट्रवाद की प्रखरता को लेकर हम निरन्तर अमृत महोत्सव मना रहे हैं। जिससे राष्ट्रवाद की प्रखर ज्योति जल रही है, अयोध्या में लाखों दीप जलाये जाते हैं, वाराणसी में देव दीपावली होती है, शिव रात्रि में भव्य आयोजन होता है, बरसाने में भव्य रंगोत्सव मनाया जाता है। मान्यवर, इनके समय में तो जब कांवड़िया कांवड़ लेकर जाता था और हम उनके स्वागत के लिए खड़े हो जाते थे तो हम पर मुकदमे लिखवा दिये जाते थे। अगर कहीं डी0जे0 बज रहा होता था, भगवान का नाम लिया जा रहा होता था तो मुकदमे लिखवा दिये जाते थे। आज परिस्थितियां बदली हैं, आज कांवड़ यात्री जब कांवड़ लेकर जाता है तो उसके एक तरफ राष्ट्रीय ध्वज होता है और दूसरी तरफ धार्मिक ध्वज लगा होता है, वह भारतमाता की भी जय बोलता है और हर-हर महादेव का भी नाद करते हुए जाता है, तब मन गौरवान्वित होता है। मन तब गौरवान्वित होता है, जब उत्तर प्रदेश के आदरणीय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी उन कांवड़ियों पर पुष्प-वर्षा करते हैं।

अंधेरों की फसल के बीज हम बोने नहीं देंगे,
कर रहे हैं जो ये खुदगर्ज हम होने नहीं देंगे।
हमारा वादा है जब तलक जिन्दा हैं हम दुनिया में,
उजालों को किसी कीमत पर खोने नहीं देंगे।

(सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गईं)

मान्यवर, हमने समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को, जो कि पं0 दीनदयाल उपाध्याय का सपना था, उसे मूलभूत सुविधाओं से आच्छादित करने का, देने का काम किया है। उन्होंने गांव के गरीब, मजदूर, किसान की हर प्रकार से चिन्ता की है। आज महीने में दो बार राशन मिल रहा है, इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी और राशन इतना मिलता है कि उससे वह अपने भोजन के अलावा भी अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति भी करता है। गैस कनेक्शन दे दिये गये, राशन दे दिया, आयुष्मान भारत का कार्ड दे दिया, शौचालय दे दिया, आवास दे दिया, सबकुछ तो दे दिया, कोई ऐसी चीज नहीं बची जो न दिया गया हो।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, अब समाप्त करिये।

श्री लोकेन्द्र प्रताप सिंह-

मान्यवर, एक मिनट दे दीजिये, अभी चार मिनट हुए हैं, आपने पांच मिनट कहा था। मान्यव, आज कानून का राज है, अब वह समय खत्म हो गया, अगर आप भारतमाता को डायन कहोगे, वन्दे मातरम् का विरोध करोगे, आप अपराध करोगे, भ्रष्टाचार करोगे, आप आतंकवाद फैलाओगे, तो मैं दावे के साथ कहता हूँ कि बहुत सारी जेलें सीतापुर की तरह आपकी प्रतीक्षा कर रही हैं। मान्यवर, मैं अपनी बात समाप्त करते हुए मोहम्मदी विधान सभा से आपको जोड़ना चाहता हूँ। आप जानते हैं कि लखीमपुर जनपद में आधा जिला बाढ़ से प्रभावित

होता है मगर हमारी विधान सभा सूखे से प्रभावित होती है। मान्यवर, जहाँ पर गोमती नदी है, वह गोमती नदी लुप्त हो रही है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से आग्रह है, मेरी प्रार्थना है और मैं कई बार निवेदन कर चुका हूँ कि शारदा नदी को गोमती से जोड़ देंगे तो लखीमपुर की बाढ़ का पानी गोमती में चला जायेगा, उनको बाढ़ से निजात मिल जायेगी और हमको गोमती में आचमन के लिए शुद्ध जल मिल जायेगा। मान्यवर, मैं दो-तीन निवेदन और करते हुए अपनी बात समाप्त करूंगा। आपने अधिवक्ता कल्याण निधि डेढ़ लाख से बढ़ाकर पांच लाख कर दी, इसके लिए भी मैं सरकार को धन्यवाद देता हूँ। मान्यवर, हमारे जिला मोहम्मदी में अधिवक्ता चैम्बर बन जाये तो बड़ी कृपा होगी। मोहम्मदी जिला मुख्यालय से 70 से 100 कि0मी0 की दूरी पर है, जहाँ के अधिवक्ता लम्बे समय से आन्दोलित हैं। मोहम्मदी को जिला बनाने की बहुत बड़ी आवश्यकता है। मैं आपके माध्यम से आग्रह करता हूँ कि मोहम्मदी को जिला बनाया जाये। हमारे यहां अग्निशमन केन्द्र, ट्रामा सेण्टर, इण्टर कालेज आदि तमाम आवश्यकताएं हैं, मैं आपके माध्यम से इन सब आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आग्रह करूंगा। अन्त में यह चार पंक्तियां योगी जी के लिए समर्पित करते हुए अपनी बात को समाप्त करूंगा-

खून की छींटे धरा से धो रहा हूँ,
जो पुकारे मैं उसी का हो रहा हूँ।
कल जहाँ बारूद की फसलें उगी थीं,
आज उन खेतों में मेंहदी बो रहा हूँ।

(सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा मेजें थपथपाई गईं एवं जय श्री राम के नारे लगाये गये)

(इस समय 05 बजकर 48 मिनट पर अधिष्ठाता श्री ओम प्रकाश पीठासीन हुए)

[05:49] श्री श्याम सुन्दर-

अधिष्ठाता महोदय, सबसे पहले हम परम पूज्य बाबा साहब डॉ0 अम्बेडकर के चरणों में श्रद्धा के सुमन अर्पित करते हुए, मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ, राष्ट्रीय अध्यक्ष, आदरणीय अखिलेश यादव जी को, जिन्होंने आदरणीय इन्द्रजीत सरोज और मनोज पाण्डेय जी के सहयोग से मुझे टिकट दिया और इस लोकतंत्र के मन्दिर में मुझे आने का मौका मिला। साथ-साथ मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ अपनी बछरावां विधान सभा क्षेत्र की सम्मानित जनता को जिन्होंने अपना अमूल्य मत दे करके मुझे यहां पर आने का मौका दिया। धन्यवाद देना चाहता हूँ, आदरणीय अधिष्ठाता महोदय को, जिन्होंने मुझे इस 2022-23 के आम बजट पर बोलने का मौका दिया। महोदय, 2022-23 का जो यह बजट पेश किया गया है, उससे उत्तर प्रदेश के नौजवानों को, बेरोजगारों को, किसानों को, दलितों को, पिछड़ों को, उससे कोई राहत मिलती नजर नहीं आती, क्योंकि जहाँ पर किसानों का सवाल आता है जब किसान की तरफ देखते हैं, तब पिछली सरकार ने जो वादा किया था कि किसान की आय को दोगुना करेंगे। तो पिछली सरकार के किए कार्यों से लगता है कि किासनों की आय दोगुनी तो नहीं हुई, बल्कि आधी हो

गयी है, क्योंकि उत्तर प्रदेश का किसान महंगाई की मार झेल रहा है और वह जो अपनी फसल महंगाई के साथ उगाता है, वह आधी फसल रह जाती है। छुट्टा जानवरों के कारण। एक वाकिया मैं अपने बछरावां विधान सभा क्षेत्र का बताना चाहता हूँ। मैं एक दिन दोपहर के समय में एक गांव में गया था तो वहां पर गांव के सारे लोग अपने घरों में सो रहे थे। जब मैं वहां पहुंचा तो मैंने कहा कि भाई, इस गांव में क्या हो रहा है, इस गांव के लोग क्यों नहीं दिखायी दे रहे हैं ? तो एक साथी वहां गुमटी में बैठा था, कहा कि विधायक जी, अभी आप रुकिये, आपकी आवाज को सुन करके सारे गांव के लोग बाहर निकल आयेंगे। उसके कहने के मुताबिक निकले। मैंने कहा कि आप लोग दिन में क्यों सो रहे हैं, क्या रात में कोई फंक्शन था ? गांव के लोगों ने कहा कि नहीं विधायक जी, फंक्शन नहीं था, हम लोग रात में अपनी फसल को छुट्टा जानवरों से रखवाली करते हैं और दिन में सोने का काम करते हैं। इसलिए किसान को कोई राहत नहीं दिखती नजर आती। पिछली सरकार ने जब अपनी बछरावां विधान सभा क्षेत्र में किसानों की हालत को देखते हैं तो बछरावां विधान सभा क्षेत्र की ऐसी व्यवस्था है कि कहीं पर कुछ खाली क्षेत्र नजर आता है, कहीं ऊंचा क्षेत्र नजर आता है तो कहीं जल भराव की समस्या है।

महोदय, बछरावां विधान सभा क्षेत्र में शिवगढ़ ड्रेन, महाराजगंज ड्रेन, हसवा ताल ड्रेन, मूंगताल ड्रेन, इसिया ड्रेन, यह ऐसी ड्रेनें हैं, जो विगत 5 सालों से चोक पड़ी हुई हैं। मेरे विधान सभा क्षेत्र बछरावां का 1/3 क्षेत्र जल भराव की समस्या से गुजर रहा है। वहां न रबी की कोई फसल हो रही है, न खरीफ की फसल हो रही है। इसलिए जो किसानों के लिए यह बजट पेश किया गया है, उसमें मुझे किसानों की किसी समस्या का हल नजर नहीं आता है। मान्यवर, जो माइनरों की सफाई की बात होती है, सफाई का बजट तो क्षेत्र, जिले में जाता है, लेकिन उसमें बन्दरबांट हो जाता है। जो भी माइनरें हैं, उसकी सफाई हेड पर तो हो जाती है, लेकिन टेल तक पानी पहुंचने का काम नहीं होता है। हमारी बछरावां विधान सभा क्षेत्र में एक क्षेत्र पत्तौर गांव ऐसा है, वहां पर नहर की व्यवस्था नहीं है, पानी आने-जाने की कोई व्यवस्था नहीं है। महोदय, बावन बुजुर्ग, बल्ला, सोथी और साहीपुर गांव ऐसा है कि बगल में एक लोधवामऊ रजबहा जाता है, लेकिन वहां माइनर सही नहीं है। इसलिए वहां के किसान लोग परेशान रहते हैं। जहाँ तक बिजली की व्यवस्था का सवाल है। महोदय, मैं कई दिनों से यहां बैठे-बैठे सुन रहा था और सरकार, बिजली के मामले में अपनी बहुत पीठ थपथपाती है। लेकिन विधान सभा बछरावां में जब शाम होती है, शाम ढलने लगती है, रात हो जाती है तो क्षेत्र से कई फोन आते हैं। कोई कहता है कि मेरे यहां तीन दिन से बिजली नहीं आई। आखिर बढ़िया सरकार चल रही है और बढ़िया बजट है तो बिजली कहां पहुंचा दी जाती है। मैं यह कहना चाहता हूँ कि जब गांव के ट्रान्सफार्मर जल जाते हैं तो कई दिनों तक ट्रान्सफार्मर लगते ही नहीं हैं। सौभाग्य योजना में घर-घर बिजली पहुंचा दी गई है, लेकिन ट्रान्सफार्मर की क्षमता को बढ़ाने का

काम नहीं किया और क्षमता वाले ट्रान्सफार्मर नहीं लगाये गये। जहाँ तक शिक्षा का सवाल है, मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ मा0 अखिलेश जी को। हमारे बछरावां विधान सभा में...

श्री अधिष्ठाता-

आप का समय समाप्त हो गया, आप बैठ जाईये।

श्री श्याम सुन्दर-

गोविन्दपुर गांव में खोला गया था और वर्ष 2017 में भवन बन कर तैयार हो गया था, लेकिन बजट में उसको चलाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई। रघुनाथ खेड़ा गांव में पण्डित दीनदयाल मॉडल स्कूल बनाया गया है, लेकिन उसमें अभी कोई शिक्षण कार्य शुरू नहीं हुआ है। आपने हमें बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

[05:56] *श्री हर्षवर्धन बाजपेयी-

अधिष्ठाता महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं कहना चाहता हूँ कि आज से दो दिन पहले जो बजट प्रस्तुत हुआ है, वह एक ऐतिहासिक बजट है जिसमें कई लैण्डमार्क अचीव किए हैं जैसे कि एफ0वाई0-23 का जो जी0एस0डी0पी0 है, वह एस्टीमेटेड है 20.5 लाख करोड़ का होगा। एफ0वाई0-22 के रिवाइज एस्टीमेट में 17.1 प्रतिशत की ग्रोथ है, नॉमिनल टर्म्स में यह एक बहुत बड़ी अचीवमेन्ट है। हम लोग यह सोचें कि इसके पहले कोविड का वर्ष था तो इतनी जल्दी रिकवर करना एक बड़ी बात है। अगर इसको रियल टर्म्स में भी देखा जाएगा तो एफ0वाई0-22 का जी0एस0डी0पी0 है, वह 7.3 प्रतिशत बढ़ेगा और एफ0वाई0-21 जिसमें मैन्युफैक्चरिंग का बहुत बड़ा सपोर्ट है और 12 प्रतिशत इन्क्रीज है और द लास्ट फाइनेन्शियल ईयर एफ0वाई0-21 यह माइण्ड में रख जाए कि एफ0वाई0-21 में दुनिया का सबसे बड़ा लॉक डाउन भारत में हुआ था और मैन्युफैक्चरिंग में 6 प्रतिशत का लॉस हुआ था। ऐसे में एक वित्तीय वर्ष के अण्डर में 12 प्रतिशत का ग्रोथ अचीव कर लेना यह दिखा रहा है कि हमारा रेजीलियंस कितना ज्यादा है और थोड़ा-सा भी अगर सपोर्ट मिले जैसे कि स्मार्ट लॉक डाउन का फुल लॉक डाउन की जगह स्मार्ट लॉक डाउन का जो सपोर्ट दिया तो ग्रोथ बहुत तेज हो गई। इसमें एक चीज जो केन्द्र सरकार बार-बार आंकड़े देती है कि किस स्टेट में प्राइमरी सेकेण्डरी और टर्शियरी सेक्टर पर किसी भी एक सेक्टर पर डिपेंडेंड प्रदेश सरकार का ज्यादा नहीं होना चाहिए और प्रदेश की जी0डी0पी0 को भी नहीं होना चाहिए।

मैं कहना चाहता हूँ कि नेशनल सर्वे के हिसाब से 26 प्रतिशत प्राइमरी सेक्टर यानि एग्रीकल्चर, 25 प्रतिशत सेकेण्डरी सेक्टर यानि मैन्युफैक्चरिंग और 49 प्रतिशत टर्शियरी सेक्टर यानि सर्विसेज माई डिस्ट्रीब्यूशन है जो कि एक आदर्श डिस्ट्रीब्यूशन है। खर्चे की अगर बात की

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

जाये तो हम लोगों का जो व्यय है अगर उसमें से डेड निकाल दिया जाये तो जो डेड के ऊपर के जो इन्ट्रस्ट पेमेण्ट होते हैं, वह सब हटा दिये जायें तो 5.83 लाख करोड़ का हम लोगों का खर्चा प्लान्ड है जो एक ऐतिहासिक खर्च है। प्रदेश की सुविधाओं के लिए और यह 22 के रिवाइज आंकड़ों से 28 प्रतिशत ज्यादा है। यह अपने में एक बहुत बड़ा मानक होगा, लेकिन इसके साथ-साथ 5.83 लाख करोड़ बजट एक्सपेण्डिचर अगर होता तो अपने में ही एक सबसे बड़ा फीगर होता, लेकिन मैं इस हाउस की नजर इस बात पर लाना चाहूँगा कि इसके अलावा 32 हजार करोड़ के कर्जे का भी पेमेण्ट हम लोग कर रहे हैं। टोटल एक्सपेण्डिचर 6 लाख 15 हजार करोड़ होगा जो आज तक कोई प्रदेश कहीं अचीव नहीं कर पाया है। यह एक ऐतिहासिक आउट ले है और मैं इसमें आपको बता दूं कि हम लोगों ने हर तरीके के खर्चे पर ध्यान रखा है। कैपिटल आउट ले 1.23 लाख करोड़ का है जो 21 परसेण्ट ऑफ टोटल एक्सपेण्डिचर है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण है कि सरकार लगातार कैपिटल एक्सपेण्डिचर कर रही है।

अभी हाल ही में पाकिस्तान की जी0डी0पी0 की फिगर्स रिलीज की गई और उनकी जो ग्रोथ रेट 06 परसेण्ट है। इसके बावजूद उनकी करेन्सी और इकोनॉमी कोलैप्स होने को है क्योंकि उनके यहां कैपिटल एक्सपेण्डिचर नहीं किया गया है, उनके वहां सारा कन्जम्पशन बेस्ड एक्सपेण्डिचर होने की वजह से उनकी इकोनॉमी इस स्थिति में नहीं है कि वह रिकवर कर पाए। इसलिए उनका रुपया डॉलर के अगेंस्ट 150 और 200 के आंकड़े को पार कर चुका है। लेकिन हमारे यहां प्रदेश में कैपिटल आउट ले, रेवेन्यू एक्सपेण्डिचर और जो कमिटेड एक्सपेण्डिचर होता है, तीनों में 28-28-28 परसेण्ट की ग्रोथ है। यानि कि हम लोग एक बैलेन्स बना कर चल रहे हैं और यही कारण है कि हम लोग पिछले वर्ष के कम्पैरिजन में इस बार हर सेक्टर में ज्यादा पैसा दे पा रहे हैं। एजूकेशन में 31 परसेण्ट, हेल्थ ऐण्ड फैमिली वेलफेयर में 56 परसेण्ट, ट्रान्सपोर्ट में 11 परसेण्ट, एनर्जी में 17 परसेण्ट का इजाफा, पुलिस में 30 परसेण्ट का, सोशल वेलफेयर में 33 परसेण्ट का, रूरल डेवलपमेन्ट में 19 परसेण्ट का, अर्बन डेवलपमेन्ट में 48 परसेण्ट का, वाटर सप्लाइ और सैनिटेशन में 58 परसेण्ट का, इरिगेशन एण्ड फ्लड में 21 परसेण्ट का और इसमें कुछ ऐसे सेक्टर हैं जिसमें हम लोग नेशनल एवरेज को भी बीट कर रहे हैं। जैसे कि हेल्थ एलोकेशन में हम लोगों ने 7.1 परसेण्ट दिया है जबकि उसमें नेशनल एवरेज 6 परसेण्ट है। पुलिस में 5.1 परसेण्ट दिया है, उसमें नेशनल एवरेज 4.3 परसेण्ट है। रोड्स एण्ड ब्रिजेज में हम लोग 6.4 परसेण्ट दे रहे हैं जबकि राष्ट्र के सभी स्टेट्स का एवरेज 4.7 परसेण्ट है। इसके साथ-साथ मैं यह भी कहना चाहूँगा, मैं पूरे हाउस को कहना चाहता हूँ कि हम लोगों का फिस्कल डेफिसिट भी पूरे कण्ट्रोल में है और पिछले साल चुनावी वर्ष में हमने फिस्कल डेफिसिट को कण्ट्रोल करने का काम किया है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य आप समय को ध्यान में रखते हुए अपनी बात क्लोज करें।

श्री हर्षवर्धन बाजपेयी-

मान्यवर, मैं बस अपनी एक आखिरी बात कह करके अपनी वाणी को विराम दूंगा कि इस बजट में प्रयागराज जो मेरा शहर है, उसको बहुत छप्पर फाड़ कर स्कीम्स दी गई हैं। मान्यवर, वर्ष 2025 में कुम्भ मेले का आयोजन होना है, जो कि बहुत दूर है, लेकिन इसके बावजूद भी हम लोगों को 100 करोड़ रुपया कुम्भ के लिए अभी से दे दिया गया है। यह बहुत काबिल-ए-तारीफ है। साथ में प्रयागराज की लॉ यूनिवर्सिटी के लिए 100 करोड़ रुपया हमें दिया गया है। इसके अलावा, हाई कोर्ट के इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए 700 करोड़ रुपये का जो बजट दिया गया है, उसके लिए मैं मा0 मुख्य मंत्री जी को और प्रदेश सरकार को धन्यवाद देता हूँ।

[06:02] श्री जय प्रकाश निषाद-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बजट के समर्थन में बोलने का अवसर दिया, उसके लिए हम आपको तह-ए-दिल से धन्यवाद देते हैं। मान्यवर, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 मोदी जी के नेतृत्व में और उत्तर प्रदेश में मा0 योगी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने वर्ष 2017 से लेकर 2022 तक लगातार जो सुशासन दिया, जो काम किया, उसी के कारण दोबारा हमारी सरकार अपार बहुमत के साथ बन करके आई है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने जनता की सेवा, सुशासन, दीर्घ कालीन सतत् विकास, कानून का राज, भयमुक्त समाज देते हुए, गुण्डा, दंगाईयों तथा आतंकियों से जन सामान्य को निजात दिलाने का सराहनीय कार्य किया है। मान्यवर, कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी से निपटते हुए गरीबों का संरक्षण, नौजवानों का सम्मान, बेरोजगारों का सम्मान, किसानों का उत्थान, महिलाओं की सुरक्षा, व्यापारियों की सुरक्षा तथा सम्मान करते हुए मा0 योगी जी की सरकार ने बहुत बड़ा कीर्तिमान स्थापित किया। इसीलिए मैं दोबारा रिपीट कर रहा हूँ कि इन्हीं कारणों से वर्ष 2022 में अपार बहुमत से योगी जी की सरकार पुनः बनी है। आज मा0 योगी जी की सरकार ने जो वर्ष 2022-23 का बजट दिया है, मा0 वित्त मंत्री जी के द्वारा जो बजट पेश किया गया है, उसमें सभी विभागों में बजट को बढ़ाते हुए उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने के इस बजट का मैं पुरजोर समर्थन करता हूँ।

किसान सम्मान निधि, मुख्य मंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महा अभियान-मुफ्त सिंचाई सुविधा, मुख्य मंत्री लघु सिंचाई योजना, इन सब अभियानों के माध्यम से निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश के किसानों की आय बढ़नी है। मुझे लगता है कि जिस प्रकार की सरकार ने किसानों के उत्थान के लिए काम किया है, बजट दिया है, इससे दोगुना ही नहीं बल्कि तीन गुना किसानों की आय बढ़ने वाली है। मान्यवर, प्रदेश की महिलाओं के उत्थान के लिए हेल्प डेस्क, महिला पी0ए0सी0 बटालियन का गठन, महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, महिला सामर्थ्य योजना, बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ, मिशन शक्ति योजना इत्यादि योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को अधिकार, सम्मान तथा रोजगार एवं सुरक्षा से

जोड़ते हुए बड़ी तेजी के साथ निराश्रित महिला पेंशन और सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से महिलाओं को भी सशक्त बनाने का कार्य माननीय योगी जी की सरकार ने किया है। आज युवाओं के लिए जो लोग लैपटॉप, टैबलेट, स्मार्ट फोन आदि देकर युवाओं को देने का कार्य किया है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 जय प्रकाश जी, अब आप समाप्त करें।

श्री जय प्रकाश निषाद-

मान्यवर, अभी तो 3 मिनट ही हुआ है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय अध्यक्ष जी ने बोलने का समय 3 मिनट तय किया है।

श्री जय प्रकाश निषाद-

मान्यवर, अच्छा किया है, आप मुझे थोड़ा समय दे दें। वर्तमान सरकार का मा0 वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है, उसमें सरकार का और वर्तमान मा0 वित्त मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहूँगा कि जो मछुआ समुदाय के उत्थान के लिए, मत्स्य पालन के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए, मत्स्य सम्पदा योजना, नीली क्रान्ति योजना इत्यादि दे कर प्रधानमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश में मत्स्य पालन को आत्मनिर्भर बनने के लिए कार्य किया है, लेकिन मछुआरों के नाव क्रय, जाल इत्यादि के लिए जो बजट में 2 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है, उसमें मेरा मा0 वित्त मंत्री जी से आग्रह है कि 2 करोड़ रुपये उत्तर प्रदेश के मछुआ समुदाय में इस कार्य में लगे हुए लोगों के लिए बड़ा कम पड़ेगा क्योंकि प्रत्येक गांव में दो-चार तालाब ऐसे हैं जो मछुआ समुदाय और मत्स्य सहकारी समितियों के द्वारा संचालित होते हैं, पट्टे होते हैं। यदि एक-एक नाव देंगे तब भी 5-10 हजार रुपए की पड़ेगी। इसलिए कम से कम 100 करोड़ रुपए बजट की योजना इसमें होनी चाहिए।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य, अब आप समाप्त करें।

श्री जय प्रकाश निषाद-

मान्यवर, दूसरा पर्यटन के क्षेत्र में विन्ध्याचल धाम, नैमिषारण्य धाम, श्री शकुन्तला धाम, चित्रकूट धाम, देवीपाटन धाम तथा महर्षि वाल्मीकि से जुड़े धाम को भी पर्यटन के रूप में विकसित करते हुए श्रृंगवेरपुर के राजा निषाद राज गुहा जो भगवान श्री रामचन्द्र जी के सखा के रूप में जाने जाते थे। श्रृंगवेरपुर को पर्यटक के रूप में विकसित करते हुए महाराज निषाद राज और भगवान श्रीराम को गले से गले मिलते हुए मूर्ति प्रतिमा लगाया जाये।

श्री अधिष्ठाता-

अब हो गया, आप समाप्त करें।

श्री जय प्रकाश निषाद-

मान्यवर, श्रृंगवेरपुर को भी पर्यटन के रूप में विकसित करने की योजना है। इसमें मेरा कहना है कि श्री राम की नगरी अयोध्या में भी महाराज निषाद और श्रीराम से जुड़े हुए प्रसंगों का एक संग्रहालय बनाया जाये तथा निषाद राज और भगवान श्री राम के साथ गले मिलते हुए एक प्रतिमा सरयू नदी के किनारे बनाया जाये।

श्री अधिष्ठाता-

आप समाप्त करें, तीन मिनट हो गये हैं, आपकी बात आ गयी। जैकिशन साहू जी।

श्री जय प्रकाश निषाद-

मान्यवर, केवल दो मिनट का समय दे दें। मेरे क्षेत्र की समस्या है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय अध्यक्ष जी का निर्देश है 3 मिनट, आप साढ़े 5 मिनट बोल लिए।

श्री जैकिशन-

माननीय अधिष्ठाता महोदय।

श्री जय प्रकाश निषाद-

मान्यवर, मेरे विधान सभा क्षेत्र रुद्रपुर देवरिया को देवरिया रुद्रपुर, बड़हलगंज, वाराणसी, गोरखपुर मार्ग फोर लेन से जोड़ा जाये। नगर पंचायत रुद्रपुर, तहसील रुद्रपुर, जनपद-देवरिया की चकबन्दी करायी जाये।

(सदस्यों के अपने-अपने स्थान से अपनी बात कहने पर व्यवधान)

श्री अधिष्ठाता-

आपका हो गया, अब समाप्त करें।

श्री जय प्रकाश निषाद-

नकईल घाट राप्ती नदी में काफी दिनों से चल रहे पीपा के पुल के स्थान पर नकईल ददरी घाट राप्ती नदी पर एक पुल बनवाया जाये। तहसील रुद्रपुर के अन्तर्गत एक भी राजकीय महाविद्यालय नहीं है, एक राजकीय महाविद्यालय तथा एक राजकीय पालीटेक्निक विद्यालय की स्थापना करायी जाये।

श्री अधिष्ठाता-

आपका हो गया, अब अतिक्रमण कर रहे हैं आप, साहू जी को बोल लेने दीजिए।

श्री जय प्रकाश निषाद-

रुद्रपुर तहसील में अथवा सतासी इण्टर कालेज के आस-पास एक मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जाये।

(मा0 सदस्य का माइक बन्द हो जाने पर)

[06:08] श्री जैकिशन-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे वर्ष 2022-23 के बजट की साधारण चर्चा पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए हृदय से बधाई। मैं जैकिशन साहू गाजीपुर 375 से, मैंने अभी-अभी जीवन में पहली बार विधान सभा में प्रवेश किया है। मैं आदरणीय महर्षि विश्वामित्र की जन्मभूमि, जमदग्नि मुनि की जन्मभूमि, भगवान परशुराम की जन्मभूमि से सबका हार्दिक अभिनन्दन व स्वागत करता हूँ।

मेरे मित्र अमेरिका के घमण्ड को तोड़ने वाला वीर अब्दुल हमीद इश्तियाक अंसारी की तरफ से मैं सबको सलाम और प्रणाम करता हूँ। समय कम है लेकिन एक बात माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि सन् 2012-2017 में गाजीपुर की बिजली व्यवस्था को बनाने के लिए हजारों-हजार करोड़ रुपये लगाकर के अण्डर केबिल लगाया गया था लेकिन सरकार बदलने के बाद उस अण्डर केबिल को इसलिए नहीं चालू किया गया कि उस अण्डर केबिल की ब्रेक डाउन होने के बाद कैसे और किस यंत्र से जांच की जायेगी। उस यंत्र में बहुत खर्च होगा। 10, 20, 25 लाख का खर्च आयेगा। 25 लाख के लिए उस योजना को पूरा नहीं किया जा रहा है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपसे यह कहना चाहता हूँ 1500 रुपया बचत के लिए गरीबों की झोपड़ी तक बिजली पहुंचा दी गयी लेकिन उनको ज्ञात नहीं कराया गया कि अब बिजली 5 रुपया 7 रुपया प्रति यूनिट है। आज 75,000 कर्ज वो किसान झोपड़ी वाला कैसे अदा करेगा ? अधिष्ठाता महोदय, आपके माध्यम से मैं आग्रह करता हूँ कि उस गरीब किसान की झोपड़ी तक आपने बिजली पहुँचाने का काम किया है उसको माफ कर के प्रति महीना रीडिंग करके, यूनिट जोड़ करके उनसे वसूली की जाये। मेरे क्षेत्र में गंगा कटान की बहुत बड़ी विकराल समस्या है। कटान से गांव के गांव खत्म होते जा रहे हैं। इस समय तुलसीपुर, गद्दीगढ़ा, वैयपुर में काम चल रहा है। मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि ऊपर शर्ट पहन लो, नीचे मोजा पहन लो, पैण्ट तो होनी चाहिए। 300 मीटर जो गांव है वडहरिया, रफीपुर, बडसरा का कुछ अंश उसको क्यों छोड़ा गया है ? मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूँ कि उस छूटे हुए अंश को तत्काल बनवाने की कृपा करें। जब गंगा में बाढ़ आती है तो धरम्मरपुर जमनिया पुल पर पानी काफी समय तक भरा रहता है। वो बना-बनाया पुल किसी काम में नहीं आता है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके

माध्यम से कहना चाहता हूँ कि उस पुल से उतरते समय रास्ते को ऊंचा करके छोटी-छोटी पुलिया बना करके उस मार्ग को व्यवस्थित किया जाये।

श्री अधिष्ठाता-

बहुत-बहुत धन्यवाद। आपका समय पूरा हो गया है। माननीय अध्यक्ष जी ने 03 मिनट का समय दिया है।

श्री जैकिशन-

मान्यवर, 05 मिनट है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, सरकार घर-घर पानी पहुंचाने की व्यवस्था कर रही है। मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहता हूँ कि मेरे क्षेत्र में पानी की टंकी की रखवाली के लिए कोई आपरेटर नहीं है। कम्पनियां पानी की टंकी बना करके चली गयी हैं, उन टंकियों की देख-रेख किसी ने नहीं की है। पानी को थोड़ा भी ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए यदि फोर्स बनाया जाता है तो पाईप लाईन फट जाती है। मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूँ कि उनको दिखवा करके तुरन्त समुचित व्यवस्था करवाने की कृपा करें। मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि देखना है तो गाजीपुर विधान सभा में सोकनी गांव का जल निगम टंकी देख लीजिये। मैं सदन के माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूँ कि चोचकपुर घाट पर गंगा नदी पर पुल बनाना अति आवश्यक है। इन्हीं बातों के साथ बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

श्री अनिल कुमार, सदस्य आर0एल0डी0 बजट पर अपनी बात रखें।

[06:14] *श्री अनिल कुमार-

धन्यवाद मान्यवर। आपने मुझे बजट पर अपनी बात रखने का मौका दिया है। आज सदन में बजट पर चर्चा चल रही है। और हमारे सत्ता पक्ष के तमाम साथी जो मेरे सामने बैठे हुए हैं, बहुत बजट पर बल देने का काम कर रहे हैं। और यह ऐसा प्रदर्शित हो रहा है जैसे उत्तर प्रदेश में सारे काम हो गये हों और शायद 2017 से पहले इस उत्तर प्रदेश में कोई काम नहीं हुआ। मुझे तो ऐसा लगता है कि शायद हमारे साथी यह सोचते हों कि इस उत्तर प्रदेश का गठन ही 2017 में हुआ हो। मान्यवर, भारतीय जनता पार्टी की सरकार 2014 में देश में आई, उसके बाद 2017 में उत्तर प्रदेश में बी0जे0पी0 की सरकार आई। 2014 से पहले ऐसा नहीं है कि जो सरकारें रही हैं, उन्होंने कोई काम नहीं किया। जनहित में लोगों के लिए काम करने का काम उन्होंने भी किया, आप भी कर रहे हैं। आज आप सरकार में हैं तो आपकी जिम्मेदारी है। उससे पहले समाजवादी पार्टी सरकार में थी, श्री अखिलेश जी ने बहुत सारे काम किये हैं। हमारे नेता जयन्त चौधरी जी ने पूरी जिम्मेदारी के साथ में काम करने का काम किया

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

है। साथियों आज आपकी जिम्मेदारी है। मैं यह कहना चाहता हूँ कि आज तमाम बजट पर सब लोग बोल रहे हैं। आज हमने देखा कि किसान बेहाल है, आत्महत्या करने को मजबूर है, नौजवान बेरोजगार घूम रहा है, दर-दर भटक रहा है। आज चारों तरफ स्थिति यह है कि अफरा-तफरी मची हुई है। कानून-व्यवस्था बेहाल है। बजट में यह भी कहा गया है कि हमने तमाम प्रकार से कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम किया है।

मान्यवर, मैं बताना चाहता हूँ कि बजट में यह भी व्यवस्था की गयी है कि जो विधान सभा के चुनाव हुए, उससे पहले पंचायत के चुनाव हुए, वह सब बहुत अच्छी तरीके से सरकार ने सम्पन्न कराने का काम किया है। लेकिन मान्यवर, जब पंचायत के चुनाव हो रहे थे, मैं विशेष कर अपने ब्लाक पुरकाजी की घटना बताना चाहता हूँ। हमारा प्रत्याशी 43 वोटों से जीत रहा था, उसके पास 43 वोट थे और जो सत्ता पक्ष का प्रत्याशी था, उसके पास 33 वोट थे। हमारे प्रत्याशी की बार-बार गिनती करने के बाद में 15 वोट एकतरफा कैन्सिल करने का काम सत्ता पक्ष के लोगों ने किया था। इस प्रकार धांधली से पंचायत चुनाव जीतने का काम किया गया और धांधली के कारण ही विधान सभा चुनाव जीतने का काम किया गया है। ठीक है, आपको जिम्मेदारी मिली है, आप काम कीजिए। आज तमाम वर्ग परेशान है। आज दलित समाज परेशान है, पिछड़ा समाज परेशान है। आज दलितों के आरक्षण को खत्म किया जा रहा है। आज हमारे तमाम साथी बाबा साहब अम्बेडकर की बात कर रहे हैं। हमारे साथी यह भूल गये हैं कि अगर आज आप विधान सभा में हो तो बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के दिये हुए आरक्षण के कारण आपको यहां आज बोलने का मौका मिल रहा है। आज लगातार उनका आरक्षण खत्म हो रहा है। आज आपको आरक्षण मिलता है, आपके बच्चों को जो आरक्षण मिलेगा या आपके बड़ों ने या आपके दादाओं ने जो नौकरी करने का काम किया है, वह उसी आरक्षण के तहत् आपके बड़ों ने नौकरी करने का काम किया है, आज वह आरक्षण खत्म होने जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी उसमें स्लो-प्वाइजन देने का काम कर रही है। आज धीरे-धीरे उस आरक्षण को खत्म किया जा रहा है। आज आप देख सकते हैं, तमाम जितने हमारे पब्लिक सेक्टर हैं, उन्हें खत्म करके प्राइवेट सेक्टर में किया जा रहा है। मान्यवर, बहुत सारी बाते हैं। चूंकि समय कम है, मैं ज्यादा न कहकर अपनी विधान सभा के कुछ मुद्दे हैं, मैं उन पर ध्यान दिलाना चाहता हूँ।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र पुरकाजी, जनपद मुजफ्फरनगर में है। खादर का क्षेत्र है, उसमें एक सलोनी नदी बहती है। जब उसमें बरसात के समय बाढ़ आती है तो बहुत भयंकर बाढ़ आती है। उससे जान-माल का बहुत बड़ा नुकसान होता है। वहां एक तटबन्ध का निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूँ कि वहां तटबन्ध बनाये जाने का काम करें।

श्री अधिष्ठाता-

बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अनिल कुमार-

मान्यवर, बस एक मिनट में अपनी बात खत्म कर दूंगा। मेरी पूरी विधान सभा सदर तहसील के अन्तर्गत आती है और सदर तहसील बहुत बड़ी तहसील है। काफी लम्बे समय से वहां पुरकाजी को तहसील बनाने की मांग उठ रही है। मैं चाहता हूँ कि वहां तहसील भी बनाने का काम करें। दूसरा, पुरकाजी ब्लाक में लड़कियों के लिए डिग्री कालेज की व्यवस्था कराई जाये, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

बहुत-बहुत शुक्रिया। अब माननीय सदस्य महेश त्रिवेदी जी अपनी बात रखें।

[06:20] श्री महेश त्रिवेदी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, यह बजट एक ऐसा रूप लेकर आया है कि हमको लगता है कि ऐसा कोई वर्ग नहीं, ऐसा कोई बिन्दु नहीं, ऐसा कोई विषय नहीं जिसको टच नहीं किया गया हो, चाहे आप देख लीजियेगा। मन्दिर में पूजा करने वाला हो, चाहे मस्जिद में आराधना करने वाला हो, चाहे गरीब पुजारियों के लिए हो, हर क्षेत्र को आदरणीय योगी जी की सरकार ने देश में और पूरे विश्व में निश्चित रूप से एक भारत वर्ष के उत्कर्ष को लेकर भारत वर्ष की एक समान व्यवस्था को लेकर जो आगे चल रहे आदरणीय मोदी जी हों निश्चित रूप से अब हम लोगों को यह विचार करना है कि जनता के विश्वास को कितनी मजबूती से कायम करके उस विश्वास को कितनी मजबूती से आगे बढ़ाने का काम करना हो, चाहे सत्ता पक्ष के लोग हों, चाहे विपक्ष में बैठे हुए लोग हों हम लोगों को यह ध्यान देने की आवश्यकता है कि हम सब लोग मौत की नगरी में आये हुए हैं। हम सबको यहां से जाने का, कब किसका नम्बर आ जाये, कुछ भी किसी को पता नहीं है, बस फर्क इतना है कि जब हम सत्ता में होते हैं तो ज्ञान से अलग हो जाते हैं जब हम सत्ता से बाहर होते हैं तो ज्ञान में हो जाते हैं। इसलिए हम लोग गुजरात मॉडल की सराहना जो कि पूरे देश में माना जा रहा और जब पूरे देश में माना जा रहा है तो उसी के पदचिन्हों पर आदरणीय योगी जी और हम सब लोग उसी गुजरात मॉडल की व्यवस्था को कायम करने का काम कर रहे हैं। हम लोगों की यह आवश्यकता है कि हम सब लोग कर्मों के आधार पर चाहे झोपड़ पट्टी में रहने वाला व्यक्ति हो और चाहे किसी भी वर्ग, समाज धर्म में रहने वाला व्यक्ति हो, हम सब लोग सबके साथ पवित्र व्यवस्था को कायम करने के लिए आये हुए हैं।

हम सब लोग यह चाहते हैं कि प्रदेश को कैसे बदलने की आवश्यकता है। इस प्रदेश को कैसे एक स्वच्छ व्यवस्था देने की आवश्यकता है ? और भयमुक्त समाज का निर्माण और

कमजोर से कमजोर व्यक्ति को कैसे न्याय देने की आवश्यकता है। वह काम हम सब लोग मिलकर कर रहे हैं और जब हम यह काम कर रहे हैं तो विपक्ष के लोगों को निश्चित रूप से पसन्द नहीं आ रहा है। इसी कारण से 37 साल बाद आप देख लीजिए उत्तर प्रदेश की धरती में बदलाव की लहर आई है और 37 साल बाद हम लोगों को पुनः यहां भेजने का काम किया गया है। अब हम लोगों को सीखना चाहिए, चाहे पक्ष हो या विपक्ष हो, कर्म को व्यक्ति सीखना नहीं चाहता है और कोई पाप न होने के बाद भी पापी के रूप में हम लोगों को विपक्ष घोषित करता है। निश्चित रूप से हम सब लोगों को यह विचार करने की आवश्यकता है कि इस मृत्यु लोक में आने के बाद हम लोगों के कौन से कर्म ऐसे होने चाहिए कि नीचे भूमि पर जो नर ही नारायण है और ऊपर भी जाकर हम लोगों के नम्बर बढ़ने के काम हों और जब तक हम लोग जिंदा रहें तब तक हमारे कर्मों के नम्बर बढ़ते रहें। निश्चित रूप से आप देख लीजियेगा। चाहे आप बिजली की व्यवस्था देख लीजिये, चाहे आप बच्चों की बेसिक शिक्षा की व्यवस्था देख लीजिये, चाहे आंगनबाड़ी की व्यवस्था देख लीजिये, चाहे एक्सप्रेस-वे की व्यवस्था देख लीजिये। जब से आदरणीय श्री योगी जी का नेतृत्व हुआ है तब से निश्चित रूप से पारदर्शी व्यवस्था बनी हुई है। हम सब लोगों को सीखना चाहिए और खास कर विपक्ष को पहले सीखने की आवश्यकता है क्योंकि कर्म से पृथ्वी पर अगर कहीं कुछ है तो कर्म भूमि है और कर्म से बड़ी कोई ताकत नहीं हो सकती है। इसलिए निश्चित रूप से हम सब लोग कर्मयोगी होकर लोगों के कल्याण के लिए काम करते रहें यही सबसे बड़ी तपस्या है। हम कहते हैं कि-

मस्जिद है, शिवाला यह सच बता ही देंगे,
पूछेगी जब अदालत पत्थर गवाही देंगे,
हम जोड़ने के कायल हैं, तुम तोड़ने में माहिर,
मेहमान हमने माना, तुमने हमको काफिर.....
बस यह बता कि खंजर क्यों पीठ में उतारा,
क्यों सोमनाथ को तोड़ा, मथुरा को क्यों उजाड़ा,
शंकर का जुल्म क्या था, कान्हा ने क्या किया था,
वनवास राम जी को, बाबर ने क्यों दिया था,
तेरह सौ वर्ष हमने यही सोचते गुजारे,
क्यों फूंके घर हमारे सारे,
जवाबदेही तय होगी धीरे-धीरे,
हरहर नाद होगा गंगा नदी के तीरे,
सोया हुआ सनातन चैतन्य सजग है, यह वक्त कुछ अलग है,

खबरों से खींच कर हम सच लाये हैं,

आयेंगे कटघरे में औरंगजेब सारे, जिल्ले-इलाही देंगे,

पूछेगी जब अदालत, पत्थर गवाही देंगे।

श्री अध्यक्ष-

बहुत-बहुत धन्यवाद, कृपया समाप्त करें।

श्री महेश त्रिवेदी-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, निश्चित रूप से हम सब लोग पवित्रता की व्यवस्था को कायम करते हुए कर्मयोगी बन कर काम करते रहें। एक हमारे क्षेत्र की समस्या है उसको भी हम कहना चाहेंगे हमारे यहां सीवर की प्रमुख समस्या है, उसको ठीक करने की प्रबल आवश्यकता है, अधिष्ठाता महोदय बहुत-बहुत धन्यवाद।

[06:26] श्री पूरन प्रकाश-

बोलिये, गिरिराज महाराज की जय, बोलिये राधे-राधे, राधे-राधे। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे वर्ष 2022-23 में आदरणीय वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी द्वारा 6 लाख 15 हजार 518 करोड़ 97 लाख रुपये का जो बजट प्रस्तुत किया गया है, मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। मान्यवर, जैसी हमारी सोच है, हम सोच का पूरा सरोकार रखते हैं। हमारी सबसे बड़ी सोच है सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास। इसमें हमने सबका प्रयास भी शामिल कर लिया है। भारतीय जनता पार्टी की इसी सोच से हमारा उत्तर प्रदेश हिन्दुस्तान के सभी प्रदेशों में लगातार नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है।

मान्यवर, इससे पूर्व किसी ने नहीं सोचा था, 75 साल देश की आजादी को होने को आये हैं, हम 75 जिलों में 75 वर्ष की आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम कर रहे हैं। जो पांच साल में उत्तर प्रदेश में योगी जी के नेतृत्व में और आठ सालों में माननीय मोदी जी के नेतृत्व में केन्द्र में विकास कार्य हुए हैं वह और किसी सरकारों में नहीं हुआ। बहुत सी सरकारें आईं और चली गईं, हिन्दुस्तान की जनता ने और प्रदेश की जनता ने भी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास पर मुहर लगाया है। 2017 में 403 में से 325 विधायक चुनकर आये हों, चाहे 2022 के चुनाव में पौने तीन सौ विधायक आये हों, जनता ने स्पष्ट बहुमत दिया है। इसी तरह से 2014 में माननीय मोदी जी के नेतृत्व में 300 सांसदों का चुनकर लोक सभा में पहुंचना और 2019 में साढ़े तीन सौ सांसदों का लोक सभा में पहुंचना अपने आप में बहुत बड़ी बात है। आगामी 2024 में भी आप निश्चित तौर पर मान कर चलिये कि 400 सांसद भारतीय जनता पार्टी के जीत कर लोक सभा में पहुंचेंगे। हमने पहले ही कहा कि प्रदेश व देश में किसान सम्मान निधि गरीब किसान को देने का मामला हो, प्रधानमंत्री योजना

के अन्तर्गत सड़कों का निर्माण हो, उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत गैस के कनेक्शन का मामला हो, सौभाग्य योजना के अन्तर्गत विद्युत कनेक्शन का मामला हो, अन्त्योदय कार्ड धारकों को निःशुल्क राशन कार्ड का मामला हो, हमारे मुख्य मंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना के अन्तर्गत 5 लाख की राशि प्रदान करने का मामला हो, विद्यार्थियों को निःशुल्क टैबलेट, स्मार्ट फोन के वितरण का मामला हो, मनरेगा के अन्तर्गत 32 करोड़ मानव दिवस सृजित करने का मामला हो, यह सब हमारे बजट में किया गया है। इतना ही नहीं, चाहे प्रधानमंत्री आवास हो, मुख्य मंत्री आवास हो, चाहे सुरक्षा का मामला हो।

मान्यवर, चाहे प्रदेश में सुरक्षा का मामला हो, गुण्डा, बदमाश, माफिया, सब पलायन कर गये, जेलों में से जमानत नहीं करा रहे हैं। बालू माफिया, जमीन/भू-माफिया का कहीं अता-पता नहीं है। कह दिया गया है कि हमारा उत्तर प्रदेश उसी तरह से चलेगा, जो एक रामराज्य की परिकल्पना में चलता था।

महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूँगा, आपको विदित होगा, सदन को विदित होगा। अभी हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने धारा-370 खत्म की थी। लोग सोच नहीं सकते थे, कहते थे कि कत्लेआम हो जायेगा, मर जायेंगे, गिर जायेंगे, 10 मिनट के अन्दर धारा-370 एक कलम से साफ हो गई थी, एक पत्ता नहीं हिला था। धारा 35-ए खत्म हो गई, जरा सी हवा भी नहीं लगी थी, ये क्या है ? ये पूरे हिन्दुस्तान की जन-भावनाओं का आदर/सम्मान है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 पूरन प्रकाश जी, इसको क्लोज करने का कष्ट करें।

श्री पूरन प्रकाश-

महोदय, मैं अब बजट पर ही आ रहा हूँ। चाहे अयोध्या का राम मन्दिर हो, चाहे काशी हो, आप देख लें, वह पूरा हो रहा है। मथुरा भी नम्बर पर है। मैं मथुरा से चुन कर आता हूँ। मैं उस क्षेत्र से बिलांग करता हूँ जहां पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की जन्म स्थली है। जहां उन्होंने जन्म लिया। वह जमीन क्यों नहीं फलेगी, फूलेगी ? महोदय, अभी मैं अपने क्षेत्र की कुछ बात जरूर करूंगा, क्योंकि आप कहेंगे कि टाइम हो गया।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 पूरन प्रकाश जी, टाइम हो गया है। आप स्वयं बहुत समझदार हैं।

श्री पूरन प्रकाश-

महोदय, हमारे नोएडा-आगरा एक्सप्रेस-वे पर बल्देव में चढ़ने-उतरने का कट का निर्माण दाऊ जी महाराज का विशाल मन्दिर है।

श्री अधिष्ठाता-

श्री सुहेब उर्फ मन्नु अंसारी जी।

श्री पूरन प्रकाश-

महोदय, दो मिनट में अपनी बात समाप्त करता हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

अब अगले मा0 सदस्य को बुला लिया है। अब दो मिनट नहीं है।

श्री पूरन प्रकाश-

मान्यवर, छह बार का विधायक हूँ। अगर दो-दो मिनट भी लेंगे, तो 12 मिनट हो जायेगा।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 पूरन जी, आप बहुत पुराने हैं। आप स्वयं बहुत अनुशासित हैं।

श्री पूरन प्रकाश-

मथुरा में बल्देव-बरौली-कैलाश मार्ग सुदृढ़ीकरण एवं चौड़ीकरण, मथुरा-राया पर बाईपास बनाने, विधान सभा क्षेत्र बल्देव में ग्रामीण क्षेत्र में मुख्य मंत्री आवास देने। हमारे यहां आलू की बहुत बड़ी पैदावार होती है। यहां आलू से चिप्स उद्योग फैक्ट्री की स्थापना आवश्यक है। मथुरा के बल्देव ब्लाक, राया ब्लाक एवं करहल ब्लाक में एक-एक कन्या महाविद्यालय की स्थापना आवश्यक है। हमारे मा0 वित्त मंत्री जी यहां उपस्थित नहीं हैं, हम उनसे भी कहना चाहेंगे कि विधायक निधि को पांच करोड़ कर दिया जाये।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य श्री सुहेब उर्फ मन्नु अंसारी जी, आप बोलिये।

[06:32] *श्री सुहेब उर्फ मन्नु अंसारी-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आज बजट की चर्चा में आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद। मुहम्मदाबाद की सम्मानित जनता ने जिता कर मुझको यहां भेजा है। महोदय, वर्ष 2016 में जब तत्कालीन मुख्य मंत्री, वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष मा0 श्री अखिलेश यादव जी ने पूर्वांचल के विकास के लिए जिस समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास किया था, जो लखनऊ के चांदसराय से शुरू होकर मेरी विधान सभा क्षेत्र मुहम्मदाबाद के पकड़पुरा गांव तक था। जगह-जगह पर किसानों की समस्याओं को ध्यान में रख कर हमारे नेता ने कृषि मण्डी भी देने का निर्णय लिया था। बिना मांगे उसी क्रम में मुहम्मदाबाद के

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

पकड़पुरा गांव में भी कृषि मण्डी बननी थी। उसके साथ ही गाजीपुर, बलिया और बिहार को ध्यान में रखते हुए वहां एक दूध की डेयरी भी बनाने का निर्णय लिया था। हमारे क्षेत्र में दूध का उत्पादन बहुत ज्यादा होता है। साथ ही मेरी विधान सभा क्षेत्र मुहम्मदाबाद, बिहार के सीमावर्ती होने के कारण अन्तर्राज्यीय बस अड्डा भी बनाने का निर्णय लिया गया था।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह जानना चाहता हूँ, मांग करता हूँ कि जब पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बन कर तैयार है, तो अब तक मेरी विधान सभा क्षेत्र मुहम्मदाबाद में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के साथ-साथ तीन जो महत्वपूर्ण कार्य होने थे, अब तक क्यों नहीं हुए और न ही इस बजट में उन कामों का कोई प्रावधान है ?

मान्यवर, जनपद गाजीपुर में 300 से ज्यादा महाविद्यालय हैं। गाजीपुर जनपद के नौजवानों को अपनी उच्चतम शिक्षा ग्रहण करने के लिए अन्य जनपदों में जाना पड़ता है। यदि हमारे जनपद में एक विश्वविद्यालय की स्थापना हो जाये, तो हमारे जनपद के छात्रों को बहुत मदद मिलेगी। जिससे उनको अन्य जिलों में नहीं जाना पड़ेगा, वो अपने जिले में पढ़ सकेंगे और मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र मुहम्मदाबाद में आपके माध्यम से एक कन्या डिग्री कालेज की मांग करता हूँ और मुहम्मदाबाद तहसील मुख्यालय पे समाजवादी सरकार हमारे नेता मा0 अखिलेश यादव जी ने ट्रामा सेण्टर दिया था जो दो साल से बनकर तैयार है, पर आज तक वहां न तो कोई डॉक्टर है और न ही कोई मशीन है। कोई भी चीजें नहीं हैं। हम आपके माध्यम से यह सरकार से मांग करते हैं कि ट्रामा सेण्टर जल्द से जल्द शुरू कराया जाये। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

[06:35] श्रीमती कृष्णा पासवान-

मान्यवर, आपने मुझे वित्त मंत्री जी के बजट पर बोलने का मौका दिया, मैं आपकी आभारी हूँ। मान्यवर, वित्त मंत्री जी द्वारा जो एक शानदार बजट उत्तर प्रदेश को विकास की ओर ले जाने वाला बजट रखा है, मैं मा0 वित्त मंत्री जी को बहुत-बहुत बधाई देती हूँ। साथ-साथ सदन में मैं जीत कर चौथी बार आयी हूँ। 2002 में आयी थी। 2004 से 2007 तक देखा था और 2012 से 2017 तक देखा। जब 2012 में मैं जीत करके आयी थी तब विपक्ष के लोग समाजवादी पार्टी के लोग बिजली के क्षेत्र में बड़ी चर्चा करते थे। 2012 में जब मैं जीती थी, तब मेरे सहित 63 लोगों पर मुकदमा कायम हुआ था। बिजली की इतनी अच्छी व्यवस्था थी। आज उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई देती हूँ कि जबसे उत्तर प्रदेश में 2017 से सरकार बनी है। 22 घण्टे, 20 घण्टे, 24 घण्टे बिजली बरबार मिलती है। प्रदेश में, क्षेत्र में सभी जगह लाइट मिलती है, जहां ट्रान्सफार्मर की स्थिति यह रहा करती थी कि किसान गांव के लोग चन्दा लगा करके ट्रान्सफार्मर लेने जाते थे। आज मा0 योगी जी की सरकार में 1912 पर शिकायत करिये 24 घण्टे में ट्रान्सफार्मर सरकारी पैसे से जा कर लग जाता है। किसी किसान का पैसा नहीं लगता। मान्यवर, बधाई दूंगी मुख्य मंत्री जी को कि

जिस तरीके से बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, गरीब किसान की बेटियों के लिए 2017 से लेकर 2022 तक मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह हजारों हजार की संख्या से हर ब्लाक में शादियां होती रहीं और उसकी धनराशि बढ़ा करके अब 1 लाख कर दिया है। मैं बहुत-बहुत बधाई देती हूँ।

मेरे क्षेत्र की कुछ समस्याएं हैं। मैं निवेदन करना चाहती हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र खागा नगर पंचायत में और नगर पंचायत की सीमा बहुत बड़ी है। इसके विस्तार के लिए यहां शासन में फाइल पड़ी हुई है। इसी तरह से धाता बड़ी ग्राम सभा है। धाता नगर पंचायत बनाने के लिए और खकडेरू को नगर पंचायत बनाने के लिए मैं आपसे अनुरोध करना चाहूँगी और मेरी विधान सभा क्षेत्र से धाता 75 कि0मी0 पड़ता है। वहां पर एक तहसील खकडेरू बनाने का प्रस्ताव शासन में लम्बित है। तहसील बन जाने से लोगों को आने-जाने में बहुत सुविधा होगी। मेरा क्षेत्र यमुना नदी का किनारा है। यमुना नदी में धाने से चिल्लीमल से बांदा, चित्रकूट, मध्य प्रदेश, इधर लालगंज, रायबरेली को जोड़ता है। धाने से चिल्लीमल का पुल बन जायेगा तो आने-जाने में दो-तीन प्रदेशों को जोड़ेगा।

श्री अधिष्ठाता-

बहुत-बहुत शुक्रिया। अब श्री हरि प्रकाश वर्मा जी, प्रारम्भ करें। मा0 कृष्णा जी आपका समय पूरा हो गया, पीठ से 03 मिनट का समय दिया जा रहा है, लेकिन आप लोग 5-6 मिनट से कम नहीं बोल रहे हैं। कृपया बैठ जायें।

श्रीमती कृष्णा पासवान-

मान्यवर, समाप्त कर रही हूँ। लखनऊ में महाराजा बिजली पासी के किले का सौन्दर्यीकरण कराया जाये, माननीय मुख्य मंत्री जी वहां गये थे और घोषणा करके आये हैं, उनका प्रस्ताव भी है। उसको पर्यटन स्थल घोषित किया जाये, यही मेरी मांग है। मान्यवर, मैं कहना चाहती हूँ कि 2022 में योगी जी, 2024 में फिर मोदी जी और 2027 में फिर योगी जी आयेंगे। इसी के साथ मैं अपनी बात समाप्त करती हूँ, धन्यवाद।

[06:41] *श्री हरि प्रकाश वर्मा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे लोक कल्याणकारी अन्त्योदय के आधार पर आधारित बजट पर चर्चा करने का अवसर दिया, मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं सौभाग्यशाली हूँ कि मैं शहीद अशफाक उल्ला खां, पं0 राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह जैसे अमर शहीदों की धरती जनपद शाहजहांपुर की उस जलालाबाद विधान सभा क्षेत्र से चुन करके आया हूँ जो भगवान परशुराम की जन्मस्थली और श्रृंगी ऋषि एवं शुक्राचार्य जी की तपोस्थली है। राम गंगा तथा बहगुल जैसी नदियों का किनारा है। मान्यवर, मैं उस विधान सभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी से प्रथम बार चुन कर आया हूँ। आज तक

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

उस विधान सभा क्षेत्र का कोई पुरसाहाल नहीं रहा। बहुत ही अव्यवस्थायें हैं, विकास से कोसों दूर है, जनपद से भी दूर है। मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र में कोई औद्योगिक कारखाना नहीं है। सदन के माध्यम से यह विषय भी रखना चाहता हूँ कि गंगा एक्सप्रेस-वे हमारी विधान सभा क्षेत्र से निकल कर जाने वाला है। इस आधार पर वहां औद्योगिक क्लस्टर लगें और उद्योगों को बढ़ावा दिया जाये। मान्यवर, मैंने छात्र जीवन से ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद्, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा भारतीय जनता पार्टी के उस विचार पर काम किया है, जो अन्त्योदय के आधार पर भारत माता को विश्व गुरू के पटल पर स्थापित करने वाला है।

मान्यवर, मैं आभार व्यक्त करता हूँ माननीय मुख्य मंत्री जी का, मा0 वित्त मंत्री जी का, मा0 लोक निर्माण मंत्री जी का जिन्होंने मेरी विधान सभा क्षेत्र के कोलाघाट पुल जो पिछली सरकारों में बना था। मात्र 10 वर्ष में, देश का ही नहीं मुझे लगता है कि विश्व का एकमात्र ऐसा पुल होगा जो 10 वर्ष में गिर कर धराशायी हो गया। उसका पुनर्निर्माण का कार्य कराने के लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का, मा0 लोक निर्माण मंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मैं आभार व्यक्त करता हूँ मा0 पर्यटन मंत्री जी का, मा0 मुख्य मंत्री जी का जिन्होंने भगवान परशुराम की जन्म स्थली को पर्यटन क्षेत्र घोषित किया है। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि श्रृंगी ऋषि की तपोस्थली एवं शुक्राचार्य जी की तपोस्थली पटना देवकली मन्दिर को भी पर्यटन क्षेत्र में शामिल किया जायेगा। मैं आभार व्यक्त करना चाहता हूँ मा0 मुख्य मंत्री जी, मा0 प्रधानमंत्री जी का जिन्होंने गरीबों के बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिया है। सदन में प्रतिपक्ष से विधायक सदस्य डॉ0 राजवीर सिंह जी के उस बयान से मैं अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ जिसमें उन्होंने अपने एक सहपाठी का जिक्र किया था और कहा था कि मेरा एक सहपाठी जिसको भाषा की समस्या के कारण पढ़ाई में कठिनाई होती थी। मैं ग्रामीण अंचल का निवासी हूँ, मैं पुवायां विधान सभा क्षेत्र का रहने वाला हूँ। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने मुझ पर विश्वास किया, मुझे जिलाध्यक्ष, क्षेत्र का महामंत्री, युवा मोर्चा का जिलाध्यक्ष जैसी कई जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का मौका दिया।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, जलालाबाद क्षेत्र से चुन कर आने में मैं वहां की जनता का बहुत आभारी हूँ। दोनों विधान सभायें ग्रामीण क्षेत्र की हैं। मैंने भी अपने छात्र जीवन में इस बात के कष्ट को झेला है कि इण्टर पास आउट करने के बाद कोई बताने वाला नहीं होता है कि आपको किस क्षेत्र में जाना है। हाई स्कूल, इण्टर तक की पढ़ाई जैसे-तैसे ग्रामीण क्षेत्र का बालक कर लेता है, बालिकायें कर लेती हैं, लेकिन उसके आगे कोई बताने वाला नहीं होता है। मैं मा0 वित्त मंत्री जी का आभार व्यक्त करना चाहता हूँ, जिन्होंने इस बार इस बजट में अभ्युदय कोचिंग के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग की भी व्यवस्था की है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य अब आप समाप्त करें ताकि सभी सम्मानित सदस्य अधिक से अधिक भाग ले सकें।

श्री हरि प्रकाश वर्मा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, इस बजट में ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की भी व्यवस्था की गयी है, जिसके माध्यम से वह लोग अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेंगे। मैं आधा मिनट और लेना चाहता हूँ। मैंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् का काम करते हुए जनपद बिजनौर में भी काम किया है। मैं स्वामी ओम जी के उस बयान से, उस वक्तव्य से भी अपने आपको सम्बद्ध करना चाहता हूँ, जिसमें उन्होंने जनपद शाहजहांपुर के शहीद अशफाक उल्ला खां, पण्डित राम प्रसाद बिस्मिल जी का नाम लिया है।

[06:46] श्री हाकिम लाल बिन्द-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे वित्तीय वर्ष 2022-2023 के बजट पर साधारण चर्चा में अपनी बात रखने का समय दिया, मैं इसके लिए आपका आभार व्यक्त करता हूँ। माननीय वित्त मंत्री जी ने 6 लाख 15 हजार 518 करोड़ 97 लाख का जो बजट प्रस्तुत किया है। इस बजट से प्रदेश की 25 करोड़ जनता का भला होने वाला नहीं है। माननीय वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट छात्र विरोधी, नौजवान विरोधी, बेरोजगार विरोधी, महिला विरोधी, किसान विरोधी बजट है। मैं इस बजट का पुरजोर विरोध करता हूँ। अगर उत्तर प्रदेश में किसी नेता ने और किसी पार्टी ने विकास करने का काम किया है, उत्तर प्रदेश को आगे बढ़ाने का काम किया है तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय श्री अखिलेश यादव जी ने किया है। समाजवादी पार्टी के कामों की चर्चा प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे देश में हो रही है। जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने समाजवादी पार्टी के कार्यों का फीता काट कर अपना नाम कमाने का काम किया, अपनी बात को रखने का काम किया, अपनी वाहवाही लूटने का काम किया। बड़े दुख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि माननीय वित्त मंत्री जी ने जो बजट पेश किया है, इस बजट में मेरी विधान सभा क्षेत्र हंडिया के एक भी कार्यों को शामिल नहीं किया गया है।

मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी से आग्रह करता हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र की नगर पंचायत हंडिया में जल जमाव की बहुत बड़ी समस्या है और जब बरसात होती है तो पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। वहां के छोटे-छोटे बच्चे पढ़ने नहीं जा पाते। उनके अभिभावक ट्रैक्टर की ट्राली पर 50-50 की टोली बनाकर उनको स्कूल ले जाते हैं और ट्रैक्टर वहां तब तक खड़ा किये रहते हैं, जब तक बच्चों की छुट्टी नहीं हो जाती है। जब छुट्टी होती है, तब घर वापस लेकर आते हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से भी आग्रह करूंगा कि नगर पंचायत हंडिया में स्थायी रूप से नाले का निर्माण कराने का काम करें, जिससे वहां का जनजीवन सुधर जाये। वहां पर कम से कम हजारों एकड़ फसल बर्बाद हो जाती है। मैं कहना चाहता हूँ कि बरौत बाजार से बिठौली मार्ग पूरी तरह जर्जर हो गया है। मैं आपके माध्यम से

मांग करता हूँ कि बिठौली मार्ग का नवीनीकरण और चौड़ीकरण कराया जाये। मेरी विधान सभा क्षेत्र में गंगा नदी पर एक पुल के निर्माण के लिए मांग करता हूँ।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य समय पूरा हो गया है। यह व्यवस्था नीचे से ही दी गयी है।

[06:49] श्री अरविन्द गिरि-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ कि विशाल उत्तर प्रदेश का विशाल बजट और वह भी ऐसे सन्त के द्वारा सदन में पेश किया गया जिन्होंने इसी सदन में नवीं बार अपने अनुभव का आपने तमाम अनुभव को एकत्रित करके इस विशाल और उत्तम बजट में किसके सपनों को उतारने का काम किया है, यह एक विशेष बात है।

राष्ट्रपिता बापू के चरणों में बैठ कर उत्तर प्रदेश की सर्वोच्च पंचायत में विचार-विमर्श कर रहे हैं, वह समय था, पूरा राष्ट्र आदरणीय बापू जी पर विश्वास करता था। उसी विश्वास के चलते आदरणीय सोहन लाल द्विवेदी जी ने लिखा था कि "चल पड़े जिधर दो डग मग में चल पड़े कोटि पग उसी ओर" आज हम उसी विश्वास के साथ अगर यह कहें तो अतिशयोक्ति नहीं है, बल्कि यथार्थ है कि आज हमारे प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी जो कुछ सोचते हैं, जो कुछ कहते हैं, जो कुछ करने का प्रयास कर रहे हैं। आज सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश और पूरे हिन्दुस्तान की जनता उसी तरीके से विश्वास करती है जिस तरीके से पूरा राष्ट्र कभी आदरणीय राष्ट्रपिता बापू पर विश्वास करता था। हम, आप, पूरा प्रदेश और पूरा हिन्दुस्तान नहीं बल्कि विपक्ष के लोग भी अपना रेडियो, अपना टेलीविजन खोल करके बैठ जाते हैं, जब यह सूचना मिलती है कि हमारे प्रधानमंत्री राष्ट्र के नाम कोई सन्देश देना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें विश्वास है कि जो हमारे आदरणीय मोदी जी कहेंगे, वह कल धरातल पर उतरेगा, यह व्यवस्था है। यशस्वी प्रधानमंत्री के सपने को उतारने का काम हमारे सन्त सुरेश खन्ना जी ने इस बजट में किया है। हमारे प्रधानमंत्री जिनको आज पूरा विश्व, विश्व नेता के रूप में मानता है। मैं यह कहना चाहता हूँ कि हमारा वह भारत वर्षों से जो बहुत दिनों की बात नहीं पांच-छह वर्ष पहले की ही बात है, जब विश्व की तरफ हिन्दुस्तान देखता था। कहीं आर्थिक व्यवस्थाओं को लेकर, कहीं सामरिक व्यवस्थाओं को लेकर, लेकिन हमें गर्व है एक एकल व्यक्तित्व का परिणाम है। हमारे मोदी जी का एकल प्रखर व्यक्तित्व जिनकी वजह से पूरा विश्व आज हिन्दुस्तान की तरफ देखता है। ऐसे महामना के सपनों को आदरणीय खन्ना जी ने इस बजट में उतारने का काम किया है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, हम आपसे बड़ी विनम्रता से कहना चाहते हैं कि योगी और महात्मा, जिनको किसी से कोई अपेक्षा नहीं होती बल्कि हम लोगों की अपेक्षा होती है। उनके आशीर्वाद की हमें याद है इसी पूरे उत्तर प्रदेश में जहां पर चोरी, डकैती, हत्या एक सगल बन गया था, लोगों का दूसरे की जमीनों पर कब्जा करना, अपहरण, छिनैती सगल बन गया था। ऐसे समय में हमारे गोरखधाम से निकल कर एक योगी एवं सन्त ने 2017 में पूरे

प्रदेश को सन्देश दिया, प्रदेश का मार्गदर्शन किया और भारतीय जनता पार्टी की बड़ी बहुमत के साथ सरकार बनी। विशाल प्रदेश को उत्तर प्रदेश बनाने की आधारशिला रखी। पूरे प्रदेश ने ही नहीं पूरे देश ने देखा और उत्तर प्रदेश को आज गर्व है कि आज हमारे योगी आदित्यनाथ जी जब दूसरे प्रदेशों में जाते हैं। वहीं योगी, योगी का नारा लगता है तभी वहां की चुनाव प्रक्रिया पूरी हो पाती है। यह पूरे उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है। हम आज आपसे कहना चाहते हैं कि तमाम सी ऐसी बाते हैं जिनकी वजह से आज उत्तर प्रदेश के इतिहास में 37 वर्षों के बाद एक पार्टी के द्वारा एक व्यक्ति के द्वारा दोबारा मुख्य मंत्री की शपथ लेने का काम हुआ है। जहां प्रदेश और केन्द्र की तमाम लोक कल्याणकारी योजनाएं जिनको अगर गिना जायेगा तो समय लगेगा जो सरकार बनाने में सहायक हुई हैं, लेकिन हमारी जो सोच है। हम जो समझते हैं सिर्फ तीन कारणों से 37 सालों के बाद उत्तर प्रदेश में यह इतिहास रचा गया है। पहला कारण है सांस्कृतिक धरोहरों को संजोना। आज हम लोग भूल गए कि हमारे गांव से लेकर हमारे बड़े शहरों तक जो हमारी आस्था के केन्द्र हैं, यह पहली बार देखा गया कि चाहे अयोध्या की जन्मभूमि हो, चाहे हमारे हर-हर महादेव के काशीनाथ हों, जो हमारी आस्था का केन्द्र है, जिस पर गर्व भी है। गांव के लोग भी सोचने लगे कि हमारी जो गांव के अन्दर सांस्कृतिक धरोहरें हैं और जो हमारे आस्था के केन्द्र हैं उनको भी हमें ठीक करना चाहिए।

उदाहरण के तौर पर हमारे क्षेत्र में 3-4 आस्था के केन्द्रों को 50-50 लाख रुपया पिछली सरकार में देने का काम हुआ था। जिससे जनमानस में जन-जागरण हुआ जो सरकार बनाने का कारण बना। जन-जन के मन की राष्ट्रीय भावना को ओत-प्रोत करने का काम हुआ, क्योंकि आज पाकिस्तान नहीं पाकिस्तान के आका चीन को जवाब देने का काम भारत कर रहा है। सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित करना, राष्ट्रीय भावना का जागरण भारत माता की जय का कारण बना।

श्री अधिष्ठाता-

सम्मानित सदस्य अरविन्द जी, अब आप समाप्त करें।

श्री अरविन्द गिरि-

मान्यवर, मैं तीसरा कारण समझता हूँ कि एक आज गांव-देहात में बैठा हुआ व्यक्ति, खेत-खलिहानों में बैठा हुआ व्यक्ति जिसने बुल्डोजर बाबा की जय का नारा लगा दिया। क्योंकि उस गरीब को समझ आ गया कि प्रदेश को अब बुल्डोजर बाबा ही बचा सकते हैं। जिसकी वजह से आज 37 साल बाद भारतीय जनता पार्टी दोबारा सत्ता में आयी है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

बहुत-बहुत धन्यवाद। मा0 विमलेश पासवान जी।

[06:55] * डॉ0 विमलेश पासवान-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, धन्यवाद। आपने मुझे मा0 वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत वित्तीय बजट वर्ष 2022-23 के पक्ष में बोलने का मौका दिया, इसके लिये मैं अपने विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की सम्मानित मतदाताओं की तरफ से आपका आभार प्रकट करता हूँ। अपने देवतुल्य, वन्दनीय नागरिकों को जो हमारी बांसगांव विधान सभा क्षेत्र के भाग्य विधाता भी हैं और जिन्होंने दोबारा मुझे इस सदन में आने का मौका दिया है, उनकी तरफ से मैं आपका आभार प्रकट करता हूँ। मा0 अधिष्ठाता महोदय, लगातार इस सदन में जिस सदन के सदस्य रहे श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह जी जैसे लोग तथा सुचेता कृपलानी जैसे लोग और जिनका जीवन दर्शन ही हम सब राजनीतिज्ञों के लिये प्रेरणा का एक स्रोत है और हमारा मार्ग भी प्रशस्त करता है कि हम इस सदन से जो प्रेरणा हम ले करके जायें उसका सिर्फ एक ही मकसद सिर्फ और सिर्फ जनसेवा ही रहे।

मान्यवर, छह लाख पन्द्रह हजार करोड़ रुपये से भी अधिक का जो बजट मा0 वित्त मंत्री जी ने प्रस्तुत किया है वह हमारे मूल मंत्र अन्त्योदय और अन्त्योदय से सर्वोदय की परिकल्पना को साकार करता है कि कैसे हम अपने 25 करोड़ प्रदेश वासियों की खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करें और निश्चित तौर पर यह उनकी खुशहाली का मार्ग भी खोलेगा और उनके जीवन के उन्नयन और नये कार्य करने का भी हमें मौका देगा। मैं थोड़ा दुखी भी हूँ कि इस सदन में जिस प्रकार से महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर हमारे मा0 नेता प्रतिपक्ष की अगुवाई में व्यवहार प्रकट किया गया, वह कतई शोभा वाला नहीं हो सकता है। चूंकि मुझे बजट पर बोलना है तो यह बजट पूरे प्रदेश को नयी ऊचाइयों पर, नयी पहचान दिलाने का कार्य करेगा और पिछले पांच सालों में प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज के नेतृत्व में मेरे विधान सभा क्षेत्र को शून्य से शिखर तक पहुंचाने का कार्य किया गया है। मान्यवर, मेरा विधान सभा क्षेत्र रोहिन, राप्ती के तट पर बसा है तथा उसका लगभग दो तिहाई क्षेत्र बन्धों के किनारे बसता है। पिछले पांच वर्षों में उन सभी बन्धों की केवल मरम्मत ही नहीं की गयी है बल्कि उन सभी बन्धों को एक सुगम आवागमन का एक माध्यम भी हमने बनाया है। इस बजट भाषण के माध्यम से मैं सरकार का ध्यान अपने विधान सभा क्षेत्र की ओर आकृष्ट करना चाहूँगा जहां पर हमारे कौड़ीराम, बांसगांव तथा गगहा यह तीन ब्लॉक हैं और एक हिस्सा जानीपुर है जो हमारे तीनों ब्लॉक के मध्य बसता है और इस क्षेत्र की तकरीबन 30 से 32 ग्राम सभाएं ऐसी हैं जिनको अपने बुनियादी कार्यों के लिए इर्द-गिर्द ब्लॉकों में जाना पड़ता है। मैं सरकार से मांग करूंगा कि एक नये जानीपुर ब्लॉक के नाम से एक नये ब्लॉक का सृजन किया जाये जिससे कि वहां के लोगों को और दूर न जाना पड़े और उनके जीवन में हम जो सुविधा दे रहे हैं उसकी गति और तीव्र हो सके।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, इस बजट में जिस प्रकार से युवा, महिला के सशक्तीकरण के लिये जो लगभग 35 हजार करोड़ का प्रावधान किया गया है इससे लगभग जो हमारी आधी आबादी है जिसने हमें अपने समर्थन बल्कि अपने सिर-माथे पर बैठा करके इस सम्मानित सदन में आने का मौका दिया, मैं उनका वन्दन करता हूँ, अभिनन्दन करता हूँ और प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र से जो भी मा0 सदस्य जीत कर आये हैं, प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में 15 से 20 हजार मतदाता महिला सशक्तीकरण की वजह से हमें विधान सभा में चुन कर आने का मौका मिला है। इसलिये इस पूरी सरकार का जो फोकस रहा है कि महिलाओं को स्थान दें, सम्मान दें, पहचान दें, उसी क्रम में हम लोगों का यह बहुत ही रिमार्केबल अचीवमेन्ट है। हम जो सस्टेनेबुल डेवलपमेन्ट कर रहे हैं तो हमारा सारा बजटीय प्रावधान है वह उसी सस्टेनेबुल डेवलपमेन्ट को लेकर ही है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य आपका समय बहुत अधिक हो चुका है। अब आप समाप्त करें। मा0 अब्बास अंसारी जी, आप बोलिये।

(इस मध्य सदस्य डॉ0 विमलेश पासवान अपने स्थान पर खड़े होकर बोलते रहे, लेकिन उनका माइक बन्द था।)

[07:00] *श्री अब्बास अन्सारी-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने हमें वर्ष 2022-23 के बजट भाषण पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ। मान्यवर, मैं उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के मऊ सदर विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ। ये क्षेत्र बुनकरों का बाहुल्य क्षेत्र है और हमारे क्षेत्र में, शहर में और गांव में बुनकरों की भारी मात्रा है, जिनकी ज्यादातर जरूरतें बिजली पर निर्भर करती हैं। मगर पिछले कुछ समय से जिस तरीके से बिजली में कटौती हो रही है और बिजली की पावर कट होने की वजह से जो पावरलूम हैं, वह सही से काम नहीं कर पा रहा है, जिसका खामियाजा गरीब बुनकरों को भुगतना पड़ता है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में यह बात रखना चाहता हूँ कि जिस तरीके से किसान अनाज पैदा करके गरीबों का पेट पालता है, उसी तरीके से बुनकर एक धागे से कपड़ा बुनकर हमारा तन ढंकने का काम करता है। वर्ष 2006 में तत्कालीन समाजवादी सरकार ने पावरलूम बुनकरों को भी किसानों की तरह नये रेट की बिजली आपूर्ति करने का इन्तजाम किया था। वर्तमान सरकार ने 04 दिसम्बर, 2019 को नया शासनादेश जारी करके फ्लैट रेट की बिजली की व्यवस्था खत्म कर सब्सिडी की व्यवस्था लागू कर दी थी। दुःख की बात यह है कि इतने बड़े बजट में कहीं भी बुनकरों का जिक्र नहीं किया गया है और आज

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बुनकरों की सबसे बड़ी परेशानी कर्ज की है। उनके ऊपर कर्ज बढ़ता चला जा रहा है जिसका कोई भी समाधान नहीं हो पा रहा है। मैं आपके माध्यम से उम्मीद करता हूँ कि इस विशाल बजट में बुनकरों के साथ सौतेला व्यवहार न किया जाय और उनको हिस्सा दिया जाय, ताकि वह अपना जीवन बेहतर कर सकें। इसी के साथ मैं अपने क्षेत्र की अन्य समस्याओं को पटल पर रखना चाहता हूँ। मेरे क्षेत्र में कई सड़कें ऐसी हैं जो जर्जर हालत में हैं, उन सड़कों का निर्माण कराना बहुत जरूरी है। मऊ सदर विधान सभा क्षेत्र से होते हुए एक्सप्रेस-वे जाता है मगर मऊ सदर विधान सभा क्षेत्र में किसी भी ट्रामा सेण्टर का इन्तजाम नहीं है। मैं आपके माध्यम से चाहता हूँ कि वहां पर एक ट्रामा सेण्टर का इन्तजाम कराया जाय। मऊ जिला एक छोटा सा जिला है मगर वहां पर युवाओं की अत्यधिक संख्या है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि वहां पर एक विश्वविद्यालय तामील कराया जाये ताकि वहां के बच्चों को अन्य जिलों में जाकर पढ़ाई न करनी पड़े। अब मैं अपनी बात को समाप्त करता हूँ। आपने अपना कीमती समय मुझे दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

[07:03] *इंजी0 बृजेश कठेरिया-

मैं करोड़ों करोड़ दलित, पिछड़े, वंचित और मजलूमों को उनका हक और हुकूमत में हिस्सेदारी दिलाने वाले परम् पूज्य बाबा साहब अम्बेडकर जी के श्री चरणों को नमन करता हूँ। बजट भाषण पर मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। मैं अपनी बात को मा0 नेता प्रतिपक्ष और आदरणीय वर्मा जी के संशोधन प्रस्ताव से सम्बद्ध करता हूँ। आज जो जम्बो-जेट 6 लाख 15 हजार 518 करोड़ 97 लाख का बजट पेश किया गया है, इस बजट में पूरी तरह दलित, पिछड़े, मजदूर, मजलूम और बेरोजगारों की अनदेखी की गयी है। इस बजट में जहाँ अनुसूचित जाति के तमाम बच्चों के लिए, जो बराबर पर आना चाहते हैं, उनको पूरी तरह नजरअन्दाज किया गया है। मेडिकल कालेज, इंजीनियरिंग कालेज में इस सरकार ने जिस तरह आरक्षण खत्म किया है, नौकरियों को खत्म करके, सरकारी विभागों को बेंच करके जिस तरह आउटसोर्सिंग और संविदा के माध्यम से बाबा साहब के लिखे हुए संविधान को पूरी तरह खत्म और बर्बाद करने का काम किया है।

(इस समय 07 बजकर 05 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए)

मैं तीन दिन से देख रहा था कि कोरोना के सम्बन्ध में बहुत ज्यादा वाह-वाही लूटी जा रही है। मान्यवर, एक वीडियो मैंने देखा था, उसका दृष्टान्त रखना चाहूँगा। वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश का वीडियो था, जिसमें एक प्रवासी मजदूर पीठ पर झोला रख कर हाई-वे से गुजर रहा था। उसी समय वहां एक्सीडेन्ट से एक कुत्ता खत्म हो गया था। वह प्रवासी मजदूर इतना भूखा था कि मरे हुए कुत्ते का मांस खाने लगा। माननीय मंत्री जी कह रहे थे कि यदि कोई

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

भूख से मरा हो तो उसका नाम बता दो, मैंने वह वीडियो सुरक्षित रखा है। अगर माननीय मंत्री जी की अनुमति हो तो वह वीडियो पेश कर सकता हूँ। जिस देश की जनता, जिस प्रदेश की जनता मरे हुए कुत्ते का मांस खाने लगे और उसका राजा, उसकी सरकार इस बात के लिए इठलाये कि सब कुछ सही है यह निश्चित रूप से सन्देह व्यक्त करता है। कोरोनाकाल में माननीय मुख्य मंत्री जी ने घोषणा की थी कि पंचायत चुनाव में जो भी कर्मचारी खत्म हुआ होगा, सरकार की तरफ से उनके परिवार को अनुदान दिया जायेगा। महोदय, इसमें भी नाइन्साफी हुई। जनपद फर्रुखाबाद के विद्युत विभाग में ट्रान्समिशन में सुनील कुमार एक्स0ई0एन0 ऑन ड्यूटी खत्म हुए। आज एक साल गुजर गया, लेकिन प्रशासन, विभाग की तरफ और विभाग, प्रशासन की तरफ फाइल भेज देता है, लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। महोदय, कानून व्यवस्था की बात कही गयी। कानून व्यवस्था का जिस तरह ढिंढोरा पीटा गया, पूरा प्रदेश जानता है कि आज जिस तरह थानों में दलाली हो रही है। वे लोग जिन्होंने हम लोगों को चुनाव में सहयोग किया है, वे प्रधान, वे जिम्मेदार कार्यकर्ता, उनको टारगेट बनाकर उन पर मुकदमे लिखे जा रहे हैं लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य अब आप बैठें।

इंजी0 बृजेश कठेरिया-

महोदय, भारतीय जनता पार्टी के इतिहास रचने का ढिंढोरा पीटा गया। मान्यवर, इन्होंने बड़े-बड़े इतिहास रचे हैं। इन्होंने असत्य बोलने का इतिहास रचा है। इन्होंने बेरोजगारों को मरने के लिए छोड़ देने का इतिहास रचा है। इन्होंने गरीबों को भिखारी बना देने का इतिहास रचा है। इन्होंने अल्पसंख्यक और दलितों में दहशत पैदा करने का इतिहास रचा है।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद, कठेरिया जी, अब आप बैठें।

(इंजी0 बृजेश कठेरिया का माइक आफ हो जाने पर कुछ सुनाई नहीं दिया)

[07:08] *श्री रमेश जायसवाल-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने सामान्य बजट की चर्चा के लिए महत्वपूर्ण समय मुझे दिया, इसके लिए पीठ का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ। जो बजट पेश किया गया है, वह जनमानस के कल्याण के लिए, लोक हित में है। भारतीय जनता पार्टी की योगी सरकार ने जनहित में अनेकों काम किये हैं। गांव में किसानों के हित में काम किया, नौजवानों के हित में काम किया। इसका जीता-जागता प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश के अन्दर लगातार सदन में इतने

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

वर्षों के बाद दूसरी बार सरकार बनाने का काम किसी ने किया है तो वह योगी जी की सरकार ने किया है। आज बहुमत से इस सदन के अन्दर सर्वाधिक संख्या की भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी विचारधारा के साथ जुड़ने वाले लोग इस सदन के बीच में आपके सम्मुख राष्ट्रवादी नीतियों के तहत प्रदेश के सर्वांगीण विकास की वचनबद्धता स्वीकार करते हुए आपके सम्मुख सदन में उपस्थित हैं। मैं पूरी तन्मयता से पूरे भाव के साथ इस बजट का सम्मान और समर्थन करता हूँ। मैं पहली बार जीत कर चन्दौली जिले के मुगलसराय की विधान सभा क्षेत्र से आया हूँ। जब यह बजट पेश हुआ, उसके बाद हमारे क्षेत्र की जनता ने, मुझे फोन किया और लोकहित में जारी बजट की बधाई दी और कहा कि वास्तव में योगी जी की सरकार जनहित के लिए पूरे समर्पण के साथ सरकार चला रही है। साथ ही कुछ कार्य मेरे विधान सभा क्षेत्र में जैसे चन्दौली स्थित कमलापति राजकीय महाविद्यालय के जिर्जेडियर सहित एक बड़ा हाल व कुछ कमरे सहित शौचालय का निर्माण कराया जाना अति आवश्यक है। साथ ही दीनदयाल नगर पालिका क्षेत्र में बिजली के तारों को अण्डर ग्राउण्ड तथा ट्रान्सफार्मरों की क्षमता वृद्धि जनसंख्या अनुपात में बढ़ाना आवश्यक है। आकांक्षी जिला होने के नाते, साथ ही मुख्यालय आदि का मेरे विधान सभा क्षेत्र में होने के नाते सभी स्तर पर विकास आवश्यक है और जब तक हर घर नल योजना सुचारु रूप से पूर्ण न हो जाये तब तक इण्डिया मार्का हैण्डपम्प गांव के लिए आवन्टित किया जाना जनहित में आवश्यक है। मुगलसराय वासियों की जीवन रेखा सुवास पार्क में चकिया तिराहे तक एक उपरिगामी पुल का निर्माण लगातार बढ़ रही आबादी के सापेक्ष बनाया जना आवश्यक है।

मैं धन्यवाद देता हूँ मा0 योगी जी को कि आपकी इस सोच के साथ सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की सरकार काम कर रही है। निश्चित तौर पर विपक्ष के लोगों ने इस बजट पर जो भी प्रतिक्रिया व्यक्त की यह उनका फर्ज है, परन्तु लोक हित में बजट का और निश्चित तौर पर समर्थन करना चाहिए और कहीं कोई काम छूट रहा हो तो उसको भी शामिल कराना चाहिए। इसमें कोई गुरेज नहीं होना चाहिए। अच्छी चीजों को अच्छा कहने की आदत पड़नी चाहिए। कोई तो अच्छाई इस सरकार के अन्दर होगी तभी तो पूरे 25 करोड़ प्रदेश की जनता को महसूस हुआ, परन्तु विपक्ष में बैठे किसी भी साथी ने यह नहीं कहा कि इस बजट में एक भी अच्छाई है। सिरे से लोगों ने इसे खारिज करने का काम किया है। मैं पूरी तन्मयता से इस बजट का समर्थन करता हूँ, क्योंकि यह सरकार गरीबों की समर्थक है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में बबुरी बाजार है जहाँ विकास खण्ड प्रस्तावित है। परन्तु उसके काम अभी पूर्ण नहीं हो पाये हैं। जांच कराकर प्रक्रिया को पूर्ण किया जाये, ताकि जनमानस को राहत मिल सके, साथ ही चन्दौली तहसील बबूरी में एक अग्निशमन केन्द्र की स्थापना हो जाये, जहाँ सैंकड़ों गांव आग से प्रभावित होते हैं। ऐसी ही दिक्कत इस बार भी हुई थी कि कई खेतों में आग लग गयी थी। हम चाहते हैं कि ऐसी दिक्कत आगे न हो मेरी समझ से सरकार को

अग्निशमन केन्द्र स्थापित करने की चिन्ता करनी चाहिए। हमारी विधान सभा नगर पालिका परिषद् दीनदयाल नगर है, उस पर आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ कि वहां अगर सीवर की पाइप लाइन बिछा दी जाए और सीवर ट्रीटमेण्ट प्लाण्ट लगा दिया जाये तो बड़ी समस्या हल हो जायेगा। मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक भी बड़ा खेल का मैदान नहीं है, मेरी सरकार से मांग है कि एक बड़ा खेल का मैदान बनाया जाये जिससे खेल से जुड़े प्रतिभागियों को अवसर मिल सके।

[07:12] श्रीमती सरोज कुरील-

मैं बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जी को और हमारे स्वर्गीय सोनेलाल पटेल जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए, मैं मा0 अध्यक्ष जी को धन्यवाद देना चाहूँगी कि उन्होंने मुझे वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत किये गये बजट पर बोलने का अवसर प्रदान किया। यह बजट एकमात्र औपचारिक ही नहीं है बल्कि इस बजट के माध्यम से जनता के भविष्य पर अच्छा असर पड़ेगा। बजट वर्ष 2017 व 2018 में करीब 3.84 लाख करोड़ रुपये का प्रस्तुत किया गया। सरकार ने लगभग सभी वर्गों के हितार्थ बहुत सारी योजनाओं को ध्यान में रखा था परन्तु इस बार वर्तमान सरकार ने एक बार फिर पिछले से दोगुने बजट लगभग 6 लाख करोड़ रुपये का पेश किया है। सरकार ने किसान लघु एवं सीमान्त किसानों के लिए किसान ऋण माफी योजना तथा समूह के माध्यम से किसान फार्म मशीनरी योजना लागू की है जिसके माध्यम से किसान अपने खेतों में जुताई फसल की कटाई के लिए कृषि यन्त्र खरीद सकता है। किसान सम्मान निधि योजना तथा किसानों की फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाकर किसान की आय को लगभग दोगुना करने का प्रयास किया गया है। प्रधानमंत्री ग्रामीण एवं शहरी आवास योजना, स्वच्छ भारत योजना, उज्ज्वला योजना आदि अन्य महत्वपूर्ण योजना चलाकर समूचे देश और उत्तर प्रदेश की जनता को लाभान्वित करने का काम किया है। जिस कारण से 37 साल के इतिहास को पलटते हुए सरकार के नेक कामों के कारण उत्तर प्रदेश की जनता ने भाजपा की दोबारा सरकार बनाकर मा0 योगी जी को मुख्य मंत्री बनाने का अवसर प्रदान किया है।

मैं माननीय वित्त मंत्री श्री सुरेश खन्ना जी के इस महत्वपूर्ण बजट से पूर्ण रूप से सहमत हूँ। यह बजट समूचे रूप से उत्तर प्रदेश की सभी विधान सभाओं की जनता की दशा और दिशा को सुचारु रूप से प्रभावित करेगा। समय के अभाव के कारण सदन की गरिमा को देखते हुए मैं आपका ध्यान घाटमपुर विधान सभा क्षेत्र की ओर आकर्षित कराना चाहूँगी। मैं अपना दल एस के प्रत्याशी के रूप में पहली बार घाटमपुर विधान सभा क्षेत्र से सदस्य के रूप में निर्वाचित हुई हूँ। मेरी घाटमपुर विधान सभा क्षेत्र बुन्देलखण्ड से लगी हुई है जिसका एक भाग तिरहर क्षेत्र को आता है। यहां पर सिंचाई आदि की व्यवस्था समुचित रूप से नहीं है। मेरी विधान सभा घाटमपुर में नवेली पावर प्लाण्ट परियोजना की नींव बहुत पहले रखी गई थी जिसका कार्य एक समय सीमा निश्चित करके पूरा कराया जाये। घाटमपुर कस्बे में जलभराव की

बहुत अधिक समस्या है। बरसात के समय में जलभराव की स्थिति और अधिक भयावह हो जाती है। माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

[07:16] *श्री राम सिंह-

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का अवसर प्रदान किया, जिसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। जैसा कि सर्वविदित है कि उत्तर प्रदेश में ज्यादातर आबादी ग्रामीण क्षेत्र में निवास करती है और कृषि पर आधारित है। सरकार ने मुख्य मंत्री कृषक कल्याण योजना में 600 करोड़ रुपये की धनराशि को 12,000 किसानों में अनुमानित मानकर प्रस्तावित किया है। अगर यही औसत है तो पिछले पांच वर्षों में 60,000 किसान दुर्घटना में मृत्यु को प्राप्त हुए होंगे या विकलांगता को प्राप्त हुए होंगे। सरकार को दुर्घटना के उन विभिन्न कारणों की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। मान्यवर, बजट में इस मद की धनराशि और माननीय राज्यपाल जी द्वारा प्रस्तुत अभिभाषण की धनराशि में भी अन्तर है। रोजगार के इस मुद्दे पर सरकार उत्तर प्रदेश के युवाओं के साथ छलावा कर रही है। सरकार ने इनवेस्टर्स समिट का आयोजन वर्ष 2018 में कराया था जिसके बारे में कहा गया है कि 4.68 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव में से 3 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव के कार्यान्वयन विभिन्न चरणों में हैं। इन निवेशों से पांच लाख रोजगार के अवसर सृजित होने की बात कही जा रही है। सरकार चार साल बाद 75000 करोड़ रुपये के निवेश को धरातल पर उतारने की बात कह रही है। जब 3 लाख करोड़ के क्रियान्वयन का ही काम हो रहा है तो 1.68 लाख करोड़ को दिखाना नहीं चाहिये। दूसरी तरफ सरकार निजी निवेश के माध्यम से 1.61 करोड़ युवाओं को निजी क्षेत्र में उपलब्ध कराने की बात कह रही है जबकि सरकार को यह भी बताना चाहिये कि निजी निवेश किस क्षेत्र में हुआ और किस क्षेत्र में रोजगार देने की बात सरकार वाहवाही लूटना चाह रही है।

मान्यवर, सरकार कोविड-19 के संक्रमण के कारण अनाथ और प्रभावित बच्चों के लिये दो योजनायें चला रही है, लेकिन इस योजना से कितने बच्चे प्रभावित हुए हैं, इस आंकड़े को छिपाना सरकार की नाकामयाबियों को दर्शाता है। मान्यवर, एक चीज मैं आपके संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि मुख्य मंत्री युवा स्वरोजगार योजना 2021-2022 में 5000 इकाइयों को स्थापित किया गया था जबकि मात्र 4187 ही उससे लाभान्वित हो पाये हैं। इसका तात्पर्य यह है कि सरकार रोजगार के प्रति कितनी सजग है, यह स्वयं ही परिलक्षित हो रहा है। मान्यवर, इसी के साथ मैं अपनी विधान सभा के दो छोटे-छोटे कार्यों की ओर आपका ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ। पिछली सपा सरकार में माननीय अखिलेश यादव जी के द्वारा पट्टी विधान सभा क्षेत्र

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

में किसान मण्डी का कार्य स्वीकृत किया गया था, उसकी बाउण्ड्री वाल बन गयी है लेकिन बाकी का काम अधूरा पड़ा हुआ है। मैं सरकार से चाहता हूँ कि इस किसान मण्डी के काम को जल्द से जल्द पूरा कराया जाये जिससे वहां के किसानों को बहुत दूर अपनी फसल बेचने के लिए न जाना पड़े और वह अपनी मण्डी में ही फसल को बेच सकें। मान्यवर, मेरी विधान सभा क्षेत्र में एक और कार्य होना है।

श्री अध्यक्ष-

चलिये, बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री राम सिंह-

मान्यवर, बस एक मिनट।

श्री अध्यक्ष-

समय हो गया है। बैठ जायें। सभी लोगों को बराबर का समय दिया है।

श्री राम सिंह-

ठीक है, मान्यवर, बहुत-बहुत धन्यवाद।

[07:20] *श्री प्रदीप शुक्ला-

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे सर्वप्रथम इस विधान सभा सत्र में बोलने का अवसर दिया, मैं इसके लिए आपके प्रति हृदय से आभार प्रकट करता हूँ। आज इस विधान सभा में उपस्थित सभी मा0 सदस्यों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ और मैं अपने सहजनवा विधान सभा क्षेत्र के देवतुल्य जनता को, देवतुल्य कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूँ जिनके सहयोग से मैं इस विधान सभा में आया हूँ। आदरणीय अध्यक्ष जी, मा0 योगी जी की सरकार के द्वारा कल प्रस्तुत किये गये लोक कल्याणकारी बजट के लिए सर्वप्रथम मैं अपनी तरफ से उत्तर प्रदेश की सभी सम्मानित जनता को बधायी एवं शुभकामनायें देता हूँ। आदरणीय अध्यक्ष जी कल इस सदन में भाजपा सरकार के द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट, एक ऐसा बजट है जिसमें लगभग सभी जनपदों का ध्यान रखा गया है। यह बजट एक समावेशी बजट है जिसमें प्रदेश के सभी वर्गों के लिए विभिन्न योजनाओं का प्राविधान किया गया है। जैसे कुछ विपक्ष के लोगों ने कहा कि 2017 के पहले क्या कुछ भी नहीं था। मैं उनको बताना चाहता हूँ कि आजादी के बाद उत्तर प्रदेश में केवल 13 मेडिकल कालेज थे और आज जब पूज्य महाराज जी की सरकार बनी तो पूरे उत्तर प्रदेश में 65 मेडिकल कालेज हैं और सरकार के इस कार्यकाल में उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में मेडिकल कालेज बन जायेंगे। जहाँ सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 में हमारी विधान सभा क्षेत्र में पहले इलाज नहीं होता था, आज वहां प्राइवेट क्लीनिक की तरह

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

पी0एच0सी0 और सी0एच0सी0 में इलाज हो रहा है। हमारा विधान सभा क्षेत्र तीनों ओर से फोर लेन से जुड़ा है जिसमें अटल आवासीय विद्यालय, आश्रम पद्धति विद्यालय, पालीटेक्निक कालेज पूज्य महाराज जी के आशीर्वाद से बन रहा है। आज विपक्ष के बलिया के एक सदस्य ने कहा कि हमारे विधान सभा में केवल दो घण्टे लाइट आती है। मैं उनको बताना चाह रहा हूँ कि वह किसी अन्य प्रदेश की बात कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में पूज्य महाराज जी की सरकार में दो घण्टे नहीं, बल्कि 20 घण्टे बिजली मिलती है।

मैं मा0 अध्यक्ष जी से यह बताना चाहता हूँ कि जहाँ तक शिक्षा की व्यवस्था है, पिछली सरकारों में शिक्षा में न कोई बच्चे पढ़ने जाते थे, न शिक्षक पढ़ाने जाते थे। आज विधान सभाओं में एक कान्वेन्ट स्कूल की तरह विद्यालय चल रहा है। उनके पहनावे से लेकर कान्वेन्ट बच्चों की तरह वह विद्यालय जा रहे हैं और मैं मा0 अध्यक्ष जी से यह बताना चाहता हूँ कि हमारे विधान सभा में गीडा एक औद्योगिक क्षेत्र है जहाँ 2017 के पहले एक जातीय प्रकोप के नाते वहां कोई उद्योगपति नहीं आते थे। महाराज जी की सरकार बनने के बाद वहां इतने उद्यमी आने लगे कि आज हमारे गीडा में नोएडा की तर्ज पर विकास हो रहा है और उद्यमी वहां स्वतंत्र होकर अपना कार्य कर रहा है। भयमुक्त गीडा औद्योगिक क्षेत्र चल रहा है जिसमें हमारे विधान सभा क्षेत्र के लोगों को अधिक से अधिक नियुक्तियां दी जा रही हैं, जिससे उन्हें अधिक से अधिक रोजगार मिल रहा है। आज हमारे गोरखपुर गीडा से पूरे देश सहित अन्य देशों में भी सामान की सप्लाई हो रही है। हमारा विधान सभा एन0एच0-28 पर है। वहां एक ट्रामा सेण्टर का निर्माण किया जाये और सहजनवा चौराहे पर ओवर ब्रिज का निर्माण किया जाये और हमारे यहां अप्सरा बाजार है, उसको नगर पंचायत का दर्जा दिया जाये। धन्यवाद।

[07:23] श्री विपिन सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे वर्ष 2022-23 के बजट पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि आदरणीय वित्त मंत्री जी का 2022-23 का जो बजट रहा है वह बहुत ही सराहनीय रहा है, इसकी जितनी प्रशंसा की जाये, कम है। जैसे कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने इतना काम किया है कि इसी का नतीजा है कि 2017 में भी योगी जी आये और 2022 में भी योगी जी आये। आदरणीय अध्यक्ष जी, मुफ्त राशन भी हमारे लिये बहुत ही कारगर रहा क्योंकि कोरोनाकाल में गरीबों की सुध किसी ने नहीं ली। हमारी सरकार ने पूज्य महाराज जी के नेतृत्व में कोरोनाकाल में गरीबों की जितनी सुध ली है, इसी नाते हम 2022 में आये। आदरणीय अध्यक्ष जी, विपक्षी साथियों के लिए है अभी चुनाव चन्द दिन पहले बीता है, "बहुत गुरूर था तूफान को अपने मौजों पर, हमें भी जिद थी दरिया के पार जाने की।"

मा0 अध्यक्ष जी, हमारे क्षेत्र में चूंकि कहने के लिए हमारा क्षेत्र गोरखपुर ग्रामीण है। हमारे क्षेत्र में शहर के 22 वार्ड आते हैं। अभी मेरे साथी कह रहे थे कि भाजपा सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए कुछ नहीं किया है लेकिन मैं देखता हूँ कि 22 वार्ड में से सिर्फ 07 वार्ड के पार्षद भारतीय जनता पार्टी के हैं, शेष समाजवादी पार्टी के जाति विशेष के पार्षद हैं। वहां पर 32,500 आवास बने हुए हैं जिसमें से 13,500 आवास अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के बने हुए हैं। मा0 योगी जी बांटते हैं, क्या। चाहे प्रधानमंत्री आवास हो, चाहे उज्ज्वला गैस कनेक्शन हो, चाहे राशन हो। यह सरकार सबका साथ, सबका विकास एवं सबके विश्वास की बात करती है। हमारे यहां पर 2-3 काम होने हैं। एक बॉटेनिक विश्वविद्यालय 52 एकड़ पशुपालन विभाग के नाम से हो गया है। आपके माध्यम से अनुरोध करेंगे कि इस विश्वविद्यालय के लिए स्वीकृति मिल जाये। माधवपुर बांध जो पट्टन तक जाता है जिसकी लम्बाई साढ़े तीन कि0मी0 है। आपके माध्यम से इसकी भी स्वीकृति मिल जाये।

'सफर में मुश्किलों से सामना होना ही था,
लाख तुम चाहो न चाहो फैसला होना ही था,
बेबसी तेरी या मेरी फर्क क्या पड़ता,
दोनों में से एक को बेवफा होना ही था।'

मा0 अध्यक्ष जी, मेरी विधान सभा क्षेत्र में क्वीं बाजार से कसिहार जो बांसगांव विधान सभा का हिस्सा है, उस पर चन्दा घाट पुल 35 करोड़ रुपये की लागत से बन चुका है। अगर हमारे मार्ग का चौड़ीकरण हो जाता है तो निश्चित है कि गोरखपुर शहर में कोई नहीं आयेगा, सीधे अगर किसी को बिहार या कुशीनगर जाना होगा तो करीब-करीब 25 कि0मी0 की दूरी कम होगी। इससे समय एवं डीजल दोनों की बचत होगी।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका समय समाप्त हो गया है, आप बैठ जायें।

श्री विपिन सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं अपनी बात सिर्फ एक शेर के साथ खत्म करना चाहूँगा कि-

'मछलियां थीं मगर जाल डाले नहीं,
पास कंकड़ थे बहुत मगर उछाले नहीं,
तुझको सीमाएं अच्छी लगी हैं, इसलिए
पांव चादर से तूने निकाला नहीं।'

[07:27] श्री नफीस अहमद-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे सत्र 2022-23 के ऊपर बोलने का मौका दिया, इसलिए आपका तहे-दिल से शुक्रिया अदा करता हूँ और साथ-ही-साथ मैं अपने क्षेत्र गोपालपुर की

महान जनता का शुक्रिया अदा करता हूँ कि उन्होंने अपनी आवाज को बुलन्द करने के लिए मुझे यहां पर भेजने का काम किया है। साथ-ही-साथ जब कल बजट पेश हो रहा था तो मैंने यह देखा कि मा0 वित्त मंत्री जी ने बहुत लम्बा-चौड़ा बजट पेश करने का काम किया, लेकिन जब हमने पिछले सत्र का बजट उठा कर देखा तो पिछली बार भी कहा गया था कि अपने इतिहास का यह सबसे बड़ा बजट है लेकिन जो खर्चा करना चाहिए था वह खर्चा नहीं हो पाया है। साथ-ही-साथ मैं कहना चाहूँगा कि-

'नीम के रस में मिला जब जहर मीठा हो गया,

झूठ इस कदर बोला कि सच्चा हो गया,

इतना सच बोल कि होठों का तबस्सुम न बुझे,

रोशनी खत्म ना कर आगे अंधेरा हो जाये।'

मा0 अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूँ कि इस बजट से किसानों, नौजवानों एवं बुनकरों को बड़ी उम्मीदे थीं कि जो बजट आयेगा, वह उनके घरों में खुशहाली लेकर आयेगा, महंगाई दूर करेगा, किसानों के घरों पर अलग सी रोशनी जलने का काम होगा लेकिन बहुत अफसोस हुआ कि जब बजट पेश हुआ, बजट आने के बाद पूरी उत्तर प्रदेश की जनता को यह महसूस हो गया कि इनकी कथनी और करनी में बहुत फर्क है। मैं कहना चाहता हूँ कि मैं जिस क्षेत्र से आता हूँ, मेरे क्षेत्र में सबसे ज्यादा गन्ना पैदा किया जाता है। गन्ना किसानों के भुगतान की बात होती है, भुगतान का डाटा तो पेश कर दिया जाता है लेकिन वह डाटा नहीं दिया जाता है जो गन्ना किसानों का अब तक का बकाया हुआ है। मेरी विधान सभा गोपालपुर के किसानों का भुगतान बकाया है। साथ-ही-साथ जब मेहनतकश किसान अपने खेतों की तरफ बढ़ता है तो उसकी नजरों के सामने ही छुट्टा जानवर उसके खेतों को रौंदने का काम करते हैं, छुट्टा जानवर उसकी खून-पसीने की फसल को बर्बाद करने का काम करते हैं। कहीं-कहीं पर किसानों को जान गंवानी पड़ती है। हमने तो यह सोचा था कि जैसे हमारे नेता मा0 अखिलेश यादव जी ने दुर्घटना बीमा को एक लाख से बढ़ाकर पांच लाख कर दिया।

मान्यवर, हमने सोचा था कि ये किसानों का हित करने के लिए उसे पांच लाख से दस लाख करने का काम करेंगे लेकिन आज तक वह वहीं पर अटका हुआ है। इसके साथ ही मैं कहना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा प्रदेश है, यहां पर सबसे ज्यादा नौजवानों की संख्या है लेकिन नौजवानों का कोई ध्यान नहीं है, नौजवान सड़कों पर बेरोजगारी की मार झेल रहा है, उनके पास रोजगार नहीं है, जो रोजगार का डाटा दिया जा रहा है वह सही नहीं है। दोपहर में माननीय मंत्री जी कहते हैं कि साढ़े चार लाख नौकरी दे दी और दोपहर के बाद माननीय मुख्य मंत्री जी कहते हैं कि पांच लाख नौकरी दे दी गयी है और संकल्प-पत्र में इन्होंने वादा किया था कि हम 70 लाख नौकरियां देने का काम करेंगे लेकिन

आज नौजवानों को नौकरी नहीं मिल रही है। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूँगा कि आप नौजवानों की काउंसिलिंग करा लें जिन्होंने रजिस्ट्रेशन कराया है, आज उत्तर प्रदेश का नौजवान डिप्रेशन का शिकार हो रहा है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय नफीस जी, बहुत-बहुत धन्यवाद, आप बहुत अच्छा बोले।

श्री नफीस अहमद-

मान्यवर, मैं एक मिनट में अपनी बात खत्म करूंगा, मैं पिछले कई सत्र से कहता आ रहा हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में तहसील की आवश्यकता है, वहां से रिपोर्ट भी आ गयी लेकिन तहसील को गोपालपुर विधान सभा क्षेत्र में बनाने का काम नहीं हो रहा है। बाढ़ग्रस्त इलाका है, आये दिन मौतें होती हैं, इलाज नहीं मिलता है। मैंने यह मांग की थी मेरे क्षेत्र विधान सभा गोपालपुर में सुपर स्पेशलिस्ट हास्पिटल बना दिया जाय।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद नफीस अहमद जी।

श्री नफीस अहमद-

मान्यवर, सरकारी कालेज बनाने का काम किया जाये। एक शेर से अपनी बात खत्म करूंगा,

निसार मैं तेरी गलियों पे ए वतन कि जहाँ
चली है रस्म कि कोई न सर उठा के चले
जो कोई चाहने वाला तवाफ को निकले
नजर झुका कर चले, जिस्म वो जां बचा कर चले।

[07:32] श्री रमेश-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे बजट 2022-23 पर बोलने का अवसर दिया उसके लिए मैं आपका हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। सर्वप्रथम मैं शाहगंज की देवतुल्य जनता, हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों का धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने मुझे यहां पर प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया। मैं अपने यशस्वी मुख्य मंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी, वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना, हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संजय निषाद जी एवं मंत्रि मण्डल ने जो बजट प्रस्तुत किया है, मैं हृदय से धन्यवाद देता हूँ। यह बजट आम जनमानस, गरीबों, छात्रों, किसानों का है। मेरी विधान सभा क्षेत्र शाहगंज में कुछ समस्याएं हैं। पिछले 20 सालों से हमारे शाहगंज का प्रतिनिधित्व समाजवादी पार्टी के एक विधायक कर रहे थे। हमारा शाहगंज विधान सभा क्षेत्र आज तक विकास से वंचित रहा है। हमारे शाहगंज विधान सभा क्षेत्र

की मूलभूत समस्याएं जैसे शाहगंज नगरपालिका में बाईपास की आवश्यकता है, सड़कों की हालत एकदम जर्जर अवस्था में है, विद्युतीकरण की भी आवश्यकता है। वहां का अस्पताल अपनी क्षमता के हिसाब से काम नहीं कर रहा है। प्रमुखता से हमारी रत्ना शुगर मिल बन्द पड़ी हुई है उसका पुनः संचालन आवश्यक है इसके लिए मैं सरकार से निवेदन करूंगा। वहां एक ट्रामा सेण्टर की आवश्यकता बहुत ज्यादा है क्योंकि वहां से बनारस लगभग डेढ़ सौ-दो सौ किलोमीटर दूर है, वहां से आने-जाने में काफी दिक्कत होती है। मैं पुनः इस पीठ से निवेदन करूंगा कि हमारे शाहगंज का विकास, जो आज तक वंचित रहा है, को प्राथमिकता देते हुए यह सरकार शाहगंज में अवश्य अच्छा कार्य करेगी। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

श्री रमेश जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। श्री रमेश जी से हम सभी को सीखना चाहिए।

[07:34] *श्रीमती सरिता भदौरिया-

मान्यवर, मैं विद्वान वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी द्वारा सदन में जो बजट पेश किया गया है, मुझे उसके समर्थन में आपने बोलने का अवसर दिया, मैं आपको बहुत धन्यवाद देती हूँ। हमारी सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए बहुत ही वरदान साबित हो रहा है लेकिन इन लोगों को दिक्कत हो रही है क्योंकि किसानों का 1 लाख 72 हजार 745 करोड़ रुपये गन्ने का भुगतान किया गया। देश में दूसरा स्थान है। 255 करोड़ रुपये किसानों के खाते में सीधे सम्मान निधि का भेजा गया। देश में पहला स्थान, तो दिक्कत होना स्वाभाविक है।

महिलाओं के लिए मुफ्त उज्ज्वला गैस कनेक्शन, 1.67 करोड़ महिलाहों को मुफ्त में उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिया गया। निराश्रित महिलायें जिनको 500 रुपये पेंशन दी जाती थी, उसे बढ़ाकर 1000 रुपये की गयी। सामूहिक विवाह के लिए 600 करोड़ रुपये का प्राविधान हमारे बजट में है। हमारे उत्तर प्रदेश के नौजवानों के लिये तकनीकी शिक्षा मिले, क्योंकि हमारे देश की जो शिक्षा व्यवस्था है, उसमें सारे लोग तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए अच्छे स्कूलों में एडमिशन नहीं ले सकते। इसलिए सरकार ने कहा कि हम सब को शिक्षा का समान अधिकार देंगे और उन नौजवानों को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिये टैबलेट और स्मार्ट फोन, लगभग 2 करोड़ देने का लक्ष्य सरकार ने तय किया है। सरकार की जनहितकारी नीतियों के कारण लोगों को दिक्कत हो रही थी। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं तो जहाँ से चुनकर आयी हूँ, इटावा से, पूरा सदन इस बात को कह रहा था, परेशान थे सारे लोग, लेकिन मैं आपसे कह रही हूँ कि पूरे खानदान ने, बहुत ही सम्मानित खानदान ने मेरे विपक्ष में एक-एक घर में जाकर वोट मांगने का काम किया, वहां पर जुलूस निकालने का काम किया, यात्रा निकालने का

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

काम किया। लेकिन मैं आपके माध्यम से इटावा विधान सभा की जनता को बहुत धन्यवाद देना चाहती हूँ, जिन्होंने 37 वर्ष के बाद दोबारा मुझे इस सदन में चुनकर भेजा और इटावा के इतिहास को बदलने का काम किया। (सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) आदरणीय अध्यक्ष जी, परेशानी होना स्वाभाविक है और इसलिए भी परेशानी हो रही होगी कि जब हमारे इधर के माननीय सदस्य टिकट मांग रहे होंगे तो उनसे एक आश्वासन लिया गया होगा। मुझे गाने की एक लाइन याद आती है कि-

'जो तुमको हो पसन्द, वही बात कहेंगे,

तुम दिन को अगर रात कहो, तो ये रात कहेंगे।

इसीलिए हमारा बजट इन्हें पसन्द नहीं आया। हमारा बजट इन्हें रास नहीं आया, क्योंकि उत्तर प्रदेश के बजट में जिस तरीके से शिक्षा के क्षेत्र में, बेसिक शिक्षा में, कम्पोजिट ग्राण्ट हो, काया-कल्प हो, उसके माध्यम से स्कूलों का काया-कल्प करने का काम किया गया, पर दिक्कत होनी थी, क्योंकि कुछ लोग चाहिए थे, जो लूट कर खाने में विश्वास रखते हैं, कुछ लोग चाहिए थे, जो बिना पढ़े पास होने में विश्वास रखते हैं। अब वह लोग योगी जी की सरकार में निराश हो रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद सरिता जी, समाप्त करें।

श्रीमती सरिता भदौरिया-

अध्यक्ष जी, अभी एक मिनट बाकी है।

श्री अध्यक्ष-

वह घड़ी बीच में बहुत देर से रुकी हुई है, कुछ मामला गड़बड़ है। आपका 3 मिनट हो गया है। कन्ट्रोल रूम से चेक करिए।

श्रीमती सरिता भदौरिया-

अध्यक्ष जी, अयोध्या के विकास के लिए 300 करोड़ का प्राविधान हमारी सरकार ने रखा है। इसी प्रकार काशी विश्वनाथ कॉरीडोर के लिए भी हमारी सरकार ने पर्याप्त बजट देने का काम किया है।

श्री अध्यक्ष-

आप समाप्त करें। अब श्री उमर अली खान जी।

श्रीमती सरिता भदौरिया-

अध्यक्ष जी, मैं इटावा से आती हूँ, मुझे सिर्फ एक मिनट और दे दीजिए। मैं आपसे कहना चाहती हूँ कि जो सैफई में मेडिकल कालेज खुला है, वह इटावा के लोगों के लिए

उपयोगी नहीं है। इसलिए इटावा जिले में एक नए मेडिकल कालेज को खोलने के लिए मैं आपसे मांग करती हूँ। हमारा जनपद आज तक जल भराव से ग्रसित है। तीन-तीन बार वहां से मुख्य मंत्री होने के बाद भी इटावा की गलियों में जल भरा रहता है। इसलिए इटावा की गलियों को जल भराव से मुक्ति के लिए भी हम आपसे मांग करते हैं और आपसे अन्त में इतना ही कहना चाहते हैं कि कोरोना की बहुत चर्चा कर रहे हैं, लेकिन मैं इसी इटावा में विधायक थी, डेढ़ महीने मैंने फ्री लंच, डिनर और खाने के लिए कैन्टीन खुलवाई थी। एक भी समाजवादी पार्टी या किसी दूसरे राजनीतिक दल का कार्यकर्ता सड़क पर निकल कर नहीं आया और डेढ़ महीने मैंने इटावा के लोगों के लिए और कोरोना पीड़ित के परिवार के लोगों के लिए कैन्टीन चलाने का काम किया था। आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं इसीलिए दोबारा इटावा से चुनकर आयी हूँ और आपको विश्वास दिलाती हूँ, जो हमारी सरकार ने योजना बनाई है कि हम हर विधान सभा क्षेत्र को एक पर्यटन स्थल देंगे, उससे हमारे प्रदेश के धार्मिक स्थलों का उद्धार होगा। हमारा पूरा प्रदेश पर्यटन के रूप में परिणित होगा।

श्री अध्यक्ष-

धन्यवाद। अब आपका लिखा नहीं जायेगा। अब उमर अली खान जी।

श्रीमती सरिता भदौरिया-

अध्यक्ष जी, आपने मुझे माननीय वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट के समर्थन में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

[07:39] *श्री उमर अली खान-

माननीय अध्यक्ष जी, मा0 वित्त मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट पर आपने मुझे चर्चा करने का मौका दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद और आभार प्रकट करता हूँ। मान्यवर, मुझे फख्र है कि उत्तर प्रदेश की 01 नम्बर सीट से जनता ने मुझे यहां पर चुनकर भेजा है। मैं बेहट विधान सभा क्षेत्र की जनता के प्रति आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होंने मुझे इस सदन में खड़े होकर बोलने का मौका दिलवाया।

मान्यवर, मेरे लिए यह फख्र की बात है कि जिस विधान सभा क्षेत्र से चुनकर जनता ने भेजा है वहां पर रहीमा खान सर्व समाज जिसको बहुत अदब से मानता है और मां शाकुम्बरी देवी जी का तीर्थ स्थल मन्दिर है जो पूरी दुनिया में मशहूर है, लेकिन मैं अफसोस के साथ कहता हूँ कि जनता दुखी है कि इस बजट में हमारी माँ शाकुम्बरी देवी जी के मन्दिर के क्षेत्र का कहीं जिक्र नहीं है। जबकि मा0 मुख्य मंत्री जी ने चुनाव की शुरुआत माँ शाकुम्बरी देवी जी के मन्दिर में जाकर दर्शन के बाद शुरुआत की थी। मैं अपनी के बारे में कहना चाहूँगा

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

कि घाट का एक पिछड़ा क्षेत्र है, यहां पर बहुत ज्यादा बारिश होती है जो कि बाढ़ का रूप अख्तियार कर लेती है या फिर वहां पर इतना सूखा पड़ता है कि वहां पर पीने के पानी के लिए लोगों को बहुत दिक्कत होती है। आपने टी0वी0 के माध्यम से देखा भी होगा कि लोग आधा-आधा किलोमीटर दूर जाकर नल से पानी लेकर जनता आती है। कई ऐसे गांव हैं जो बहुत ज्यादा पानी से प्रभावित हैं। मैं बहुत कुछ कहना चाहता हूँ लेकिन वक्त की कमी है। मैं आपसे विनती करूंगा कि खासतौर से हमारे यहां रोजगार की बहुत समस्या है। हमारा जो विधान सभा क्षेत्र है बेहट है, यह तीन प्रदेशों से घिरा हुआ है। हिमाचल, उत्तराखण्ड, हरियाण का बार्डर लगता है और इन लोगों को रोजगार के लिए कई-कई किलोमीटर दूर जाकर काम तलाश करना पड़ता है। माँ शाकुम्बरी देवी जी के नाम से एक शुगर मिल वहां पर हुआ करती है जो गुड़गांव के अन्दर है। हमारी विधान सभा क्षेत्र मे एक गांव है जिसके अन्दर शुगर मिल 15 साल से बन्द पड़ी हुई है। लोग वहां पर बेरोजगार हो रहे हैं, वहां पर लोगों के होटल हुआ करते थे, कारोबार था, लेकिन सब ठप हो रहा है। मैं सरकार से विनती करूंगा कि उस मिल को जल्द से जल्द चालू करने की कृपा की जाय।

मैं खासतौर से गुजारिश करूंगा कि हमारे यहां पर एक जाति रहती है जिसे वन गुर्जर कहते हैं जो पहाड़ों और जंगलों के अन्दर रहते हैं, उन जातियों के लिए भी कुछ सोचा जाय। आजकल बिजली वाले बहुत छापा मार रहे हैं, हम इस बात के लिए मना नहीं कर रहे हैं। यह अच्छी बात है, छापा मारना चाहिए, लेकिन मैं आपसे यह विनती करना चाहूँगा सदन के माध्यम से कि जो बिजली वाले छापे मार रहे हैं, वह गलत टाइम पर मारे जा रहे हैं। वहां पर साढ़े चार बजे, साढ़े तीन बजे, पांच बजे जब वह लोग सो रहे होते हैं, उनके घरों में जब पुलिस घुसती है चाहे उस चीज को हम अपने ऊपर लेकर देख लें जब हम अपनी मां-बहन के साथ हो और पुलिस अन्दर घुस जाए तो आम आदमी पुलिस से भिड़ जाएगा, उसके बाद उनके ऊपर मुकदमे लिखे जा रहे हैं। मैं विनती करूंगा कि हमारे यहां पी0जी0आई0 है, लेकिन पी0जी0आई0 के अन्दर कोई सुविधा नहीं है। आप पता करके देख लीजिए, कि किस कदर वहां पर एक्यूपमेण्ट की कमी है। मैं विनती करूंगा कि हमारे यहां पर बाईपास की बहुत बड़ी दिक्कत है, अक्सर वहां पर जाम लगा रहता है। अगर आप बेहट रोड से देहरादून रोड पर जाना चाहें तो आप नहीं जा सकते, अगर देहरादून रोड से दिल्ली रोड जाना चाहें तो नहीं जा सकते। मेरी आपके माध्यम से अपील है कि बाईपास भी बनाया जाए। हमारा जिला जिसका नाम स्मार्ट सिटी में शामिल है। जिसके अन्दर स्मार्ट सिटी का नाम दिया गया, लेकिन आज तक वहां पर बाईपास की सुविधा उपलब्ध नहीं है। मैं आपसे अपील करूंगा कि हमारे यहां पर जो पहाड़ी इलाका है, उसके अन्दर पानी स्टॉक करके वहां पर बांध बनाने की कृपा करें। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

[07:43] चर्चा में प्रतिभाग करने वाले सदस्यों के नाम के साथ उनके जनपद का नाम भी प्रदर्शित करने हेतु एन0आई0सी0 टीम को निर्देश एवं नियम-301 के अन्तर्गत ली जाने वाली सूचनाओं की संख्या बढ़ाने की सूचना

श्री अध्यक्ष-

मैं सभी मा0 सदस्यों से यह निवेदन करूंगा कि बहुत सारे सदस्य बहुत सारी बातें कहना चाहते थे, लेकिन आप लोग संक्षिप्त में अपनी जो बात कह देंगे वह हम कार्यवाही का अंग बना लेंगे, जो भी आप लिख कर देंगे वह हमारी कार्यवाही का अंग बन जाएगा, कार्यवाही में आपकी पूरी बात आ जाएगी। दूसरी बात यह है कि हमारे एन0आई0सी0 वाले और कन्ट्रोल रूम वाले सुनें, जो भी मा0 विधायक बोलते हैं उनका नाम आता है और उनके नाम के साथ उनकी विधान सभा का नाम और उनके जिले का नाम भी जुड़ेगा। इस बात को सुनिश्चित कर देंगे कि विधान सभा के नाम के साथ-साथ जिले का भी नाम आए। जैसे विधान सभा होती है किसी जिले में तो सबको मालूम नहीं होता है जिले का नाम तो जिले का भी नाम वहां पर आ जाए। आज मैंने बहुत महत्वपूर्ण सूचनाएं दी हैं, नियम-300 के अन्तर्गत अभी तक हम रोज 15 सूचनाएं लेते थे, लेकिन आज मुझे अच्छा लगा कि इतने सारे मा0 सदस्य यहां पर सभी ने अपना पार्टीसिपेशन किया और शनिवार के दिन भी इतनी बड़ी संख्या में आकर सवेरे से यहां पर मा0 सदस्य बैठे हुए हैं। मैंने यह निर्णय लिया कि 301 की सूचनाएं आप सबको मालूम है कि एक हफ्ते में एक ही ली जाती है। सबको मालूम है।

[07:45] नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 28-05-2022 को नियम-301 के अन्तर्गत कुल 66 सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिसमें 49 सूचनाएं ली गई हैं। हमने इनकी संख्या 15 से तीन गुना बढ़ाकर 49 कर दी है, लेकिन अब इसमें एक बात है कि जो मा0 सदस्य अनुपस्थित होंगे, उनकी सूचनाएं नहीं ली जाएंगी। मैं सभी मा0 सदस्यों के नाम पढ़े दे रहा हूँ, आप सब अपनी उपस्थिति बता देंगे।

पहली सूचना श्री अजय की जनपद-गोण्डा के अन्तर्गत लखनऊ-गोण्डा मार्ग पर रेलवे लाइन पर उपरिगामी सेतु का निर्माण कराये जाने के संबंध में है, दूसरी सूचना श्री माता प्रसाद पाण्डेय की जनपद-सिद्धार्थनगर के विधान सभा क्षेत्र-इटवा के अन्तर्गत डुमरियागंज एवं इटवा के मध्य स्थित शाहपुर/भोजपुर बांध को बनाये जाने के संबंध में है, तीसरी सूचना श्री अनिल कुमार अनिल प्रधान की जनपद-चित्रकूट में कार्यरत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के संबंध में है, चौथी सूचना श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0के0 वर्मा की जनपद-प्रतापगढ़ की विधान सभा क्षेत्र-रानीगंज में कतिपय मार्गों की मरम्मत/चौड़ीकरण कराये जाने के संबंध में है, पांचवीं सूचना डॉ0 सुनील पटेल की

जनपद-वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र-रोहनिया के अन्तर्गत तटबंध बनवाये जाने के संबंध में है, छठी सूचना श्री ओम प्रकाश की जनपद-गाजीपुर की विधान सभा क्षेत्र-जमनिया के ब्लाक-गहमर दिलदारनगर में स्थित राजकीय विद्यालय के भवन की मरम्मत कराये जाने के संबंध में है, सातवीं सूचना श्री जियाउर्रहमान की जनपद-सीतापुर के सिधौली में स्थित वक्फ काजी रजी अहमद वक्फ सं0-23 सीतापुर में सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के आदेश के अनुपालन में वर्तमान मुतवल्ली का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने के संबंध में है, आठवीं सूचना श्री अरविन्द गिरि की जनपद-लखीमपुर खीरी के अन्तर्गत पीलीभीत-लखीमपुर तथा नेपाल सीमा पर शारदा नदी पर बांध व तटबन्ध बनाये जाने के साथ नदी का सीमांकन कराये जाने के संबंध में है, नौवीं सूचना श्री भूपेश चौबे की जनपद-सोनभद्र के वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर बने ओवरब्रिज पर प्रकाश तथा जाली की व्यवस्था कराये जाने के संबंध में है, दसवीं सूचना डॉ0 डी0सी0 वर्मा की जनपद-बरेली के विधान सभा क्षेत्र मीरगंज के अन्तर्गत ग्राम-नरखेड़ा के पास भाखड़ा नदी व फतेहगंज पश्चिमी व दिबना के बीच दिजोड़ा नदी पर पुलों का निर्माण कराये जाने के संबंध में है, ग्यारहवीं सूचना श्री पूरन प्रकाश की जनपद-मथुरा के अन्तर्गत बल्देव विधान सभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग का ततरौता मार्ग से चुरमुरा पुल तक के मार्ग को पक्का एवं चौड़ीकरण कराये जाने के संबंध में है, बारहवीं सूचना श्री रामपाल वर्मा की जनपद-हरदोई के अन्तर्गत कछौना में स्थित मां कामाख्या देवी मन्दिर का सौन्दर्यीकरण कराये जाने के संबंध में है, तेरहवीं सूचना श्री अमित सिंह चौहान की जनपद-अयोध्या के विकास खण्ड मसौधा में के0एम0 शुगर मिल मसोधा द्वारा फैलाये जा रहे प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति के संबंध में है, चौदहवीं सूचना श्री विकास गुप्ता की जनपद-फतेहपुर में अग्निशमन केन्द्र का निर्माण कराये जाने के संबंध में है, पन्द्रहवीं सूचना श्री आशु मलिक की जनपद-सहारनपुर के अन्तर्गत कतिपय कालोनियों में विद्युत तारों एवं खम्भों को बदले जाने जाने के संबंध में है, सोलहवीं सूचना श्री कमाल अख्तर की उ0प्र0 सुन्नी वक्फ बोर्ड में 18वीं विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों का चुनाव कराकर बोर्ड में रखे जाने के संबंध में है, सत्रहवीं सूचना श्रीमती विजमा यादव की जनपद-प्रयागराज के अन्तर्गत ग्राम-गोलवां, कोठवा में स्थित बरना नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के संबंध में है, अट्ठारहवीं सूचना श्री रमेश सिंह की जनपद-जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र-शाहगंज में फायर स्टेशन की स्थापना कराये जाने के संबंध में है, उन्नीसवीं सूचना श्री राम सिंह की जनपद-प्रतापगढ़ के विधान सभा क्षेत्र-पट्टी के अन्तर्गत कतिपय ग्राम-सभाओं में विद्युतीकरण कराये जाने के संबंध में है, बीसवीं सूचना श्री प्रदीप कुमार सिंह की जनपद-हाथरस की विधान सभा क्षेत्र-सादाबाद में पुलिया का निर्माण कराये जाने के संबंध में है, इक्कीसवीं सूचना श्री राजेन्द्र सिंह पटेल की जनपद-फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र-जहानाबाद के ग्राम-खजुहा के ऐतिहासिक गेटों के रख-रखाव के संबंध में है, बाइसवीं सूचना श्री अभय सिंह की जनपद-अयोध्या निवासी अनिल कुमार पाण्डेय पुत्र श्री मुनि

कुमार पाण्डेय के हैसियत प्रमाण-पत्र को निरस्त करते हुए कार्यवाही कराये जाने के संबंध में है, तेइसवीं सूचना श्री राम अवतार सिंह की जनपद-बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र-नूरपुर में रामगंगा मुख्य नहर पर पुल का निर्माण कराये जाने के संबंध में है, चौबीसवीं सूचना श्री तसलीम अहमद की जनपद-बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र-नजीबाबाद के अन्तर्गत पूरनपुर-बिजौरी जट्टीवाला मार्ग पर मूर्ति देवी इण्टर कालेज तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के संबंध में है, पच्चीसवीं सूचना श्री बम्बालाल की जनपद-उन्नाव में तैनात अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग श्री ओ0पी0 सोनकर द्वारा वर्ष 2010 से 2013 के बीच प्रतापगढ़ में तैनाती के दौरान किये गये भ्रष्टाचार के संबंध में है, छब्बीसवीं सूचना श्री महेन्द्र नाथ यादव की जनपद-बस्ती नगर पालिका की नजूल की भूमि को अवैध कब्जेदारों से मुक्त कराये जाने के संबंध में है, सत्ताइसवीं सूचना श्रीमती सरोज सोनकर की जनपद-बहराइच के विधान सभा क्षेत्र-बलहा के अन्तर्गत विकास खण्ड मिहीपुरवा के ग्राम-कुड़वा में बारात घर का निर्माण कराये जाने के संबंध में है, अट्ठाइसवीं सूचना श्री रफीक अंसारी की जनपद-मेरठ के राजकीय कन्या इण्टर कालेज को दो पाली में चलाये जाने तथा क्षमतानुसार शिक्षिकाओं की नियुक्ति किये जाने के संबंध में है, उन्तीसवीं सूचना श्री अखिलेश की जनपद-आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र-मुबारकपुर में मुबारकपुर-ढखवा सम्पर्क मार्ग की मरम्मत कराये जाने के संबंध में है, तीसवीं सूचना श्री पंकज मलिक की जनपद-मुजफ्फरनगर जिला पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को किये जाने के संबंध में है तथा इकतीसवीं सूचना श्री मनोज कुमार पाण्डेय की जनपद-रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र-ऊँचाहार में प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत द्वितीय और तृतीय किस्त अवमुक्त किये जाने के संबंध में है।

निम्नलिखित माननीय सदस्यों की सूचनाएं अस्वीकार की गईं :-

मो0 हसन 'रूमी', श्री अमिताभ बाजपेयी, श्री प्रभु नारायण सिंह यादव, डॉ0 मुकेश वर्मा, श्री समरपाल सिंह, श्री रमेश जायसवाल, श्री राम अचल राजभर, श्री राजीव तरारा, श्री लक्ष्मीराज सिंह, श्री रामरतन कुशवाहा, श्री प्रसन्न चौधरी, श्री अब्बास अंसारी, श्री विनय प्रकाश गोंड, श्री जय कुमार सिंह 'जैकी', श्री हाकिम लाल बिन्द, श्री जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, श्री शाहिद मंजूर, श्री वीर विक्रम सिंह, श्री शशांक वर्मा, प्रो0 श्याम बिहारी लाल, श्री मनीष रावत, श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना', श्री रमेश चन्द्र मिश्र, श्री मनोज कुमार पारस, श्री धर्मराज यादव 'सुरेश यादव', श्री अतुल प्रधान, श्री संग्राम सिंह, श्री अनिल पाराशर, डॉ0 एम0पी0 आर्य, श्री अभिजीत सिंह सांगा, श्री तेजपाल सिंह नागर, श्री ब्रजभूषण राजपूत, श्री जय प्रकाश अंचल, श्री चन्द्र प्रकाश, श्री मनीष कुमार उर्फ मन्टू।

श्री अध्यक्ष-

जो माननीय सदस्य यहां पर उपस्थित हैं, उन सभी मा0 सदस्यों की सूचनाएं ली गई हैं। अब इससे ज्यादा तो मैं कुछ नहीं कर सकता।

(एक सदस्य द्वारा खड़े होकर यह कहे जाने पर कि मेरी सूचना नहीं ली गई)

आपकी सूचना पहले हो चुकी होगी। अब मैं आगे नियम-51 की सूचनाएं लूंगा।

(तत्पश्चात् उन्हीं सदस्य द्वारा लगातार खड़े रहकर दोबारा यह कहे जाने पर कि मेरी सूचना नहीं ली गई)

आपकी सूचना इसमें होगी नहीं। अगर आप याचिका की बात कर रहे हैं तो याचिकाएं अभी आगे आएंगी। अगर आपकी सूचना नियम-301 में है तो फिर शायद आपकी सूचना इस हफ्ते में ली जा चुकी होगी, क्योंकि नियम-301 की सूचना एक हफ्ते में एक ही बार ली जाती है। आप चाहें तो आदरणीय माता प्रसाद पाण्डेय जी से पूछ लें। मैंने यह पहले ही बोला है कि जिन लोगों की नहीं ली गई हैं, उन्हीं की ली जाएंगी।

(सदन की सहमति से स्वीकृत सूचनाएं पढ़ी हुई मानी गयीं)

जनपद-गोण्डा के अन्तर्गत लखनऊ-गोण्डा मार्ग पर रेलवे लाइन पर उपरिगामी सेतु का निर्माण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अजय-

[महोदय, मेरे जनपद गोण्डा को लखनऊ से जाने वाला मार्ग लखनऊ-गोण्डा मार्ग पर रेलवे पर उपरिगामी पुल की नितान्त आवश्यकता है। गोण्डा जनपद प्रदेश का अत्यधिक पिछड़ा हुआ क्षेत्र है। इस जनपद को जोड़ने वाली सड़क पर रेलवे लाइन पर उपरिगामी पुल न होने के कारण इस मार्ग से गुजरने वाले को आधे से पौन घंटे तक इन्तजार करना पड़ता है। सड़क का समुचित विकास न होने के कारण गोण्डा औद्योगिक दृष्टि से पिछड़ा हुआ है। अभी तक जिले में भारी उद्योग की इकाइयां स्थापित नहीं हो पायी हैं। किसी भी जिले के औद्योगिक विकास के लिए यह आवश्यक है कि उसकी अच्छी कनेक्टिविटी हो। रेलवे लाइन पर पुल न होने के कारण बराबर इस रोड पर जाम बना रहता है। समय एवं ऊर्जा का अनावश्यक अपव्यय होता है। गोण्डा जनपद के जनसामान्य की मांग रही है कि इस सड़क पर रेलवे उपरिगामी पुल का निर्माण कराया जाय। शासन की योजना के अन्तर्गत सभी जनपदों को, राजधानी को फोरलेन से जोड़ने एवं बिना किसी बाधा के आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराये जाने की नीति घोषित की गयी है। इस जनपद के परिप्रेक्ष्य में इस सुविचारित नीति का परिपालन नहीं किया जा रहा है। गोण्डा जनपद की कनेक्टिविटी के लिए इस रेलवे उपरिगामी पुल का जनहित में निर्माण किया जाना नितान्त आवश्यक है।

मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि इस लोक महत्व के प्रश्न को स्वीकार करते हुए विशेष प्राथमिकता प्रदान करते हुए उक्त रेलवे उपरिगामी पुल के निर्माण की कार्यवाही समयबद्ध कराने का कष्ट करें।]

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद-सिद्धार्थनगर के विधान सभा क्षेत्र-इटवा के अन्तर्गत डुमरियागंज एवं इटवा के मध्य स्थित शाहपुर/भोजपुर बांध को बनाये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री माता प्रसाद पाण्डेय-

[मान्यवर, आपके माध्यम से सदन का ध्यान जनहित एवं लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र इटवा, जनपद सिद्धार्थनगर में राप्ती नदी के बायें तरफ से शाहपुर से भोजपुर के मध्य बने बांध पूर्ण न होने के कारण सैकड़ों गांव की फसलें नष्ट हो जाती हैं। उक्त गांव में भुखमरी एवं पलायन की स्थिति निरन्तर बनी रहती है तथा बांध से सटे गांव बाढ़ की स्थिति में तबाह हो जाते हैं। बाढ़ आने से बांध से सटे गांव के निवासी गांव छोड़कर ऊंची जगह जाकर डेरा डालकर रहने पर मजबूर हैं। बांध जगह-जगह क्षतिग्रस्त है एवं कार्य पूर्ण नहीं कराया गया है।

अतः इस जनहित एवं लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल तहसील डुमरियागंज एवं इटवा के मध्य स्थित शाहपुर/भोजपुर बांध हेतु धन आवंटित कर यथाशीघ्र कार्य पूर्ण कराये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद-चित्रकूट में कार्यरत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अनिल कुमार अनिल प्रधान-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय पर अवगत कराना चाहता हूँ। सादर अवगत कराना है कि मार्च, 2011 में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के पद पर जनपद चित्रकूट में नियुक्त होते ही एक सूत्रीय कार्य अध्यापकों का शोषण एवं दोहन शुरू कर दिये-

1-ग्राम पंचायत रगौली चित्रकूट में एक साथ 13 शिक्षकों को निलम्बित किया और एक माह के अन्दर पैसा लेकर सभी को बहाल कर दिया।

2-निराधार आरोप लगाकर जनपद में लगभग 300 शिक्षकों के ऊपर कार्यवाही एवं 150 शिक्षकों को निलम्बित कर 50 हजार से 1 लाख तक वसूली कर बहाल कर दिया गया और जिन्होंने पैसा कम दिया उन्हें दण्ड के साथ बहाल किया गया।

3-अनेक शिक्षक जो पैसा देने में असमर्थता दिखा रहे हैं, वे अभी भी निलम्बित चल रहे हैं, उनका सत्यापन ब्लाकवार जांच कराकर किया जा सकता है।

4-एस0एम0सी0 समिति को खेल-कूद सामग्री क्रय करना था, लेकिन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के रिश्तेदार श्री बब्लू जो उनके साथ वसूली अधिकारी के रूप में रहते हैं,

---

नोट :-[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

उन्होंने अपने चहेती फर्म जनपद मऊ के द्वारा दबाव बनाकर लगभग 70 प्रतिशत विद्यालयों में मानक विहीन घटिया खेल-कूद सामग्री की आपूर्ति कराकर जबरदस्ती एस0एम0सी0 द्वारा चेक लिया गया।

5-पहले बोलेरो गाड़ी विभाग में लगी हुई थी। उसको हटाकर अपनी गाड़ी स्विफ्ट डिजायर को लगाकर धन आहरण करा रहे हैं, जिसकी जांच करायी जानी चाहिए।

6-इनकी उक्त शोषण व उत्पीड़नात्मक शैली के कारण प्राथमिक विद्यालय, चरैया क्षेत्र मानिकपुर के 07 माह से निलम्बित चल रहे नवयुवक सहायक शिक्षक श्री राजाराम गौतम बी0आर0सी0 मानिकपुर व कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चित्रकूट के चक्कर काटते-काटते दिनांक 18-05-2022 को अचानक मृत्यु हो गई।

अतः इस जनहित में लोक महत्व के गम्भीर विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल कार्यवाही कराये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद-प्रतापगढ़ की विधान सभा क्षेत्र-रानीगंज में कतिपय मार्गों की मरम्मत/चौड़ीकरण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

[मान्यवर, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान एक अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर आकर्षित करते हुए अवगत कराना चाहता हूँ कि विधान सभा क्षेत्र-250, रानीगंज अन्तर्गत निम्नलिखित मार्ग जो ओ0डी0आर0 की श्रेणी में हैं। यातायात घनत्व अधिक होने से अत्यन्त जर्जर व गड्ढे में तब्दील हो चुके हैं जिससे क्षेत्रवासियों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे क्षेत्रवासियों में सरकार के प्रति आक्रोश व्याप्त है-

1-फतनपुर-वीरापुर मार्ग लम्बाई 10 कि0मी0 (ओ0डी0आर0)

2-ताला-दिलीपपुर, लच्छीपुर-चौहरजन मार्ग लम्बाई 15 कि0मी0 (ओ0डी0आर0)

3-रामापुर-लच्छीपुर मार्ग लम्बाई 10 कि0मी0 (ओ0डी0आर0)

4-देल्हूपुर से पुरैला होते हुए खुशियालगढ़ मार्ग लम्बाई 06 कि0मी0 (ओ0डी0आर0)

5-सुवंशा-मडुवाडीह मार्ग लम्बाई 11 कि0मी0 (ओ0डी0आर0)

अतः मान्यवर, जनहित व अविलम्बनीय, लोक महत्व व यातायात घनत्व के दृष्टिगत उपरोक्त मार्गों का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित कर कृत कार्यवाही को सदन के पटल पर रखने की मांग करता हूँ।]

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद-वाराणसी के विधान सभा क्षेत्र-रोहनिया के अन्तर्गत तटबन्ध बनवाये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डॉ0 सुनील पटेल-

[मान्यवर, जनहित एवं लोक महत्व के विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम सभा रमना, तारापुर टिकरी, मुड़ादेव, मलहियां एवं बेटावर आदि गांवों में वर्षाकाल में बाढ़ का पानी गढ़वा घाट आश्रम से होते हुए इन क्षेत्रों में पहुंच जाता है, जिससे भयावह बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है। बाढ़ से इन क्षेत्रों की फसलें जैसे सेम, करैला, तरोई आदि जैसी अन्य सब्जियां जो कि अन्य प्रदेश में अधिक मात्रा में निर्यात किया जाता है, पूर्णतः बर्बाद हो जाती हैं तथा जान-माल एंव बहुत अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बाढ़ के पानी की वजह से सम्पूर्ण क्षेत्र में महामारी फैलने का डर भी बना रहता है। बाढ़ का पानी उन क्षेत्रों में न जाने पाये, इसके लिए तटबन्ध बनवाकर इन क्षेत्रों को बाढ़ की भयावह स्थिति से बचाया जाना नितान्त आवश्यक है।

अतः अविलम्बनीय एवं लोक महत्व के इस विषय पर शासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल उक्त क्षेत्र में तटबन्ध बनवाने हेतु शीघ्र कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद-गाजीपुर की विधान सभा क्षेत्र-जमनिया के ब्लाक-गहमर, दिलदारनगर में स्थित राजकीय विद्यालय के भवन की मरम्मत कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री ओम प्रकाश-

[मान्यवर, आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र जमनिया के ब्लाक गहमर, दिलदारनगर, जनपद गाजीपुर के राजकीय विद्यालय के भवन काफी जर्जर व क्षतिग्रस्त हैं।

अतः इस जनहित एवं लोक महत्व के गम्भीर विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए राजकीय विद्यालय के भवन का निर्माण कराये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद-सीतापुर के सिधौली में स्थित वक्फ काजी रजी अहमद, वक्फ सं0-23, सीतापुर में सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के आदेश के अनुपालन में वर्तमान मुतवल्ली का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री जियाउर्रहमान-

[मान्यवर, जनपद सीतापुर, तहसील सिधौली, ग्राम-बाड़ी में स्थित वक्फ काजी रजी अहमद, वक्फ सं0-23, सीतापुर में सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के आदेश के अनुपालन में वर्तमान

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

मुतवल्ली का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने की ओर मा0 सदन का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ। उक्त के सम्बन्ध में समय-समय पर सम्बन्धित द्वारा स्थानीय प्रशासन एवं शासन से लगातार कई बार अनुरोध किया जाता रहा है जिसके फलस्वरूप राजस्व अनुभाग-9, उ0प्र0 शासन के पत्र संख्या-62/एक-9-2021, दिनांक 31 जनवरी, 2022 को एवं मा0 मुख्य मंत्री कार्यालय द्वारा पत्रांक/आई0जी0आर0एस0 सं0-18157220045909, दिनांक 07-05-2022 को जिलाधिकारी, सीतापुर को भी पत्र प्रेषित किया गया है, किन्तु राजस्व विभाग की उदासीनता के कारण उक्त के सम्बन्ध में कोई कार्यवाही नहीं की गयी है।

अतः मा0 सदन के माध्यम से शीघ्र जनपद सीतापुर, तहसील सिधौली, ग्राम-बाड़ी में स्थित वक्फ काजी रजी अहमद, वक्फ सं0-23, सीतापुर में सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के आदेश के अनुपालन में वर्तमान मुतवल्ली का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद-लखीमपुर खीरी के अन्तर्गत पीलीभीत-लखीमपुर तथा नेपाल सीमा पर शारदा नदी पर बांध व तटबन्ध बनाये जाने के साथ नदी का सीमांकन कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अरविन्द गिरि-

[महोदय, अवगत कराना है कि जनपद लखीमपुर खीरी की ज्वलन्त समस्या बाढ़ व कटान की है। 50-60 करोड़ रुपये वर्षाकाल से पूर्व बाढ़ की रोकथाम के लिए, 40-50 करोड़ रुपये बाढ़ के समय विभिन्न सामग्री बांटने के लिए और बाढ़ जाने के बाद 50-60 करोड़ रुपये बाढ़ से हुई क्षतिपूर्ति के सम्बन्ध में साथ ही विशेष योजनाओं में करोड़ों रुपये का व्यय अर्थात् प्रतिवर्ष लगभग 2-250 करोड़ रुपये व्यय हुआ बल्कि यों कहें कि गरीब जनता के धन की लूट होती है, किन्तु अब भी हम वहीं खड़े हैं, जहाँ 20-25 वर्ष पूर्व थे।

मा0 मुख्य मंत्री जी की उक्त समस्या को लेकर संवेदनशीलता के चलते अत्यधिक कार्य हुआ है, समय से व्यवस्थायें दी गयी हैं। जान-माल बचाने हेतु हर सम्भव प्रयास किया गया है। पूर्व की सरकारों में मार्च-अप्रैल में योजना स्वीकृत होकर बजट का भी प्रावधान कर दिया जाता था, किन्तु अधिकारी जून-जुलाई में कार्य कराते थे, जो सरकारी धन के लूट का माध्यम बनती थी और धन की बर्बादी भी होती थी। हर्ष का विषय है कि आज अन्तिम सीमा खींच दी गयी है कि 31 मई तक परियोजनाओं को पूर्ण करना होता है, किन्तु सारे प्रयास जब ही होंगे, जब बाढ़ व कटान का स्थायी निदान हो, जिसके लिए आवश्यक पीलीभीत, लखीमपुर तथा नेपाल सीमा पर बांध बनाये जाने के साथ ही नदी का सीमांकन हो। साथ ही 150 कि0मी0 डिस्टिलिंग

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

व तटबन्ध का निर्माण हो। हम सभी को यह अवगत कराया जाता है कि नेपाल में बांध की परियोजना चल रही है, जिससे समस्या का निदान हो गया है, किन्तु हम यह विगत 15-20 वर्षों से सुन रहे हैं और अगर नेपाल में बांध बन भी गया तो उसका संचालन उनके हाथ में होगा हम अपनी आवश्यकताओं के आधार पर कुछ भी नहीं कर सकेंगे।

संज्ञान रहे कि हजारों किसानों की भूमि नदी में समाहित हो जाने के कारण आज भूमिहीन हैं और भुखमरी के कगार पर हैं, जिन्हें घर व जमीन मिल जायेगी तथा प्रतिवर्ष होने वाली तबाही से बचा जा सकेगा।]

जनपद-मथुरा के अन्तर्गत बल्देव विधान सभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग का ततरौता मार्ग से चुरमुरा पुल तक के मार्ग को पक्का एवं चौड़ीकरण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री पूरन प्रकाश-

[महोदय, जनपद मथुरा के अन्तर्गत बल्देव विधान सभा क्षेत्र में यमुना नदी पर चुरमुरा सेतु निगम द्वारा पुल का निर्माण कराया गया। यह पुल बल्देव क्षेत्र के अन्तर्गत चुरमुरा पुल से नेशनल हाई-वे-2 मथुरा-आगरा को जोड़ता है। बल्देव में बलदाऊ जी महराज का विशाल मन्दिर है। इसी पुल पर से ग्रामीण अंचल के सभी लोग तथा श्रद्धालु व पर्यटक गुजरते हैं। इस पुल पर जाने के लिए लो0नि0वि0 का ततरौला मार्ग से चुरमुरा पुल तक का 04 कि0मी0 मार्ग पूर्ण रूप से जीर्ण-शीर्ण है तथा बीच में 01 कि0मी0 (नगला अर्जुन) कच्चा मार्ग है। जनहित में उक्त मार्ग को पक्का एवं चौड़ीकरण कराना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद-सोनभद्र के वाराणसी-शक्तीनगर मार्ग पर बने ओवर ब्रिज पर प्रकाश तथा जाली की व्यवस्था कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री भूपेश चौबे-

[महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र राबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र के ब्लाक सोनभद्र अन्तर्गत वाराणसी-शक्तीनगर मार्ग पर ओवर ब्रिज का निर्माण कराया गया है। जिस पर कार्यदायी संस्था द्वारा न तो प्रकाश की व्यवस्था की गयी है और न ही ओवर ब्रिज के मोड़ पर जाली लगायी है जिसके कारण मोड़ पर अधिकतर यात्री दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। अधिकांश घटनाएं जाली न लगी होने के कारण मोड़ पर रेलिंग से गिरने के कारण हो रही हैं। इस ओवर ब्रिज पर प्रकाश एवं रेलिंग के ऊपर जाली की व्यवस्था किया जाना नितान्त आवश्यक है।

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए वाराणसी-शक्तीनगर मार्ग पर बने ओवर ब्रिज पर प्रकाश की व्यवस्था तथा ओवर ब्रिज के मोड़ पर जाली लगाये जाने हेतु वक्तव्य की मांग करता हूँ।]

जनपद-बरेली के विधान सभा क्षेत्र मीरगंज के अन्तर्गत ग्राम-नरखेड़ा के पास भाखड़ा नदी व फतेहगंज पश्चिमी व दिबना के बीच दिजोड़ा नदी पर पुलों का निर्माण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डॉ0 डी0 सी0 वर्मा-

[महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र-119, मीरगंज, जनपद बरेली के अन्तर्गत ग्राम-नरखेड़ा के पास भाखड़ा नदी व फतेहगंज पश्चिमी व दिबना के बीच दिजोड़ा नदी पर पुलों का निर्माण कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है, जिसका आगणन शासन स्तर पर लम्बित है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व एवं जनहित के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद-हरदोई के अन्तर्गत कछौना में स्थित मां कामाख्या देवी मन्दिर का सौन्दर्यीकरण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रामपाल वर्मा-

[महोदय, आपसे आग्रह करना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत विकास खण्ड कछौना की ग्राम पंचायत गाजू के निकट प्राचीन मां कामाख्या देवी मन्दिर स्थित है, जो स्थानीय व दूरस्थ लोगों की आस्था का केन्द्र बिन्दु है। प्रत्येक नवरात्र में यहां विशाल मेला लगता है तथा दूर-दूर से लोग दर्शन करने आते हैं। पूरे वर्ष पूजा-अर्चना, मुण्डन, दिवाई व अन्य धार्मिक आयोजन होते रहते हैं। ऐसी स्थिति में प्राचीन मन्दिर सहित पूरे परिसर का सौन्दर्यीकरण होना नितान्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद-अयोध्या के विकास खण्ड मसौधा में के0एम0 शुगर मिल मसौधा द्वारा फैलाये जा रहे प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अमित सिंह चौहान-

[महोदय, आपके माध्यम से इस सम्मानित सदन का ध्यान अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय की ओर ध्यानाकर्षित कराना चाहता हूँ कि जिला अयोध्या के विकास खण्ड मसौधा के अन्तर्गत के0एम0 शुगर मिल स्थित है। उक्त शुगर मिल से निकलने वाले जहरीले पानी एवं

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जहरीले धुएं से क्षेत्रीय वातावरण अत्यधिक प्रदूषित हो गया है। पेयजल एवं वातावरण दूषित हो जाने से क्षेत्रीय जनता में कई प्रकार की गम्भीर बीमारियां हो गयी हैं। दूषित पानी के उपयोग मिल के परिक्षेत्र में बसे लोगों को सबसे ज्यादा बीमारी का सामना करना पड़ता है।

अतः आपके माध्यम से सरकार से जनहित में के0एम0 शुगर मिल द्वारा फैलाये जा रहे प्रदूषण को रोके जाने की मांग करता हूँ तथा यह भी निर्देश दिया जाय कि भविष्य में क्षेत्र में प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाय।]

जनपद-फतेहपुर में अग्निशमन केन्द्र का निर्माण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री विकास गुप्ता-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र अयाह शाह, जनपद फतेहपुर में असोथर नगर पंचायत के अन्तर्गत भूमि प्रबन्ध समिति प्रेममऊ कटरा, परगना गाजीपुर, तहसील व जिला फतेहपुर में अग्निशमन केन्द्र हेतु भूमि रिक्त पड़ी है। जनहित में उक्त स्थान पर अग्निशमन केन्द्र की स्थापना किया जाना नितान्त आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद-सहारनपुर के अन्तर्गत कतिपय कालोनियों में विद्युत तारों एवं खम्भों को बदले जाने जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री आशु मलिक-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन का ध्यान जनहित के गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। जनपद सहारनपुर नगर निगम क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाली प्रमुख कालोनी मानकमऊ एकता कालोनी, दानिश कालोनी, इनाम कालोनी, हबीबगढ़, काजीपुरा, रसूलपुर एवं अन्य कालोनियों को नगर निगम द्वारा वर्ष 2009 में ग्राम पंचायत का अस्तित्व समाप्त करके नगर निगम में सम्मिलित कर लिया गया था। यहां के विद्युत तारों की हालत बहुत ही जर्जर है, जिसके कारण आये दिन कोई न कोई हादसा होता रहता है। विद्युत तारों के टूटने से कई लोगों की जानें भी जा चुकी हैं। पूरी कालोनियों में पुराने तारों का जाल बिछा है जिन्हें जनहित में बदला जाना अत्यन्त आवश्यक है। सरकार द्वारा समय-समय पर अनेकों योजनायें चलाकर विद्युत तारों को बदल कर ए0बी0सी0 वायर तब्दील किया जा रहा है, परन्तु उपरोक्त कालोनियों में आज तक पुराने विद्युत तारों को नहीं बदला गया है।]

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

उ0प्र0 सुन्नी वक्फ बोर्ड में 18वीं विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों का चुनाव कराकर बोर्ड में रखे जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री कमाल अख्तर-

[महोदय, मैं आपका ध्यान नीतिगत लोक महत्व की सूचना की तरफ दिलाना चाहता हूँ। उ0प्र0 सुन्नी वक्फ बोर्ड एवं समितियों के अन्दर विधान सभा के दो निर्वाचित सदस्यों को बोर्ड में निर्वाचन के उपरान्त रखे जाने का प्राविधान है। पिछली विधान सभा में जिन दो मा0 विधायकों का बोर्ड के सदस्य के रूप में निर्वाचन हुआ था, 17वीं विधान सभा का कार्यकाल समाप्त होने के उपरान्त उनकी सदस्यता खत्म हो गयी। उत्तर प्रदेश सरकार में भी सदस्यता खत्म करने का शासन ने शासनादेश भी जारी कर दिया है।

मैं आपके माध्यम से सुन्नी वक्फ बोर्ड में 18वीं विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों का चुनाव कराकर बोर्ड में रखे जाने हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट किये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद-प्रयागराज के अन्तर्गत ग्राम-गोलवां, गोठवां में स्थित बरना नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती विजमा यादव-

[मान्यवर, आपके माध्यम से सदन का ध्यान जनहित एवं लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र प्रतापपुर, जनपद प्रयागराज के अन्तर्गत ग्राम-गोलवां, गोठवां स्थित बरना नदी पर पुल न होने के कारण आम जनता को आवागमन में बरसात के दिनों में पानी भर जाने के कारण पुल न होने के कारण घोर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि लोगों के साथ बड़े-बड़े हादसे भी हो जाते हैं। बरसात के दिनों में पानी भर जाने के कारण आवागमन बिल्कुल बन्द हो जाता है। पुल न होने के कारण स्थानीय जनता को घोर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

अतः इस जनहित के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उपरोक्त ग्राम गोलवां, गोठवां स्थित बरना नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने की मांग करती हूँ।]

जनपद-जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र-शाहगंज में फायर स्टेशन की स्थापना कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रमेश सिंह-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र-शाहगंज के जनपद जौनपुर में फायर स्टेशन की स्थापना किया जाना अत्यन्त आवश्यक है। यहां फायर ब्रिगेड के वाहन आग

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

लगने पर 40 कि0मी0 की दूरी से आग बुझाने के लिए आते हैं तब तक अप्रिय घटनाएं घट चुकी होती हैं, जिसके कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई करने की मांग करता हूँ।]

जनपद-प्रतापगढ़ के विधान सभा क्षेत्र-पट्टी के अन्तर्गत कतिपय ग्राम-सभाओं में विद्युतीकरण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम सिंह-

[मान्यवर, आपके माध्यम से सदन का ध्यान जनहित एवं लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र पट्टी, जनपद प्रतापगढ़ में निम्नलिखित ग्राम सभाओं में विद्युतीकरण न होने के कारण वहां के निवासियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा कुछ ग्राम सभाओं में कुछ ट्रान्सफार्मरों की क्षमता वृद्धि किया जाना जनहित में अति आवश्यक है। ग्राम भाटी खुर्द में अनुसूचित बस्ती में विद्युतीकरण का कार्य, ग्राम ठनेपुर, गोपापुर में प्रजापति बस्ती, केवट बस्ती, पाल बस्ती व मुसहर बस्ती में विद्युतीकरण का कार्य, ग्राम लखनीपुर में चौरसिया बस्ती में विद्युतीकरण का कार्य, ग्राम पतरा में विद्युतीकरण का कार्य, ग्राम सेठापुर में विश्वकर्मा बस्ती तथा धोबी बस्ती में विद्युतीकरण का कार्य, ग्राम तुरकौली में ट्रान्सफार्मर की क्षमता वृद्धि, ग्राम महड़ौरा निषाद बस्ती में विद्युतीकरण का कार्य, ग्राम गोविन्दपुर (भोपालपुर) में विद्युतीकरण का कार्य, ग्राम देवरखा में कबीर आश्रम तक विद्युतीकरण का कार्य, ग्राम पर्वतपुर सुलेमान में यादव बस्ती, दलित बस्ती व कुम्हार बस्ती में विद्युतीकरण का कार्य, बनपुरवा में अनुसूचित बस्ती में विद्युतीकरण का कार्य न कराये जाने के कारण आम जनमानस में सरकार के प्रति घोर निराशा है।

अतः इस जनहित एवं लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उपरोक्त ग्राम सभाओं में विद्युतीकरण तथा क्षमता वृद्धि कराये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद-हाथरस की विधान सभा क्षेत्र-सादाबाद में पुलिया का निर्माण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री प्रदीप कुमार सिंह-

[महोदय, जनपद हाथरस के अन्तर्गत विकास खण्ड-सादाबाद के ग्राम-ब्यौही-विजहारी के नाला कि0मी0 18.200 पर स्थित ग्राम नगलाबाग, नगलाकूलं पर पुलिया निर्माण न होने के कारण क्षेत्रवासियों को विशेषकर ग्राम नगलाकलूं व ग्राम नगलाबाग के किसानों को उनके पशुओं के लिए खेत से चारा लाने के लिए एवं खलिहान से अनाज व भूसा लाने-ले जाने के वक्त

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

ट्रैक्टर-ट्राली एवं बैलगाड़ी पलटने जैसी दुर्घटनाएं होती रहती हैं, जिससे किसानों को जन-धन का नुकसान होता है और महिलायें, बच्चे व बुजुर्ग जन खेत-खलिहान में सुगमता से नहीं पहुंच पाते जिससे किसान अपने फसलों को सही तरीके से देख-रेख नहीं कर पाते हैं एवं बरसात के समय स्कूली छात्र-छात्राओं को आवागमन में बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उक्त पुलिया का निर्माण न होने से क्षेत्रीय जनता/स्थानीय निवासियों/किसानों/छात्र-छात्राओं में सरकार के प्रति भारी जनाक्रोश व्याप्त है।

अतः लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जनहित में उक्त पुलिया का निर्माण कार्य अतिशीघ्र कराये जाने की कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद-फतेहपुर के विधान सभा क्षेत्र-जहानाबाद के ग्राम-खजुहा के ऐतिहासिक गेटों के रख-रखाव के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजेन्द्र सिंह पटेल-

[महोदय, अवगत कराना है कि जनपद फतेहपुर अन्तर्गत विधान सभा क्षेत्र जहानाबाद में ग्राम खजुहा को ऐतिहासिक गेटों के नाम से जाना जाता है। पुरातत्व विभाग के द्वारा इसकी देख-रेख नहीं की जा रही है। मराठा शासकों द्वारा इन गेटों का निर्माण हुआ था। जीर्ण-शीर्ण होने के कारण किसी समय अप्रिय घटना हो सकती है। लगातार जनता इन गेटों के निर्माण के विषय में आक्रोशित रहती है। कब किस समय इन गेटों का अस्तित्व खत्म हो जाये, इन प्रवेश द्वारों का रख-रखाव अत्यन्त आवश्यक है, जो आकर्षण के केन्द्र बने रहते हैं।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट कर कार्रवाई किये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद-अयोध्या निवासी अनिल कुमार पाण्डेय पुत्र श्री मुनि कुमार पाण्डेय के हैसियत प्रमाण-पत्र को निरस्त करते हुए कार्यवाही कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अभय सिंह-

[महोदय, मैं आपका ध्यान जनपद अयोध्या की अति लोक महत्व की सूचना की तरफ दिलाना चाहता हूँ कि जनपद अयोध्या के अनिल कुमार पाण्डेय पुत्र श्री मुनि कुमार पाण्डेय जो कि ईसापुर परगना अमसिन, तहसील सदर के निवासी हैं, इनके द्वारा हैसियत प्रमाण-पत्र का आवेदन दाखिल कूट रचित शपथ-पत्र के आधार पर जारी कराया गया। दिनांक 13-04-2022

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

को शाखा प्रबन्धक बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा महबूबगंज, जिला अयोध्या के पक्ष में बन्धक कराकर 300000 रुपये का ऋण प्राप्त कर लिया गया।

अतः इस लोक महत्व की सूचना पर आपके माध्यम से हैसियत प्रमाण-पत्र निरस्त करते हुए दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद-बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र-नूरपुर में रामगंगा मुख्य नहर पर पुल का निर्माण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राम अवतार सिंह-

[मान्यवर, आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के गम्भीर विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र-24, नूरपूर में रामगंगा मुख्य नहर पर 14.132 कि0मी0 पर कडूला नदी पड़ती है, जिस पर नहर को बाक्स के माध्यम से नदी के ऊपर से ले जाया गया है। इस नहर के दोनों ओर पटरी पर रोड बनी है, किन्तु पुल नहीं बनाया गया है। नदी के दोनों ओर के 22 गांव के लोग उक्त बाक्स के ऊपर से गुजरते हैं तथा अपने वाहन भी ले जाते हैं। बाक्स की चौड़ाई कम होने के कारण उनके वाहन इस पुल से नदी में गिर जाते हैं जिस कारण जन-धन की हानि होती है। जनहित में उक्त नहर के बाक्स के पास कडूला नदी पर 110 मीटर लम्बे पुल का निर्माण कराया जाना आवश्यक है।

अतः इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर सरकार से निर्माण कराये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद-बिजनौर की विधान सभा क्षेत्र-नजीबाबाद के अन्तर्गत पूरनपुर-बिजौरी जट्टीवाला मार्ग पर मूर्ति देवी इण्टर कालेज तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री तसलीम अहमद-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन के संज्ञान में लाना चाहता हूँ कि जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नजीबाबाद के अन्तर्गत पूरनपुर-बिजौरी जट्टी वाला मार्ग से मूर्ति देवी इण्टर कालेज तक विशेष मरम्मत कार्य जिस मार्ग पर लोगों को आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। रोड गड्ढे में तब्दील हो गया है जिससे आये दिन घटना-दुर्घटना होती रहती है। इस सड़क का जनहित में मरम्मत कार्य कराया जाना अति आवश्यक है।

मैं सदन के माध्यम से कार्रवाई किये जाने की मांग करता हूँ।]

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद-उन्नाव में तैनात अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग श्री ओ0पी0 सोनकर द्वारा वर्ष 2010 से 2013 के बीच प्रतापगढ़ में तैनाती के दौरान किये गये भ्रष्टाचार के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री बम्बा लाल-

[महोदय, आपको सादर अवगत कराना है कि श्री ओ0पी0 सोनकर जो वर्तमान में अधीक्षण अभियन्ता के पद पर उन्नाव वृत्त लोक निर्माण विभाग उन्नाव में तैनात हैं जिन्होंने वर्ष 2010 से 2013 के मध्य अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग प्रतापगढ़ में पद पर रहते हुए कम दरों पर प्राप्त निर्माण कार्यों के ठेके एवं अन्य कारणों से निर्माण कार्यों से बचत वाली धनराशि जो शासन को शासकीय राजस्व हितों में समर्पण करनी थी उस धनराशि का सर्मपण नहीं करके विभिन्न कार्यों में अनुबन्धों के माध्यम से जो अनुबन्ध का हिस्सा नहीं थी और न ही सम्बन्धित कार्य के तकनीकी स्वीकृत आगणन में प्राविधानित थी, अतिरिक्त मद के माध्यम से लेखा शीर्षक में बदलाव करते हुए करोड़ों रुपये धनराशि की वित्तीय अनियमितता बरतते हुए भुगतान कर दिया एवं शासन से प्राप्त स्वीकृतियों जो निर्माण कार्यों का हिस्सा थीं, बचत वाली धनराशि की प्रकृति और स्वरूप को परिवर्तित करते हुए आपूर्ति आदेश बनाकर भुगतान कर दिया, जो अधिशासी अभियन्ता के प्रदत्त वित्तीय अधिकारों का उल्लंघन भी है। इस प्रकार से किये गये भुगतानों को गमन भी माना जा सकता है।

अतः आपसे अनुरोध है कि लोक महत्व के प्रश्न को स्वीकार करते हुए अधिशासी अभियन्ता कार्यकाल में किये गये भुगतानों के वाउचरों की टी0ए0सी0 से छंटनी और जांच कराकर वित्तीय अनियमितता कर किये गये भुगतानों की धनराशि की रिकवरी कर भ्रष्टाचार के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाये जिससे भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों के लिए एक सबक हो और भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सके।]

जनपद-बस्ती में नगर पालिका की नजूल की भूमि को अवैध कब्जेदारों से मुक्त कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री महेन्द्र नाथ यादव-

[मान्यवर, उपरोक्त विषयक प्रकरण में आपका ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवगत कराना चाहता हूँ कि मौजा सिविल स्टेशन तप्पा हवेली, जिला बस्ती में सरकारी लगभग 82 बीघा बंजर भूमि जो अब नगर पालिका बस्ती के परिक्षेत्र में स्थित है। 20 अप्रैल, 1927 को सेक्रेटरी ऑफ स्टेट फॉर इण्डिया इन काउन्सिल हेयर इन आफ्टर काल्ड दि सेक्रेटरी ऑफ स्टेट की तरफ से तत्कालीन आयुक्त गोरखपुर मण्डल, गोरखपुर के द्वारा पण्डित शिव गोविन्द शुक्ल पुत्र जय राम शुक्ल मौजा तुर्कहिया तप्पा देव गांव तहसील व जिला बस्ती को इस शर्त के साथ पट्टा दिया

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

गया था कि भूमि की मेड़बन्दी करके आम, लीची आदि के पेड़ लगाकर कृषि कार्य किया जाये। पट्टे की भूमि पर बिना जिलाधिकारी के आदेश कोई भी निर्माण कार्य नहीं कराया जायेगा तथा जिलाधिकारी हर वर्ष इस भूमि का निरीक्षण कर भूमि से प्राप्त आय का लेखा-जोखा तैयार करेंगे, परन्तु किसी भी जिलाधिकारी के द्वारा ऐसा नहीं किया गया।

पण्डित शिव गोविन्द के मृत्योपरान्त उनके वारिसान श्री सन्तशरन शुक्ल व रामजी शुक्ल तत्समय जिला कलेक्ट्रेट बस्ती में कर्मचारी थे। अधिकारियों व लेखपालों से गठजोड़ व जालसाजी करके पट्टे की भूमि को गलत तरीके से भूमिधरी व नॉन जेड-ए में अपने लोगों के नाम दर्ज करवा कर बैनामा कर कुछ बैनामेदारों के नाम खारिज-दाखिल करवा लिया। वर्तमान में श्री सन्तशरन व रामजी शुक्ल की मृत्यु हो चुकी है।

उक्त सम्बन्ध में पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल जी के द्वारा दिनांक 28-02-2020 को नियम-51 के तहत सदन में उठाया गया था, जिस पर सरकार व जिला प्रशासन बस्ती संज्ञान में लेकर समस्त भूमि का इन्दराज खारिज कर उक्त जमीन को पुनः सरकार के पक्ष में राजस्व अभिलेखों में दर्ज करा दिया है, परन्तु अभी तक भू-माफियाओं से भूमि को मुक्त नहीं कराया जा सका है।

उक्त भूमि पर वर्तमान में भी भूमि भू-माफियाओं का अवैध कब्जा बना हुआ है जिसे अभी तक हटाया नहीं गया है। एक तरफ सरकार जहाँ अवैध जमीनों से अतिक्रमण हटाने के लिए बुल्डोजर का प्रयोग कर रही है। वहीं दूसरी तरफ पुलिस अधीक्षक आवास के बगल में ही 82 बीघा जमीन को अतिक्रमण से मुक्त नहीं कराया जा सका है। प्रकरण अति लोक महत्व का है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद-बहराइच के विधान सभा क्षेत्र-बलहा के अन्तर्गत विकास खण्ड मिहीपुरवा के ग्राम-कुड़वा में बारात घर का निर्माण कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती सरोज सोनकर-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र-282, बलहा जनपद बहराइच के अन्तर्गत विकास खण्ड-मिहीपुरवा के ग्राम कुड़वा में एक बारात घर नहीं है। ग्राम कुड़वा में आबादी करीब 8 हजार के आस-पास है। जनहित में ग्राम कुड़वा में एक बड़ा बारात घर की स्थापना कराया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस प्रश्न पर शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए ग्राम कुड़वा में एक बड़ा बारात घर की स्थापना किये जाने हेतु कार्रवाई की मांग करती हूँ।]

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद-मेरठ के राजकीय कन्या इण्टर कालेज को दो पाली में चलाये जाने तथा क्षमतानुसार शिक्षिकाओं की नियुक्ति किये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रफीक अंसारी-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र मेरठ शहर जनपद मेरठ के अन्तर्गत राजकीय कन्या इण्टर कालेज हापुड़ रोड, मेरठ की घनी आबादी है। उक्त विद्यालय में बालिकाओं की संख्या अधिक है। समस्त उ0प्र0 के किसी भी कन्या इण्टर कालेज में उतनी छात्राएं शिक्षा प्राप्त नहीं कर रही है। 1500 से अधिक संख्या है। उस क्षमता से कक्ष भी नहीं है तथा शिक्षिका भी नहीं है। ऐसे स्थिति में उक्त विद्यालय में नियुक्ति किया जाना जनहित में आवश्यक है।

अतः इस लोक महत्व के विषय को सदन के संज्ञान में लाते हुए उपरोक्त विद्यालय को दो पाली में संचालित किये जाने तथा क्षमतानुसार शिक्षिकाओं की नियुक्ति किये जाने हेतु सरकार का ध्यान आकृष्ट किये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद-आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र-मुबारकपुर में मुबारकपुर-ढखवा मार्ग की मरम्मत कराये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री अखिलेश-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन का ध्यान जनहित एवं लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर, जनपद आजमगढ़ के विकास खण्ड सठियांव अन्तर्गत मुबारकपुर से ढखवा सम्पर्क मार्ग का विशेष मरम्मत का कार्य कराया जाना जनहित में अति आवश्यक है। उक्त मार्ग अत्यन्त जर्जर होने के कारण इस मार्ग पर चलना दूभर व कठिन हो गया है। बरसात के दिनों में इस मार्ग पर पानी भर जाता है।

अतः इस जनहित एवं लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय पर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए मुबारकपुर-ढखवा सम्पर्क मार्ग की विशेष मरम्मत का कार्य कराये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद-मुजफ्फरनगर के जिला पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों को किये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री पंकज कुमार मलिक-

[महोदय, आपके माध्यम से अवगत कराना है कि जनपद मुजफ्फरनगर, जिला पंचायत वार्ड नं0-8, 6, 17, 18, 20, 23, 43, 4, 14, 27, 31, 28, 22 की कार्य योजना में वर्तमान जिला पंचायत मेम्बरों द्वारा दिये गये प्रस्तावों तथा उसमें लिखे कार्यों को शामिल नहीं

नोट : &[ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

किया गया। उन क्षेत्रों की जनता को विकास कार्यों से वंचित रखा गया। बोर्ड के 43 मेम्बरों में से जिला पंचायत के 13 मेम्बरों को विकास कार्यों में हिस्सेदारी से वंचित रखा गया। जिला पंचायत मेम्बरों को बोर्ड काम नहीं दे रही है और नियमों का उल्लंघन हो रहा है। शिलापट्ट पर वर्तमान जिला पंचायत सदस्यों का नाम न लिखवा कर पूर्व जिला पंचायत सदस्यों का नाम लिखवाया जा रहा है, जो नियम विरुद्ध है। जनहित में जनपद मुजफ्फरनगर के पूरे जिला पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों का किया जाना अति आवश्यक है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उक्त प्रकरण पर शीघ्र कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद-रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र-ऊँचाहार में प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत द्वितीय और तृतीय किस्त अवमुक्त किये जाने के संबंध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

[मान्यवर, सादर अवगत कराना है कि हमारी विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार में स्थित नगर पंचायत ऊंचाहार में पूर्व से स्वीकृत प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवंटित किये गये लगभग 260 लोग ऐसे पात्र हैं जिन्हें एक वर्ष पूर्व प्रथम किस्त दी गयी, तदुपरान्त आज तक न द्वितीय किस्त और न ही तृतीय किस्त दी गयी है जिसके कारण उनका कार्य रुक गया है और सरकार की मंशा के अनुसार भवनों का निर्माण नहीं हो पा रहा है।

अतः आपसे आग्रह है कि इस विषय में सम्बन्धित सरकारी विभागों में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कराने की कृपा करें जिससे प्रधानमंत्री आवास का निर्माण हो सके।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय प्रश्न हेतु शासन का ध्यान आकर्षित करते हुए नियम-301 में वक्तव्य स्वीकार करने की कृपा करें।]

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-12 में कुछ नहीं है। अब मद संख्या-13 से 64 तक।

याचिकाओं का उपस्थापन

श्री अध्यक्ष-

श्री रवेन्द्रपाल सिंह, श्री मानवेन्द्र सिंह, श्री योगेश शुक्ला, श्री रमेश चन्द्र मिश्र, श्री रवि शर्मा, श्री राजमणि कोल, श्री राहुल राजपूत 'राहुल लोधी', श्री वीरेन्द्र यादव अनुपस्थित हैं, इनको दोबारा याचिका देनी पड़ेगी।

निम्नलिखित उपस्थित मा0 सदस्यों की याचिकायें स्वीकार की गयीं :-

---

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

डॉ0 अमित सिंह चौहान, डॉ0 आर0के0 वर्मा, डॉ0 डी0सी0 वर्मा, डॉ0 नीरज बोरा, डॉ0 रागिनी, डॉ0 मुकेश वर्मा, श्री अतुल प्रधान, श्री अनिल प्रधान, श्री अभय सिंह, श्री आशु मलिक, श्री सचिन यादव, श्री कविन्द्र चौधरी, श्री गणेश चन्द्र, श्री गुरू प्रसाद मौर्य, श्री गुलाम मोहम्मद, श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), श्री जगदीश नारायण, श्री जय प्रकाश निषाद, श्री जवाहर लाल राजपूत, श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री पंकज गुप्ता, श्री पंकज मलिक, श्री पल्टूराम, श्री प्रदीप कुमार चौधरी, श्री प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री प्रेम नरायन पाण्डेय, श्री बम्बा लाल, श्री मनोज कुमार पाण्डेय, श्री मूलचन्द्र सिंह, श्री मोहन वर्मा, श्री मौहम्मद फहीम इरफान, श्री रमेश जायसवाल, श्री रमेश सिंह, श्री रविदास मेहरोत्रा, श्री राकेश पाण्डेय, श्री राजेश त्रिपाठी, श्री राम अचल राजभर, श्री राम फेरन पाण्डेय, श्री विकास गुप्ता, श्री विनोद चतुर्वेदी, श्री विवेकानन्द पाण्डेय, श्री श्रीकान्त कटियार, श्री सुरेन्द्र चौरसिया, श्रीमती सरोज सोनकर।

[07:45] श्री अमित सिंह चौहान, सदस्य विधान सभा की जनपद-अयोध्या से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री अमित सिंह चौहान, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकायें उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद अयोध्या की तहसील सोहावल के विकास खण्ड सोहावल के अन्तर्गत एक नवीन पुलिस चौकी की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिव प्रकाश गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका,

2-जनपद अयोध्या की तहसील सोहावल के विकास खण्ड सोहावल में नरवा नाला पर बने पुल का पुनः निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सर्वेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका,

3-जनपद अयोध्या की तहसील हरटीनगंज के अन्तर्गत शाहगंज से उमरपुर तक के मार्ग को सी0सी0 कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गिरीश तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका,

4-जनपद अयोध्या की तहसील सोहावल के ब्लाक-सोहावल व मसौधा के सम्पर्क मार्गों का चौड़ीकरण एवं उच्चीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अशोक सिंह व अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका तथा

5-जनपद अयोध्या की तहसील व ब्लाक-सोहावल के अन्तर्गत रौनाही से डेवढ़ी तक के मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम सजीवन साहू व अन्य निवासीगण जनपद अयोध्या की याचिका।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद-लखनऊ से सम्बन्धित याचिका†

श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद-लखनऊ बी0के0टी0 विधान सभा क्षेत्र में हनीमैन चौराहा दक्षिण रेलवे लाइन के नीचे अण्डरपास अथवा फ्लाईओवर बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेन्द्र कुमार मिश्र व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका उपस्थित की हुई मानी गयी।

डॉ0 डी0सी0 वर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद बरेली से सम्बन्धित 11 याचिकाएं, जनपद-प्रयागराज, सिद्धार्थनगर, बुलन्दशहर तथा वाराणसी से सम्बन्धित 01-01 याचिका†

डॉ0 डी0सी0 वर्मा, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम कुल्छा की गौटिया से डामर रोड तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री केशव यादव व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

2-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम सिरौधी से गोरा रोड तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री के0पी0 राना व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

3-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम पस्तौर देवस्थान के सामने नहर पर पुलिया व गोरा नाले पर पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री खेमपाल मौर्य व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

4-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम बडेपुरा व प्रेमपुर में तालाब के पास नाले पर पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरीश वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

5-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम प्रेमपुर में तालाब के पास नाले पर पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेन्द्र प्रसाद व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

6-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम खुजरिया में नेतराम के खेत के पास नाले पर पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री छेदालाल वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

---

† छापी नहीं गयी

7-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम सेवा ज्वालापुर में श्मशान जाने वाले मार्ग के नाले पर पुलिया का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्यारेलाल वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

8-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम कापूरपुर में कालूमल के घर के सामने पुलिया का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरीश राजपूत व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

9-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम तुरसा पट्टी के पास वसीट पर पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मोहन स्वरूप वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

10-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम धौर सतुईया के सामने नहर पर पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धीरेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

11-जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम रम्पुरा नहर पर पुलिया का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नत्थूलाल वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका,

12-जनपद प्रयागराज के मोहल्ला हिम्मतगंज के यूनानी मेडिकल कालेज वाली गली में जर्जर बिजली के खम्भे को बदल कर आवासीय मकानों के दूसरी तरफ लगाये जाने के सम्बन्ध में श्री रमेश कुमार वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

13-जनपद सिद्धार्थनगर, तहसील इटवा के ग्राम मनोहरपुर में सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामसूरत व अन्य निवासीगण जनपद सिद्धार्थनगर की याचिका,

14-जनपद बुलन्दशहर की तहसील सिकन्दराबाद के ग्राम खुर्द में ग्राम प्रधान व उनके साथियों द्वारा ग्राम समाज की कब्जा की गयी भूमि मुक्त कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सतपाल व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

15-श्री अवनीश कुमार श्रीवास्तव को मृतक आश्रित के कोटे से नियुक्ति दिलाये जाने के सम्बन्ध में श्री सुनील श्रीवास्तव निवासी जनपद वाराणसी की याचिका।

डॉ0 नीरज बोरा, सदस्य विधान सभा की जनपद-लखनऊ से सम्बन्धित 06 याचिकाएं†

डॉ0 नीरज बोरा, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद लखनऊ के दाउद नगर 60 फिटा मेन रोड से मैकूलाल मौर्य के मकान से होते हुए बलबीर कुमार के मकान तक सी0सी0 रोड व रास्ते के दोनों किनारे जल निकासी हेतु

---

† छापी नहीं गयी।

नाली बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद कुमार विमल व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

2-जनपद लखनऊ के जानकीपुरम में अटल चौराहे से नहर रोड तक सड़क मरम्मत कराने के सम्बन्ध में श्री दीपक मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

3-जनपद लखनऊ के लाला लाजपत राय वार्ड में पेयजल आपूर्ति हेतु सेक्टर एन-2 तथा सेक्टर-एम के मोहन वाटिका पार्क में बड़ा ट्यूबवेल लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री राघवराम तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

4-जनपद लखनऊ के जानकीपुरम में मड़ियांव गांव स्थित अभिनव मॉडल स्कूल को उच्चीकृत कर माध्यमिक कक्षाओं के संचालन की व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दीपू रावत व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका,

5-जनपद लखनऊ के जानकीपुरम द्वितीय वार्ड के अन्तर्गत छुईयापुरवा गांव एवं सेक्टर-एच के श्मशान स्थल की बाउण्ड्रीवाल एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कृपाशंकर मिश्र व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका तथा

6-जनपद लखनऊ के फैजुल्लागंज चतुर्थ वार्ड मोहल्ला गायत्री नगर में पेयजल आपूर्ति हेतु नये ट्यूबवेल की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रदीप शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका।

डॉ0 रागिनी, सदस्य विधान सभा की जनपद-जौनपुर से सम्बन्धित 25 याचिकाएं†

डॉ0 रागिनी, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के आजोशी में रामआसरे के घर से रकुलपुर तक सड़क का नवनिर्माण/मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बब्लू, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

2-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के किशुनपुर से मलिकानपुर तक सड़क का मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लल्लन गुप्ता, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

3-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के बहरैचा मोड़ से जमालपुर तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लल्लन गुप्ता व निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

---

† छापी नहीं गयी।

4-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के मोकलपरू रोड से पवारेपुर तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महाबल गौतम निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

5-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के दतौली में नहर पुलिया से सेल्हुआपार तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज कुमार यादव, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

6-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के रानी पट्टी से जमालपुर तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज कुमार यादव निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

7-जनपद बलरामपुर की विधान सभा क्षेत्र गैसड़ी के अन्तर्गत भगवानपुर खादर घाट में बूढ़ी राप्ती नदी पर पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमृतलाल व अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका,

8-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर में गल्ला मण्डी बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेन्द्र यादव निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

9-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के कसनही पिच रोड से कुढ़ा रामपुर तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पिन्टू यादव निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

10-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के टेकारी जमुआ रोड से मेहदी तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश कुमार, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

11-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के पतालनाथ मन्दिर से मीरपुर तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश कुमार, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

12-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के बेलवा नामवर सिंह के मशीन से रमेश सरोज के घर तक सड़क का नवनिर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ओम प्रकाश यादव, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

13-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के बाबागंज से सेल्हुआपार तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महाबल गौतम, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

14-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के अजोशी से झिम्मलगंज तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बब्लू यादव, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

15-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के जमालपुर से बरौली विश्व बैंक रोड तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री साहब लाल गौतम, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

16-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के मड़ियाहूँ, मछलीशहर मार्ग से भुभुवार होते हुए जमुआ रोड तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री साहब लाल गौतम, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

17-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के भगीरथपुर नहर से मीठेपार बार्डर तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दयाराम चौहान, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

18-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के जमुआ बाजार से रानीपुर पोठारा तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश कुमार, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

19-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के बेलवा चौरा माता मन्दिर से सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ओम प्रकाश यादव, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

20-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के मछलीशहर मेन रोड से तौफापुर तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पिन्टू यादव, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

21-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के अन्तर्गत पाली बेलगहन से रकूनपुर यादव, बस्ती तक के मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश कुमार विश्वकर्मा, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

22-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर के अन्तर्गत मलिकानपुर में बड़ी नहर के किनारे जगदीशपुर तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश कुमार विश्वकर्मा, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

23-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर की ग्राम सभा खरूआवा, ब्लाक मछलीशहर में 25 के0वी0 के ट्रान्सफार्मर को 63 के0वी0 कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश कुमार विश्वकर्मा, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका,

24-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर में मड़ियाहूँ-मछलीशहर रोड से उतिराई तक मार्ग निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेन्द्र यादव, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका तथा

25-जनपद जौनपुर की विधान सभा क्षेत्र मछलीशहर में फुटइवा इनारा से जमुआ तक सड़क मार्ग बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेन्द्र यादव, निवासी जनपद जौनपुर की याचिका।

श्री मुकेश वर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद-फिरोजाबाद से सम्बन्धित 03 याचिकाएं तथा जनपद-आगरा से सम्बन्धित 02 याचिकाएं†

श्री मुकेश वर्मा, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के चमरौली से बहोरनपुर तक सड़क का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

2-जनपद आगरा के विधान सभा क्षेत्र बाह की ग्राम पंचायत अर्नोटा मार्ग पर आगरा पिनाहट मार्ग से बीघापुर मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिवकुमार व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका,

3-जनपद आगरा के विधान सभा क्षेत्र बाह की आगरा पिनाहट मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री होतीराम व अन्य निवासीगण जनपद आगरा की याचिका,

4-जनपद फिरोजाबाद के नगर निगम क्षेत्र के विधान सभा क्षेत्र शिकोहाबाद के वार्ड नं0-18, प्रेमपुर, रैपुरा मुस्तफाबाद में राजकुमार के घर तक का सड़क निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विमले व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका तथा

5-जनपद फिरोजाबाद के नगर निगम शिकोहाबाद के वार्ड नं0-18, प्रेमपुर रैपुरा, मुस्तफाबाद में करुआ पुत्र दिवान सिंह के घर तक का सड़क निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री इनाम सिंह व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका।

श्री अतुल प्रधान, सदस्य विधान सभा की जनपद-मेरठ से सम्बन्धित 13 याचिकाएं†

श्री अतुल प्रधान, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना की ग्राम पंचायत लावड़ से अन्दावली सड़क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अंशुल कुमार व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

---

† छापी नहीं गयी।

2-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के ग्राम शाहपुर जूनियर हाई स्कूल से नंगला राठी सड़क तक निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दीपक डेढ़ा व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

3-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के ग्राम सरसवा से महलका सड़क तक निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पवन चौधरी व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

4-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के कस्बा फलावदा में जर्जर तारों को परिवर्तन कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मोहित तोमर व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

5-जनपद मेरठ के कस्बा लावड़ में जर्जर तारों को परिवर्तन कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राहुल शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

6-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के गांव मण्डोरा से नंगली मार्ग तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री प्रीत गुर्जर व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

7-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के गांव नंगली आजड से नंगली साधारण तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री विपिन व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

8-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के अस्सा तिराहा तखावली मार्ग से रहावती मार्ग तक सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री गौरव चौधरी व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

9-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के गांव मवी-मीरा से कस्बा लावड तक मार्ग निर्माण के सम्बन्ध में श्री अंकुर गुर्जर व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

10-जनपद मेरठ के सरधना विधान सभा क्षेत्र के गांव बुनियादपुरा से गांव नंगली आजड (साधुओं की नंगली) तक मार्ग निर्माण के सम्बन्ध में श्री राहुल व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

11-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के गडीना बातनौर मार्ग से फलावदा मार्ग तक सड़क निर्माण कार्य के सम्बन्ध में श्री अमित प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

12-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के गांव मण्डोरा-जीतपुर मार्ग से मुण्डोरा मार्ग तक निर्माण के सम्बन्ध में श्री धर्मेन्द्र व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका तथा

13-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सरधना के ग्राम चरला में मिनी स्टेडियम बनाने के सम्बन्ध में श्री रविन्द्र प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका।

श्री अनिल कुमार अनिल प्रधान, सदस्य विधान सभा की जनपद-चित्रकूट से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री अनिल कुमार अनिल प्रधान, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद चित्रकूट के अन्तर्गत ग्राम पंचायत रेहुटा और ग्राम सभा मकरी के पास पयश्वनी नदी पर पुल बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री मान सिंह पटेल निवासी जनपद चित्रकूट की याचिका,

2-जनपद चित्रकूट के ग्राम सभा मउबा में बालिका इण्टर कालेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अत्री मुनि यादव निवासी जनपद चित्रकूट की याचिका,

3-जनपद चित्रकूट के ग्राम सभा भैसौधा में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पप्पू यादव व अन्य निवासीगण जनपद चित्रकूट की याचिका,

4-जनपद चित्रकूट के अन्तर्गत गर्मी के दिनों में वनों के रख-रखाव के सम्बन्ध में श्री महावीर सिंह निवासी जनपद चित्रकूट की याचिका तथा

5-जनपद चित्रकूट के ग्राम पंचायत खम्हरिया के मजरा कुल्हुआ माफी में विद्युतीकरण हेतु वन विभाग से एन0ओ0सी0 दिलाये जाने के सम्बन्ध में श्री शारदा पटेल निवासी जनपद चित्रकूट की याचिका।

श्री अभय सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद-अयोध्या से सम्बन्धित 02 याचिकाएं†

श्री अभय सिंह, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित 02 याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद अयोध्या के विकास खण्ड तारून में ग्राम सभा नथनपुर में सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चन्द्रशेखर सिंह निवासी जनपद अयोध्या की याचिका तथा

2-जनपद अयोध्या के खुजुरहट में अशासकीय सहायता प्राप्त इण्टर कालेज में प्रधानाचार्य द्वारा छात्रों से अवैध वसूली कराये जाने के सम्बन्ध में श्री उमाशंकर यादव निवासी जनपद अयोध्या की याचिका।

श्री आशु मलिक, सदस्य विधान सभा की जनपद-सहारनपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री आशु मलिक, सदस्य विधान सभा की जनपद-सहारनपुर के नगर निगम क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाली 32 ग्राम पंचायतों एवं प्रमुख कालोनियों को नगर निगम में सम्मिलित किये

† छापी नहीं गयी।

जाने के सम्बन्ध में श्री रोहित राणा व अन्य निवासीगण जनपद सहारनपुर की याचिका, उपस्थित की हुई मानी गयी।

श्री सचिन यादव, सदस्य विधान सभा की जनपद-फिरोजाबाद से सम्बन्धित 07 याचिकाएं†

श्री सचिन यादव, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र जसराना में टी0टी0एस0पी0 टंकियों को ठीक कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विपन कुमार व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

2-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र जसराना के प्रत्येक ग्राम में सार्वजनिक स्थलों एक अथवा दो हैण्डपम्प लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री हिरदेश कुमार व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

3-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र जसराना के कस्बा जसराना में चीर-घर का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राधेश्याम व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

4-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र जसराना में हाथरस माइनर से नगर पंचायत फरिहा तक आने वाले बम्बे में पानी की निर्बाध आपूर्ति कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामनरेश प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

5-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र जसराना में खारजा नहर की सफाई कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका,

6-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र जसराना के विकास खण्ड हाथवन्त के ग्राम रानीपुर, तपस्या एवं वेरनी, कस्बा एका जसराना पाढम के एवं फरिहा में विकास खण्ड एका के ग्राम उडेसर में हर घर नल योजना के अन्तर्गत खराब पड़ी पानी की टंकियों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ज्ञानेश यादव व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका तथा

7-जनपद फिरोजाबाद के विधान सभा क्षेत्र जसराना के कस्बा जसराना में राजकीय पुस्तकालय का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वारिस सिद्दीकी व अन्य निवासीगण जनपद फिरोजाबाद की याचिका।

श्री कविन्द्र चौधरी, सदस्य विधान सभा की जनपद-बस्ती से सम्बन्धित 10 याचिकाएं†

श्री कविन्द्र चौधरी, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

---

† छापी नहीं गयी।

1-जनपद बस्ती की तहसील हर्रैया के अन्तर्गत गौर हलुवा के छितहा पुलिया होते हुए ढोढ़री ब्रम्हनन्द पाण्डेय के घर तक जर्जर सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राममिलन वर्मा निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

2-जनपद बस्ती की तहसील हर्रैया के अन्तर्गत गौर हलुआ से छोटेलाल के घर होते हुए पौनीसूचित, रामफेर के घर तक खराब व जर्जर सड़क को बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री डॉ0 वीरेन्द्र यादव व अन्य निवासीगण जनपद बस्ती की याचिका,

3-जनपद बस्ती की तहसील हर्रैया के अन्तर्गत ग्राम निपनिया शिवपूजन चौधरी के घर से ग्राम गोपालपुर मार्ग तक अत्यन्त खराब व जर्जर सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनय चौधरी निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

4-जनपद बस्ती की तहसील हर्रैया के अन्तर्गत ग्राम खजुहा से विनोद चौधरी के ट्यूबवेल से होते हुए नकटीदेई तक जर्जर सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेन्द्र चौधरी निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

5-जनपद बस्ती की तहसील हर्रैया के अन्तर्गत कैथोलिया घाट से केवटली सरहद तक जर्जर सड़क को बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री काली प्रसाद चौधरी निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

6-जनपद बस्ती की तहसील हर्रैया के अन्तर्गत दुबौला से पचपेड़वा मार्ग तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री निजामुद्दीन निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

7-जनपद बस्ती की तहसील हर्रैया के पैकोलिया शिवाघाट सुजिया से होते हुए कुर्दा मार्ग तक खराब सड़क का नवनिर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गुड्डू खान निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

8-जनपद बस्ती की तहसील हर्रैया में कुसमौर मुकेश चौधरी के ट्यूबवेल से तिलकपुर जू0हा0 स्कूल तक जर्जर सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धर्मेन्द्र चौधरी निवासी जनपद बस्ती की याचिका,

9-जनपद बस्ती की तहसील हर्रैया के अन्तर्गत तेनुआ चौराहे से करनपुर गांव तक जर्जर सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अब्दुल मुतल्लिब निवासी जनपद बस्ती की याचिका तथा

10-जनपद बस्ती की तहसील हर्रैया के अन्तर्गत कप्तानगंज टिनिच मार्ग से राम प्यारे इण्टर कालेज तक जर्जर सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री के0के0 चौधरी निवासी जनपद बस्ती की याचिका।

श्री गणेश चन्द्र, सदस्य विधान सभा की जनपद-सन्त कबीर नगर से सम्बन्धित याचिका†

श्री गणेश चन्द्र, सदस्य विधान सभा की जनपद सन्त कबीर नगर के विकास खण्ड हैसर बाजार ग्राम सभा बभनौली में राकेश पाठक के मकान से अनुसूचित बस्ती चौरिया पर प्राचीन काली माँ के स्थान होते हुए निठूर से अनुसूचित बस्ती के लौहरैया से कूरी सम्पर्क मार्ग तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आनन्द पाठक व अन्य निवासीगण जनपद सन्तकबीर नगर की याचिका उपस्थित की हुई मानी गयी।

श्री गुरू प्रसाद मौर्य, सदस्य विधान सभा की जनपद-प्रयागराज से सम्बन्धित 03 याचिकाएं†

श्री गुरू प्रसाद मौर्य, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड श्रृंगबेरपुर में स्थित नाले की साफ-सफाई व खुदाई कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धनराज पटेल व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

2-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड मऊआइमा के पुरखीपुर नाले की साफ-सफाई व खुदाई कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अविनाश पटेल व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका तथा

3-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड श्रृंगबेरपुर में विद्युत शवदाह गृह का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री काली सहाय व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका।

श्री गुलाम मोहम्मद, सदस्य विधान सभा की जनपद-मेरठ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री गुलाम मोहम्मद, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सिवाल खास, विकास खण्ड जानीखुर्द में राजवाहे जललाबाद बम्बे से पूठरी रोड सम्पर्क मार्ग का पुनःनिर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में हाजी नूर व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

2-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सिवाल खास के विकास खण्ड जानी के ग्राम नंगला कुम्भा के राजवाहे के पुल के पास गऊघाट क्षतिग्रस्त होने के कारण निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री तरीकत व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

3-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सिवाल खास मेरठ के विकास खण्ड सरूरपुर के ग्राम जसड सुल्तान नगर में वर्ष 2012 से 17 की एम0एस0डी0पी0 योजना के अन्तर्गत

---

† छापी नहीं गयी।

राजकीय पालीटेक्निक कालेज का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मतीन व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका,

4-जनपद मेरठ के विधान सभा क्षेत्र सिवाल खास मेरठ के विकास खण्ड जानी में सिवाल खास रोड ईशा के मकान से टोकरी राजवाह दाहिनी पट्टी तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री तरीकत प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद मेरठ की याचिका तथा

5-जनपद मेरठ विधान सभा क्षेत्र के विकास खण्ड जानी के सिवालखास में राजकीय महिला डिग्री कालेज सिवालखास के अधूरे निर्माण को पूरा कराने के सम्बन्ध में श्री तसव्वुर अली व अन्य निवासी जनपद मेरठ की याचिका।

श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य विधान सभा की जनपद-जालौन से सम्बन्धित 10 याचिकाएं†

श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद जालौन में प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत पात्र आवेदकों को योजना में सम्मिलित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेश कुमार व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

2-जनपद जालौन के उरई नगर के अन्तर्गत वेदिका उत्सव गृह के आस-पास के क्षेत्र में बिजली के जर्जर तारों को परिवर्तित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आकाश त्रिवेदी व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

3-जनपद जालौन के उरई नगर के अन्तर्गत श्रीराम पैलेस वाली गली में बिजली के खम्भे एवं तार लगवाये जाने जाने के सम्बन्ध में श्री भूपेन्द्र पटेल व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

4-जनपद जालौन नगर के अन्तर्गत मौहल्ला हरीपुरा में पानी की पाइप लाइन डलवाये जाने के सम्बन्ध में श्री रामचन्द्र गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

5-जनपद जालौन के उरई नगर के अन्तर्गत सुशील नगर में शिवा पैलेस के पीछे बासुकिधाम मन्दिर के पास वाले क्षेत्र खम्भे व तार लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री रविन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

6-जनपद जालौन के उरई नगर के अन्तर्गत पटेल नगर चुर्खी बाईपास पर सड़क निर्माण एवं नाली का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम औतार व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

---

† छापी नहीं गयी।

7-जनपद जालौन के विकास खण्ड कोंच के अन्तर्गत ग्राम-सेसा पहाड़ गांव से कमतरी बाई पास मार्ग तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री टिंकू राजपूत व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

8-जनपद जालौन के उरई नगर के अन्तर्गत मौहल्ला इन्दिरा नगर में पेयजल आपूर्ति हेतु पाईप लाइन डलवाये जाने के सम्बन्ध में श्री आकाश गहोई व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

9-जनपद जालौन में उरई नगर में सम्पर्क मार्ग का डामरीकरण/सी0सी0 रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रमेश चन्द्र व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका तथा

10-जनपद जालौन के विकास खण्ड कोंच के अन्तर्गत ग्राम पहाड़ गांव में बाहर से बाई पास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चन्द्र प्रकाश व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका।

श्री जगदीश नारायण, सदस्य विधान सभा की जनपद-जौनपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री जगदीश नारायण, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद जौनपुर के तेजीबाजार चौराहा से चारों तरफ जा रही लोक निर्माण विभाग की सड़कों का नव-निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धनंजय कुमार तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

2-जनपद जौनपुर के जफराबाद विधान सभा क्षेत्र में एक वृहद् आयुर्वेदिक अस्पताल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश यादव व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

3-जनपद जौनपुर के जफराबाद विधान सभा क्षेत्र के विद्युत सब-स्टेशन कबूलपुर इगली बराई में 33 के0वी0 के स्टेशन पर अतिरिक्त फीडर बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री अरबाज व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

4-जनपद जौनपुर के जफराबाद विधान सभा क्षेत्र के सई नदी पर सलखापुर गुपवन में तथा मोहिउद्दीनपुर से गोमती नदी पर बीबीपुर में पुल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल यादव व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका तथा

5-जनपद जौनपुर के जफराबाद विधान सभा क्षेत्र के ग्राम हौज में स्थापित ट्रामा सेण्टर में मूलभूत सुविधाओं की स्थापना करने के सम्बन्ध में श्री मनोज प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री जयप्रकाश निषाद, सदस्य विधान सभा की जनपद-देवरिया से सम्बन्धित याचिका†

श्री जय प्रकाश निषाद, सदस्य विधान सभा की जनपद-देवरिया नगर पंचायत रुद्रपुर में घर-घर नल (टोटी) के माध्यम से पानी की आपूर्ति न होने के सम्बन्ध में श्री दिलीप जायसवाल व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया की याचिका उपस्थित की हुई मानी गयी।

श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य विधान सभा की जनपद-सीतापुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं†

श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद सीतापुर के विकास खण्ड रेउसा के अन्तर्गत रेउरा तम्बौर सम्पर्क मार्ग पर ग्राम सभा कठूरा एवं पडरिया के मध्य ग्राम दरियाना सम्पर्क मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री राजकुमार मिश्र व अन्य निवासी सीतापुर की याचिका तथा

2-जनपद सीतापुर के विकास खण्ड रेउसा के अन्तर्गत रेउरा तम्बौर सम्पर्क मार्ग पर ग्राम सभा कनकरी के आगे नाईखेर की पुलिया से दरियाना होते हुए सिसैया तक क्षतिग्रस्त सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अभय कुमार व अन्य निवासी जनपद सीतापुर की याचिका।

श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद-महराजगंज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद महाराजगंज के अन्तर्गत एन0एच0-730 मार्ग से कच्चे बन्धे पर लक्ष्मीपुर बांके मन्दिर से बडहरा लाल तक पिच रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मेवालाल चौहान व अन्य निवासीगण जनपद महाराजगंज की याचिका,

2-जनपद महाराजगंज के अन्तर्गत ग्राम परतावल व पनियरा के मध्य तहसील मुख्यालय बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री रमाशंकर सिंह व अन्य निवासीगण जनपद महाराजगंज की याचिका,

3-जनपद महाराजगंज के अन्तर्गत नगर पंचायत पनियरा में मानक के अनुरूप विद्युत आपूर्ति न होने के सम्बन्ध में श्री उमेश जायसवाल व अन्य निवासीगण जनपद महाराजगंज की याचिका,

4-जनपद महाराजगंज के अन्तर्गत ग्राम-डोमरा एवं जरदी में बांध के किनारे सड़क मार्ग को पिच रोड कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुभाष विश्वकर्मा व अन्य निवासीगण जनपद महाराजगंज की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयी।

5-जनपद महाराजगंज के अन्तर्गत नगर पंचायत परतावल में मानक के अनुरूप विद्युत आपूर्ति न होने के सम्बन्ध में श्री अजय कुमार द्विवेदी व अन्य निवासीगण जनपद महाराजगंज की याचिका।

श्री रवेन्द्रपाल सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद-अलीगढ़ से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री रवेन्द्रपाल सिंह, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद अलीगढ़ के अन्तर्गत विधान सभा क्षेत्र छर्रा में किसानों के हितों के दृष्टिगत विद्युत ट्रान्सफार्मरों की क्षमता बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में श्री कुशलपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद अलीगढ़ की याचिका तथा

2-जनपद अलीगढ़ के अन्तर्गत विधान सभा क्षेत्र छर्रा में जर्जर विद्युत तारों एवं सरकारी/गैर सरकारी भवनों के ऊपर से विद्युत लाइनों को शिफ्ट कराने के सम्बन्ध में श्री संजीव सिंह व अन्य निवासीगण जनपद अलीगढ़ की याचिका।

श्री पंकज गुप्ता, सदस्य विधान सभा की जनपद-उन्नाव से सम्बन्धित 04 याचिकाएं†

श्री पंकज गुप्ता, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र उन्नाव नगर के अन्तर्गत लखनऊ कानपुर हाई-वे से नहर पटरी होते हुए ग्राम दोस्तीनगर तक उन्नाव बाईपास मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पवन गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

2-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र उन्नाव नगर के अन्तर्गत लखनऊ कानपुर हाई-वे से पोनी रोड होते हुए उन्नाव कानपुर हाई-वे तक अवस्थित मार्ग का चौड़ीकरण और निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विकास मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

3-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र उन्नाव नगर के अन्तर्गत ग्राम थाना से लेकर परमनी होते हुए परियर सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धनन्जय सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयी।

4-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र उन्नाव नगर के अन्तर्गत ग्राम रऊ से पूरा पवई होते हुए मुर्तजानगर मार्ग का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका।

श्री पंकज कुमार मलिक, सदस्य विधान सभा की जनपद-मुजफ्फरनगर से सम्बन्धित याचिका†

श्री पंकज कुमार मलिक, सदस्य विधान सभा की जनपद-मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र चरथावल के अन्तर्गत ग्राम सूजडू को नगर पंचायत बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री जावेद राना व अन्य निवासीगण जनपद मुजफ्फरनगर की याचिका उपस्थित की हुई मानी गयी।

श्री पल्टूराम, सदस्य विधान सभा की जनपद-बलरामपुर से सम्बन्धित 04 याचिकाएं†

श्री पल्टूराम, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकायें उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद बलरामपुर के विकास खण्ड बलरामपुर सदर में दुर्गापुर क्रासिंग पर रेल के पुल संख्या-149 पर आर0यू0बी0 बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री गौतम तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका,

2-जनपद बलरामपुर के विकास खण्ड बलरामपुर की ग्राम सभा घूघुलपुर में रोडवेज बस अड्डा निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ऋषिराज मिश्र व अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका,

3-जनपद बलरामपुर के विकास खण्ड बलरामपुर सदर में महेश भारी भैंसहवा मार्ग के चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री श्रवण जायसवाल व अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका तथा

4-जनपद बलरामपुर के प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण प्रारम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेश मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद बलरामपुर की याचिका।

श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य विधान सभा की जनपद-बुलन्दशहर से सम्बन्धित 15 याचिकाएं†

श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम अहमदानगर राम मन्दिर से खौडा मन्दिर पाली के रास्ते श्मशान तक सड़क निर्माण कार्य के सम्बन्ध में श्री सोनू व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

---

† छापी नहीं गयी।

2-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम किसोली में महेन्द्र जी के घर से सतपाल जी के घर तक सम्पर्क मार्ग निर्माण कार्य के सम्बन्ध में श्री जितेन्द्र प्रधान जी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

3-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम किसोली में मेन सड़क से अशोक पुत्र शीशपाल के घर तक रास्ता निर्माण कार्य के सम्बन्ध में श्री कुशलपाल व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

4-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम-जसनावली कला में शिव मन्दिर से फोगाट मन्दिर तक रास्ता का निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री सत्य प्रकाश व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

5-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत मानसरोवर कालोनी 2, वार्ड नं0-24 में नाली निर्माण व रास्ता निर्माण के सम्बन्ध में श्री मोहित कुमार व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

6-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम मंशागढ़ी नगलिया में अर्जुन के घर से श्रीनिवास प्रधान जी के घर तक सी0सी0 निर्माण के सम्बन्ध में श्री सन्तोष सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

7-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम-पाचौता में कैथला पाचौता सम्पर्क मार्ग से कालू की ट्यूबवेल तक सी0सी0 निर्माण के सम्बन्ध में श्री मुकेश यादव व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

8-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम धमरावली में विनोद जोगी के घर से सहदेव भगत जी के घर तक सी0सी0 निर्माण के सम्बन्ध में श्री ऋषिपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

9-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम-बनबोई गोलाकुआं में प्रताप सिंह के यहां से अहमदानगर बम्बे तक काली सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री अमित सिरोही व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

10-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम मालागढ़ में महीपाल सैनी के घर से चामुण्डा मन्दिर तक इण्टरलॉकिंग निर्माण के सम्बन्ध में श्री नवीन कुमार लोधी व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

11-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम दरियापुर में एन0एच0-91 रजबहे की पटरी पर ठण्डी प्याऊ तक डामर सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मो0 उस्मान व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

12-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम सूचापुर में तालाब के जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रविन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

13-जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम साधारनपुर में ब्रम्हपाल सिंह के मकान से रिसाल तक काली सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नरेश व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका,

14-जनपद बुलन्दशहर की सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम नौसाना में देवेन्द्र सिंह के घर से नरेश लाला के घर तक सी0सी0 निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री के0पी0 सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका तथा

15-जनपद बुलन्दशहर की सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम अट्टा में जयपाल सिंह के घर से गुलावठी के घर तक डामर रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री के0पी0 सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका।

श्री प्रभु नारायण सिंह यादव, सदस्य विधान सभा की जनपद-चन्दौली से सम्बन्धित 10 याचिकाएं†

श्री प्रभु नारायण सिंह यादव, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद चन्दौली के विकास खण्ड चहनियां के अन्तर्गत ग्राम खोनपुर में भुपौली मुख्य नहर से खोनपुर सम्पर्क मार्ग पर 400 मीटर का सी0सी0 निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री यशवन्त मौर्या व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

2-जनपद चन्दौली के विकास खण्ड चहनियां के अन्तर्गत चन्दौली सकलडीहा सैदपुर सम्पर्क मार्ग अमिलाई की पटरी सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामभरोस यादव व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

3-जनपद चन्दौली के विकास खण्ड चहनियां के अन्तर्गत पपरौ अमरीपुर सम्पर्क मार्ग के निर्माण एवं नाली निर्माण का कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भोलानाथ यादव व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

4-जनपद चन्दौली के विकास खण्ड चन्दौली में कैली मार्ग से सहरोई सम्पर्क मार्ग तक का सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम नेवास मिश्र व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

5-जनपद चन्दौली में पपरौ अमिलाई इटवा सम्पर्क मार्ग की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सन्तोष यादव व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

---

† छापी नहीं गयी।

6-जनपद चन्दौली के सकलडीहा बाजार में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की क्षमता वृद्धि करते हुए 100 बेड का अस्पताल बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री विवेक कुमार गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

7-जनपद चन्दौली के सकलडीहा के विकास खण्ड के अन्तर्गत स्टेडियम का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेन्द्र यादव व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

8-जनपद चन्दौली के विकास खण्ड चहनियां के ग्राम खोनपुर इटवा में स्टेडियम का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुन्नी लाल कोच व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका,

9-जनपद चन्दौली के चहनियां बाजार में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र की क्षमता वृद्धि करते हुए 50 बेड का अस्पताल बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री भानु प्रताप यादव व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका तथा

10-जनपद चन्दौली की तहसील सकलडीहा के ग्राम डेढाकवाल सकलडीहा में अग्निशमन केन्द्र का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भोला नाथ यादव व अन्य निवासीगण जनपद चन्दौली की याचिका।

श्री प्रेम नारायण पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की जनपद-गोण्डा से सम्बन्धित 07 याचिकाएं†

श्री प्रेम नारायण पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद गोण्डा की तहसील एवं विकास खण्ड तरबगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत रामापुर में बने पी0डब्लू0डी0 डाक बंगला/अतिथि गृह का पुनः निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिवम पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

2-जनपद गोण्डा की तहसील एवं विकास खण्ड तरबगंज में मण्डी समिति की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेन्द्र दूबे व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

3-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत ग्राम सभा अमदही में स्थित राम घाट मुनि आश्रम को पर्यटन स्थल के रूप में सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कमलेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

4-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत शुक्लगंज से गंगरौली, आदमपुर, ताराडीह सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय सिंह व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

---

† छापी नहीं गयी।

5-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत ढोढेपुर, बकियापुर, पकवानगांव, डिक्सिर सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में डॉ0 ई0वी0 सिंह व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका,

6-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत तरबगंज, करनीपुर, रानीपुर, चौबेपुर सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अश्विनी मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका तथा

7-जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज मुख्यालय से विजय नगर सम्पर्क मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कमलेश पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका।

श्री बम्बा लाल, सदस्य विधान सभा की जनपद-उन्नाव से सम्बन्धित 06 याचिकाएं†

श्री बम्बा लाल, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड सफीपुर के ग्राम सभा अशरफाबाद एवं विकास खण्ड मियांगंज के ग्राम सभा अकबरपुर में बारात घर बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री विकास त्रिपाठी व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

2-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड औरास के ग्राम सभा मजरा गंगादीन खेड़ा सिंगारमऊ में बारात घर का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम नरेश यादव व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

3-जनपद उन्नाव के हैदराबाद से नवई बुजुर्ग रोड सहबसी तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मैकू प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

4-जनपद उन्नाव के ग्राम सभा गौरियाकला तथा मांखी में गौ-शाला का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मन मोहन मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

5-जनपद उन्नाव के ग्राम सलेमपुर में श्री राम स्वरूप प्रधान के घर से बल्देव खेड़ा तक श्री प्रकाश की चक्की के निकट तक आर0सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मोहित राठौर व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका तथा

6-जनपद उन्नाव के बनौनी से रामपुर तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अंकित विमल व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की जनपद-इटावा से सम्बन्धित 02 याचिकाएं तथा जनपद-रायबरेली से सम्बन्धित 04 याचिकाएं†

श्री मनोज कुमार पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद इटावा में कचौरा घाट मार्ग पर स्थित ग्राम जसोहन में कचौरा घाट रोड से पथरी बाबा मन्दिर तक जर्जर रोड की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री श्याम सिंह, निवासी जनपद इटावा की याचिका,

2-जनपद इटावा में रंगरेजन टोला, छैराहा स्थित सरकारी नाले पर दबंगों द्वारा किये गये कब्जे को हटवाये जाने के सम्बन्ध में याचिका,

3-जनपद रायबरेली की नगर पालिका परिषद् में व्याप्त भ्रष्टाचार व घोटालों की निष्पक्ष जांच कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमिताभ पाण्डेय, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका,

4-जनपद रायबरेली में अमृत योजना के तहत स्वच्छ पेयजल योजना एवं शहरी सीवर लाइन में हुए घोर भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमिताभ पाण्डेय, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका,

5-जनपद रायबरेली शहर में वार्ड नं0-3 में स्थित कांशीराम कालोनी की देखभाल को नगर पालिका के अन्तर्गत करने के सम्बन्ध में श्री अमिताभ पाण्डेय, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका तथा

6-जनपद रायबरेली के वार्ड नं0-2 के अन्तर्गत अहियारापुर में शिवजी मन्दिर के सामने से श्री सुनील सोनकर के घर तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमिताभ पाण्डेय, निवासी जनपद रायबरेली की याचिका।

श्री मानवेन्द्र सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद-शाहजहाँपुर से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री मानवेन्द्र सिंह, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद शाहजहाँपुर के एमनजई जलालनगर रेलवे स्टेशन के सामने स्थित बिल्डिंग को जिला प्रबन्धक यू0पी0 एग्रो इण्डस्ट्रियल कारपोरेशन लिमिटेड, शाहजहाँपुर, उप निदेशक विद्युत सुरक्षा, शाहजहाँपुर एवं अन्य द्वारा किये गये अवैध कब्जे को मुक्त कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती निलोफर खान व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहाँपुर की याचिका व्यपगत हुई।

श्री मूलचन्द्र सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद-जालौन से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री मूलचन्द्र सिंह, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

---

† छापी नहीं गयी।

1-जनपद जालौन के अन्तर्गत बंगरा रेंढर परावर होकर मध्य प्रदेश सीमा तक मार्ग का चौड़ीकरण कर पुनः निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेश पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

2-जनपद जालौन के अन्तर्गत कोंच नगर में पहाड़गांव रोड से कोंच एट रोड तक बाईपास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुनील लोहिया व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

3-जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र माधौगढ़ के अन्तर्गत विकास खण्ड रामपुरा में 220 के0वी0ए0 विद्युत केन्द्र बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री अरुण गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका,

4-जनपद जालौन के अन्तर्गत एट बंगरा भीकेपुर स्टेट हाई-वे, 152 का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भरत भदौरिया व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका तथा

5-जनपद जालौन के विकास खण्ड रामपुरा के ग्राम जायघा में राजकीय हाई स्कूल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शत्रुघन सिंह व अन्य निवासीगण जनपद जालौन की याचिका।

श्री मोहन वर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद-कुशीनगर से सम्बन्धित 03 याचिकाएं†

श्री मोहन वर्मा, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद कुशीनगर के तहसील हाटा में बस अड्डों का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय प्रताप कुशवाहा, निवासी जनपद कुशीनगर की याचिका,

2-जनपद कुशीनगर के तहसील हाटा के अन्तर्गत हाटा से देवरिया बार्डर तक जोड़ने वाली मुख्य सड़क वाया किश्तुरजा स्कूल से करमहा होते हुए देवरिया बार्डर तक मुख्य मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री उदयभान कुशवाहा व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका तथा

3-जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र हाटा के अन्तर्गत अहिरौली बाजार को नगर पंचायत बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री राम लखन वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री मो0 फईम इरफान, सदस्य विधान सभा की जनपद-मुरादाबाद से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री मो0 फईम इरफान, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद मुरादाबाद के तहसील बिलारी के अन्तर्गत ग्राम तुरखेड़ा में चन्द्रपाल के मकान से अनोखे दिवाकर के मकान तक और साबिर के मकान से शकील के मकान तक सड़क की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री फिरोज मलिक, निवासी जनपद मुरादाबाद की याचिका,

2-जनपद मुरादाबाद/सम्भल के तहसील बिलारी व चन्दौसी के अन्तर्गत ग्राम बेरनी से ग्राम फिराजपुर बौंड़ा तक सड़क का मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामवीर सिंह, निवासी जनपद सम्भल की याचिका,

3-जनपद मुरादाबाद के तहसील बिलारी के अन्तर्गत ग्राम जरगांव, चन्दौसी मार्ग पर स्थित बरोली रुस्तमपुर गांव के बस अड्डे से गफ्फार हुसैन के मकान तक सड़क का रास्ता बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री गफ्फार, निवासी जनपद मुरादाबाद की याचिका,

4-जनपद मुरादाबाद के तहसील बिलारी के अन्तर्गत ग्राम विजयपुर में प्राथमिक विद्यालय से विजय सिंह के मकान तक सड़क बनाये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती सोमवती, निवासी जनपद मुरादाबाद की याचिका तथा

5-जनपद मुरादाबाद के तहसील बिलारी के अन्तर्गत नगर बिलारी के मोहल्ला अब्दुल्ला बाड़ा और ईदगाह रोड पर आबादी में बसे घरों के ऊपर से गुजर रही 1100 वोल्ट की हाईटेंशन लाइन को हटाने के सम्बन्ध में श्री आमिल सिद्दीकी, निवासी जनपद मुरादाबाद की याचिका।

श्री योगेश शुक्ल, सदस्य विधान सभा की जनपद-लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री योगेश शुक्ल, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद-लखनऊ नेशनल हाई-वे-24 पर मड़ियांव पुलिस स्टेशन के पास लगने वाले जाम से मुक्ति दिलाये जाने के सम्बन्ध में श्री अतुल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका व्यपगत हुई हैं।

श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य विधान सभा की जनपद-जौनपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री रमेश चन्द्र मिश्र, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

---

† छापी नहीं गयी।

1-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर में ग्राम डेहुड़ा भूला के मध्य पीली नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

2-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के ग्राम सभा गढागोपालपुर में स्थित राजकीय होम्योपैथिक अस्पताल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सन्दीप पाठक व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

3-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के ग्राम सभा मेढा में पशु अस्पताल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दीप प्रकाश व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

4-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के अन्तर्गत एन0एच0-56 से फायर स्टेशन, बस स्टेशन होते हुए नेवादा मुखलिसपुर नहर की पटरी तक चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका तथा

5-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के अन्तर्गत बटाऊवीर-मई-नौपेड़वा तक के शेष भाग का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गुप्तेश्वर शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका।

श्री रमेश जायसवाल, सदस्य विधान सभा की जनपद-चन्दौली से सम्बन्धित 02 याचिकाएं†

श्री रमेश जायसवाल, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद चन्दौली की तहसील मुगलसराय स्थित बबुरी ग्राम सभा में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को चालू कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजनरायन जायसवाल, निवासी जनपद मुगलसराय की याचिका तथा

2-जनपद चन्दौली की तहसील मुगलसराय स्थित बबुरी ग्राम सभा में विकास खण्ड बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री कालीदास त्रिपाठी व अन्य निवासीगण जनपद मुगलसराय की याचिका।

श्री रमेश सिंह, सदस्य विधान सभा की जनपद-जौनपुर से सम्बन्धित 04 याचिकाएं†

श्री रमेश सिंह, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज, विकास खण्ड खुटहन के अन्तर्गत ग्राम रसूलपुर में ग्राम प्रधान द्वारा सरकारी भूमि पर किये गये अवैध कब्जे को खाली कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अवधेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

---

† छापी नहीं गयी।

2-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज, विकास खण्ड खुटहन के अन्तर्गत सेखपुर सितौली बदलापुर के मध्य नदी पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राहुल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका,

3-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज के अन्तर्गत नगर पालिका शाहगंज में शहरी विद्युतीकरण नये सिरे से कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल मोदनवाल व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका तथा

4-जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज में बाईपास का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रदीप वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका।

श्री रवि शर्मा, सदस्य विधान सभा की जनपद-झांसी से सम्बन्धित 04 याचिकाएं†

श्री रवि शर्मा, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद झांसी महानगर के वार्ड नं0-50, बुड़ागांव गेट बाहर के विभिन्न क्षेत्रों में सड़क एवं नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री किशोरी कुशवाहा व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका,

2-जनपद झांसी महानगर के वार्ड नं0-31 में आई0टी0आई0 सिद्धेश्वरी नगर में सड़क एवं नाली का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विजय कुमार व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका,

3-जनपद झांसी महानगर के वार्ड नं0-17, पुलिया नं0-9, हँसारी, कछियाना मोहल्ले में सड़क एवं नाली निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती आशा व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका तथा

4-जनपद झांसी महानगर के वार्ड नं0-30 उन्नाव गेट के बाहर मोहल्ला पंचवटी में विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रियांशु रायकवार व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका।

श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य विधान सभा की जनपद-लखनऊ से सम्बन्धित याचिका†

श्री रविदास मेहरोत्रा, सदस्य विधान सभा की जनपद-लखनऊ के मध्य विधान सभा क्षेत्र में कतिपय सड़कें बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री शाह मो0 मूसा सुलेमानी व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका उपस्थित की हुई मानी गयी।

श्री राकेश पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की जनपद-अम्बेडकर नगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री राकेश पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

---

† छापी नहीं गयी।

1-जनपद अम्बेडकर नगर के ब्लाक जलालपुर की ग्राम पंचायत जैनापुर परूइया आश्रम से कालिका प्रसाद के घर तक एवं उसी मार्ग के मोड़ से सलाहुद्दीनपुर मार्ग तक का जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कालिका प्रसाद व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर की याचिका,

2-जनपद अम्बेडकर नगर के ब्लाक भियांव की ग्राम पंचायत में विजय नगर चौराहे से बेगीकोल तक के मार्ग का पुनः निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पंचम पाल व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर की याचिका,

3-जनपद अम्बेडकर नगर के ब्लाक भियांव के ग्राम पर्वतपुर से पीताम्बरपुर तक के सम्पर्क मार्ग का पुनः निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कप्तान मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर की याचिका,

4-जनपद अम्बेडकर नगर के ब्लाक भियांव की ग्राम पंचायत रन्नूगंज से छीतूनी मार्ग तक का पुनः निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शैलेन्द्र तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर की याचिका तथा

5-जनपद अम्बेडकर नगर के ब्लाक भियांव की ग्राम पंचायत रामगढ़ से डंडारी तक के सम्पर्क मार्ग का पुनः निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजीत शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर की याचिका।

श्री राजमणि, सदस्य विधान सभा की जनपद-प्रयागराज से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री राजमणि, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड कोरांव में एक नया विकास खण्ड बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री हरीकृष्ण द्विवेदी व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

2-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड कोरांव में बड़ोखर से चिराव मार्ग पर पुलिया का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

3-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड कोरांव में राजकीय महिला चिकित्सालय की भूमि की पैमाईश, बाउण्ड्रीवाल बनवाने एवं चिकित्सक की नियुक्ति कराये जाने के सम्बन्ध में श्री नरसिंह केशरी व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका,

4-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड कोरांव में बड़ोखर में सौभाग्य योजना के तहत एप्रूव गांवों के विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजीत प्रताप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका तथा

---

† छापी नहीं गयी।

5-जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड कोरांव के बेलन नदी में ग्राम भोगन तथा लौवा कोन के बीच लिफ्ट लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री जमुना प्रसाद मिश्र व अन्य निवासीगण जनपद प्रयागराज की याचिका।

श्री राजेश त्रिपाठी, सदस्य विधान सभा की जनपद-गोरखपुर से सम्बन्धित याचिका†

श्री राजेश त्रिपाठी, सदस्य विधान सभा की जनपद-गोरखपुर की गोला तहसील के अन्तर्गत ब्लाक उरूवा में टाड़ी सहित दर्जनों गांव की जल निकासी के सम्बन्ध में श्री दुर्गेश दूबे व अन्य निवासीगण जनपद गोरखपुर की याचिका उपस्थित की हुई मानी गयी।

श्री राम अचल राजभर, सदस्य विधान सभा की जनपद-अम्बेडकर नगर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं†

श्री राम अचल राजभर, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद अम्बेडकर नगर के विकास खण्ड अकबरपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा दाउदपुर में महेन्द्र वर्मा की दुकान से राजेश राजभर दाउदपुर के घर तक जर्जर सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश राजभर व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर की याचिका तथा

2-जनपद अम्बेडकर नगर के विकास खण्ड अकबरपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा सिकरोहर में राजाराम गौड़ के घर से बढ़ईपुर तक जर्जर सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजय गौतम व अन्य निवासीगण जनपद अम्बेडकर नगर की याचिका।

श्री राम फेरन, सदस्य विधान सभा की जनपद-श्रावस्ती से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री राम फेरन, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड-जमुनहा में ग्राम रामपुर बस्ती में मजरा पेड़नहवा पक्की रोड से हजरत अली के खेत से परसोहनी व लमबुइया को जोड़ते हुए पसियनपुरवा पक्की रोड तक पिच रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम नरायन सिंह व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका,

2-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड-इकौना में खरगूपुर मार्ग पर खर्च वीरान पिच रोड से छःडगरा होते हुए उमाशंकर मिश्र पुरवा तेलियनपुरवा के मध्य सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिव कुमार शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका,

3-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड-गिलौला के अन्तर्गत बहराइच-भिनगा मार्ग के वैभी अकारा में नहर के किनारे से जोगिया सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिव कुमार व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका,

---

† छापी नहीं गयी।

4-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड-गिलौला के अन्तर्गत ग्राम कुरबेनी से मीरामऊ बार्डर तक सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राना प्रताप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका तथा

5-जनपद श्रावस्ती के विकास खण्ड-जमुनहा के अन्तर्गत महादेवा सलारपुर मार्ग से देवरा ग्राम सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमर श्रीवास्तव व अन्य निवासीगण जनपद श्रावस्ती की याचिका।

श्री राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, सदस्य विधान सभा की जनपद-रायबरेली से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकायें उनकी अनुपस्थिति में व्यपगत हुईं :-

1-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र हरचन्दपुर के ग्राम सभा हरीपुर मिर्दहा विकास खण्ड खीरो में अतहर मार्ग से ग्राम पसिन का पुरवा में देश राज के घर तक सी0सी0 रोड एवं नाली का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री श्यामपाल पासवान निवासी जनपद रायबरेली की याचिका,

2-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र हरचन्दपुर के ग्राम सभा दुकनहा के गाम अहिलवा में बिन्दा प्रजापति के घर से सहदेव यादव के घर तक 1 कि0मी0 सी0सी0 रोड बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री दिलीप यादव निवासी जनपद रायबरेली की याचिका,

3-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र हरचन्दपुर के ग्राम सभा मेडौली में राजा राम के घर से अजय मिश्रा के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शत्रोहन लोधी निवासी जनपद रायबरेली की याचिका,

4-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र हरचन्दपुर के ग्राम सभा हरीपुर मिर्दहा विकास खण्ड खीरो में ग्राम सुन्दरिया खेडा में हीरालाल पासी के घर से प्राथमिक विद्यालय तक सी0सी0 रोड निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मक्कू लोधी निवासी जनपद रायबरेली की याचिका तथा

5-जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र हरचन्दपुर के ग्राम सभा हरीपुर मिर्दहा में नसीम के दरवाजे से लेकर कल्लू कुरील के घर तक नाले का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री असलम निवासी जनपद रायबरेली की याचिका।

श्री विकास गुप्ता, सदस्य विधान सभा की जनपद-फतेहपुर से सम्बन्धित 02 याचिकाएं†

श्री विकास गुप्ता, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित 02 याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

---

† छापी नहीं गयी।

1-जनपद फतेहपुर के विकास खण्ड तेलियानी में श्री रामबाबू अग्रहरि के मकान के बगल से श्यान डिग्री कालेज गोपाल नगर तक के मार्ग का नव-निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री गौरव गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद फतेहपुर की याचिका तथा

2-जनपद फतेहपुर के अयाहशाह के महमदपुर शाह ब्लॉक बहुआ में ए0एन0एम0 सेन्टर की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शशिभूषण सिंह व अन्य निवासीगण जनपद फतेहपुर की याचिका।

श्री विनोद चतुर्वेदी, सदस्य विधान सभा की जनपद-जालौन से सम्बन्धित 04 याचिकाएं†

श्री विनोद चतुर्वेदी, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद जालौन के विकास खण्ड कदौरा में कतिपय स्थानों पर ट्यूबवेल लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री राम सिंह निवासी जनपद जालौन की याचिका,

2-जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी में लोक निर्माण विभाग खण्ड-01 के अधिशाषी अभियन्ता द्वारा किये गये भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनोज चतुर्वेदी निवासी जनपद जालौन की याचिका,

3-जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी में पाल सरेनी पर यमुना नदी पर बन रहे पुल का निर्माण कार्य पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री यदुनाथ तिवारी निवासी जनपद जालौन की याचिका तथा

4-जनपद जालौन के विधान सभा क्षेत्र कालपी में पाल सरेनी की यमुना नदी पर बन रहे पुल का निर्माण कार्य पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री यदुनाथ यादव निवासी जनपद जालौन की याचिका।

श्री विवेकानन्द पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की जनपद-कुशीनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री विवेकानन्द पाण्डेय, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के अन्तर्गत कटाई भरपुरवा में सुगम स्वास्थ्य सेवा के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जय प्रकाश गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका,

2-जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के अन्तर्गत नगर पंचायत छितौनी में बन्द पड़ी शुगर मिल चालू कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रभाकर पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका,

---

† छापी नहीं गयी।

3-जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के अन्तर्गत बरवा रतनपुर का प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं महिला चिकित्सालय को चालू कराने व जर्जर एवं परित्यक्त भवन के नव-निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री पवन राव व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका,

4-जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के अन्तर्गत नौरंगिया में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ब्रजेश मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका तथा

5-जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के अन्तर्गत रायपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुनिल कुमार दुबे व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका।

श्री विरेन्द्र कुमार यादव, सदस्य विधान सभा की जनपद-गाजीपुर से सम्बन्धित 07 याचिकाएं (व्यपगत)†

श्री विरेन्द्र कुमार यादव, सदस्य विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा चिकताजुद्दीन में महेन्द्र यादव के घर से रामभरोसे के घर तक इण्टरलॉकिंग सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राधेमुनि यादव निवासी जनपद गाजीपुर की याचिका,

2-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत गाम सभा पृथ्वीपुर में सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में श्री हरिवंश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका,

3-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा अरसदपुर में सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में श्री ब्रिजेश यादव व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका,

4-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा नसरिउद्दीनपुर में सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में श्री सुनील यादव व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका,

5-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा सुलेमापुर में सी0सी0 रोड निर्माण के सम्बन्ध में श्री शिवमुनी पासी व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका,

---

† छापी नहीं गयी।

6-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा खजुहां में सी0सी0 रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सच्चिदानन्द यादव व अन्य निवासीगण जनपद गाजीपुर की याचिका तथा

7-जनपद गाजीपुर के विधान सभा क्षेत्र जंगीपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा सहादतपुर पचला में मुख्य मार्ग से रामदास के घर तक सी0सी0 रोड निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हवलदार यादव निवासी जनपद गाजीपुर की याचिका।

श्री श्रीकान्त कटियार, सदस्य विधान सभा की जनपद-उन्नाव से सम्बन्धित 32 याचिकाएं†

श्री श्रीकान्त कटियार, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ के अन्तर्गत विकास खण्ड गंजमुरादाबाद की ग्राम पंचायत भिखारीपुर पतसिया के मजरा भगवन्तपुरवा में शिवनरायन के घर से बदलीपुरवा तक नवीन डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम सच्चे व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

2-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ के परिसर में लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री जयपाल सिंह पटेल व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

3-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ के अन्तर्गत बांगरमऊ में रिंग रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सन्दीप बाजपेई व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

4-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड बांगरमऊ की ग्राम सभा धन्ना पुरवा, नयापुरवा मजरा कटरी गदनपुर आहार से सेतुवाही तक गंगा जी का उपधारा का कटान रोकने हेतु बांध का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पप्पू व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

5-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड गंजमुरादाबाद के ग्राम बेहटा मुजावर में बांगरमऊ सण्डीला मार्ग से सल्हाखेड़ा तक नवीन डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राघवेन्द्र सिंह प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

6-जनपद उन्नाव की ग्राम पंचायत पखरापुर विकास खण्ड एफ-84 में बारातघर निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री पुत्ती लाल गौतम व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

7-जनपद उन्नाव की ग्राम पंचायत आंबापारा के विकास खण्ड गंजमुरादाबाद में बारातघर बनवाने के सम्बन्ध में श्री रणविजय व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

---

† छापी नहीं गयी।

8-जनपद उन्नाव की ग्राम पंचायत अतरधनी के मजरा नगर विकास खण्ड बांगरमऊ में बारातघर निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री महेश व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

9-जनपद उन्नाव की ग्राम पंचायत दरौली विकास खण्ड सफीपुर में बारातघर निर्माण करवाने के सम्बन्ध में श्री देवेन्द्र शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

10-जनपद उन्नाव की ग्राम पंचायत हरियावर विकास खण्ड बांगरमऊ में बारातघर निर्माण कराने के सम्बन्ध में श्री विनोद प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

11-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ में उच्च प्राथमिक विद्यालय मो0-प्रेमगंज स्थित सरोजनी नगर बांगरमऊ में बाउण्ड्रीवाल व शौचालय निर्माण के सम्बन्ध में श्री जयपाल सिंह पटेल व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

12-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड एफ-84 में काली मिट्टी नवोदय विद्यालय के पास से रोड के किनारे मन्साराम के मकान से रामकृष्णा के मकान के पास तालाब तक नाला निर्माण के सम्बन्ध में श्री विश्राम कुरील व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

13-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड गंजमुरादाबाद में कतिपय मार्गों का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अरविन्द सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

14-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड गंजमुरादाबाद में कुंशी से नानामऊ तक पुल का डामरीकरण कराये जाने व कतिपय मार्गों का नवीन डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अरविन्द सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

15-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड बांगरमऊ के विकास खण्ड एफ-84 में कतिपय मार्गों का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विवेक व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

16-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड गंजमुरादाबाद की ग्राम पंचायत अबैक में विवेकानन्द इण्टर कालेज से माखनखेड़ा तक मार्ग का चौड़ीकरण कराने के सम्बन्ध में श्री जयपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

17-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड एफ-84 में काली मिट्टी उन्नाव रोड से रेलवे अण्डर पास होते हुए मिट्ठू खेड़ा तक डामर रोड की मरम्मत के सम्बन्ध में श्री विश्राम कुरील व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

18-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड गंजमुरादाबाद की ग्राम पंचायत महोलिया से तेरवा जहगीराबाद माइनर पुलिया तक रोड की मरम्मत के सम्बन्ध में श्री जितेन्द्र कुमार व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

19-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड गंजमुरादाबाद में गोपीखेड़ा सम्पर्क मार्ग से महावीर बाबा मन्दिर होते हुए ग्राम अरगूपुर नौसहरा सम्पर्क मार्ग तक नवीन डामरीकरण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री सन्दीप सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

20-जनपद उन्नाव की नगर पालिका बांगरमऊ के मोहल्ला पटेल नगर में मकानों के ऊपर से निकली 11000 वोल्टेज की लाईन को हटवाने के सम्बन्ध में श्री लालजी पटेल व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

21-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड बांगरमऊ की ग्राम पंचायत शादीपुर में 35 के0वी0ए0 का ट्रान्सफार्मर लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री पुजारी व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

22-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड एफ-84 ग्राम पंचायत खानपुर बिचौली के मजरा अल्लीपुर में बारातघर बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री सोहनलाल प्रधान व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

23-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड गंजमुरादाबाद की ग्राम पंचायत बेहटा मुजावर से काशीराम खेडा तक विद्युत पोल व लाईन बदले जाने के सम्बन्ध में श्री शिवमूर्ती मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

24-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड बांगरमऊ में लखनऊ रोड रेलवे क्रासिंग के पास बाला देवी मन्दिर के प्रांगण में कई टूटे पड़े पोलों को ठीक कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पुजारी भगवानदास व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

25-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड गंजमुरादाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं को बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में श्री रामनरेश कुशवाहा व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

26-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड बांगरमऊ की ग्राम पंचायत अरगूपुर के मजरा गनीपुर में राजकीय नलकूप लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री अवनीश तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

27-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड गंजमुरादाबाद के ग्राम काशीराम खेड़ा के पास ब्योली माइनर की पुलिया के नवनिर्माण के सम्बन्ध में श्री शिवराज आर्य व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

28-जनपद उन्नाव के गंजमुरादाबाद की ग्राम पंचायत भटौली के पास ब्योली माइनर की पुलिया के नव निर्माण के सम्बन्ध में श्री शिवमूर्ती मिश्र व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

29-जनपद उन्नाव के गंजमुरादाबाद के ग्राम कलवारी महमदाबाद के पास शारदा नहर पर पुराने पुल की जगह नये पुल का नव-निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रावेन्द्र सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

30-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड एफ-84 के सामुदायिक स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं को बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में श्री अतुल मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका,

31-जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बांगरमऊ के अन्तर्गत नेवल जगटापुर में स्थित प्रसिद्ध ऐतिहासिक बौद्ध स्थल का सौन्दर्यीकरण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री रामनाथ कनौजिया व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका तथा

32-जनपद उन्नाव के विकास खण्ड बांगरमऊ के ग्राम सेतुवाही से बेरियागाडा मोड़ तक नवीन डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुरेश निषाद व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका।

श्री सुरेन्द्र चौरसिया, सदस्य विधान सभा की जनपद-देवरिया से सम्बन्धित 05 याचिकाएं†

श्री सुरेन्द्र चौरसिया, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद देवरिया के विधान सभा क्षेत्र रामपुर कारखाना के अन्तर्गत महुआनी चौराहा आमघाट पुल से बिहार बार्डर तक सड़क के चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अर्जुन चौरसिया व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया की याचिका,

2-जनपद देवरिया के विधान सभा क्षेत्र रामपुर कारखाना के अन्तर्गत कृषि विश्वविद्यालय बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री रामदेव यादव व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया की याचिका,

3-जनपद देवरिया के विधान सभा क्षेत्र रामपुर कारखाना के अन्तर्गत कमधेनवा में छोटी गण्डक नदी पर सेतु निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रवीन्द्र पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया की याचिका,

4-जनपद देवरिया के विधान सभा क्षेत्र रामपुर कारखाना के अन्तर्गत गौर कोठी से रामनगर टोला से मुजहाना लाला चकिया गोदाम तक पिच सड़क बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री शशिभूषण मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया की याचिका तथा

5-जनपद देवरिया के विधान सभा क्षेत्र रामपुर कारखाना के अन्तर्गत भरहे चौरा हरिजन बस्ती से कुर्मी टोला तक पिच सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुभाष पटेल व अन्य निवासीगण जनपद देवरिया की याचिका।

---

† छापी नहीं गयी।

श्रीमती सरोज सोनकर, सदस्य विधान सभा की जनपद-बहराइच से सम्बन्धित 03 याचिकाएं†

श्रीमती सरोज सोनकर, सदस्य विधान सभा की निम्नलिखित याचिकाएं उपस्थित की हुई मानी गयीं :-

1-जनपद बहराइच के विकास खण्ड मेहींपुरवा की ग्राम सभा सर्राकला के भादापुरवा में 02 कि0मी0 ठोकर निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ब्रजेश गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

2-जनपद बहराइच के विकास खण्ड मेहींपुरवा के कारीकोट नामक पौराणिक मन्दिर परिसर में बाउण्ड्रीवाल अतिथिगृह यज्ञशाला व मन्दिर के चारों तरफ लाईट, शौचालय, स्नानघर व पेयजल की व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रंजीत कौर व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका तथा

3-जनपद बहराइच की तहसील मिहींपुरवा के विकास खण्ड बलहा में ग्राम महोली शेरखां के ग्राम सरैया तक 01 कि0मी0 ठोकर मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजू सोनकर व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका।

श्री अध्यक्ष-

मद सं0-65 में कुछ नहीं है। अब मद सं0-66

[07:55] कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष-

उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्य-मंत्रणा ने अपनी दिनांक 27 मई, 2022 की बैठक में निम्नलिखित सिफारिशें की हैं :-

1-दिनांक 28 मई, 2022 को प्रश्नकाल न हो।

2-दिनांक 30 मई, 2022 को निधन के निर्देश अर्थात् निधन की सूचनायें ली जायें।

3-दिनांक 28 मई, 2022 को पुरःस्थापित होने वाले निम्नलिखित विधेयकों के विचार एवं पारण सम्बन्धी मदें दिनांक 30 मई, 2022 को ले ली जायें :-

1-उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास (संशोधन) विधेयक, 2022

2-उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2022

3-उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2022

4-दिनांक 28, 30 एवं 31 मई, 2022 को नियम-56 की सूचनाएं न ली जायें। तद्नुसार दिनांक 28 मई, 2022 से 31 मई, 2022 तक का कार्यक्रम निम्नवत् रखा जाय :-

<u>मई, 2022</u>

28 शनिवार	वित्तीय वर्ष 2022-2023 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा।
29 रविवार	बैठक नहीं होगी।
30 सोमवार	1-वित्तीय वर्ष 2022-2023 के आय-व्ययक पर साधारण चर्चा। 2-निधन के निर्देश अर्थात् निधन की सूचनायें।

31 मंगलवार 1-वित्तीय वर्ष 2022-2023 के आय-व्ययक के अनुदानों की मांगों पर विचार एवं मतदान।

2-03:00 बजे अपराह्न

उत्तर प्रदेश विनियोग विधेयक, 2022 का सदन की अनुज्ञा से पुरःस्थापन, उस पर विचार एवं उसका पारण।

संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूँ कि ये सदन कार्य-मंत्रणा की सिफारिश से जिसकी सूचना आज श्री अध्यक्ष जी द्वारा सदन में दी गयी है, सहमत है।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने जो प्रस्ताव किया है, उससे ये सदन सहमत है ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ)

दिनांक 01-05-2022 को जनपद-चन्दौली में घटित घटना के सम्बन्ध में व्यवस्था का प्रश्न (क्रमागत)

संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, सुबह एक सूचना आपने दी थी, उसकी सूचना आ गयी है, चाहे तो आपको बता देंगे।

श्री अध्यक्ष-

जी हां, आपने मांगी थी।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

जो विषय आपने उठाया था बता दें कि उसमें एक मुकदमा-119/2022, धारा-323, 452, 304 में पंजीकृत हो गया है, ये आपकी जानकारी में भी है। इसमें वीडियोग्राफी करायी गयी है और तीन डॉक्टर्स के पैनल बनाकर पोस्टमार्टम भी हुआ है। इसमें विवेचना सी0बी0सी0आई0डी0 कर रही है और 10 मई को यह केस सी0बी0सी0आई0डी0 को ट्रान्सफर हो गया। इसमें विसरा प्रिजर्व है, विसरा की रिपोर्ट आने के बाद इसमें अग्रिम कार्यवाही होगी।

[07:58] उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास (संशोधन) विधेयक, 2022†

औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एन0आर0आई0 तथा निवेश प्रोत्साहन मंत्री (श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी')-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास (संशोधन) विधेयक, 2022 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा मांगता हूँ।

---

† दिनांक 06-06-2022 के असाधारण गजट के विधायी परिशिष्ट में छपा है।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास (संशोधन) विधेयक, 2022 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा दी जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं स्वीकृत हुआ)

श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास (संशोधन) विधेयक, 2022 को पुरःस्थापित करता हूँ।

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2022†

संसदीय कार्य, वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2022 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा मांगता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2022 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा दी जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं स्वीकृत हुआ)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2022 को पुरःस्थापित करता हूँ।

उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2022†

संसदीय कार्य, वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2022 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा मांगता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2022 को पुरःस्थापित करने हेतु सदन की अनुज्ञा दी जाये ?

(प्रश्न उपस्थित किया गया एवं स्वीकृत हुआ)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपकी अनुज्ञा से उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2022 को पुरःस्थापित करता हूँ।

---

† दिनांक 06-06-2022 के असाधारण गजट के विधायी परिशिष्ट में छपा है।

[08:00] नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

आज दिनांक 28-05-2022 को नियम-51 के अन्तर्गत 104 सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिनमें से 21 माननीय सदस्यों की सूचनायें स्वीकार हुईं।

पहली सूचना श्री रमेश की जनपद जौनपुर में कोल्ड स्टोर शुरू किये जाने के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना श्री राम खिलाड़ी सिंह की दृष्टान्त पत्रिका के सम्पादक के विरुद्ध कार्यवाही कराये जाने के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री लक्ष्मीराज की जनपद सिकन्द्राबाद के औद्योगिक क्षेत्र में सड़क व नालों को यू0पी0एस0आई0डी0सी0 को सुपुर्द किये जाने के सम्बन्ध में है, तथा चौथी सूचना श्री योगेश वर्मा की जनपद खीरी में अधूरे पुल के निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है जो वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई।

पहली सूचना श्री जय प्रकाश निषाद की जनपद देवरिया में विद्युत सप्लाई न मिल पाने के सम्बन्ध में है जो केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई। दूसरी सूचना श्री आशुतोष शुक्ल की जनपद उन्नाव में टूटी हुई पुलिया से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री सन्दीप सिंह की जनपद प्रयागराज में प्रसव केन्द्र में गेट न होने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्री प्रभु नारायण सिंह यादव की जनपद सोनभद्र में वन अधिकारियों द्वारा किये जा रहे मा0 उच्च न्यायालय के आदेश के उल्लंघन के सम्बन्ध में है, पांचवी सूचना श्री समरपाल सिंह की जनपद अमरोहा में मार्ग को पक्का करने के सम्बन्ध में है, छठी सूचना श्री अनिल कुमार त्रिपाठी की जनपद सन्तकबीरनगर में बाढ़ की समस्या के समाधान हेतु बांध का निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में है, सातवीं सूचना श्री तुफानी सरोज की जनपद जौनपुर में जर्जर विद्युत लाईन से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, आठवीं सूचना श्री बेदी की जनपद गाजीपुर में ब्लाक लेखाकार द्वारा हो रहे अनुचित व्यवहार के सम्बन्ध में है, नौवीं सूचना श्री नागेन्द्र सिंह राठौर की जनपद फर्रुखाबाद के कमालगंज में बाई-पास बनाये जाने के सम्बन्ध में है, दसवीं सूचना श्रीमती इन्द्राणी देवी की जनपद श्रावस्ती में सड़क व पुलिया निर्माण के सम्बन्ध में है, ग्यारहवीं सूचना श्रीमती सरोज सोनकर की जनपद बहराइच में बाढ़ से बचने के लिए पक्की ठोकरें बनाये जाने के सम्बन्ध में है, बारहवीं सूचना श्री राजेश त्रिपाठी की जनपद गोरखपुर के चिल्लूपुर विधान सभा क्षेत्र में बने फोर लेन हाई-वे के किनारे जल निकासी हेतु नाले के बनने के कारण गांवों को बरसात के पानी से डूबने से बचाने के सम्बन्ध में है, तेरहवीं सूचना श्री बावन सिंह की जनपद लखनऊ में सड़क व तालाब का जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौदहवीं सूचना श्री राकेश कुमार गोस्वामी की एस0आई0टी0एम0 लखनऊ द्वारा श्रीमती रंजना के जून, 2018 को कॉलेज छोड़ने उपरान्त भी उन्हें रिलीव न करके उनके प्रमाण-पत्रों के साथ पी0सी0आई0 यूजर आईडी का दुरुपयोग किये जाने से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, पन्द्रहवीं सूचना श्री जवाहर लाल राजपूत की जनपद झांसी में दिनांक 14-01-2022 को हुए हत्याकाण्ड में कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में है, सोलहवीं सूचना श्री राजपाल सिंह बालियान की जनपद

मुजफ्फरनगर में बुढ़ाना पंचायत के विकास अधिकारियों की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है, सत्रहवीं सूचना श्री लाल जी वर्मा की जनपद अम्बेडकरनगर ग्राम सभा को नगर पंचायत बनाये जाने के सम्बन्ध में है, जो ध्यानाकर्षण हेतु स्वीकृत हुई।

निम्नलिखित माननीय सदस्यों की सूचनाएं अस्वीकार की गईं-

श्री मुकेश वर्मा, श्री जय कुमार जैकी, श्री प्रदीप कुमार सिंह, इं0 सचिन यादव, श्री मो0 हसन 'रूमी', श्री ओम प्रकाश, डॉ0 सुनील पटेल, डॉ0 आर0के0 वर्मा, श्री अमिताभ बाजपेयी, श्री प्रसन्न कुमार, श्री राकेश पाण्डेय, श्री संग्राम सिंह, इं0 बृजेश कठेरिया, श्री श्रीकान्त कटियार, श्री उमाशंकर सिंह, श्री पंकज मलिक, श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री राम अचल राजभर, श्री राम सिंह, श्री हाकिम लाल बिन्द, श्री शाहिद मंजूर, श्री जियाउर्रहमान, श्री जय प्रकाश अंचल, श्री चन्द्र प्रकाश, श्री फरीद महफूज किदवई, श्री आशु मलिक, श्री अतुल प्रधान, श्री रफीक अन्सारी, श्री राजेन्द्र चौधरी, श्रीमती विजमा यादव, श्री विनोद शंकर अवस्थी, श्री वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री अनिल कुमार, डॉ0 मुकेश वर्मा, श्री राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री अब्बास अंसारी, श्री पूरन प्रकाश, श्री मनोज कुमार पाण्डेय, श्री देवेन्द्र निम, श्री राजीव सिंह उर्फ 'बब्बू भैया', श्री जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, प्रो0 श्याम बिहारी लाल, श्री अरविन्द गिरि, श्री राजीव तरारा, श्री कृष्णा पासवान, श्री राजेन्द्र सिंह पटेल, डॉ0 एम0पी0 आर्य, श्री मनोज कुमार पारस, श्री बम्बा लाल, श्री स्वामी ओउमवेश, श्री वीर विक्रम सिंह, श्री अभय सिंह, डॉ0 डी0सी0 वर्मा, श्री रानी पक्षालिका सिंह, श्री अनिल पाराशर, श्री ब्रजभूषण राजपूत 'गुड्डू भैया', श्री पंकज गुप्ता, श्री राम अवतार सिंह, श्री तसलीम अहमद, श्री वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री मनीष कुमार उर्फ मन्टू, श्री अखिलेश, इं0 सरवन कुमार निषाद, श्री मो0 फईम इरफान, डॉ0 नीरज बोरा, श्री राकेश प्रताप सिंह, श्रीमती जयदेवी, श्री अरविन्द गिरी, श्री प्रदीप यादव, श्री अशरफ अली खान,

श्री विनय प्रकाश गौड़, श्री रमेश जायसवाल, डॉ0 सुरभी, श्री रमेश चन्द्र मिश्र, श्री असीम कुमार, श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री जियाउद्दीन रिजवी, श्री धर्मराज सिंह यादव 'सुरेश यादव', श्री चन्दन चौहान, श्री नन्द किशोर गुर्जर, श्री मनीष रावत, श्री कैलाश नाथ शुक्ल, तथा

डॉ0 अनिल कुमार मौर्य-

(कई सदस्यों द्वारा खड़े होकर आग्रह करने पर कि उनकी भी सूचनायें नियम-51 में ले ली जायें)

श्री अध्यक्ष-

इसमें बहुत लोगों की सूचनायें थीं, आज की सूचनायें ले ली गयी हैं। आप लोग बैठिये इससे ज्यादा सूचनायें नहीं ली जा सकती हैं। अब आप बैठ जायें।

श्री पूरन प्रकाश-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरी भी सूचना ले लिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

आप बैठ जाइये। हम देख लेते हैं।

[08:07] जनपद-फिरोजाबाद में दिव्यांगजनों को बैटरी चालित मोटराइज रिक्शा प्रदान कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनीष असीजा द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर दिव्यांग जन सशक्तीकरण मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य, वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि माननीय सदस्य द्वारा बैटरी चलित मोटराइज्ड रिक्शा प्रदान किये जाने का उल्लेख किया गया है, दिव्यांगजन सशक्तीकरण ...

श्री राकेश प्रताप सिंह-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है। इसे पढ़ा हुआ मान लेते हैं।

(दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[विभाग में बैटरी चलित मोटराइज्ड रिक्शा प्रदान किये जाने की कोई योजना संचालित नहीं है, अपितु उत्तर प्रदेश में दिव्यांगजनों को निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल प्रदान करने की योजना संचालित है।

2-मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल योजना के अन्तर्गत 80 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता के 16 वर्ष या 16 वर्ष से अधिक के दिव्यांगजन जो उ0प्र0 के निवासी हों, इस योजना के अन्तर्गत पात्र हैं तथा दिव्यांगजन या उसके परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय रुपये 1,80,000/- से अधिक न हो एवं वे मस्क्युलर डिस्ट्रोफी, स्ट्रोक, सेरेब्रल पालिसी, हिमोफीलिया आदि से ग्रसित हों या व्यक्ति उपर्युक्त की भांति शारीरिक स्थिति में हो, उसकी दृष्टि अच्छी हो, मानसिक स्थिति अच्छी हो, कमर के ऊपर का हिस्सा स्वस्थ हो, सम्बन्धित दिव्यांगजन मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल पर बैठ कर अपने हाथों से उपकरण का संचालन करने में सक्षम हों, पात्र हैं।

3-उक्त योजना के अन्तर्गत अनुदान की अधिकतम धनराशि मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल का वास्तविक मूल्य अथवा रुपये 25,000/- जो भी न्यूनतम हो, प्रति दिव्यांगजन अनुमन्य होगा। यदि मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल की कीमत रुपये 25,000/- से अधिक होती है, तो अनुदान की अधिकतम धनराशि रुपये 25,000/- से अतिरिक्त आने वाले का व्यय का भार स्वयं

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

लाभान्वित होने वाले व्यक्ति द्वारा वहन किया जायेगा। इसकी भरपाई विधायक निधि/सांसद निधि/सी0एस0आर0 या अन्य किसी वित्त पोषण के माध्यम से की जा सकेगी।

4-शासनादेश दिनांक 30-11-2021 के द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए पात्र लाभार्थियों को मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल से लाभान्वित किये जाने हेतु शत-प्रतिशत वित्त पोषण राज्य सरकार द्वारा किये जाने का निर्णय लिया गया। वित्तीय वर्ष 2021-22 में जनपद फिरोजाबाद को उक्त नियमावली के अन्तर्गत पात्र दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल प्रदान करने के लिए निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग ने अपने पत्र दिनांक 10-12-2021 के द्वारा रुपये 40,64,000/- आवंटित किया गया। जिलाधिकारी, फिरोजाबाद द्वारा दिनांक 13-12-2021 को मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल के क्रय हेतु गठित क्रय समिति द्वारा दिनांक 14-12-2021 को जेम पोर्टल पर निविदा आमंत्रित की गयी। दिनांक 24-12-2021 तक किसी भी फर्म द्वारा निविदा में प्रतिभाग नहीं किये जाने के कारण निविदा का विस्तार दिनांक 03-01-2022 तक किया गया। पुनः निविदा में किसी भी फर्म द्वारा प्रतिभाग नहीं किये जाने के कारण निविदा का विस्तार दिनांक 13-01-2022 तक किया गया। दिनांक 08-01-2022 को विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2022 हेतु आदर्श आचार संहिता व उसके उपरान्त उ0प्र0 विधान परिषद् के आगरा-फिरोजाबाद स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन-2022 हेतु आदर्श आचार संहिता के प्रभावी हो जाने के कारण आमंत्रित निविदा खोली नहीं जा सकी व जनपद-फिरोजाबाद के लिए आवंटित धनराशि रुपये 40,64,000/- दिनांक 24-03-2022 को समर्पित कर दी गयी।

5-मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 के आय-व्ययक में रुपये 32.56 करोड़ की धनराशि का बजट प्रावधान कराया गया है, जिसके सम्बन्ध में प्राविधानित बजट व्यवस्था के अन्तर्गत एवं उक्त से सम्बन्धित नियमावली में वर्णित प्राविधानों के अन्तर्गत नियमानुसार कार्यवाही सम्पादित की जायेगी।]

श्री मनीष असीजा-

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी को सर्वप्रथम मैं इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूँ कि माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में पहली बार उत्तर प्रदेश में दिव्यांग पात्र भाई-बहनों को 300 रुपये प्रतिमाह की पेंशन को बढ़ाकर 1000 रुपये करने का आपने काम किया है इसके लिए मैं आपके प्रति हार्दिक प्रशंसा प्रेषित करता हूँ। उसी क्रम में 80 प्रतिशत से ऊपर के ऐसे दिव्यांग भाई-बहन जिनका लगभग नीचे का धड़ा मरा हुआ होता है वह जब हाथ से रिक्शा खींचते हैं तो कभी कोई गड्ढा आ गया या कोई ऊंचाई आ गई तो बहुत ही अमानवीय स्थिति बन जाती है, उसके लिए भी माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2021-2022 के लिए राज्य सरकार ने पूर्ण धनराशि शत-प्रतिशत वित्त पोषण अपनी ओर से करते हुए पूरे प्रदेश में और उसी क्रम में हमारे फिरोजाबाद में भी 40 लाख 64 हजार रुपया भेजा था, उस प्रक्रिया के समय चुनाव

आचार संहिता लगने के कारण से वह धन वापस करना पड़ा। मैं माननीय वित्त मंत्री जी से यह अनुरोध करता हूँ कि इस वर्ष पिछले वर्ष की भांति 2022-2023 में 80 प्रतिशत दिव्यांग भाई-बहनों के लिए मोटराइज्ड रिक्शा है, उसको पिछली बार के जी0ओ0 के आधार पर शत-प्रतिशत वित्त पोषण करने की कृपा करायें।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, यह धन जैसा कि मनीष असीजा जी ने कहा कि मोटराइज्ड ट्राईसाईकिल को क्रय करने के लिए 13-12-2021 को जेम पोर्टल के माध्यम से निविदा आमन्त्रित की गई थी, 24 दिसम्बर तक किसी भी फर्म द्वारा निविदा में प्रतिभाग नहीं किया गया, इसलिए 03-01-2022 तक इसकी स्थिति बढ़ाई गई, पुनः इस निविदा में किसी ने प्रतिभाग नहीं किया। परिणाम स्वरूप इसको वापस करना पड़ा, लेकिन अब हम आश्वस्त करते हैं कि यह दिव्यांगों का प्रकरण है, इसलिए इसकी व्यवस्था दोबारा कर देंगे।

श्री मनीष असीजा-

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी, माननीय वित्त मंत्री जी और पूरी कैबिनेट को इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

जनपद-बिजनौर में चाँदपुर विधान सभा क्षेत्र ग्राम-जहानाबाद में तटबन्ध बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री स्वामी ओउमवेश द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर जल शक्ति मंत्री का वक्तव्य

श्री दिनेश-

मान्यवर, जनपद बिजनौर की तहसील चांदपुर में...

संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(वक्तव्य जल शक्ति राज्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[ग्राम जहानाबाद से ग्राम नारनोर तक का क्षेत्र गंगा नदी के बायें किनारे पर स्थित है। वर्षाकाल में नदी का जल स्तर बढ़ने पर निचले भागों में पानी फैल जाता है, परन्तु गांवों की आबादी को कोई खतरा नहीं होता है। ग्राम जहानाबाद से ग्राम नारनोर तक गांवों की बाढ़ से सुरक्षा के दृष्टिगत तटबन्ध हेतु स्थलीय सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। सर्वेक्षण कार्य पूर्ण

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

होने पर तकनीकी साध्यता पाये जाने पर विस्तृत परियोजना तैयार कर सक्षम स्तर की स्वीकृति प्राप्त करने की कार्यवाही की जायेगी।]

श्री स्वामी ओउमवेश-

मान्यवर, हजारों एकड़ जमीन किसानों की बर्बाद हो जाती है और लगभग 10 सालों से ऐसे ही होता आ रहा है, कई बार तट बांध बनवाने की बात उठायी गयी, मैंने जहानाबाद से नारनोर तक तट बान्ध बनवाने की मांग की है, लेकिन इसको पी0डब्लू0डी0 मंत्री को भेज दिया गया, जबकि इसे जल शक्ति मंत्री को जाना चाहिए था। 30 किलोमीटर का तट बांध है, 16 किलोमीटर के लिए 15 लाख रुपये आवन्टित हो चुका है और सर्वे हो चुका है। 14 किलोमीटर का सर्वे बाकी है, इसके लिए 10 लाख रुपये की मांग की गयी है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि वह 10 लाख रुपये कब भेज देंगे और कब तक तट बांध बनाने का कार्य प्रारम्भ हो जायेगा ?

श्री दिनेश-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मा0 सदस्य को बताना चाहता हूँ कि जो सर्वे हुआ है उसके मुताबिक वहां पर बांध की कोई आवश्यकता नहीं है, जो 14 किलोमीटर का एरिया रह गया है उसका सर्वे बाकी है वह करा रहे हैं यदि जरूरत पड़ेगी तो तट बांध बनाया जायेगा।

श्री स्वामी ओउमवेश-

माननीय अध्यक्ष जी, वहां पर हजारों एकड़ जमीन किसानों की बर्बाद हो रही है और यह एक साल से नहीं बल्कि 10 सालों से बर्बाद हो रही है, इसलिए यह लोक महत्व का प्रश्न है और बहुत जरूरी है, इसलिए मेरा निवेदन है कि वहां पर तट बांध बनवाया जाय तथा 10 लाख रुपए रिलीज करके सर्वे कराया जाय।

श्री अध्यक्ष-

उसका सर्वे करा लीजिये, जो रह गया है उसका सर्वे करा लिया जाय।

जनपद-बलिया में विधान सभा क्षेत्र-बांसडीह में ग्राम-कुसहर मौजा में श्री वीर कुंवर सिंह शहीद स्मारक का सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्रीमती केतकी सिंह द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर पर्यटन मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि उ0प्र0 पर्यटन विभाग द्वारा...

श्रीमती केतकी सिंह-

मान्यवर, मैं उत्तर से सन्तुष्ट हूँ, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(पर्यटन मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[प्रदेश में पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों पर पर्यटन अवस्थापना सुविधाओं का सृजन मुख्य रूप से किया जाता है। प्रश्नगत स्थल पर स्थलीय निरीक्षणोपरान्त निःशुल्क एवं निर्विवाद भूमि की उपलब्धता होने पर उक्त स्मारक का निर्माण व सौन्दर्यीकरण का कार्य कराया जायेगा।]

जनपद-बदायूं के नगर पंचायत एवं नगर पालिकाओं में नजूल की जमीनों से अवैध कब्जा हटाये जाने के सम्बन्ध में श्री राजीव कुमार सिंह बब्बू 'भइया' द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर मुख्य मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, जनपद बदायूं की समस्त निकायों की नजूल...

श्रीमती केतकी सिंह-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(मुख्य मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[भूमि/खेल के मैदान की भूमि से अवैध कब्जा हटाये जाने के सम्बन्ध में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) की अध्यक्षता में सम्बन्धित उप जिलाधिकारी एवं सम्बन्धित अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद्/नगर पंचायतों की कमेटी गठित करते हुए चिन्हित नजूल भूमि/खेल के मैदान से अवैध कब्जा हटाये जाने हेतु निर्देशित कर दिया गया है।

अतः जांच कमेटी द्वारा चिन्हांकन कर पाये गये अवैध कब्जों को मुक्त कराने के उपरान्त की गयी कार्यवाही से अवगत कराया जायेगा।]

जनपद-अम्बेडकरनगर के अकबरपुर बस डिपो का उच्चीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम अचल राजभर द्वारा नियम-51 के अन्तर्गत दी गयी सूचना पर परिवहन मंत्री का वक्तव्य

संसदीय कार्य मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मा0 सदस्य, विधान सभा द्वारा दी गई सूचना...

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

श्रीमती केतकी सिंह-

मान्यवर, इसे पढ़ा हुआ मान लिया जाय।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, इसे पढ़ा हुआ माना जाता है।

(परिवहन मंत्री का वक्तव्य संसदीय कार्य मंत्री ने दिया, जो पढ़ा हुआ माना गया)

[दिनांक 26-05-2022 के सम्बन्ध में उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम द्वारा उपलब्ध करायी गयी आख्यानुसार तहसील टाण्डा में डिपो का निर्माण कार्य गतिशील है, जिसमें सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक कार्यालय एवं डिपो कार्यशाला का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है, मात्र इण्टरलॉकिंग का कार्य लगभग 35 प्रतिशत अवशेष रह गया है तथा भवन व शेड में फिनिशिंग कार्य व खिड़कियों के शीशे आदि लगाना शेष है। माह जून, 2022 के अन्त तक डिपो कार्यशाला तथा सहायक क्षेत्रीय प्रबन्धक कार्यालय, उ0प्र0 परिवहन निगम को हैण्ड ओवर कर दिया जायेगा। यद्यपि निर्माण कार्य पूर्ण होने पर अकबरपुर डिपो का संचालन अग्रेतर टाण्डा स्थान से कराया जाना निर्णीत है, तथापि बस स्टेशन अकबरपुर यथावत् उसी स्थान पर संचालित रहेगा, यहां से क्षेत्र की जनता को परिवहन निगम की बसों से सतत् यात्रा करने की सुविधा प्राप्त होती रहेगी।]

श्री अध्यक्ष-

अब हम उठते हैं, सोमवार, पूर्वाहन 11:00 बजे पुनः बैठेंगे।

इसके बाद सदन का उपवेशन रात्रि 08 बजकर 14 मिनट पर सोमवार, दिनांक 30 मई, 2022 के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।

लखनऊ :

दिनांक : 28 मई, 2022 ई0

प्रदीप कुमार दुबे,

प्रमुख सचिव,

विधान सभा, उत्तर प्रदेश।

पी0एस0यू0पी0-एल0-270 विधान सभा (514)-02-03-2023-76 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।

नोट :- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।